

धरती से सितारों तक पहली यात्रा

# प्रॉक्सिमा का रहस्य



कुमार ल.



# धरती से सितारों तक पहली यात्रा

प्रॉक्सिमा का रहस्य  
(Earth to Centauri – The First Journey)

लेखक  
कुमार ल.

Copyright © 2018 कुमार ल.

[www.kumarlauthor.com](http://www.kumarlauthor.com)

### सर्वाधिकार सुरक्षित

केवल समीक्षाओं में सन्निहित संक्षिप्त कोटेशन और कॉपीराइट कानून द्वारा अनुमति दिए गये कुछ अन्य गैर-व्यावसायिक उपयोगों के मामलों को छोड़कर इस प्रकाशन का कोई भी हिस्सा प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, या अन्य इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक तरीकों सहित किसी भी रूप में या किसी भी तरह से, पुनः प्रस्तुत, वितरित या संचरित नहीं किया जा सकता.

यह कहानी और इसमें दर्शाए गए सभी व्यक्ति पूरी तरह काल्पनिक है.

अनुवाद - नीलिमा शोरेवाला द्वारा



## लेखक के बारे में

सौरभ (कुमार ल.) एक टैक सैवी इंजीनियर हैं और सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं. यात्राओं के शौकीन कुमार 7 भाषाओं में धाराप्रवाह बात कर सकते हैं. साइंस फिक्शन के प्रति अपने प्यार और उसी से जुड़ी पृष्ठभूमि के कारण ही वे अपनी किताबों में तकनीक को इतने जीवंत तरीके से पेश कर पाते हैं. 'धरती से सितारों तक' कुमार की पहली पुस्तक है. यह हर आयु वर्ग के लिए पढ़ने और समझने में बहुत ही आसान और मनोरंजक है. सीरीज़ की दोनों पुस्तकें - 'धरती से सितारों तक' तथा आगामी 'एलियन हंट' - भविष्य के गर्भ में मानवता के लिए क्या छिपा हो सकता है, इस बारे में एक सकारात्मक दृष्टिकोण पर आधारित हैं. एडवेंचर, रोमांच और नाटकीयता का एक संतुलित मिश्रण पेश करती ये किताबें शुरू से अंत तक पाठक को बांधे रखती हैं.

सीरीज़ की तीसरी किताब, 'ब्लैक होल: विध्वंस' पर फिलहाल काम चल रहा है.

उनसे यहाँ सम्पर्क किया जा सकता है:

Twitter@Captain\_Anara

www.facebook.com/AntarikshAnara

इंस्टाग्राम पर KumarLAuthor

अधिक जानने के लिए उनकी वेबसाइट पर जाएँ.

www.kumarlauthor.com

सौरभ (कुमार ल.) द्वारा लिखित अन्य पुस्तकें:

धरती से सितारों तक: पहली यात्रा - प्रॉक्सिमा का रहस्य

सीरीज़ का पहला उपन्यास. 1977 में छोड़े गए वॉयेजर1 का रोंगटे खड़े कर देने वाला रहस्य – जो खुलता है 140 वर्ष बाद – और तीन ग्रहों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है.

'8 डाउन' सहारनपुर पैसेंजर और अन्य कहानियाँ

बदले की आग में जलती एक औरत. घने जंगल में जीवन को बदल देने वाले पल का सामना करता एक योद्धा. सफलता से बस एक कदम दूर एक कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव. ब्रिटिश राज के दौरान एक क्रांतिकारी से सामना. एक भौतिक विज्ञानी जो सितारों को चुरा लेता है और....जॉम्बीज़!

अन्य लेखकों के साथ कहानी-संग्रह:

Visions of the Future: 11 Ultra-exciting Sci-Fi Tales (English)

## शब्दावली

प्रकाश वर्ष - प्रकाश द्वारा एक वर्ष में तय की गयी दूरी. सूरज से पृथ्वी पर जाने में प्रकाश को आठ मिनट लगते हैं. प्रकाश से तेज (एफटीएल) – सैद्धांतिक रूप से कोई भी चीज़ प्रकाश से तेज़ यात्रा नहीं कर सकती, लेकिन सभी विज्ञान कथा लेखकों का मानना है कि इस बाधा को एक दिन तोड़ा जाएगा और इंसान 'अंतरिक्ष' जैसे एफ.टी.एल स्पेसशिप से सितारों तक पहुंच पायेगा.

एल्फा सेंटॉरी और प्रॉक्सिमा सेंटॉरी - 4.2 प्रकाश वर्ष दूर स्थित पृथ्वी के सबसे करीब वाले स्टार सिस्टम. वर्तमान रॉकेटों की गति से हमें वहां पहुंचने में हजारों साल लगेंगे.

प्रॉक्सिमा बी - एक ग्रह, जिसके बारे में माना जाता है कि यह अल्फा सेंटॉरी स्टार सिस्टम में मौजूद है और जीवन का समर्थन करने के लिए उपयुक्त हो सकता है.

वॉयेजर 1 – यह 5 सितंबर, 1977 को अमेरिका के नासा द्वारा छोड़ा गया एक अंतरिक्ष प्रोब है. बाहरी सौर प्रणाली का अध्ययन करने के लिए वॉयजर कार्यक्रम का एक हिस्सा. <https://voyager.jpl.nasa.gov/>  
गोल्डन डिस्क - पृथ्वी पर जीवन के विवरणों को एलियन सभ्यताओं के साथ साझा करने के लिए वॉयजर पर रखी गयी यहाँ की ध्वनियों और तस्वीरों से उत्कीर्ण 12 इंच की सोने से मढ़ी तांबे की एक डिस्क.

<https://voyager.jpl.nasa.gov/golden-record/>

रेडियो टेलीस्कोप - अंतरिक्ष से रेडियो सिग्नल भेजने और प्राप्त करने के लिए एक विशेष एंटीना.

विद्युत चुम्बकीय तरंगें (ईएम) - विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र में तरंगें जैसे - रेडियो, माइक्रोवेव, प्रकाश इत्यादि.

Artificial Intelligence –कृत्रिम बुद्धिमत्ता - एक कंप्यूटर प्रोग्राम या एक मशीन की सोचने और सीखने की क्षमता है जिससे वह इंसानों की तरह काम सकते हैं

## विषय-सूची

[लेखक के बारे में](#)

[शब्दावली](#)

[प्रस्तावना](#)

[वर्तमान दिन, 2117 — धरती से 2.2 प्रकाश वर्ष दूर](#)

[22 वर्ष पहले, 2095 — जाइंट मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप, पुणे](#)

[22 वर्ष पहले, 2095 — सिग्नल डीकोड](#)

[2117 — जटिलताएं](#)

[22 वर्ष पहले, 2095 — योजनायें](#)

[2117 — जंप](#)

[22 वर्ष पहले, 2095 — नया स्पेसशिप 'अंतरिक्ष'](#)

[2117 — विसंगतियां](#)

[22 वर्ष पहले, 2095 — नया कैप्टन](#)

[2117 — 3.2 प्रकाश वर्ष पर संपर्क](#)

[21 वर्ष पहले, 2096 — टीम का गठन](#)

[2117 — हमला](#)

[20 वर्ष पहले, 2097 — VSSC तिरुवनंतपुरम](#)

[2117 — नतीजे](#)

[17 वर्ष पहले, 2100 — राज](#)

[2117 — रहस्योद्घाटन](#)

[13 वर्ष पहले, 2104 — संयोजन](#)

[2117 — योजना और तैयारियां](#)

[3 वर्ष पहले, 15 अगस्त 2114](#)

[2117 - 'अंतरिक्ष' की 3.5 प्रकाश वर्ष पीछे वापसी](#)

[2 वर्ष पहले, 2115 — उड़ान के लिए तैयार](#)

[2117 - 3.8 प्रकाश वर्ष दूर ट्राईस्टार्स के पास](#)

[8 माह पहले, 2116 — लॉन्च](#)

[2117 — संचार](#)

[2117 - 'नए' इंसान](#)

[2117 — प्रॉक्सिमा 'बी'](#)

[2117 — धरती पर अनुमान](#)

[2117 — इंसानी बस्ती](#)

[2117 — नये विन्यास](#)

[2117 — ताज़ा खोजें](#)

[2117 — 'दूसरों' का आगमन](#)

[2117 – किफरविस](#)

[2117 – एस्टीरॉयड](#)

[2117 – कैदी](#)

[2117 – गेम प्लान](#)

[2117 – चाल](#)

[2117 – नए दोस्त](#)

[2117 – गठबंधन](#)

[2117 – हज़रिस का इतिहास](#)

[2117 – जुड़वां सूर्य](#)

[2117 – वापसी](#)

[उपसंहार](#)

## प्रस्तावना

### 2087 – सोलर सिस्टम के पार कहीं

-----[-]-----

110 साल बीत चुके थे, जब इसे धरती से छोड़ा गया था. 60,000 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से चलते हुए यह अंतरिक्ष में अब तक 6 खरब कि.मी. का सफ़र तय कर चुका था. इसका मिशन पूरा हो चुका था. पावर सप्लाई ख़त्म हो चुकी थी और कोई भी यंत्र काम नहीं कर रहा था; 70 साल से भी ज्यादा समय से यह बिना किसी उद्देश्य के इधर-उधर भटक रहा था. सिग्नल भेजने या पाने में असमर्थ होने के कारण घर से इसका संपर्क पूरी तरह कट चुका था. अंतहीन अंतरिक्ष के घने अन्धकार के बीच अब इसके साथी थे केवल अजीबोगरीब गैसों और धूमकेतुओं को बनाने वाले बर्फीले कण.

लेकिन, कहीं कोई था.जो लगातार उस पर नज़र रखे हुए था, उसकी अनियमित गतिविधियों का हिसाब रख रहा था, यह देखने के लिए कि कहीं यह कोई खतरा तो पैदा नहीं कर देगा. यह छोटी सी चीज़ जिन लोगों को मिली थी, वे इसे समझने के लिए उत्सुक थे. उनके लिए यह बोतल में मिले संदेश की तरह थी.

वे इसे अपने जहाज़ पर ले आए और जहाज़ चल पड़ा उस ओर, जहाँ से वह आया था...



## वर्तमान दिन, 2117 – धरती से 2.2 प्रकाश वर्ष दूर

-----[-]-----

गुंबद की लाइट आ गई और सोने के कैप्सूलों में फैलते हुए धीरे-धीरे तेज़ होती गई. अनारा हमेशा की तरह जल्दी से उठ बैठी. आठ घंटों तक ज़बरदस्ती की नींद लेने के बाद अचानक यूँ जागना उसे बिलकुल पसंद नहीं था, लेकिन कई हफ्तों तक जंप साईकिलों के अभ्यास के बाद, अब धीरे-धीरे वह इसकी आदी होने लगी थी.

उसके चारों ओर, चालक दल के अन्य सदस्य भी अपने-अपने कैप्सूलों के पारदर्शी दरवाज़ों को खोलते हुए बाहर आने लगे. चारों ओर हलका-फुलका शोर था, लेकिन आम तौर पर लोग अपनी शिफ्टों की तैयारी शुरू करने के लिए अपने क्वार्टरों की ओर जा रहे थे. तभी अनारा का डिप्टी कमांडर वहां आया. कमांडर रायन ऐसे तरोताज़ा दिख रहा था, मानो अभी-अभी अपने ड्रेसिंग रूम से निकल कर आया हो. लेकिन उसकी एक खास बात यह भी थी कि वह कभी भी तनाव में दिखता ही नहीं था. सैद्धांतिक भौतिकी और सैन्य रणनीति में उसकी बैकग्राउंड एक निहायत ही अनुशासित दिमाग की उपज थी.

“गुड मॉर्निंग, कैप्टन! अच्छी नींद आई?” हर जंप के बाद वह हमेशा यही पूछता था, जबकि गुंबद में सोना अपनी मर्ज़ी से नहीं, बल्कि ज़बरदस्ती थोपा गया होता था.

“काफी अच्छी, रायन. ऑपरेशन सेंटर चले?” गुंबद से बाहर निकलते हुए अनारा ने पूछा. असल में यह कोई प्रश्न नहीं, उनका रोज़ का रूटीन था.

करीब सौ मीटर दूर ऑपरेशन सेंटर के एक लेवल तक पहुँचने में उन्हें कुछ मिनट लगे. अंदर घुसते ही दोनों को सामने कंट्रोल स्टेशन पर लेफ्टिनेंट मनीषा बैठी नज़र आई. जंप के दौरान अपने सुरक्षात्मक खोल के भीतर यह अकेला स्टेशन बचा था, जो अभी भी काम कर रहा था और यहाँ अक्सर इसी युवा फ्लाईट लेफ्टिनेंट की झूटी होती थी. यहाँ उसी का राज चलता था और यह उसे उसकी कड़ी मेहनत से मिला था. सिर्फ 25 साल की, इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट इस लड़की ने ‘भारतीय वायु सेना’ में यह पद यूँ ही नहीं हासिल कर लिया था. कैप्टन के ऑपरेशन सेंटर में दाखिल होने की आहट सुनकर उसने सर ऊपर उठाया.

“गुड मॉर्निंग, कैप्टन! यहाँ सब ठीक है. रिपोर्ट आपके स्टेशन पर है.”

“थैंक्स, लेफ्टिनेंट. लोकेशन?”

“कैप्टन, हम धरती से 2.2 प्रकाश वर्ष की दूरी पर हैं और आखिरी जंप हमें उतना ही दूर लेकर आया है, जितना हमने सोचा था. हम अब कूज़ फेज़ में हैं - वेलोसिटी है 0.01 c. जंप रिएक्टर के दोबारा चार्ज होने तक हम इसी स्पीड पर कायम रह सकते हैं.”

अनारा ने सर हिलाकर सहमति जताई और फिर वह और रायन कुछ दूरी पर बने अपने-अपने स्टेशनों की ओर बढ़ गए: अनारा कमरे के बीचों-बीच और रायन उसकी दाईं ओर. उसने अपने डिसप्ले का बटन दबाया और वह तुरंत ऑन हो गया. पूरी स्क्रीन तरह-तरह की मुश्किल संख्याओं और चार्टों से भर गयी. एक चार्ट में धरती और अपने गंतव्य के मुकाबले उसके स्पेसशिप ‘अंतरिक्ष’ की पोजीशन नज़र आ रही थी, तो दूसरे में पॉवर प्लांट के साथ शुरू होने वाले मुख्य ऑन-बोर्ड सिस्टम्स का स्टेटस दिखाई दे रहा था. इस समय ये सब हरे रंग में चमक रहे थे और अधिकतर आंकड़े ऑप्टिमम ज़ोन में थे.

“हैलो नारद!” - फिर उसने अपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को संबोधित किया. उसका नाम पूरे शिप पर मशहूर था: बिलकुल धार्मिक कहानियों वाले नारद की तरह, शिप का यह AI सारे सिस्टमों और संचार से जुड़ा था.

यह वास्तव में सब कुछ जानता था और अगर अपने इंडीग्रीटी प्रोग्राम से इसे कंट्रोल न किया गया होता, तो कुछ लोगों की तो यह अच्छी तरह ऐसी-तैसी कर सकता था. काफी समय पहले 21वीं सदी की शुरुआत में बनावटी प्राणियों को अधिकार उपलब्ध कराने वाले EU के कारण जो अफरातफरी का माहौल बन गया था, उसे देखते हुए इसे ज़रूरी समझा गया कि शिप का संतरी होने के बावजूद भी नारद की हरकतों पर थोड़ा नियंत्रण रखना बेहतर होगा. नीति कमेटी ने इस डिजाइन को मंजूरी दी थी और अनारा को इससे कोई समस्या नहीं थी.

“हैलो, कैप्टन अनारा. कू की हेल्थ के बारे में एक अपडेट आपको भेजा गया है. चिंता की कोई बात नहीं है. लेकिन फिर भी, डॉक्टर खान कू के कुछ लोगों पर स्पेस रेडिएशन के संपर्क में आने का असर देखने के लिए कुछ और टेस्ट करना चाहते हैं. उनकी लिस्ट मंजूरी के लिए आपको भेजी गयी है.”

“थैंक्स, नारद. प्लीज़ एक स्टेटस मैसेज लिखो और उसे इंडियन स्पेस कमांड को भेज दो.” उसने एक बार

फिर अपने डिसप्ले की ओर देखा और निश्चय किया कि उसका शिप उसके कैप्टन की सीट पर बैठे बिना भी अभी थोड़ी देर और उड़ सकता है। “सब ठीक है, रायन. खाना खाने चल रहे हो?”

“क्यों नहीं. बस ज़रा फ्यूल चेक कर लूं.” कंट्रोल पैड पर थिरकती उसकी उँगलियों ने जल्दी ही कुछ कमांड मशीन में फ़ीड कर दिए. “हो गया. रोस्टर एकदम सेट है और सही रास्ते पर है. मनीषा का रिलीवर भी बस आता ही होगा. आओ चलें, कैप्टन.”

वे एक साथ कमरे से बाहर निकले और लेवल 2 पर स्थित कैफ़े में जाने के लिए सीढ़ियों की ओर बढ़ गए. इतनी देर तक सिलिंडर की छोटी सी जगह में फंसकर बैठे रहने के बाद पैरों को फैला पाना दोनों को अच्छा लग रहा था. रास्ते में उन्हें क्रू के और लोग मिले, जो अपनी शिफ्टें शुरू करने जा रहे थे. अंतरिक्ष धीरे-धीरे इंसानी आवाजों से गुलज़ार होता जा रहा था.

यह शिप 150 मीटर लंबा था और इसमें तीन लेवल थे. सबसे ऊपर स्थित लेवल 1 कंट्रोल सेक्शन था जिसमें आगे के हिस्से में ऑपरेशन सेंटर था. मेडिकल बे, इंजीनियरिंग, निरीक्षण और नेविगेशन सिस्टम पिछले हिस्से में थे. लेवल 2 पर क्रू के क्वार्टर, सामुदायिक बिल्लिंगें, कैफेटेरिया और गुंबद थे. इसमें आसानी से 100 लोग आ सकते थे, हालाँकि अभी थे सिर्फ 55. लेवल 3 पर थे पावर प्लांट, स्पेयर जेनरेटर, बैटरी बैंक, सोलर पावर बैंक, एंटी मैटर स्टोर करने की जगह, सुविधाएँ और एस्केप पॉड.

‘आकाश’ के बाद ‘अंतरिक्ष’ ब्रह्मांड के रहस्यों को खोजने के लिए बना दूसरा स्पेसशिप था. हालाँकि, ‘आकाश’ खुद कभी हीलियोपॉज से आगे नहीं जा पाया, लेकिन उसके डिजाइन ने स्पेस ट्रांसपोर्ट की अगली पीढ़ी को ज़्यादा मज़बूत, भरोसेमंद और तेज़ बनाने में बहुत मदद की.

2096 में उसके लॉन्च के बाद, शिप बनाने और 5 टेस्ट करने में पंद्रह साल लग गए. वैसे तो, 2085 तक ‘लाइट से भी तेज़’ या ‘FTL’ स्पीड पर उड़ना संभव हो गया था, लेकिन शिप पर इंसानों के मौजूद होते हुए लंबे समय तक इस स्पीड पर टिके रहने के लिए वैज्ञानिकों को क्वांटम साइंस के कई नए आयामों को पार करने की ज़रूरत थी. उसके बाद भी, लगभग दस सालों तक वे पावर सप्लाय की ज़रूरतों को पूरा करने की कोशिशों में लगे रहे. इसमें सफलता मिली फ्यूज़न रिएक्शन और एंटी मैटर के नियंत्रित विस्फोटों के संयोजन से. FTL के दौरान महसूस किये जाने वाले समय के फैलाव से लोगों को अप्रभावित रखने के लिए गुंबद का निर्माण किया गया था, ताकि वहां उन्हें कुछ समय के लिए कृत्रिम निद्रा की अवस्था में, शिप की बाकी दुनिया से अलग-थलग रखा जा सके. यह बिलकुल एक कोकून या बुलबुले जैसा था.

नीचे डाइनिंग रूम की ओर जाते हुए अनारा को इंटरस्टेलर स्पेस में जाने वाली पहले मानवी उड़ान की कमांडर होने पर गर्व महसूस हो रहा था.

उसके ऐसा सोचने का एक कारण और भी था. इसी के कारण उसके देश ने 22वीं सदी में पूरी ताकत और उम्मीद के साथ और बाकी दुनिया को एक नया रास्ता दिखाते हुए एक प्रकाशस्तंभ की तरह कदम रखा था. पूरी दुनिया के चुनिंदा लोगों से मिलकर बनाया गया क्रू एक अतिरिक्त बोनस था. शिप पर अलग-अलग कामों के लिए अप्लाय करने वाले हजारों लोगों को याद करके उसके होठों पर मुस्कराहट आ गयी. बाप रे! उसने कैसे उन सब में से एक-एक को चुन चुन कर छांटा था.

और फिर उनके बारे में सोचते-सोचते उसे अपने मिशन और उससे जुड़ी जिम्मेदारियों की याद आई और उसका नशा हिरन हो गया. सुदूर अंतरिक्ष में इन चौवन लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी उसी के कंधों पर थी. और वे सब यहाँ थे, धरती से अरबों किमी. दूर, जहाँ तक इससे पहले कोई इंसान नहीं पहुँच पाया था, और उनका मिशन था, यह सिद्ध करना, कि इस विशाल ब्रह्मांड में वे अकेले प्राणी नहीं हैं!

## 22 वर्ष पहले, 2095 – जाइंट मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप, पुणे

-----[-]-----

नए साल की शुरुआत से ही अनियमित सिग्नल आ रहे थे, लेकिन SETI सुनने वाली अधिकतर साइटों ने इस पर ध्यान नहीं दिया था, क्योंकि वे सब उस खास बैंडविड्थ को मॉनिटर नहीं करती थीं। लेकिन, संयोग से, मुंबई-पुणे मेगासिटी के पास स्थित जाइंट मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप यानि GMRT सही फ्रीक्वेंसी पर था। लेकिन यहाँ भी इन सिग्नलों को रूटीन का व्यवधान समझ लिया गया।

दूसरे ग्रहों से आने वाले सिग्नलों के लिए 150 सालों से खोज जारी थी और ऐसे ढेरों सिग्नल मिलना रोज़मर्रा का काम था, जिन पर कोई खास ध्यान दिए बिना बाद में स्टडी करने के लिए स्टोर कर लिया जाता था। कई बार झूठी उम्मीद बंधने के बावजूद आज तक कोई वास्तविक सुराग नहीं मिला था। पहले के सिग्नलों और इस बार के सिग्नल में मुख्य अंतर यह था कि इस बार सिग्नल रिपीट हो रहे थे। सिग्नल को डाउनलोड करने, उसकी पुष्टि करने और सूची बनाने में एक पूरा दिन लग गया। और तब, नाईट शिफ्ट वाली स्टूडेंट को इनमें एक पैटर्न की झलक दिखाई दी।

अगली रात को गाडों ने उसे उसके डिपार्टमेंट के अधेड़ हेड के पीछे-पीछे पागलों की तरह भागते हुए कैम्पस से डायरेक्टर के ऑफिस की ओर जाते हुए देखा।

डायरेक्टर काम ख़त्म करके घर जाने की तैयारी कर ही रहा था, कि वे दोनों धड़धड़ाते हुए उसके कमरे में घुसे और उसे यह खबर सुनाई। GMRT में उसके पद की गरिमा ऐसी खबर सुनकर उसे खुशी से नाचने की इजाज़त नहीं देती थी, इसलिए बेचारा सिर्फ हवा में कुछ ज़ोरदार घूँसे चलाकर ही अपनी खुशी का इज़हार कर पाया। घर जाना भूल-भालकर वह उस स्टूडेंट से कई गुना तेज़ी से डेटा का विश्लेषण करने में जुट गया।

तुरंत ही उसने इंडियन स्पेस कमांड के डायरेक्टर को मैसेज भेजा। इतने महत्वपूर्ण मामलों को GMRT अक्सर ISC को सौंप दिया करता था, जिसके डायरेक्टर श्रीनिवास थे।

डायरेक्टर श्रीनिवास की प्रतिक्रिया थोड़ी ज्यादा संतुलित रही। उन्होंने विश्लेषकों की अपनी सबसे बेहतरीन टीम को GMRT की टीम के साथ इस काम पर लगा दिया।

इस खोज को तत्काल 'टॉप सीक्रेट' श्रेणी में रख दिया गया और तमाम ब्यूरोक्रेसी के बावजूद, दो दिनों के भीतर यह खबर PMO तक पहुँच गयी। अपने खास अंदाज़ में, प्रधान मंत्री ने फैसला लिया कि यह प्रोजेक्ट पूरी तरह वैज्ञानिकों द्वारा चलाया जायेगा और नौकरशाहों की इसमें कोई भूमिका नहीं होगी। उन्होंने श्रीनि को इस पूरे प्रोजेक्ट का इंचार्ज नियुक्त कर दिया और डॉ. आर्यन को उनका सहायक।

सिग्नल मिले चार दिन बीत चुके थे और अब समय था सारी कड़ियों को जोड़कर आगे की रणनीति बनाने का। ISC की टीम ने GMRT स्थित सिग्नलों का विश्लेषण करने वाले ब्लॉक को अप्रत्याशित रूप से खाली कराकर अपने कब्जे में ले लिया था।

"मॉर्निंग, डायरेक्टर," डॉक्टर आर्यन ने कहा। "हमने सिग्नल का पहला विश्लेषण पूरा कर लिया है। हैरान करने वाली बात यह है कि जैसे ही हमने इन पुनरावृत्तियों को एक साथ रखा, तो यह बहुत ही आसान हो गया।"

"तो, क्या समझ आया?"

"यह मोर्स कोड में है, बिंदुओं और लाइनों का पैटर्न' दबी मुस्कराहट के साथ डॉ. आर्यन ने जवाब दिया। उसे पता था उनकी क्या प्रतिक्रिया होने वाली है।

"तुम्हारा मतलब है कि यह 'ठग सिग्नल' है," गहरी सांस लेते हुए श्रीनि ने कहा, उनका सारा जोश ठंडा पड़ गया था। 'ठग सिग्नल' धरती से ही आने वाले वे सिग्नल थे, जिन्हें कई बार जाइंट रेडियो टेलीस्कोप गलती से पकड़ लेता था। सैंकड़ों बार ऐसा हो चुका था।

"नहीं, सर। मेरा मतलब था कि ये मोर्स कोड तो है, पर पक्के तौर पर आया दूसरे ग्रह से ही है। अगर यह धरती से आया होता, तो जिस फ्रीक्वेंसी पर यह था, उसे हमारे टेलीस्कोप कभी नहीं पकड़ सकते थे।" डॉ. आर्यन ने बताया।

"क्या वाकई, आर्यन! ये तो...कमाल ही हो गया! और सिग्नल में संदेश क्या है?"

"यह एक SOS संदेश है।"

"तुम्हें पता है, तुम क्या कह रहे हो, डॉक्टर? तुम्हारा मतलब है कि आखिरकार हमें बाहरी स्पेस से एक सिग्नल मिला है और यह मोर्स में है, जिस आउटडेटिड हुए सौ साल से भी ज्यादा हो चुके हैं और इसमें कोई कह रहा है - 'मुझे बचाओ'?" श्रीनि ने पूछा।

“हाँ, डायरेक्टर. मैं भी इसे देखकर आपके जितना ही हैरान था, लेकिन मेरी टीम इस बारे में पूरी तरह निश्चित है. यह और कुछ हो ही नहीं सकता.”

इस अजीब बात को हजम करने में कमरे में मौजूद छह आदमियों और औरतों को थोड़ा समय लगा. तब तक वहां सन्नाटा छाया रहा.

“डॉक्टर,” खबर के बारे में और जानने के लिए श्रीनि ने चुप्पी तोड़ी. “यह कैसे संभव है? अगर मान भी लें कि किसी दूसरे ग्रह के प्राणियों को मोर्स कोड के सिद्धांतों की जानकारी है, तो भी यह कैसे संभव है कि वे चिन्हों के हमारे वाले सेट का ही इस्तेमाल कर रहे हैं. यह असंभव है. ज़रूर तुमसे कोई गलती हुई है और तुम्हें इसे दोबारा चेक करना चाहिए.”

“कोई गलती नहीं हुई है, डायरेक्टर. मुझे अपने नतीजों पर पूरा भरोसा है. 19वीं सदी के मेरे पसंदीदा जासूस के अनुसार - ‘अगर आपने बाकी सब कुछ हटा दिया है, तो जो बाकी बचा है, वह सच के सिवा कुछ नहीं हो सकता.’ मैं इस नतीजे पर पहुँचने के लिए मजबूर हूँ कि यह सिग्नल किसी ऐसे प्राणी ने भेजा है, जिसने किसी प्रकार इस कोड को सीख लिया है.”

उसने जल्दी से आगे जोड़ा, “यह मदद की असली गुहार नहीं है, सीधे-सीधे हमें यह बताने का प्रयास है कि किसी ने हमारे मैसेज को रिसीव किया है, उसे समझा है और पुष्टि करने के लिए वापस हमें भेजा है.”

“तो, क्या? हो सकता है धरती पर किसी ने मोर्स कोड का एक सिग्नल भेजा, जो स्पेस में गया, किसी दूसरे ग्रह से रिफ्लेक्ट होकर या पलटकर वापस आया और अब हमारा कोई सैटलाइट इसे रिपीट कर रहा है?”

“नहीं, सर. यह संभव नहीं है. धरती के सिग्नल की ताकत सोलर सिस्टम से बाहर नहीं जा सकती. यह कहीं और से ही पैदा हुआ है. मैं यह भी बताना चाहूँगा कि यह सिग्नल कोई सामान्य ट्रांसमिशन नहीं है, जो संयोग से हमारी झोली में आ गिरा है, बल्कि इसे खास तौर पर हमें भेजा गया है. इसकी ताकत और फोकस की गई बैंडविड्थ बता रही है कि इसे खास तौर पर धरती पर भेजा गया है.”

“इसके मूल के बारे में कुछ और पता चला है?” डायरेक्टर ने पूछा. सारे डेटा के पैटर्न को देखें तो क्रम में सबसे संभावित बदलाव से पता चलता है कि यह अपने ट्रांसमिशन की जगह से कम-से-कम 5 प्रकाश वर्ष दूर है. और इसका मतलब है कि हम नहीं जानते कि इसे भेजा कब गया था; इतनी दूरी तय करने में सालों लग सकते हैं.”

“और...?”

“हम बैकग्राउंड की आवाजों से कुछ और सिग्नल अलग करने की कोशिश कर रहे हैं. उनसे हमें कोई और क्लू मिल सकता है. मुझे थोड़ा और वक्त दीजिये.”

“ठीक है. कल फिर से मिलते हैं. मैं और जानकारी का इंतज़ार करूँगा और हाँ. आप लोगों ने बढ़िया काम किया!”

## 22 वर्ष पहले, 2095 – सिग्नल का डीकोड

-----[-]-----

डेटा लैब में डॉक्टर आर्यन अपनी टीम के साथ बैठा अब तक के विश्लेषण पर विचार कर रहा था. उसके दिमाग में बार-बार यही प्रश्न उठ रहा था कि सिग्नल की लोकेशन और वहां तक की दूरी का पता कैसे लगाया जाये. वह सोच रहा था कि कहीं उसके प्रश्न का उत्तर GMRT के सर्वरों में डाउनलोड किये गये डेटा में तो नहीं छिपा है. उसकी टीम के पास दुनिया के सबसे पावरफुल कंप्यूटर मौजूद थे, लेकिन कुछ चीजों की व्याख्या इंसानी दिमाग ही कर सकता है.

“डॉ. आर्यन, रैंडम आवाजों को अलग करने के बाद हमें ट्रांसमिशन में दो और नयी पुनरावृत्तियाँ दिखाई दी हैं,” डॉक्टर स्नेहा ने बोलने की शुरुआत की.”

“और ये दो नयी पुनरावृत्तियाँ क्या बताती हैं?”

“लगता है ये किसी किस्म के कोऑर्डिनेट हैं सर, लेकिन अभी हम ठीक से कुछ नहीं कह सकते.”

“अच्छा ये बताओ स्नेहा, तुम्हें पता है जब हमने धरती से पहले प्रोब स्पेस में भेजे थे, तो उनमें गैलेक्सी के मार्करों के संदर्भ में धरती की लोकेशन के साथ-साथ और भी बहुत सी जानकारी थी? तो, मैं तुमसे पूछता हूँ, मान लो तुम किसी दूसरे ग्रह की बुद्धिमान सभ्यता से होतीं और कुछ-कुछ हमारी तरह ही सोचतीं, तो तुम कौन से मार्कर यूज़ करतीं?”

“एक तो गैलेक्सी का सेंटर और दूसरा शायद गैलेक्सी में हमारी ओर का सबसे चमकीला सितारा?” स्नेहा ने अपना विचार प्रकट किया.

“बहुत बढ़िया, तो हम थोड़ी देर के लिए इसी थ्योरी पर चलते हैं. हम संदर्भ के लिए गैलेक्सी के सेंटर को लेते हैं और मान लेते हैं कि यह सिग्नल कुछ साल से ज़्यादा पुराना नहीं है, तो गैलेक्सी के शिफ्ट के लिए जगह छोड़ते हुए हमें मिलते हैं जीरो-जीरो कोऑर्डिनेट्स. अब, हम इस संदर्भ के खिलाफ नंबर रखते हैं.”

“तब तक, प्रोब्स से मुझे कुछ याद आ रहा है. मुझे अपनी हिस्ट्री को रिफ्रेश करना पड़ेगा. तो चार घंटे में मिलते हैं,” आर्यन ने कहा.

सारे सदस्य अपने-अपने काम पर जाने के लिए उठ खड़े हुए. आर्यन अपने ऑफिस की ओर बढ़ गया.

उसे सबसे पहले जो काम करना था, वह था सुविधा के AI से कनेक्ट करना. देशों के बॉर्डरों की सीमायें होने के बाद भी पूरे विश्व के अधिकांश AI सिस्टम एक-दूसरे से जुड़े हुए थे: जानकारी का खुला आदान-प्रदान 21वीं सदी की प्रमुख उपलब्धियों में से एक था.

“हाय, गोमती. मुझे थोड़ी मदद चाहिए. प्लीज़ 1950 से लेकर अब तक के धरती से छोड़े गये सारे स्पेस प्रोब्स का रिकॉर्ड तो निकालो ज़रा,” उसने अपनी ज़रूरत बताई.

“डॉक्टर आर्यन, चेक करने के लिए मुझे दो मिनट का वक़्त दीजिये.” कुछ देर की चुप्पी के बाद गोमती ने कहा, “यहाँ 1950 से अब तक धरती से भेजे गये 65 इंटरस्टेलर प्रोब्स के रिकॉर्ड हैं. इनमें से 50 से ट्रांसमिशन होना बंद हो चुका है और आखिरी जो ऑफलाइन हुआ, वो था 2065 में. बाकी बचे पंद्रह अभी ऑनलाइन हैं और ये सब 2025 से 2050 के बीच छोड़े गये थे.”

“हूँ, इनमें से जिन प्रोब्स में धरती की लोकेशन और मोर्स कोड के बारे में जानकारी थी, और पिछली लोकेशन के आधार पर जिनके धरती से सबसे दूर होने की संभावना है, उन सारे प्रोब्स पर एक कॉम्बिनेशन चेक चलाओ.”

“ऐसे 5 प्रोब हैं, जो इन तीन मापदंडों पर खरा उतरते हैं: पायोनियर 10, पायोनियर 11, वॉयेजर 1, वॉयेजर 2 और न्यू होराइज़न्स. ऐसी उम्मीद है कि इनमें से पायोनियर 10 और वॉयेजर 1 आज धरती से सबसे ज्यादा दूरी पर हैं. प्लूटो पर स्थित हमारे रेडियो टेलीस्कोप से दस साल पहले न्यू होराइज़न्स से दोबारा संपर्क जोड़ा गया था.”

“थैंक्स. अब, मैं जानता हूँ कि इन सारे प्रोब्स में दूसरे ग्रहों और सोलर सिस्टम का विश्लेषण करने, तस्वीरें लेने और ऐसे ही और कामों के लिए खास वैज्ञानिक उपकरण लगाये गये थे. लेकिन वे धरती से कई संदेश भी लेकर गए थे, है ना?”

“बिल्कुल ठीक, डॉक्टर. अधिकतर प्रोब्स में डेटा प्लेट्स भेजी गयीं थीं, जिन पर उनके मूल के स्थान के साथ-साथ धरती से भेजे गये संदेश और मैथ्स के फ़ॉर्मूले भी थे - जिन्हें यूनिवर्सल भाषा माना जाता है और जिन्हें कोई भी बुद्धिमान जाति पहचान सकती है. अगर आप चाहें तो मैं कुछ डेटा निकाल सकती हूँ.”



“अभी नहीं. मुझे ये बताओ, इन प्रोब्स के लिए धरती की लोकेशन दिखाने के लिए कौन सा कॉमन रेफरेंस पॉइंट यूज़ किया गया था?”

“सामान्य रूप से यूज़ किये गये रेफरेंस पॉइंट थे गैलेक्सी के सेंटर और धरती से अपेक्षाकृत कम दूरी के भीतर आने वाले 14 पल्सर. प्रोब्स पर दी गयी जानकारी में गैलेक्सी के सेंटर से दूरी, वहां जाने का रास्ता और पल्सरों के पीरियड्स दिखाए गये थे.”

“हालाँकि यहाँ मैं यह भी बताना चाहूँगी डायरेक्टर,’ AI ने बोलना जारी रखा, ‘कि इन प्रोब्स के लॉन्च के समय पल्सरों के नाम और पहचान के तरीके मानकीकृत नहीं किए गए थे. पल्सरों के स्पेस मोशन सहित अन्य तथ्यों को देखते हुए सारे 14 ओरिजिनल पल्सरों की सटीक पहचान कर पाना शायद संभव न हो पाए, यहाँ तक कि मेरे लिए भी नहीं. उपलब्ध जानकारी बहुत ही सीमित है.”

“कोई बात नहीं गोमती, मैं समझ सकता हूँ. क्या तुम प्लीज़ प्रोब्स की पिछली ज्ञात लोकेशन, 14 संभावित पल्सरों और गैलेक्सी के सेंटर की लोकेशन का पता लगा सकती हो और यह जानकारी डॉक्टर स्नेहा को भेज सकती हो? साथ ही, इन सारे प्रोब्स पर जो भी संपर्क डेटा था, उसे भी प्लीज़ डाउनलोड कर लेना और मेरे स्टेशन पर भेज देना. मदद के लिए धन्यवाद.”

“आपका स्वागत है, डॉक्टर.”

अब उसे आगे का रास्ता साफ़ नज़र आ रहा था. यह स्पष्ट होता जा रहा था कि यह सिग्नल गैलेक्सी में कहीं पर अन्य बुद्धिमान प्राणियों की मौजूदगी का ही संकेत था.

यह सोचकर ही उसके शरीर में उत्तेजना की लहर दौड़ गयी - किसी दूसरे ग्रह पर जीवन था और इसे ढूँढने का काम उसकी टीम ने किया था! यह उसके कैरियर का सबसे गौरवपूर्ण क्षण था! लेकिन पहले उसे अपनी टीम से और विवरण की ज़रूरत थी.

“हाँ तो डॉक्टर स्नेहा, क्या तुमने जानकारी की पुष्टि कर ली है?” कॉन्फ्रेंस रूम में टीम के फिर से इकट्ठे होने के बाद डॉ. आर्यन ने पूछा.

“जी, सर. जैसी बात हुई थी, हमने वैसे ही काम किया. दिशा और दूरी को देखकर लगता है कि यह हमारे सबसे नज़दीकी ट्राईस्टार सिस्टम प्रोक्सिमा सेंटौरी के आसपास कहीं से करीब 4 प्रकाश वर्ष की दूरी से आया होगा. “

‘जैसा कि आपको याद होगा डॉक्टर,’ डॉ. स्नेहा ने कहा, “यह वही जगह है जहाँ करीब 80 साल पहले हमने प्रॉक्सिमा बी नाम के एक ग्रह की खोज की थी, जहाँ जीवन होने की संभावना थी. हालाँकि, इस व्याख्या को पूरी तरह वैध ठहराने वाला कोई सबूत हमारे पास नहीं है. इसकी सबसे पहली पुष्टि करने के लिए हमें करीब 50 वर्ष का समय लगेगा, जब चाइनीज़ गहन स्पेस प्रोब यैंग L5 इस तक पहुंचेगा.”

“मेरी पड़ताल से भी ऐसा ही कुछ पता चला है,” आर्यन ने कहा और गहन स्पेस प्रोब्स के बारे में उसे मिली जानकारी को संक्षेप में उन्हें बताया.

“उस ज़माने के रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं हैं और प्रोग्राम पर काम करने वाले अधिकांश लोग भी अब इस दुनिया में नहीं हैं, फिर भी मुझे पता चला है कि उन सभी प्रोब्स में धरती, उसके वासियों और उसके मूल आदि के बारे में ठोस जानकारी थी. इनमें से सबसे खास है वांयेजर 1 का गोल्डन रिकॉर्ड. इसमें काफी ज्यादा मात्रा में जानकारी थी जिसमें वे स्पेस संबंधी रेफरेंस भी शामिल हैं, जिन पर आप लोगों ने काम किया था. मुझे लगता है कि आगे बढ़ने के लिए हमारे पास कुछ जवाब और एक लोकेशन हैं. डायरेक्टर श्रीनिवास से दोबारा मिलने का समय आ गया है.”

“गोमती, प्लीज़ डायरेक्टर से कहो कि हमें कॉन्फ्रेंस रूम में मिलें.”

मीटिंग ख़त्म हो गई और उनमें से तीन लोग कॉन्फ्रेंस रूम की ओर बढ़ गए. अब तक शाम हो चुकी थी और मौसम सुहावना हो गया था. मेन ब्लॉक तक चलकर जाते हुए उनमें से हर कोई पिछले दो दिनों में हुई इन खोजों के नतीजों के बारे में ही सोच रहा था, किसी को पता नहीं था कि मानवता के लिए ये कैसी सिद्ध होने वाली थीं.

## 2117 – जटिलताएं

-----[-]-----

रैंक से उठकर आने वाले अधिकतर कमांडिंग ऑफिसरों की तरह कैप्टन को भी एडमिन वाले उन रूटीन के कामों से नफरत थी, जो मजबूरी में उसे करने पड़ते थे। इनमें से कुछ ऐसे थे, जिन्हें किसी और को सौंपा नहीं जा सकता था और प्रोटोकॉल के अनुसार उसे खुद ही उन्हें करना ज़रूरी था। इनमें से एक था डेली रोस्टर और स्टाफ के कामों को चेक करना।

उसने ठंडी सांस लेते हुए अपनी स्क्रीन पर दिख रही आखिरी फाइल को बंद कर दिया। उसके पास बैठा रायन ज़रूरी नोट बनाने और उनमें बदलाव करने का अपना काम कर रहा था। वे दोनों एक बढ़िया टीम थे। पिछले दो सालों में फिट आउट और ट्रायलों के दौरान वे एक-दूसरे को करीब से जानने और समझने लगे थे।

रायन महत्वाकांक्षी था, लेकिन हद से ज्यादा नहीं। वह जानता था कि उसे अभी बहुत कुछ सीखना था और 50 से भी ज्यादा स्पेस मिशनों पर काम कर चुकी अनारा एक बढ़िया मार्गदर्शक थी। अनारा की मुश्किलों में भी तर्कपूर्ण ढंग से सोचने की काबिलियत और किसी भी काम को परफेक्ट तरीके से करने की रायन की काबिलियत के कारण उनकी जोड़ी एकदम फिट थी। उनमें अक्सर बहस भी खूब होती थी, लेकिन इससे कभी भी एक-दूसरे के लिए उनकी रेस्पेक्ट कम नहीं होती थी।

अनारा हिमालय की गोद में पली-बढ़ी थी। उसके लिए आज भी 'घर' का मतलब था कसौली, पहाड़ों के बीच बसा एक छोटा सा शहर, जो अभी भी आधुनिक तकनीक के असर से अछूता था। वह अफसरशाहों के एक खानदान से थी और इसीलिए उसे स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की अच्छी समझ थी। पिछले 100 सालों के दौरान दुनिया काफी बदल गयी थी और उसने यह बदलाव काफी कुछ प्रत्यक्ष देखा था।

21वीं सदी के शुरू के सालों में हो रहे टकराव 2050 तक आते आते सौभाग्यवश कूटनीति और सैन्य ताकत के संयोजन से नियंत्रण में आ गये थे और तीसरे विश्व-युद्ध की नौबत नहीं आयी थी। पूरे विश्व में पहले की अपेक्षा शांति हो गई, लेकिन इन घटनाओं के कारण ताकत के ढांचे में बहुत बदलाव आ गया था।

देश अभी भी एक-दूसरे से उतने जुड़े नहीं थे, जितने की उनसे उम्मीद की गई थी और 2040 में EU के पूरी तरह अलग हो जाने के बाद तो अब कोई भी देश या राज्य उस प्रयोग को दोबारा करने का कतई इच्छुक नहीं था। अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की दीवारें अभी भी खड़ी थीं और कुछ तो नयी और बन गयीं थीं। लोगों की अदला-बदली मुश्किल हो गयी, लेकिन जानकारी की खूब फली-फूली और उसी के कारण इस मिशन का सफलतापूर्वक आरंभ हो पाया।

अनारा ने खुद को अपने ख्यालों की दुनिया से बाहर निकाला और पूछा, "इस स्टाफ मीटिंग में जाने से पहले कुछ और काम करना बाकी है?"

"नहीं, हो गया," रायन ने जवाब दिया, "लेकिन मैं उम्मीद करता हूँ कि डॉक्टर खान ने जो रिक्वेस्ट की थी उसे तुमने देख लिया होगा और मंजूर भी कर लिया होगा।"

"हाँ, मैंने कर लिया है। हालांकि मुझे उनसे दो प्रश्न ज़रूर पूछने हैं।"

दरवाज़े से निकलकर वे स्टाफ रूम में घुस गए। 'अंतरिक्ष' के मुख्य ऑपरेशनों की टीम पहले से ही वहां इकट्ठी हो चुकी थी। डॉक्टर के अलावा, वहां मौजूद थे - इंजीनियरिंग हेड माधवन और डिफेंस स्पेशलिस्ट मेजर रावत। साइंस हेड डॉ. लियान तथा प्रोपल्शन एवं कंट्रोल स्पेशलिस्ट लेफ्टिनेंट मनीषा टीम को पूरा करती थी।

"गुड मॉर्निंग, एवरीबॉडी। हमें स्पेस में आये 32 हफ्ते हो गये हैं और जैसा कि आप सब जानते हैं, हम धरती से 2.2 प्रकाश वर्ष दूर आ चुके हैं जिसका मतलब है कि अपने गंतव्य से हम 2 प्रकाश वर्ष और दूर हैं," नेविगेशन डिस्ट्रे की ओर इशारा करते हुए अनारा ने कहा।

"अब से मैं सिस्टम को तैयार रखने और हर हफ्ते होने वाली ड्रिलों पर आप लोगों का ज्यादा ध्यान चाहूँगी, ताकि हमारी फाइनल अप्रोच के लिए सब कुछ ऑर्डर में रहे।" उसने बोलना जारी रखा। "उनके लिए प्लीज़ आप लोग प्लान तैयार कर लें। 'डॉ. खान की ओर घूमते हुए उसने पूछा, "रेडिएशन स्टडी कैसी चल रही है डॉक्टर?"

"पूरी तरह कंट्रोल में कैप्टन। मैंने पूरे क्रू के विभिन्न सेक्शनों में से दस लोग छांटे हैं जिन्हें मैं स्टडी करना चाहूँगा। हर मेंबर का आधारभूत डेटा मेरे पास पहले से ही है और नारद ने पिछले बत्तीस हफ्तों में आये बदलावों का संग्रह तैयार कर दिया है। फ़िलहाल चिंता की कोई बात नहीं है। लगता है शिप का गुंबद और शील्ड अपना काम बढ़िया तरीके से कर रहे हैं।"

“बढ़िया! तो, इन दस लोगों में आप वास्तव में देखना क्या चाहते हैं?”

“जैसा कि सबको पता है, यह हमारे मिशन पर निकलने से पहले बनाये गये प्रोटोकॉल का हिस्सा है। यह इंसानों सहित इंटरस्टेलर स्पेस में जाने वाली पहली उड़ान है और हमें लंबे समय तक उनके गुंबद में रहने से उन पर होने वाले प्रभावों को आगे स्टडी करना है। यह स्टडी बेसिक रूप से हमें यह पता लगाने में मदद करेगी कि FTL स्पीड से यात्रा करने पर इंसान की शारीरिक संरचना पर कोई विपरीत प्रभाव तो नहीं होंगे। मुझे इन टेस्टों को जल्दी-जल्दी दोहराने और अगर कोई बुरे प्रभाव दिखाई देते हैं, तो शिप की शील्डिंग में बदलाव करने की ज़रूरत है।”

“ठीक है। यह किया जा सकता है। और कोई परेशानी?”

“मुझे कुछ सैंपल स्टोर करने और टेस्ट करने के लिए साइंस लैब में थोड़ी जगह चाहिए। जैसा कि हम सब जानते हैं, मेडिकल बे में सिर्फ आधे लोग ही आ सकते हैं,” डॉ. खान ने कहा।

“बिल्कुल नहीं,” डॉ. लियान ने विरोध किया। “मैंने मेडिकल टीम को पहले ही बता दिया था कि मैं साइंस लैब में किसी एक्सपेरिमेंट की इजाज़त नहीं दे सकती। कैप्टन, तुमने इसका हल निकालने का वादा किया था।”

“जानती हूँ लियान, लेकिन क्या करूँ, और कोई जगह खाली नहीं है और वैसे भी ओरिजिनल प्लान तो यही था। साथ ही, तुम्हारा काम बड़े पैमाने पर तब तक शुरू नहीं होने वाला जब तक हम अपनी मंजिल तक न पहुँच जाएँ, और मुझे पूरा यकीन है, तब तक डॉ. खान के ‘मरीजों’ का इलाज पूरा हो चुका होगा।”

डॉ. लियान ने बेमन से हामी तो भर दी लेकिन दोबारा इस मसले को उठाने के लिए खान को ऐसे घूरा जैसे उसका खून पी जायेगी। क्या वह दो हफ्ते इंतज़ार नहीं कर सकता था?

“अब, उस पावर ड्रेन की बात करते हैं, क्या तुम्हारे पास कोई अपडेट है, माधवन?”

“नहीं, मैम। हमने अधिकतर सिस्टम चेक कर लिए हैं और कहीं कोई परेशानी नहीं नज़र आयी। अजीब बात ये है कि, उम्मीद से ज़्यादा पावर खपने के बाद भी रिज़र्व में कोई कमी नहीं आ रही है। इसका मेरे पास कोई जवाब नहीं है। मेरे ख्याल से यह सिस्टम फेल होने से भी ज़्यादा बड़ी कोई समस्या है, लेकिन इंजिन की गहराई से जांच किये बिना मैं ज़्यादा कुछ नहीं कर सकता, और वह तब तक संभव नहीं हो सकता जब तक हम पूरी तरह रूक न जाएँ।”

“नारद, क्या तुम्हारे पास इस मसले पर कोई इनपुट है?” कैप्टन ने पूछा। एक क्षण के लिए चुप्पी छाई रही और फिर नारद की आवाज़ सुनाई दी, “नहीं, कैप्टन। मुझे किसी विशेष परेशानी का पता नहीं चला है और बाकी सब वैसा ही है, जैसा माधवन ने अभी बताया।”

“मैं एक और बात डिस्कस करना चाहूँगा कैप्टन, लेकिन अकेले में,” माधवन ने कहा।

“दिन में मुझे पावर प्लांट में मिलना, माधवन। अभी, संचार प्रोटोकॉल पूरा करते हैं।”

धरती से रवाना होने से पहले अनारा को इस बारे में बहुत गहन तरीके से बताया गया था। इस महत्वपूर्ण काम को किसी और के भरोसे छोड़ने के बजाय, यह ज़रूरी समझा गया था कि अगर किसी दूसरी जाति से कोई भी संचार होता है, तो उसे कैप्टन को ही हैंडल करना चाहिए। अनारा को पिछले 100 से भी ज़्यादा सालों से इंटरस्टेलर संचार में किये गये कामों को दिखाया गया था।

Communications with Extra-terrestrial Intelligence, यानि CETI, जैसा कि 20वीं सदी के अंत से इसे कहा जाता था, खगोलशास्त्रियों, वैज्ञानिकों और साइंस फिक्शन के लेखकों का पसंदीदा विषय था। यह माना जाता था कि विभिन्न ग्रहों से आने वाली दो सभ्यताएँ आपस में बात करने और एक-दूसरे को समझने में सफल नहीं हो पाएंगी, जब तक बड़ी मात्रा में भाषाओं के नमूने और संदर्भ उपलब्ध न हों और विश्लेषण एवं सीखने के लिए पर्याप्त समय न लगाया जाये। और फिर, मैथ्स तो पूरे ब्रह्मांड में समझी जाने वाली यूनिवर्सल भाषा है ही, तो अधिकांश मैसेज इसे ही ध्यान में रखकर बनाये गए थे।

अरिसिबो मैसेज, लोन सिग्नल, कंटेक्ट ह्यूमैनिटी और ऐसे ही कई अन्य प्रोजेक्ट्स द्वारा 20वीं और 21वीं सदी में सितारों के समूहों को अनेक मैसेज भेजे गए थे, इस उम्मीद के साथ, कि कहीं कोई एलियन जाति उन्हें प्राप्त करके समझेगी और धरती से संपर्क करेगी। अधिकतर मैसेज मैथ्स और फिज़िक्स के सामान्य सिद्धांतों पर आधारित थे। गणनाओं के आधार पर, इन सभी मैसेजों को सन 2100 से पहले पहले अपने गंतव्य तक पहुँच जाना चाहिए था। हालाँकि, अगर कहीं से कोई जवाब आ रहा था, तो उसे धरती तक पहुँचने में अभी दसियों साल और लग सकते थे।

कोई भी संपर्क होने की दशा में बात करने के लिए अनारा को अभिवादन का एक स्टैंडर्ड सेट और कुछ बेसिक डेटा दिया गया था। वैज्ञानिकों, इतिहासकारों, खगोलशास्त्रियों और भाषा विशेषज्ञों के एक ग्रुप द्वारा

सावधानीपूर्वक तैयार किये गये इस सेट को संपर्क की शुरुआत के तौर पर इस्तेमाल किया जाना था. डेटा की सबसे सरल फॉर्म, 1 और 0 से शुरू होकर इस की कठिनाई का लेवल बढ़ते हुए मैथ्स की जटिल इक्वेशनों और एल्गोरिथम तक जा रहा था. इसमें तस्वीरें, आवाजें और वीडियो शामिल थे और अनारा जानती थी कि वे वायेजर गोल्डन रिकॉर्ड से मिलते-जुलते थे, केवल इन की संख्या काफी ज्यादा थी.

“तो, हमारा डेटा सेट तैयार है और कई बार टेस्ट किया जा चुका है. माधवन, ट्रांसमिशन के तरीकों के बारे में तुमने क्या किया है?”

“हमने इन-बिल्ट दोहराव प्रणाली के साथ तीन तरह के सिग्नल सिस्टम सेट कर रखे हैं, कैप्टन. विज़ुअल, ऑडियो और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक. आने वाले दो दिनों में मैं इन्हें चेक करता रहूँगा. मुझे नहीं लगता कोई दिक्कत आएगी,” माधवन ने कहा.

“सिस्टम का ये ट्रायल तुम कब करने वाले हो, माधवन?” अनारा ने जानना चाहा. ‘प्रोसेस शुरू हो चुका है. हम दिए गये प्रोटोकॉल के हिसाब से उन्हें तीन सब-सिस्टमों को भेजते आ रहे हैं और अब तक कोई मुश्किल नहीं आई है.”

“बढ़िया! मतलब, हम तैयार हैं. मनीषा, प्लीज़ अगले जंप का प्लान बनाकर इसके बारे में कू को सूचित कर दो. माधवन, मेरे साथ आओ.”

“ठीक है, कैप्टन,” मनीषा ने जवाब दिया और सब लोग अपने-अपने स्टेशनों पर जाने के लिए उठ खड़े हुए.

\*\*\*\*\*

“हाँ तो माधवन, पावर की खपत में क्या परेशानी आ रही है?” ऑपरेशन सेंटर से बाहर निकलकर लेवल 3 पर इंजिन रूम तक जाने वाली सीढ़ियों से उतरते हुए अनारा ने पूछा.

“कैप्टन, मुझे लगता है हमारा पावर रिसोर्स बाकायदा एक सिस्टमैटिक तरीके से ड्रेन हो रहा है. मैं इसके एक भी सोर्स का पता लगाने में कामयाब नहीं हो पाया हूँ. यह कोई संयोग या हमारी असफलता नहीं, बल्कि एक लीकेज है. मेरे स्टेशन पर चलिए, मैं आपको दिखाता हूँ.”

वे पावर प्लांट में दाखिल हो गये. यह एक बड़ा और शांत स्थान था जिसमें सारे काम शील्ड किये गये क्षेत्रों के पीछे ही होते थे, जहाँ तक इंसानों की पहुँच नहीं थी. वहाँ कुछ खिड़कियाँ थीं, जिनमें से पावर प्लांट को देखा जा सकता था. कुछ डोन विभिन्न प्रकार के कार्य करते हुए यहाँ-वहाँ मंडरा रहे थे जबकि अनेक मॉनिटर और स्क्रीनें, कंट्रोल रूम में मौजूद उप-सिस्टमों का स्टेटस दिखाते हुए, चल रही गतिविधियों को दिखा रहे थे. अधिकतर सिस्टम दोहराव प्रणाली वाले थे और पूरे उपकरण को चलाने के लिए सिर्फ दो इंजिनियर ही काफी थे.

हॉल पार करके वे माधवन के काम की जगह पर पहुँच गए. उसने अपने मॉनिटर को चालू किया और उसके बटनों से थोड़ी छेड़छाड़ करने के बाद स्क्रीन पर कुछ डेटा नज़र आने लगा.

“इन उप-सिस्टमों को देख रही हो कैप्टन, और यहाँ रिकॉर्ड हो रही पावर की खपत को भी?” नंबरों और ग्राफों की ओर इशारा करते हुए माधवन ने पूछा. “उन नंबरों को जोड़ने से यहाँ दिखाई गई शिप की पावर की कुल खपत पता चलती है,” उसने दूसरे नंबर की ओर इशारा किया.

“ठीक है,” नम्बरों को पढ़ते हुए लेकिन कुछ न समझते हुए अनारा ने कहा, “लेकिन वास्तव में समस्या क्या है?”

“यहाँ देखो: अगर मैं फील्ड उपकरणों से रीडिंग लेता हूँ, तो सारे सिस्टमों में 0.1% वेरिएंस मिलती है. इसको जोड़ने से हमें पावर में 2% की कमी दिखाई देती है, जिसकी वजह हमें पता नहीं,” उसे उपकरणों की रीडिंग दिखाते हुए माधवन ने कहा.

अब जाकर उसे समझ आया कि इंजिनियर क्या कहना चाह रहा था. अगर यह बात सही थी, तो वाकई चिंता की थी.

“क्या तुमने नारद को इन नंबरों का विश्लेषण करने को कहा?”

“नहीं, कैप्टन. मैंने उसे इसमें शामिल करने के बारे में सोचा था. लेकिन, आप ये देखो कि नारद शिप के हर सिस्टम से जुड़ा हुआ है, फील्ड उपकरणों के साथ भी. कोई वजह ही नहीं है कि उससे यह बात मिस हो जाती. लेकिन उसने एक बार भी चेतावनी दी? नहीं! असल में, जितनी बार मैंने उसे नंबरों को चेक करने को कहा, उसने हर बार न में जवाब दिया. सच कहूँ तो मैं उससे बचने के लिए पुराने तरीके से काम कर रहा था,” और उसने उसे हाथ से लिखे नोट्स का एक बण्डल दिखाया.

“अगर हम मान लें कि तुम्हारा डेटा सही है, तो क्या तुम्हारे पास कोई थ्योरी है कि यह पावर आखिर जा

कहाँ रही है?” अनारा ने पूछा.

“नहीं, कैप्टन,” माधवन ने सर हिलाते हुए जवाब दिया. “लगता है यह ड्रेन प्राइमरी पावर वितरण में हार्डवायर किया गया है. जब तक मैं केबलों को खोलकर चेक नहीं करता, मैं इसका पता नहीं लगा सकता. केबलों को खोलने के लिए इंजिनों को रोकना पड़ेगा और पूरी जगह को रेडिएशन से मुक्त करना पड़ेगा. जब तक हम चल रहे हैं, मैं यह नहीं कर सकता और न ही इसे नारद से छुपा सकता हूँ.”

“जहाँ तक नारद का सवाल है, हो सकता है तुम कुछ ज़्यादा प्रतिक्रिया दे रहे हो, लेकिन फिर भी हम इसे अपने तक ही सीमित रखेंगे जब तक यह पता नहीं चल जाता कि यह आखिर है क्या. क्या पता, यह सिर्फ एक कैलिब्रेशन का केस हो. डेटा के इन कागज़ों को संभाल कर रखो. थोड़े और सबूत मिलने पर हम नारद से निपटेंगे.”

क्या शिप के AI में कोई सिस्टम एरर आ गयी है या यह कोई बड़ी मुसीबत है - क्या इसने अपने कारणों से अपनी मर्ज़ी से काम करना शुरू कर दिया है? कमरे से बाहर निकलते हुए अनारा के दिमाग में यही प्रश्न घुमड़ रहा था.

इस बीच, माधवन अपने स्टेशन पर वापस जा चुका था. वह जानता था कि उसे पावर ड्रेन का स्रोत जल्दी ही ढूँढना होगा. उसकी छठी इन्द्रिय उसे इस ड्रेन के बारे में जो चेतावनी दे रही थी, उस पर वह अपनी व्यावसायिक प्रतिष्ठा भी दांव पर लगाने को तैयार था, लेकिन वह जल्दबाज़ी नहीं करना चाहता था. किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए प्लांट पर्याप्त पावर पैदा कर सकता था. दोनों ही तरह से, उसे इस रहस्य की तह तक पहुंचना ज़रूरी था. शायद मनीषा इस काम में उसकी मदद कर सकती थी. यह बच्ची स्मार्ट थी और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों को अच्छी तरह जानती थी. साथ ही, वह उसे ऐसे आदर से देखती थी जो आजकल के युवाओं में बड़ी मुश्किल से देखने को मिलता था.



## 22 वर्ष पहले, 2095 – योजनायें

-----[-]-----

डायरेक्टर श्रीनिवास कैबिनेट के ब्रीफिंग रूम के बाहर वेटिंग रूम में बैठे थे. प्रधान मंत्री के साथ अपनी इस मीटिंग के लिए वे समय से पहले ही पहुँच गए थे.

अन्दर बुलाये जाने से पहले उन्होंने पहली बार सिग्नल मिलने के समय से शुरू करके एक बार अपने नोट्स को रिवाइज़ किया. बिखरी और टुकड़ों में प्राप्त हुई जानकारी से एक तर्कपूर्ण और साफ़ तस्वीर बनाकर उनकी टीम ने सराहनीय कार्य किया था. सिग्नल के सोर्स की संभावित लोकेशन काफी सही प्रतीत हो रही थी और खगोलशास्त्रियों ने वहाँ बुद्धिमान प्राणियों के होने की संभावना की पुष्टि की थी. प्रॉक्सिमा बी जल्द ही प्रसिद्ध होने वाला था.

पूरे उपलब्ध डेटा के आधार पर, वे प्रधान मंत्री से एक बहुत ही महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की सिफारिश करने वाले थे. उन्हें सिर्फ एक ही बात का अफ़सोस था कि वे खुद व्यक्तिगत रूप से इस मिशन में शामिल नहीं हो पाएंगे, लेकिन वे अच्छी तरह जानते थे कि इसकी बागडोर किसे सौंपनी है.

कैबिनेट रूम का दरवाज़ा खुला और पीएम के सेक्रेटरी उन्हें अंदर ले गये.

“गूड मॉर्निंग, डायरेक्टर श्रीनिवास,” उन्हें कुर्सी पर बैठने का इशारा करते हुए प्रधान मंत्री ने कहा. कमरे में चार लोग और थे जिन्हें श्रीनिवास पहचानते थे.

“अंतरिक्ष खोज मंत्री और रक्षा मंत्री को तो तुम जानते ही हो. ये हैं डॉ. सुब्रमन्यम, रक्षा अनुसंधान के डायरेक्टर और ये हैं डॉ. प्रिया, एस्ट्रोमीट्रिक संस्थान की डायरेक्टर.”

श्रीनि ने बारी-बारी सबसे हाथ मिलाया. यह एक हाई प्रोफाइल मीटिंग थी, लेकिन अन्य मंत्रियों की अनुपस्थिति से उन्होंने अंदाज़ा लगा लिया कि पीएम फ़िलहाल जानकारी को सीक्रेट रखना चाहते हैं.

“हाँ तो श्रीनिवास,” प्रधान मंत्री ने कहा, “मुझे उम्मीद है कि अब तक तुमने उस रहस्यमय सिग्नल का मतलब समझ लिया होगा और तुम्हारे पास हमें बताने के लिए कुछ अच्छी खबर होगी. फिर भी, शुरू करने से पहले क्या तुम हमें इसकी बैकग्राउंड और वर्तमान स्टेटस के बारे में कुछ और बता सकते हो? इन चार लोगों के पास पूरे अपडेट्स नहीं हैं और मैं इन तकनीकी चीज़ों के बारे में ठीक से एक्सप्लेन नहीं कर पाऊंगा.”

“जी बिलकुल, प्रधान मंत्रीजी,” अपने विचारों को एक जगह केंद्रित करते हुए श्रीनि ने कहा. “मंत्रੀगण और डॉक्टर,” अब उसने औपचारिक रूप से बोलना शुरू किया, “एक सप्ताह पहले GMRT को जो सिग्नल मिला था और उससे जो पता लग रहा था, उसके बारे में आप सब जानते ही हैं. अब मैं आपको बताता हूँ कि तब से अब तक हमने क्या-क्या पता लगाया है.”

श्रीनिवास ने अपने हाथ में पकड़े हुए नन्हे कंप्यूटर को कमरे की स्क्रीन से कनेक्ट कर दिया और उस पर प्रोक्सिमा सेंटौरी ट्राईस्टार सिस्टम तक इंटरस्टेलर स्पेस का खाका नज़र आने लगा. उन्होंने बताया कि कैसे उनकी टीम ने सिग्नल से नंबरों का दूसरा सेट निकाला था और कैसे उपलब्ध डेटा को सबसे संभावित सोर्स की लोकेशन पता लगाने के लिए उपयोग किया था.

“हमारा मानना है कि सारा डेटा यही इशारा करता है कि यह सिग्नल कृत्रिम रूप से बनाया गया था और करीब 4 प्रकाश वर्ष की दूरी से भेजा गया था. इस रेंज में सिर्फ एक ही सिस्टम आता है - प्रोक्सिमा सेंटौरी - और इसमें एक ज्ञात ग्रह भी है, जहाँ जीवन होने की पूरी संभावना है. हम इसे प्रॉक्सिमा बी के नाम से जानते हैं.”

“यह काफी मज़ेदार है,” डॉ. सुब्रमण्यम ने कहा, “लेकिन क्या तुम्हें पूरा यकीन है कि यह सिग्नल सेंटौरी से ही है? धरती से भेजे गये किसी सिग्नल की कोई परछाई तो नहीं है?”

“जी सर, मुझे पूरा यकीन है. हमने सबसे पहले यही चेक किया था. हमारे ऐसा मानने का सबसे बड़ा कारण है फेज़ में किसी अंतर का न होना. अगर यह धरती से भेजे गये सिग्नल की परछाई होता, तो एटमॉस्फियर से बाहर यात्रा करने के कारण इसकी फ्रीक्वेंसी में कुछ बदलाव अवश्य आये होते. हमें ऐसा कोई बदलाव नहीं मिला. साथ ही, अगर यह हमारे अपने किसी सैटलाइट या प्लूटो स्थित हमारे स्टेशन से भेजा गया होता, तो यहाँ धरती पर उसका रिकॉर्ड अवश्य होता और उसकी बैंडविड्थ भी अलग होती. हमें इन दोनों में से भी कुछ नहीं मिला है. सर, इसकी जो वेवलेंथ है, वह ऐसी है जिसे अत्यधिक लंबी दूरियों तक संदेश भेजने के लिए यूज़ किया जा सकता है - यहाँ मैं प्रकाश वर्षों की बात कर रहा हूँ. और हाँ, यह वाइट नॉइज़ वाली ही बैंडविड्थ पर था. इसमें कहीं कोई संदेह नहीं है सर, कि यह सिग्नल दूसरे ग्रह से ही आया है.”

डॉ. सुब्रमण्यम ने सर हिलाते हुए सहमति जताई. “चलो, हम यह मान लेते हैं कि किसी दूर के ग्रह से धरती के कोडस का उपयोग करते हुए एक सिग्नल भेजा गया. दूसरे ऐसे ही सिग्नल से इसकी लोकेशन के कोऑर्डिनेट पता चले, जिन्हें हम समझने में कामयाब रहे. यह किसी दूसरी बुद्धिमान सभ्यता से ही हो सकता है, जो कम-से-कम हमारी सभ्यता जितनी उन्नत तो है ही. लेकिन मैं पूछता हूँ - उन्होंने हमारी भाषा कैसे सीखी? पिछले कई दशकों से चल रहे हमारे बाकी सभी संपर्क कार्यक्रम कभी सफल नहीं हो पाए. हमने अंतरिक्ष में जितने भी संदेश भेजे, उनका आज तक कोई जवाब नहीं आया. फिर इस बार ऐसा क्या हो गया?”

“सर, मुझे लगता है मेरे पास आपकी बात का जवाब है. जैसा कि आप जानते ही हैं कि अपने रेडियो टेलिस्कोपों द्वारा सिग्नल भेजने के अलावा हम एक कार्य और भी करते आए हैं - जटिल उपकरण और डेटा ले जाने वाले प्रोब्स को स्पेस में भेजना. हमें लगता है कि बीसवीं सदी के अंत में भेजा गया हमारा एक प्रोब इसके लिए जिम्मेदार है,” श्रीनिवास ने कहा.

उन्होंने वॉयेजर 1 और 2 की यात्राओं तथा गोल्डन रिकार्ड्स के बारे में उन्हें विस्तार से बताया.

“हमें यह तो पता नहीं लग पाया कि मोर्स कोड वॉयेजर द्वारा भेजे गए संदेशों का हिस्सा था या नहीं, लेकिन इस बात की काफी संभावना है. उस समय के अधिकतर रिकार्ड या तो लापता हैं या फिर अपर्याप्त. गोल्ड प्लेटेड डिस्कों के उपयोग की तकनीक काफी पुरानी लेकिन टिकाऊ है. इस बात की तह तक जाने के लिए उसके बारे में और जानकारी प्राप्त के लिए नासा और अमेरिकी सरकार से बात करने में मुझे आपकी मदद की जरूरत है.”

“मैं सब समझ गया, श्रीनिवास.” प्रधानमंत्री बहुत जल्दी बात को समझते थे और उन्होंने अपना अगला कदम भी निर्धारित कर लिया था. उन्हें उनके तुरंत निर्णयों और किसी भी मामले को गहराई तक तुरंत समझ लेने के लिए यूं ही नहीं जाना जाता था. “तो, अब आपको सारी बात समझ आ गई है?” उन्होंने उपस्थित लोगों से पूछा और सब ने एक-एक करके हां में सर हिलाया. “तो आपकी क्या राय है, अब हमें क्या करना चाहिए? मैं आपको बता दूँ कि हम पहले ही काफी संभावनाओं पर विचार कर चुके हैं, लेकिन मैं आपकी राय भी जानना चाहता हूँ.”

“धन्यवाद, प्रधान मंत्रीजी,” श्रीनि ने जवाब दिया. वे और ISC वर्षों से जो भूमिका निभाने का इंतज़ार कर रहे थे - बाहरी स्पेस तक पहुँचने का रास्ता ढूँढने में विश्व का नेतृत्व करना - अब उसका समय आ गया था!

“मैं आगे बढ़ने के लिए तीन चरणों वाली इस कार्यवाही का प्रस्ताव रखता हूँ. पहला, इस कोड की प्राप्ति का संदेश देते हुए एक फोकस किया गया सिग्नल प्रॉक्सिमा सिस्टम को भेजने की मंजूरी. दूसरा, प्रकाश से भी तेज ट्रांसमिशन पर GMRT के साथ काम करने के लिए रक्षा संचार सेटअप को खोलना. हमारे पास छोटी दूरियों तक FTL सिग्नल भेजने की क्षमता तो है, लेकिन अधिकांश तकनीक अभी भी गोपनीय है. और तीसरा और आखिरी, सेंटौरी सिस्टम तक जाने के लिए एक इंसानी मिशन की तैयारी, और जिसने भी ये संदेश भेजा है, उनके साथ व्यक्तिगत संपर्क बनाना.”

“हवा के घोड़े पर सवार मत होओ, श्रीनिवास,” रक्षा मंत्री ने उनकी बात काटी, “अगर हम इन सबके लिए मंजूरी दे भी दें तो भी प्रश्न यह उठता है कि - हम इन..इन एलियंस के बारे में कुछ भी तो नहीं जानते. उनके इरादे क्या हैं? हमें कैसे पता चलेगा कि वे शांति से बात करेंगे और हमसे युद्ध की ताक में नहीं बैठेंगे? प्रधान मंत्री जी, आपने कुछ समय पहले इसका जिक्र किया था और मैं एलियन सभ्यताओं के प्रति हमारे दृष्टिकोण की ब्लू बुक पर ब्रीफिंग की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा. जब तक यह पता न चल जाये कि वे लोग शांतिप्रिय हैं, हमें किसी भी प्रकार के संपर्क से बचना चाहिए. सौ साल पहले उन प्रोब्स को भेजकर वे लोग खुद तो निकल लिए...और मुसीबत अब हमारे गले पड़ने वाली है.”

“पूरे सम्मान के साथ मैं बताना चाहूँगा सर, कि इस बात की कतई संभावना नहीं है कि सेंटौरी पर कोई हमें नष्ट कर डालने के लिए बैठा हमारा इंतज़ार कर रहा है. यह सिर्फ फिल्मों और नॉवलों में होता है कि एलियन जातियाँ धरती और इसके लोगों का विनाश करने पर तुली होती हैं,” श्रीनिवास ने कहा.

“मैं श्रीनिवास से सहमत हूँ, मंत्रीजी,” डॉ. प्रिया ने कहा. “हमें यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि पूरे ब्रह्मांड में हम अकेले हैं या यहाँ और लोग भी हैं, यह प्रश्न दूसरी बुद्धिमान जातियों के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना हमारे लिए. हो सकता है प्रॉक्सिमा बी पर भी लोग अभी इस वक्त इसी विषय पर बात कर रहे हों.”

“हालाँकि, उनकी तरह हमें कोई गोल्डन रिकार्ड नहीं मिला है, जो हमें उनके बारे में कोई जानकारी देता हो,” डॉ. सुब्रमण्यम ने उसका समर्थन करते हुए कहा. “क्या पता अभी जब हम बात कर रहे हैं, तो एक सेंटौरी प्रोब उड़ता हुआ हमारी ही ओर आ रहा हो. बस हमें अभी तक वह मिला नहीं है. खैर, हमारे रिकार्ड साफ़ तौर पर हमारे शांतिपूर्ण इरादों और साइंस की हमारी नॉलेज के बारे में बताते हैं. और वैसे भी, अगर वे एलियंस युद्ध

चाहते होते तो क्या हमें यूं नोटिस भेजते?”

“जो भी हो, इस बात की संभावना तो है ही, और इसलिए सावधानी तो रखनी ही पड़ेगी,” रक्षा मंत्री फिर से बीच में कूदे. “अजी, मैं तो कहता हूँ इस काम पर मिलिट्री को लगाना चाहिए. अगर आप लोग वहां आदमी भेजने पर तुले ही हैं, तो फिर सिविलियनों को नहीं, मिलिट्री को वहां जाना चाहिए.”

“लेकिन इससे तो शायद उन लोगों की तरफ से भी ऐसा ही जवाब मिलने के अलावा कुछ नहीं मिलेगा!” श्रीनिवास ने विरोध किया. “किसी दूसरे ग्रह की सभ्यता के लोगों से मिलने का यह मौका बड़ी मुश्किल से आज हमें मिला है. हम इसमें ताकत का इस्तेमाल नहीं कर सकते!”

“मैं श्रीनिवास से सहमत हूँ, बलराज,” माहौल को हलका बनाने के लिए मंत्रीजी ने कहा. “नयी सभ्यता को ढूँढने के लिए हम कटिबद्ध हैं और ऐसा पहली बार हुआ है कि हमें ऐसा एक मौका और हमारे सोलर सिस्टम के बाहर एक खास जगह मिली है. इंसान ने युद्ध की अपनी आदिम इच्छा को जीतने के लिए कितनी तरक्की की है, ज़रा ये तो देखो. हम आज भी सीमाओं से बंटे हुए हैं, पर फिर भी सब जगह शांति है. हमें यह छोड़कर अब स्पेस में वॉर शुरू नहीं कर देनी चाहिए.”

साफ़ दिख रहा था कि रक्षा मंत्री को यह बात समझ नहीं आयी है. दरअसल, अनेक युद्ध लड़ चुकने और अपने लोगों को लड़ाई के मैदान में खो देने के डर को अच्छी तरह समझने के कारण, वे इन तकनीकतंत्रियों द्वारा की जाने वाली बड़ी-बड़ी बातों से कम ही प्रभावित होते थे. अपने चारों तरफ बैठे लोगों को हाँ में सर हिलाते देख उन्हें यह तो समझ आ ही रहा था कि यहाँ उनकी आवाज़ नक्कारखाने में तूती की आवाज़ साबित होने वाली है. लेकिन वे हार मानने वालों में से नहीं थे. उन्होंने सोच लिया था कि अपने प्यारे देश और उससे भी प्यारी धरती, दोनों को सेफ कैसे रखना है.

प्रधान मंत्री ब्रीफिंग शुरू होने से पहले ही अपना निर्णय ले चुके थे. यह न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी इंसानियत के लिए एक निर्णायक क्षण था. इस सिग्नल को एक भारतीय संस्थान द्वारा समझा गया था, यह सोचकर उनका सीना गर्व से चौड़ा हो गया. इंडियन स्पेस सेंटर से FTL इंसानी फ्लाईट को हकीकत में बदलने के लिए की जाने वाली तैयारी के बारे में सब लोगों को बताने का वक़्त आ गया था. स्पेस में देश को एक सुपरपावर बनाने की दिशा में आज से 80 साल पहले सन 2009 में चंद्रयान से शुरू हुए इस काम का असली फल अब मिलने वाला था. वे श्रीनिवास की ओर देखकर मुस्कराए.

“मैं सहमत हूँ, बलराज. हम फिलहाल के लिए, जब तक इसके बारे में कोई नयी जानकारी नहीं मिलती, अपने झगड़े को एक तरफ रख देते हैं. और इस बीच, डॉ. श्रीनिवास, आपकी तीनों बातें कुछ शर्तों के साथ मंज़ूर की जाती हैं. जवाबी सिग्नल तुरंत भेजने की तैयारी करो. मैं आज शाम तक सिक्योरिटी काउंसिल और ‘8’ के नेताओं से भी इस बारे में बात करूंगा. चाहे इस मिशन का लीडर भारत ही है, लेकिन देर-सवेर सभी को इसके बारे में बताना ही होगा और यह पूरी इंसानियत के लिए खुशी और गर्व की बात होगी. जहाँ तक इसके तकनीकी पक्ष का सवाल है, मैं यह जिम्मेदारी तुम्हें और संबंधित मंत्रियों को सौंपता हूँ. अपनी टीम को इस प्रोजेक्ट में की गई उनकी कड़ी मेहनत के लिए मेरी ओर से धन्यवाद देना. तुमने अपने देश का सर गर्व से ऊंचा कर दिया है!”

## 2117 – जंप

-----[-]-----

मनीषा अगले जंप का बेसब्री से इंतज़ार कर रही थी. उसे अपने कोकून में अकेले, जहाँ सिर्फ शिप और नारद उसके साथी होते थे, समय बिताना बहुत पसंद था. वह इस समय को किताबें पढ़ने में बिताती थी.

वह ISC में एडवांस ट्रेनिंग में जाने की कोशिश कर रही थी, ताकि तकनीक विभाग से निकलकर कमांड विभाग में जा सके. उसे इस दिन का इंतज़ार था जब वह सितारों की खोज की अगली पीढ़ी का कैप्टन बनकर नेतृत्व करेगी.

बाकी सब लोगों को जंप के दौरान गुंबद में क्लौस्ट्रोफोबिया की फीलिंग होती थी, लेकिन मनीषा को ऑपरेशन सेंटर में अकेले रहने में मज़ा आता था. चौड़ी खिड़कियों से वह चारों ओर बिखरे सितारों का भव्य नज़ारा देख सकती थी और उससे भी अधिक, वह इनमें से किसी को भी पास से देखने के लिए एक स्क्रीन में भी बदल सकती थी. वैसे तो अधिकतर काम नारद ही करता था और उसकी जरूरत सिर्फ तभी होती थी, जब या तो कोई बड़ी गलती हो जाए या अचानक कोई अनपेक्षित परिस्थिति पैदा हो जाए. शिप के अपनी यात्रा पर निकलने

से काफी पहले ही यह पूरा कोर्स निर्धारित किया जा चुका था और इसके लिए किसी भी मैनुअल इनपुट की जरूरत नहीं थी। लेकिन, जरूरत पड़ने पर वह जहाज को कूज़ मोड में खुद भी चला सकती थी।

इस बीच, सारा कू गुंबद में इकट्ठा हो चुका था और अपने-अपने कैप्सूलों में दाखिल हो रहा था। नारद सब की गिनती करके उसकी पुष्टि कर चुका था - सभी लोग उपस्थित थे और जवाब दे चुके थे।

जैसे-जैसे कैप्सूल एक के बाद एक बंद होते गए, लाइटें मंदी होती गयीं और कू को कृत्रिम निद्रा की अवस्था में भेज दिया गया। कोकून को क्रियाशील कर दिया गया और गुंबद एकाकीपन की अवस्था में चला गया। पूरे शिप की लाइटें अपने आप मंदी हो गईं और जीवन को सपोर्ट करने वाले सारे सिस्टम ऑफलाइन हो गए। अब सिर्फ चार महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए ही पावर का उपयोग हो रहा था, नेविगेशन और प्रोपल्शन, गुंबद, हल और ऑपरेशन सेंटर। ऐसा करना जरूरी होता था क्योंकि जंप सिर्फ 8 घंटे में उससे ज्यादा एनर्जी यूज कर लेता था, जितनी लाइट की स्पीड पर कई दिनों तक शिप को उड़ाने या यात्रा करने के लिए जरूरी होती थी।

मनीषा को अपने स्टेशन पर सारी तैयारी हो जाने की खबर कई ग्रीन सिग्नलों द्वारा मिली और उसने मैनुअली इसकी पुष्टि की।

“नारद,” उसने AI को संबोधित किया, “शिप जंप के लिए तैयार है। अब पूरा कंट्रोल तुम्हारे हाथ में है。”

“धन्यवाद, लेफ्टिनेंट,” नारद ने जवाब दिया। “मैं एक्टिवेट कर रहा हूँ。”

शिप की स्पीड बढ़ती गई और अगले कुछ मिनटों तक यह बढ़ती ही रही, जब तक कि शिप लाइट की स्पीड को पार करके किसी साधारण देखने वाले की दृष्टि से ओझल नहीं हो गया। क्वांटम साइंस के जिन सिद्धांतों पर जंप काम करता था, वे मनीषा की इंजीनियरिंग की पढ़ाई का ही एक हिस्सा रहे थे, लेकिन न जाने क्यों उसे एक बात आज तक समझ नहीं आई थी कि जंप के दौरान शिप अपने शुरुआती स्थान के आसपास के एक से अधिक स्थानों पर एक साथ उपस्थित कैसे रह सकता था।

दरअसल इस फेस के दौरान कोई भी नेविगेशन संभव नहीं होती थी। अगर निर्धारित किए गए कोर्स को जरा भी बदलने की कोशिश की जाती तो शिप के टुकड़े टुकड़े हो जाते। जंप सिर्फ एक सीधी क्लियर लाइन में ही किया जा सकता था। कोई इमरजेंसी होने पर इसे रोका तो जा सकता था, लेकिन ऐसी स्थिति में उस पर बहुत अधिक दबाव पड़ता।

नेविगेशन में कुछ सीमाएं और पावर की बहुत अधिक जरूरत होने के कारण शिप FTL यात्रा लगातार न करके चरणों में ही कर सकता था। इसके अगले हिस्से में लगे सेंसर, रडार और बाकी इंस्ट्रूमेंट्स लाखों किलोमीटर आगे तक के रास्ते में आने वाली छोटी-से-छोटी चीज़ को पहचानकर उसका रास्ता साफ़ रखने में मदद करते थे। ये इंस्ट्रूमेंट्स गति रोधकों को स्कैन करने के लिए जंप की पूरी अवधि के दौरान एक्टिव रहते थे, लेकिन उनका प्रभाव एक सीमा में ही होता था।

जैसे ही अंतरिक्ष टर्मिनल वेलोसिटी में पहुंचा, एक दर्शक के रूप में मनीषा को नज़र आने वाला दृश्य बदल गया। अब चारों ओर अँधेरा था, क्योंकि आसपास के सितारों से आने वाली रोशनी शिप तक समय से नहीं पहुँच पा रही थी। खिडकियों में टाइम-डिले सर्किट लगे होने के कारण कुछ दूरी तक की ही चीज़ें देखी जा सकती थीं। एक तरह से शिप बंद आँखों से उड़ रहा था।

कमरे के बीचों-बीच एक होलो-इमेज में सफ़र का अंतिम स्टेशन एक चमकदार नीले बिंदु के रूप में और धरती एवं गंतव्य के संदर्भ में शिप की पोजीशन ‘अंतरिक्ष’ के ही आकार के एक हरे आइकॉन के रूप में दिखाई दे रहे थे। फ्लाइट के रास्ते में बाधा बन सकने वाली छोटी-मोटी चीज़ें अपनी पिछली मापी गई वेलोसिटी और पोजीशन के साथ लाल रंग में नज़र आ रही थीं।

इन चीज़ों को पहचानने और वर्गीकृत करने का काम बैकग्राउंड में चलता रहता था और जरूरत पड़ने पर उपयोग के लिए स्टोर किया जाता था।

इंटरस्टेलर धूल और दूसरी बारीक चीज़ों का पता लगाने के बजाय आगे की शील्डिंग से उन्हें हटा दिया जाता था। चार लेयरों वाली इस शील्ड की सबसे बाहरी परत थी, लेज़र लेयर, जो शिप से सैंकड़ों मील आगे बैरियर बनाकर शिप के रास्ते में आने वाली चीज़ों को उड़ा देने के लिए लगातार हाई इंटेन्सिटी वाली बीम्स की एक किरण छोड़ती रहती थी। अगर शिप की FTL स्पीड के रास्ते में कोई बड़ी चीज़ आ जाती, तो वह शिप को नष्ट कर देती। दूसरी लेयर थी एक मैग्नेटिक स्क्रीन, जो धूल और अन्य छोटे कणों को हटाने के लिए थी। तीसरी शील्ड अगले हिस्से से कुछ मीटर आगे निकली हुई थी, जो थोड़ी बड़ी नॉन-मैग्नेटिक चीज़ों के सामने आ जाने पर उनके असर को खुद झेलकर उन्हें उछालकर दूर फेंक देने के लिए थी। और अंत में, हल यानि ढाँचे का सबसे बाहरी हिस्सा कई परतों वाले संयोजनों का बना हुआ था, जो उन्हें नुकसान पहुंचने की दशा में खुद को फिर से बना

सकते थे. इनमें से कोई भी सुरक्षा प्रणाली किसी बड़ी वस्तु के बीच में आ जाने पर टकराव को रोकने में समर्थ नहीं थी और इसीलिए शिप का रास्ता पहले से योजना बनाकर बड़ी सावधानी से तैयार किया जाता था.

अपने सुरक्षा बंधनों के बीच फंसे-फंसे मनीषा ने अंगड़ाई ली. यह शिफ्ट काफी लंबी होने वाली थी. उसका डिस्प्ले उसकी निगाहों की जद में रहते हुए ही थोड़ा खिसककर अब शिप के सब-सिस्टमों के विभिन्न मानदंड दिखाने लगा.

उसने अपनी उंगली के एक इशारे से अपनी पर्सनल स्क्रीन को चालू किया और अपनी मां को लिखा एक लेटर पूरा करना शुरू किया. वह भारत के पूर्वी भाग के एक छोटे शहर में पली बड़ी थी और इस ऊंची पोजीशन तक उसकी पहुंच सिर्फ उसकी मां के दृढ़ निश्चय और उसकी अपनी कड़ी मेहनत की वजह से ही संभव हो पायी थी.

उसके पिता चाँद पर MG 1 कॉलोनी में काम करने वाले एक बायो-इंजीनियर थे, जो वहां खाद्य फसलें उगाने की कोशिश कर रहे थे. उसने उनके साथ चाँद तक की यात्रा की थी और वहां से आसमान में बिखरे सितारों के उस खूबसूरत नज़ारे को देखा और सराहा था, जिसे आमतौर पर धरती के चारों ओर स्पेस में फैले कचरे के कारण देख पाना नामुमकिन होता है. चाँद पर एक रूटीन मिशन में एक अजीब एक्सीडेंट में हुई उसके पिता की मौत भी स्पेस में जाने की उसकी चाहत को कम नहीं कर पाई थी और वह उससे भी कहीं आगे तक जाने की इच्छुक थी, जितना उसके पिता गये थे.

स्पेस अकेडमी की प्रवेश परीक्षा में उसके टॉप करने से पूरे शहर में जैसे हलचल पैदा हो गयी थी. उसके बाद उसने दिल्ली-चंडीगढ़ मेगासिटी में भी थोड़ा समय बिताया, लेकिन अकेडमी में बिताये 4 वर्षों ने उसके जुनून को हवा दी और उसके उत्साह को जुनून में बदल दिया. क्वांटम मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ली गयी उसकी डिग्री ने ISC के स्पेस कैडेट प्रोग्राम में उसकी एंट्री के लिए उसे अच्छी तरह तैयार कर दिया था. ISC में भी मनीषा ने एक एस्ट्रोनॉट बनने के लिए ज़रूरी कड़ी अपेक्षाओं में अपना बढ़िया प्रदर्शन जारी रखा और कमांड स्ट्रीम में जाने के बजाय इंजीनियरिंग और मैकेनिक्स स्ट्रीम को प्राथमिकता दी.

सिर्फ तीन साल पहले ग्रेजुएट बनी इस लड़की को गहन स्पेस में जाने वाले धरती के पहले मिशन के लिए ही चुन लिया गया था. उसका मानना था कि उसे कैप्टन के रूप में बिलकुल आदर्श मार्गदर्शक मिला था. अनारा का अनुभव और मज़बूत टीम बनाने की उसकी क्षमता सबसे काबिल लोगों को भी उसके साथ काम करने के लिए आकर्षित करती थी. टीम को अंतरिक्ष के लिए तैयार करने वाला तीन साल का ट्रेनिंग प्रोग्राम बहुत थका देने वाला था. फिर भी लॉन्च के दिन सारे पचपन लोग इस नए शिप में गहन स्पेस में जाने के इस चैलेंज को स्वीकार करने के लिए पूरे उत्साह के साथ वहां मौजूद थे. बीते कुछ हफ्तों में उसने धीरे-धीरे टीम में इतनी साख बना ली थी कि कैप्टन ने पिछले तीन जम्पों की निगरानी के लिए कमांडर रायन की जगह कंट्रोल रूम में अकेले उसे नियुक्त कर दिया था.

अपना लैटर पूरा करके उसने उसे अगले ट्रांसमिशन में धरती पर भेजे जाने के लिए मार्क कर दिया. फिर एक नज़र अपने सामने उभर रहे नंबरों पर डाली और हाथ के इशारे से स्क्रीन को सामने से हटा दिया. बीचोंबीच बना होलोग्राम 'अंतरिक्ष' की टर्मिनस तक लगातार हो रही प्रगति को दिखा रहा था. दो घंटों में शिप जंप से बाहर आ जाने वाला था और फिर मनीषा कू को जगाकर आराम से सोने जा सकती थी. उसके बाद उसे इंजीनियरिंग वाले माधवन के साथ पावर लीक का स्रोत पता लगाने का काम करना था. हर सिस्टम को दूर से चेक कर लेने के बाद भी वे अभी तक लीक का कारण पता नहीं लगा पाए थे.

वह इस काम के लिए एक अलग ड्रोन प्रोग्राम करने की सोच रही थी, जो बिना कोई संदेह पैदा किये सिस्टमों को फिज़िकल रूप से चेक कर सके.

"लेफ्टिनेंट मनीषा, सभी सिस्टम सामान्य हैं और हम टर्मिनस से 1.55 घंटे दूर हैं," तभी नारद की आवाज़ सुनाई दी.

"हाँ, मैं सहमत हूँ," उसने जवाब दिया. यह जंप भी पहले वालों की ही तरह एकदम सामान्य रहा था.

"हालाँकि, मुझे कुछ संदेहास्पद चीज़ दिखाई दे रही है," नारद ने अपनी बात जारी रखी. "M2575 नाम से मार्क की गई यह चीज़ दो बार रास्ता बदल चुकी है, जबसे हमने इसकी निगरानी शुरू की है. और ये बदलाव नेविगेशन कंप्यूटर द्वारा फ्लैग किये जाने के लिए काफी थे."

अब मनीषा अपनी कुर्सी में थोड़ी सीधी होकर बैठ गयी. पिछले कई हफ्तों में यह पहली बार था, जब किसी चीज़ को शिप के लिए खतरे की श्रेणी में रखा गया था. "हम इसके बारे में और क्या जानते हैं, नारद?" उसने AI से पूछा.

"कुछ खास नहीं. आखिरी फुल स्केल रीडिंग जंप से पहले ली गई थी और बिल्ट-इन टाइम डिले के कारण



वर्तमान डेटा पॉइंट सिर्फ एक अनुमान हैं. रास्ते में बदलाव तो निश्चित तौर पर हुआ है, लेकिन इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कह सकता.”

“समझ गयी. मेरे खयाल से हम अभी के लिए इसे प्रायोरिटी नं. 1 मार्क कर देते हैं और टर्मिनस पर पहुँचते ही सबसे पहले इसे स्कैनर्स से चेक करेंगे.”

“मैंने एक्शन नोट कर लिया है, लेफ्टिनेंट,” नारद ने जवाब दिया, लेकिन मनीषा की निगाहें M2575 की होलोग्राम इमेज पर जमी थीं, जो वैसे तो स्थिर थी, पर उसके नीचे अभी-अभी हुए तीन नए बदलावों की रीडिंग नज़र आ रही थीं.

## 22 वर्ष पहले, 2095 – नया स्पेसशिप ‘अंतरिक्ष’

-----[-]-----

डायरेक्टर श्रीनिवास अपने ऑफिस के रास्ते में उड़न गाड़ी में विचारमग्न बैठे थे। उनकी किराये की उड़नटैक्सी उनके घर से निकलकर मुख्य टर्न लेने के बाद हाइवे से ISC मेन कैंपस में जाने की लाइन में खड़ी थी।

उड़न गाड़ियों की ट्रेन एक सिरे से दूसरे सिरे तक बनी हुई थी। अपने गंतव्य तक पहुँच कर एक-एक गाड़ी लाइन से निकल कर उड़ते हुए आगे बढ़ जाती, तब तक दूसरी नयी आकर लाइन में लग जाती और इस तरह ट्रेन चलती रहती। ट्रेन को बनाने वाली इन डिब्बा गाड़ियों में सिर्फ रंग का अंतर था। मानकीकरण को अपना लेने के बाद यातायात के साधन अब कम कीमत पर सबके लिए उपलब्ध थे। क्योंकि ये सब हवा में उड़ने वाले थे, इसलिए अब हार्ड सड़कों की ज़रूरत नहीं रह गई थी, हालाँकि रास्ते अभी भी निर्धारित और नियंत्रित किये जाते थे। अधिकतर लोगों की तरह डायरेक्टर के पास भी अपनी खुद की उड़न गाड़ी नहीं थी, जब उन्हें ज़रूरत होती थी तो वह किराए पर उसे मंगा लेते थे। उन्होंने ऊपर ट्रेन की ओर देखा और उनके दिमाग में प्रधानमंत्री के साथ पिछले दिन की मीटिंग की यादें ताजा हो गईं।

ISC पहले से ही एक ऐसा प्रोटोटाइप अंतरिक्ष यान टेस्ट कर चुका था जो FTL वेलोसिटी तक पहुँच सकता था और यह बात प्रधानमंत्री ने बिना कहे छोड़ दी थी। दूसरे देशों की भेदती आंखों से दूर सोलर सिस्टम के दूसरे सिरे पर गुप्त रूप से चल रहे टेस्टों से ब्रह्मांड में दूर तक भार ले जाने की शिप की क्षमता का पता चला था।

वेशक, अभी उन्हें इस नई FTL यात्रा, जिसे जंप कहा जाता था, के दौरान क्रू को ज़िंदा रखने के तरीके ढूँढना बाकी था। क्वांटम मैकेनिक्स के संयोजन से संभव हुई FTL यात्रा के प्रभाव, जिनमें स्पीड भी शामिल थी, निश्चित रूप से किसी भी बायोमैटर की धज्जियां उड़ा सकते थे।

कुछ साल पहले ISC की यातायात लैब में ‘गुंबद’ नाम की एक चीज के प्रयोग से एक बहुत ही महत्वपूर्ण खोज की गई थी। वैज्ञानिकों का मानना था कि एक FTL ट्रांसपोर्ट के भीतर एक कोकून का निर्माण करना संभव है। शिप के FTL स्पीड पर यात्रा करने के दौरान इस कोकून को सारे बाहरी संदर्भों से अलग करके भी, लोगों के एक समूह को उसके भीतर रखकर, शिप के साथ जोड़े रखना संभव था। गुंबद के निर्माण और उसके ट्रायल के होने में कुछ समय लगने वाला था और श्रीनिवास को धरती पर अब तक का सबसे बड़ा अंतरिक्ष यान बनाने के लिए उस समय की ज़रूरत थी।

इसके लिए वैज्ञानिकों, तकनीशियनों और मजदूरों की एक बड़ी टीम की और काफी मात्रा में पैसे की ज़रूरत थी। सौभाग्य से वे एक ऐसे देश में पैदा हुए थे जो इसे अफोर्ड कर सकता था। उन्हें उस यान में भेजने के लिए अंतरिक्ष यात्रियों और तकनीशियनों की एक टीम बनाना शुरू करने की भी ज़रूरत थी। वे सोच रहे थे कि क्या अभी भी इस बात की संभावना थी कि मिलिट्री इस प्रोजेक्ट को अपने हाथ में ले लेगी।

तभी उनकी कार ट्रेन से अलग होकर IPS कैंपस में दाखिल हुई और श्रीनिवास अपनी खयाली दुनिया से बाहर आ गए। सिक्योरिटी उपकरणों ने कार को स्कैन किया, उसमें बैठे व्यक्ति को पहचाना और अंदर जाने की इजाजत दे दी, और कार हवा में तैरते हुए उनके ऑफिस के बाहर बने एक स्टॉप पर रुक गई।

ऑफिस की सीढ़ियां चढ़ते हुए उन्होंने निश्चय किया कि वे इस खबर को सबसे पहले अपनी टीम को सुनायेंगे। उन्होंने AI को बुलाया और GMRT में डॉक्टर आर्यन से संपर्क किया।

“गुड मॉर्निंग, डॉक्टर आर्यन, आशा करता हूँ कि आप अच्छे हैं।”

“मैं ठीक हूँ, डायरेक्टर। प्रधानमंत्री के साथ आपकी मीटिंग कैसी रही? क्या आपको आगे बढ़ने की इजाजत मिल गई?”

“हां, हम इस पर आगे काम कर सकते हैं। हमें संदेश भेजने की परमिशन मिल गई है। बस भेजने से पहले हमें संदेश को उनसे अप्रूव कराना होगा। क्या तुमने सोच लिया है कि इस वापसी संदेश में क्या लिखना है?”

“जी, सर। मैंने इसे बिल्कुल सीधा-सादा रखा है। क्योंकि लग रहा है कि वे लोग SOS को समझते हैं, इसलिए हम हैडर में इसी शब्द को रखेंगे। इसके बाद प्रॉक्सिमा बी से आए मैसेज में दिए गए कोऑर्डिनेटों पर आधारित हमारी लोकेशन दी जाएगी। सिग्नल को जो दूरी तय करनी है उसके आधार पर इसे अपने गंतव्य तक पहुँचने में करीब 4 वर्ष का समय लग जायेगा। हाँ, जब तक हमें दोबारा इसका जवाब नहीं मिलेगा, हम इसके डिलीवर होने की पुष्टि नहीं कर पाएंगे।”

“ठीक है। तुम इस पर काम करो। जब तैयार हो जाए तो मुझे बता देना। धन्यवाद।”

होलो इमेज की लाइट बंद हो गई और डायरेक्टर अपने अगले काम को पूरा करने में लग गये. अब नाए शिप के, जिसे उन्होंने 'अंतरिक्ष' नाम दिया था, योजना विभाग में बात करने की बारी थी. इससे पिछली पीढ़ी के शिप 'आकाश' ने ट्रायलों के दौरान काफी बढ़िया काम किया था.

हालाँकि, 'आकाश' के मानव रहित होने के कारण, इसे पहले से प्रोग्राम किये गये रास्तों पर कभी-कभार ही जंप ट्रायलों के लिए यूज़ किया जाता था. 'आकाश' में गुंबद को बाद में जोड़ा जाना था और फिर इंसानों द्वारा इसे उड़ाकर इसकी लाइट से भी तेज़ उड़ पाने की क्षमता को टेस्ट किया जाना था. इन सारे ट्रायलों के नतीजे इंसानों को स्पेस में ले जा सकने वाले शिप्स की अगली पीढ़ी को बनाने में मददगार साबित होते. श्रीनि ने एक मीटिंग बुलाने के लिए प्रोजेक्ट के इंचार्ज के नाम एक मैसेज छोड़ दिया. पूरे निर्माण कार्य की निगरानी वे खुद करने वाले थे.

इसी बीच एक और काम किया जाना बाकी था: धरती से शुरू होने वाली इस पहली इंटरस्टेलर यात्रा के लिए कू को ढूँढना. इस पहली फ्लाइट की कमांडर बनने के लिए कैप्टन अनारा से बढ़िया और कोई विकल्प तो हो ही नहीं सकता था. पिछले कुछ सालों में वे कैप्टन पर पूरी तरह से आश्रित हो चुके थे. वह चाँद तक की सारी फ्लाइटों और ज्यूपिटर के चंद्रमाओं तक नियमित सप्लाइ और उनकी स्टडी के लिए भेजी जाने वाली फ्लाइटों का बहुत ही बढ़िया तरीके से संचालन कर रही थी.

उन्होंने अनारा को कॉल किया, जो उस समय ज्यूपिटर के चारों ओर यूरोपा स्टेशन पर सप्लाइ के मिशन पर गयी हुई थी. वह कुछ दिन पहले यूरोपा पर लैंड कर चुकी होगी और काफी संभावना थी कि इस समय वह बायोस्फीयर में हो. धरती के बाहर बने दूसरे बेसों की अपेक्षा बायोस्फीयर काफी छोटा था और बर्फ की मोटी तह पर केवल कुछ किलोमीटर में बना हुआ था.

कॉल को उस तक पहुंचने में कुछ मिनटों का समय लगा और समय का यह अंतर उकताने वाला था. साथ ही उन्हें यह एहसास भी हुआ कि एक बार सोलर सिस्टम से बाहर निकल जाने के बाद वे इस स्पेस मिशन से संपर्क करने में सफल नहीं हो पाएंगे और उन्हें योजना बनाते हुए इस बात का ध्यान रखना होगा.

ज्यूपिटर के चंद्रमा की सतह से अनारा लाइन पर आयी. "हेलो, डायरेक्टर."

"हेलो, कैप्टन. यूरोपा का क्या हाल-चाल है?"

"आप तो जानते ही हैं डायरेक्टर, यह कितने भयंकर रूप से ठंडा है. अभी भी टेंपरेचर ज़ीरो से 170 डिग्री नीचे है. रिसर्च स्टेशन ठीक काम कर रहा है. बेसिक इंस्ट्रूमेंट्स पहले से ही काम कर रहे हैं और अगली बार जब हम यहाँ आयेंगे, तब तक कॉलोनी तैयार हो चुकी होगी. यह जगह काफी इंटरस्टिंग है, डायरेक्टर. जैसे-जैसे हम बर्फ में थोड़े और गहरे तक खुदाई करेंगे तो हमें पता लग जाएगा कि इस चंद्रमा पर जीवन है या नहीं."

"बढ़िया, अनारा. वैसे मेरे पास तुम्हारे लिए यूरोपा से भी बढ़िया एक खबर है."

"यह तो कुछ दिलचस्प लग रहा है. बताइये न सर, वह बढ़िया खबर क्या है?"

"मैं यह सब फोन पर नहीं बता सकता अनारा. मैं तुम्हारे यूरोपा के ट्रिप को बीच में ही खत्म कर रहा हूँ. धरती पर पहुंचते ही तुरंत मुझसे आकर मिलो."

"ठीक है, सर. तो जल्दी ही मिलते हैं. अनारा आउट."

इसके बाद श्रीनिवास ने अपने व्यक्तिगत सहायक को फोन किया. अमन सामने के दरवाजे से अंदर आया और डेस्क के सामने आकर खड़ा हो गया.

"अमन, हम एक उच्च प्राथमिकता वाले मिशन पर काम शुरू कर रहे हैं जो अगले कुछ वर्षों तक जारी रहेगा. मैंने कुछ चीजों पर काम शुरू भी कर दिया है. तुम्हें तुम्हारे लॉग में सारी एंट्रीज़ मिल जाएंगी. तुम कैप्टन अनारा के स्केड्यूल पर नज़र रखना और जैसे ही वह धरती पर वापस आए, मुझे खबर देना."

"जी, सर."

"अब हम दोनों को मिलकर ऐसे लोगों की एक टीम बनानी है जो सेंटौरी सिस्टम तक की यात्रा करके वापस आ सकें." अमन की आंखें आश्चर्य से फटी रह गई. यह तो किसी भी इंसानी स्पेस यात्रा का अब तक का सबसे लंबा मिशन होगा. यानि, ISC में जो अफवाहें सुनने में आ रही थीं, वे सब सच थीं - एलियनों से वाकई संपर्क हुआ था!

"हाँ, अमन. यह सच है," श्रीनि ने कहा, जैसे उसके विचारों को पढ़ लिया हो. "हमें बाहरी स्पेस से पहला मैसेज प्राप्त हुआ है और हमें लगता है कि कोई बुद्धिमान सभ्यता धरती के लोगों से संपर्क बनाने की कोशिश कर रही है." पिछले कुछ दिनों की सारी घटनाओं के बारे में उन्होंने संक्षेप में अमन को बताया. "स्पेसशिप में कितने लोगों को भेजने की ज़रूरत होगी, इसका एक प्रारूप बनाने से शुरुआत करते हैं - जिनमें से सबसे पहली होगी, कैप्टन."

“जी, सर,” अमन ने कहा और एक स्क्रीन को चालू कर दिया. फिर उसने ISC द्वारा खोज कार्यों के लिए इस्तेमाल किए गये पिछले दस इंसानी मिशनों का मानक प्रारूप उस स्क्रीन पर खोल दिया. “हम संभवतः एक 20 वर्ष से भी लंबे मिशन के बारे में बात कर रहे हैं.”

“नहीं, बिल्कुल नहीं. हम ‘अंतरिक्ष’ का निर्माण करेंगे और इसकी फ्लाइट का समय 1 साल से भी कम होगा!”

“क्या?” अमन के लिए यह आज के दिन का दूसरा सरप्राइज था.

“हां, अमन. एक एलियन सभ्यता से संपर्क बनाने का यह पहला मौका हमें मिला है और मैं और तुम, हम दोनों, मिलकर इसे संभव बनाएंगे.”

## 2117 – विसंगतियां

-----[-]-----

एनर्जी भंडार से हो रहा ड्रेन अब अंतरिक्ष पर उच्च प्राथमिकता वाला विषय बन गया था. हालांकि अभी इतनी चिंता की कोई बात नहीं थी, लेकिन अगर जल्दी ही इसे ठीक न किया गया तो यह एक बड़ी मुसीबत बन सकता था. अपने गुप्त तरीकों से काफी गहन जांच पड़ताल करने के बाद भी माधवन किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाया था और कमांडर रायन इस बात से चिंतित था.

माधवन और मनीषा से दोबारा इस मसले पर बात करने के लिए पावर प्लांट की ओर जाते हुए वह उपलब्ध विकल्पों पर ही विचार कर रहा था. उन्होंने पाइपों और केबलों को खोलकर देखने के लिए ड्रोनों और रोबोटों का इस्तेमाल किया था लेकिन अभी तक उन्हें कुछ पता नहीं चल पाया था. अब शिप को रोक देने और सारे कनेक्शनों को खोलकर देखने के अलावा उसे और कोई तरीका समझ नहीं आ रहा था. कैप्टन नारद से सीधे बात करने के बारे में भी विचार कर रही थी, क्योंकि जानकारी को शेयर करने के बारे में उसकी यह उदंडता उसे भी चिंतित कर रही थी.

सीढ़ियों से उतरते हुए रायन के दिमाग में उस वक्त की यादें ताजा हो आईं जब इस शिप को बनाया जा रहा था. उसने एक बार फिर से अपनी अच्छी किस्मत को धन्यवाद दिया कि उसे यह मौका मिल पाया था. वह पहला अमेरिकन था जो इंटरस्टेलर स्पेस में पहुंचा था. एक समय था जब अमेरिका इस क्षेत्र में काफी आगे था और चांद पर कदम रखने वाला पहला व्यक्ति अमेरिका का ही था, लेकिन 21वीं सदी अपने साथ अनेक आर्थिक और सामाजिक चुनौतियां लेकर आई, जिन्हें सुलझाने में उसकी पूरी अर्थव्यवस्था बेदम हो गई.

रायन के माता पिता दोनों यूएस आर्मी में सैनिक थे और उसकी मां के सख्त अनुशासन ने ही छोटे रायन को अपने जिद्दी स्वभाव को सुधारने में मदद की थी. झूटी के लंबे घंटों के कारण उसके माता-पिता को अक्सर घर से दूर रहना पड़ता था और इसका असर रायन के स्वभाव और पढ़ाई दोनों पर पड़ रहा था. धीरे-धीरे उसके ग्रेड कम होते जा रहे थे. फिर भी, जैसे तैसे करके उसने अपने कॉलेज की पढ़ाई पूरी की.

माता पिता के साथ डिएगो गार्सिया के बेस में रहते हुए आखिरकार उसके मन में कुछ करने की इच्छा जागी और उसने कड़ी मेहनत करनी शुरू की और निश्चय किया कि वह वहां के सबसे बड़े स्कूलों में से एक से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करेगा. फिजिक्स में हासिल की गई उसकी डॉक्टरेट की डिग्री के कारण उसे नासा में नौकरी मिल गई, जहां उसने फौजी रणनीति पर काम किया और दक्षिणी अमेरिकन युद्ध में सीधे तौर पर हिस्सा भी लिया. इस मिशन के लिए भी उसने नासा के द्वारा ही अप्लाई किया था और ढेर सी कड़ी मेहनत और थोड़ी सी किस्मत के कारण आखिरकार उसे इस मिशन में सहायक के रूप में चुन लिया गया था. ISC इंटरनेशनल कू की खोज कर रहा था और फ्लाइट की इंजीनियरिंग टीम को पूरा करने के लिए प्रोपल्शन और क्वांटम मैकेनिक्स के क्षेत्र में उन्हें उसके ज्ञान की जरूरत थी.

“हां तो माधवन, क्या पोजीशन है?” प्लांट में घुसने पर उसने इंजीनियर से पूछा. इंजीनियर के साथ वे दोनों भी पहले से ही माधवन के स्टेशन पर मौजूद थे.

“ठोस रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता, सर,” माधवन ने जवाब दिया.

“ड्रोनों ने अपना काम कर लिया है और हर सर्किट, जिसे हम खोल सकते थे, उसे हमने खोल कर देख लिया है. जहां से हमने शुरू किया था, अभी भी हम वहीं खड़े हैं.”

“सिवाय?” मनीषा ने उसे कुछ और बोलने के लिए उकसाया.

“सिवाय इसके कि ड्राइंग्स की स्टडी करते वक्त हमें शिप के डिजाइन में एक छोटी सी अजीब बात दिखाई दी है, जिसे हम एक्सप्लेन नहीं कर सकते.”

“क्या यह एक और नया रहस्य है?”

“रहस्य तो नहीं, लेकिन कमी कह सकते हैं, जो हमारी सर्च से संबंधित है. डिजाइन की स्कीम को देखते हुए हमने पाया कि शिप की हर साइड में तीन हिस्सों में 1 मीटर का अंतर है. अगर मैं अतिरिक्त फील्डों और दीवारों को भी जोड़ दूँ, तो भी मुझे इसका कोई कारण समझ नहीं आता.”

“यह तो बड़ी अजीब बात है. जब शिप बन रहा था तो क्या तुम शुरू से उसमें शामिल नहीं थे? उस वक्त तुमने इस अंतर पर ध्यान नहीं दिया?” रायन ने पूछा.

“यह बात नहीं है, सर. शिप के निर्माण का काम शुरू हुए कुछ साल बीत चुके थे, जब मैं प्रोपल्शन सब सिस्टम



के प्रोजेक्ट प्रमुख के तौर पर इस प्रोग्राम में शामिल हुआ. इसका चीफ तो मैं कंस्ट्रक्शन के सिर्फ आखिरी 2 सालों में बना, और तब तक इसका ढांचा पूरा हो चुका था और उस वक्त हम इसके इंटीरियर डिजाइन और फील्ड ट्रायल के लिए तैयारी पर काम कर रहे थे. फ्लाइट कंट्रोलर नेविगेशन की अपनी ट्रेनिंग पूरी करने के बाद मनीषा तो और भी बाद में बिल्कुल आखिरी स्टेज पर इसमें शामिल हुई थी. और इसीलिए, मुझे कंस्ट्रक्शन पूरी हो जाने के अलावा कभी भी ढांचे के डिजाइन को देखने का मौका ही नहीं मिला.”

रायन ने सहमति में सिर हिलाया. “मेरे ख्याल से हमें यह सब कैप्टन को बता कर, आगे क्या करना है, उस की प्लानिंग करनी चाहिए.”

\*\*\*\*\*

“हां तो, कमांडर, हमारी इस समस्या के बारे में टीम ने क्या पता लगाया है?”

वे चारों इस वक्त अनारा के क्वार्टर में बैठे थे और अनारा ने अपने प्राइवसी फंक्शन को एक्टिवेट कर दिया था, ताकि नारद को उनकी बातों का पता न चल सके.

बीच-बीच में माधवन और मनीषा के कुछ हस्तक्षेपों के साथ रायन ने उसे सारी बात बताई. अनारा ने बीच बीच में कुछ प्रश्न पूछते हुए सारी बात ध्यान से सुनी.

जब रायन की बात पूरी हो गई तो वह अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक कर बैठ गई और दोनों समस्याओं के बारे में सोचने लगी.

“जो तुमने अभी मुझे बताया, उसे सुनकर मैं भी इस बात से सहमत हूं कि ये दोनों बातें आपस में संबंधित हैं,” उसने कहा. “कुछ ऐसे हिस्सों को किसी तरह से पावर की सप्लाय दी जा रही है, जिनके बारे में हम कुछ नहीं जानते, और ऐसा किस कारण से हो रहा है, उसके बारे में भी अभी हम कुछ नहीं कह सकते. मुझे लगता है कि हमारे सीधा एक्शन लेने का समय आ गया है.”

“नारद,” उसने AI को संबोधित किया, “ज़रा ऑनलाइन आना प्लीज़.”

“हां, कैप्टन,” एक क्षण के अंतराल के बाद AI की आवाज़ सुनाई दी.

“नारद, मैंने तुमसे पावर ड्रेन के बारे में बात की थी. हम इसके सोर्स या जिस एरिया में यह भेजा जा रहा है, उसका पता नहीं लगा पाए हैं. तुम मुझे इसके बारे में कुछ बता सकते हो?”

“आई एम सॉरी कैप्टन, मेरी रीडिंग किसी भी तरह का ड्रेन नहीं दिखा रही हैं.”

“तो फील्ड उपकरणों और ड्रोनों ने जो रीडिंग ली है, उनके बारे में तुम्हारा क्या कहना है?” कैप्टन ने पूछा.

“मुझे लगता है कि यह कैलिब्रेशन एरर है,” नारद ने जवाब दिया.

“कैलिब्रेशन में कोई एरर नहीं है और यह बात तुम अच्छी तरह जानते हो, नारद. मैंने खुद सारी सेटिंग्स को चेक किया है!” कहते-कहते माधवन उत्तेजना में अपनी सीट से लगभग खड़ा ही हो गया. “क्या तुम यह कहना चाहते हो कि या तो मैं झूठ बोल रहा हूं या बेवकूफ हूँ?”

“मैं ऐसा कुछ नहीं कह रहा हूं. मेरा मतलब सिर्फ इतना है कि इंसानों से गलतियां हो सकती हैं और यह भी एक ऐसी ही गलती है.”

“तुम - तुम - गुस्से से कांपता हुआ माधवन अपना वाक्य भी पूरा नहीं कर पा रहा था. मनीषा ने चौंक कर उसकी ओर देखा. उसने इससे पहले उसे कभी इतने गुस्से में या चिढ़े हुए नहीं देखा था.

“ईज़ी, माधवन,” रायन ने उसे शांत करने की कोशिश करते हुए कहा.

“ईज़ी माय फुट! यह झूठा, मक्कार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपने आपको इंसानों से बेहतर समझता है!”

फिर, जैसे ही उसे याद आया कि कमरे में कैप्टन भी है, उसने तुरंत माफी मांगते हुए कहा, “आई एम सॉरी, मैम!”

अनारा वापस नारद से मुखातिब हुई.

“नारद, तुमने जो कहा, वह सरासर अनुचित और अनावश्यक था. मैं तुमसे एक बार फिर पूछती हूं, तुम मुझे पावर की इस सिचुएशन और ढांचे में अतिरिक्त जगह के बारे में क्या बता सकते हो?”

“आई एम सॉरी, कैप्टन, मेरे रिकॉर्ड इन दोनों ही स्थितियों की पुष्टि नहीं करते.”

इतने सारे साफ सबूत सामने होने के बाद भी वह समस्या को पहचानने तक से इनकार कर रहा था. अनारा ने किसी तरह अपने गुस्से को कंट्रोल किया और उसे वापस भेज दिया. नारद से सीधी बात करने का भी कोई फायदा नहीं हुआ था और वह साफ मुकर गया था.

“लगता है, सीधी उंगली से घी नहीं निकलेगा.” उसने अपनी टीम को संबोधित करते हुए कहा. “हमारे

अगले जंप के बाद हमें शिप को रोककर मामले की तह तक जाना होगा। कमांडर, मैं उम्मीद करती हूं कि अगले जंप के शुरू होने से पहले तुम यह काम करने के लिए पूरा प्लान तैयार कर लोगे। इसके लिए जिस भी चीज़ की तुम्हें ज़रूरत हो, तुम ले सकते हो। अब यह सिर्फ पावर ड्रैन की बात नहीं रह गई है। अगर शिप में कहीं भी किसी भी तरह की कोई गड़बड़ है और नारद भी हमारा साथ देने से इंकार कर रहा है तो मुझे नहीं लगता कि हमें आगे जाना चाहिए। आखिरकार यह 55 लोगों की जान का सवाल है।”

“अच्छा, यह बताओ माधवन,” अनारा ने उसकी ओर घूमते हुए पूछा। “क्या तुम्हें लगता है कि अगर हम नारद के प्रोग्राम को दोबारा स्टार्ट करें तो यह समस्या हल हो सकती है?”

“मैं भी इस बारे में सोच रहा था, कैप्टन। नारद के अंदर एक फेलसेफ सिस्टम लगा है। इसे केवल बहुत बड़ी इमरजेंसी की हालत में ही बंद किया जा सकता है और उसके बाद भी कंप्यूटर के सेंट्रल कोर में प्रोग्राम निष्क्रिय हो जायेगा। और यह केवल तभी हो सकता है जब हम वापस धरती पर पहुंच चुके हों।”

“अगर हम उसे शटडाउन करके रीबूट कर दें तो क्या होगा?”

“आपके कोड्स को इस्तेमाल करके तकनीकी रूप से ऐसा हो तो सकता है, लेकिन जब हम रीबूट करेंगे तब भी कोर प्रोग्रामिंग अपनी जगह पर ही रहेगी और नारद फिर वहीं पहुंच जायेगा जहाँ से हमने शुरू किया था। और इससे पहले कि आप इस मुद्दे पर आएं, मैं आपको बता दूँ कि मैं नारद के प्रोग्राम में कोई बदलाव या उसे ठीक करने का काम नहीं कर सकता। और मैं ही क्या, इस शिप पर मौजूद कोई भी व्यक्ति ऐसा कर सकता है, मुझे नहीं लगता। पहली बात तो यह कि यह एक हाई लेवल का करोड़ों लाइनों वाला कोड है। और दूसरी बात यह है कि AI प्रोग्राम से किसी भी प्रकार की छेड़खानी करना नियमों के सख्त खिलाफ है।”

“मुझे पता है, माधवन, लेकिन यहां अंतरिक्ष में, अगर ज़रूरी हो, तो इतनी छूट तो हम ले ही सकते हैं। हालांकि मेरे ख्याल से इससे भी कुछ खास फायदा नहीं होने वाला, क्योंकि तुम ज्यादा कुछ नहीं कर सकते।”

“आई एम सॉरी, कैप्टन,” माधवन ने कहा।

“चलो कोई बात नहीं, लेकिन हमें कोई विकल्प ढूँढने की कोशिश करते रहना चाहिए।”

“समझ गया, कैप्टन। एक बात और भी है। मनीषा?” रायन ने लेफ्टिनेंट की ओर इशारा करते हुए कहा।

“जी, सर। कैप्टन यह M2575 के बारे में है, जिसे हमने कुछ दिन पहले देखा था। अभी तक जिन भी चीज़ों या खगोलीय पिंडों से हमारा सामना हुआ है, उनके विपरीत इसने दो बार रास्ता बदला और तब यह हमारे रडार पर आई थी।”

“तुम इसके बारे में क्या जानती हो, मनीषा?”

“हम कोई स्थिर रीडिंग नहीं ले पाए हैं, क्योंकि यह अभी भी काफी दूरी पर है। इसमें बाकी तत्वों से मेटल और अलॉय निश्चित तौर पर काफी ज्यादा मात्रा में हैं। स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण में कोई खास बात सामने नहीं आई। हम लगातार इस पर नज़र रख रहे हैं,” मनीषा ने कहा।

“कैप्टन, जबसे हमने M2575 पर नज़र रखनी शुरू की है, तब से यह तीन और बार अपनी पोजीशन और वेक्टर बदल चुका है। यह हलका सा हमारे रास्ते में है और इस बात की काफी संभावना है कि यह बनावटी है और अपने प्रोपल्शन के अधीन है,” रायन ने कहा।

“तुम्हारा मतलब है यह कोई शिप या प्रोब हो सकता है? इसके बारे में हम और विवरण मिलने की उम्मीद कब तक कर सकते हैं?”

“मैं लगातार इस पर नज़र रखे हुए हूँ, कैप्टन। मुझे लगता है हमारे अगले जंप के बाद रेजोल्यूशन बढ़ जाएगी,” मनीषा ने कहा।

“यानि, अब हमारे सामने जांच के लिए तीन बड़ी समस्याएं सर उठाए खड़ी हैं। हमें संसाधनों को बांट लेना चाहिए और रावत को भी इसमें शामिल कर लेना चाहिए। मनीषा और मैं M2575 पर फोकस करेंगे, जबकि रायन, माधवन और रावत पावर के मामले को देखेंगे। आज के लिए इतना ही।”

जब सारी टीम एक-एक करके उसके क्वार्टर से बाहर जा रही थी, अनारा ने डायरेक्टर के लिए एक गुप्त संदेश लिखा और सामान्य प्रोटोकॉल को दरकिनार करते हुए बैकअप ट्रांसमिटर से उसे डायरेक्टर को भेज दिया। हो सकता है डायरेक्टर का जवाब उस तक न पहुंच पाए, लेकिन कम से कम शिप से बाहर के किसी आदमी को उनकी सिचुएशन के बारे में पता तो होगा!

## 22 वर्ष पहले, 2095 – नया कैप्टन

-----[-]-----

डायरेक्टर के कमरे में घुसते ही अनारा ने सैल्यूट किया। उसने कई बार डायरेक्टर श्रीनिवास के साथ काम किया था और लोगों के अंदर छुपी प्रतिभा को बाहर निकाल कर ले आने की उनकी प्रतिभा की वह कायल थी। वह यूरोपा से सीधी वापस आ रही थी और उसने अपने जहाज द्वारा ले जाए जा रहे सामान को फेंक कर मिशन को छोटा कर दिया था।

“तुम्हें वापस धरती पर अपने सामने देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है, अनारा।” डायरेक्टर ने कहा। उनकी आवाज से उनकी खुशी छलकी पड़ रही थी।

“मुझे भी, सर। काफी समय हो गया था मुझे वहां रहते। तो अब बताइए, क्या जल्दी थी, डायरेक्टर?” अनारा ने पूछा। वह पूरे रास्ते इसी उधेड़बुन में लगी रही थी कि एक एक्टिव मिशन से उसे यूं अचानक वापस बुलाने के पीछे क्या कारण हो सकता है।

“हूँ, इधर उधर की बातों में टाइम खराब न करके सीधे मतलब की बात पर आना तुम्हारी पुरानी आदत है। चलो ठीक है। मुझे यह बताओ, कि पिछली बीसवीं सदी में धरती से स्पेस में भेजे गए प्रोब्स के बारे में तुम क्या जानती हो?”

अनारा को कुछ समझ नहीं आया। क्या डायरेक्टर ने उसे हिस्ट्री पढ़ाने के लिए वापस बुलाया था? नहीं, इसके पीछे भी जरूर कोई कारण होगा, और यही सोचकर उसने बिना ज्यादा सोच-विचार किये उनके प्रश्नों का उत्तर देने का निश्चय किया।

“सर, सोलर सिस्टम और उससे आगे की खोज के लिए उस समय के दौरान बहुत से प्रोब स्पेस में भेजे गए थे। मुझे वॉयेजर और पायोनियर के नाम याद हैं,” उस ने जवाब दिया। ‘उस समय की तकनीकी सीमाओं के कारण इन प्रोब्स की जिंदगी बहुत छोटी थी और उनमें से अधिकांश का 21वीं सदी की शुरुआत में ही धरती से संपर्क टूट गया था। साथ ही, उनमें लगे उपकरण भी काफी पुराने जमाने के थे, लेकिन फिर भी हम उनसे हमारे सोलर सिस्टम के दूरदराज के ग्रहों को पहली बार देख पाए थे।”

“बिलकुल ठीक। तुम्हें यह भी याद होगा कि इन प्रोब्स में धरती की ओर से कुछ मैसेज छोड़े गए थे - इस उम्मीद में कि किसी दिन वे किसी एलियन सभ्यता को मिलेंगे और वह उन संदेशों को समझकर हम तक पहुंचने की कोशिश करेगी।”

“जी, सर। मुझे कुछ कुछ याद है कि उनमें गोल्डन डिस्क या प्लेटें लगी हुई थीं।”

“फिर से बिलकुल ठीक, अनारा। तो आज मैं तुम्हें यह बताना चाहता हूँ कि किसी को सचमुच वे संदेश मिले हैं और उन्होंने हम से संपर्क किया है!”

“क्या!!!” अनारा आश्चर्य से उछल पड़ी। उसे वापस बुलाए जाने के पीछे उसने जितने भी कारण अब तक सोचे थे, यह तो उनमें दूर-दूर तक नहीं था! “ओह माय गॉड! डायरेक्टर, यह तो बहुत ही धांसू खबर है।”

कब, क्यों, कैसे....कहां - जैसे हजारों प्रश्न उसके दिमाग में मंडराने लगे।

डायरेक्टर ने उसे GMRT में अब तक घटी सारी घटनाओं के बारे में उसे बताया और साथ ही प्रधान मंत्री के साथ हुई अपनी मीटिंग का संक्षिप्त ब्यौरा भी दिया।

“और यही वह कारण है अनारा, जिसके लिए तुम्हें जल्दी घर वापस बुलाया गया है,” उन्होंने मुस्कुराते हुए अपनी बात समाप्त की।

उन्हें पूरा विश्वास था कि वे उसके भीतर कौतूहल जगाने में पूरी तरह कामयाब रहे हैं। अब प्रश्न यह था कि वह इस जिम्मेदारी को उठाने के लिए हां कहेगी या नहीं? इससे जुड़े खतरों के कारण वह चाहते थे कि इस मिशन पर वह अपनी इच्छा से जाए।

“मुझे कहना पड़ेगा कि यह बात तो मैंने सपने में भी नहीं सोची थी, लेकिन अभी भी मुझे पूरी बात ठीक से समझ नहीं आई है। इस सबका मेरी वापसी से क्या संबंध है, जब तक कि....” उसने अपनी बात बीच में ही छोड़ दी।

“हां, अनारा, हमने उस सिग्नल का जवाब तो भेज दिया है, लेकिन साथ ही हम यह भी चाहते हैं कि जिन एलियनों ने हमारा मैसेज पढ़ा है उनसे संपर्क बनाने के लिए धरती से भी किसी को भेजा जाए।”

“इसका अर्थ है कि आप एक गहन स्पेस मिशन की तैयारी कर रहे हैं और आप चाहते हैं कि मैं उसका एक

हिस्सा बनूं? यह तो मेरी उम्मीद से परे है।”

“नहीं, मैं इससे कहीं ज्यादा चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि तुम इस मिशन की लीडर बनकर जाओ। देखो, जब से हमारी लैब्स ने इन सिग्नलों को खोजा है, यह निश्चय किया जा चुका है कि भारत की इस मिशन को अंजाम देगा और इस अत्यंत महत्वपूर्ण मिशन को पूरा करने के लिए जिस अनुभव और समझदारी की जरूरत है, उसके लिए मुझे तुमसे बेहतर कोई और नाम नहीं सूझता।”

“आपने जो कहा वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है सर, और मुझे पूरी उम्मीद है कि मैं आपको निराश नहीं करूंगी,” अनारा ने जवाब दिया और इसी के साथ डील फाइनल हो गयी। वह सोलर सिस्टम की सीमाओं को पार करने वाले कुछ पहले इंसानों में शामिल होने जा रही थी।

“मुझे पता है तुम नहीं करोगी, अनारा।”

“तो क्या हम असली तैयारी करना शुरू कर दें?”

“तुम पहले बैठ जाओ, इसमें अभी वक्त लगेगा।”

“तुमने आकाश पर ट्रेनिंग ली है ना?”

“जी, सर। दो बार नेपच्यून और उससे आगे तक गयी हूँ, लेकिन केवल सब-लाइट स्पीड पर। यह हमारे सारे शिप्स में सबसे तेज़ है।”

“यह सच है। लेकिन अब हम एक दूसरा शिप भी बना रहे हैं, अंतरिक्ष, जो आकाश से भी ज्यादा तेज़ होगा। तुम्हें जल्दी ही इसका सारा खाका मिल जाएगा और उससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि एक कैप्टन के रूप में कू का चुनाव भी तुम्हें ही करना है। अब मैं चाहता हूँ कि तुम अपने ऑफिस में जाओ, सारे प्लान्स को अच्छी तरह समझो और फिर वापस आकर मुझे बताओ कि हम इस शिप में इंसानों को किस तरह भेजेंगे। इतना जरूर ध्यान रखना कि - वैसे तो यह एक भारतीय मिशन है, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री चाहते हैं कि इसमें जाने वाले लोगों को पूरी दुनिया से चुना जाए।”

“देखो अनारा, इस मिशन के महत्व और इंसानियत के लिए इसकी अपरिहार्यता के बारे में मैं जो भी कहूँ, कम है। 100 से भी अधिक सालों से हम लोग एलियनों से संपर्क का इंतजार कर रहे थे। आज जो सफलता हमें मिली है, उसके पीछे SETI / CETI और कई और प्रोग्रामों का हाथ है। दूसरे ग्रह की सभ्यताओं के लोगों के बारे में अनेकों काल्पनिक कहानियाँ गढ़ी जा चुकी हैं और उनमें से अधिकतर उनके द्वारा धरती पर कब्ज़ा कर लेने या इसके विनाश पर खत्म होती हैं।”

“हां, मैंने उनके बारे में पढ़ा है डायरेक्टर। वास्तव में मुझे तो यह बात ही बहुत आश्चर्यजनक लग रही है कि हमें धरती के इतने पास एक सभ्यता मिली है।”

“यह देखना तो अभी बाकी है और वास्तव में तुम और तुम्हारा कू ही सबसे पहले इसका पता लगाने वाले हो। ISC के अनुसार इस बात की संभावना बहुत ही कम है कि हमें कोई ऐसी सभ्यता मिले, जो इतनी बड़ी और उन्नत हो, जिससे ग्रहों के बीच युद्ध की संभावना पैदा होती हो। बल्कि इस बात की ज्यादा संभावना है कि हमारे ये दोस्त भी हमारी तरह ही बात कर रहे हों और डर या गुस्से की बजाए एक उम्मीद के साथ हम से मिलने की कोशिश कर रहे हों।”

अपनी बात जारी रखते हुए डायरेक्टर ने कहा, “तुम्हारा यह काम दोतरफा होगा। पहला, हमारे और उनके बीच की प्रकाश वर्षों की इस दूरी को तय करने के लिए इस मिशन का नेतृत्व करना, जिसमें तुम्हारे द्वारा इकट्ठी की गई बेस्ट टीम तुम्हारा साथ देगी। और दूसरा, और ज्यादा महत्वपूर्ण हिस्सा है, कि तुम्हें एक एलियन सभ्यता के सामने धरती और इंसानियत का प्रतिनिधित्व करना है। चाहे हम कितने भी तैयारी कर लें, लेकिन उस खास मुलाकात के वक्त तुम्हें ही सब कुछ संभालना होगा। हमारे पास कोई भी जानकारी नहीं है।”

अनारा ने सर हिला कर सहमति जताई। वह एक अच्छी पायलट और बढ़िया कैप्टन हमेशा से थी, लेकिन उसने कभी भी अपने आप को एक राजदूत के रूप में नहीं देखा था।

“हम तुम्हारे साथ एक राजदूत को भेज सकते हैं, लेकिन जो परिस्थितियाँ आने वाली हैं, उनमें तेज़ी से सोचने और तुरंत कार्यवाही करने की जरूरत पड़ सकती है। साथ ही, अंतरिक्ष में रहने के अनुभव के बिना हम उन लोगों को इस मिशन पर नहीं भेज सकते। एक बार संपर्क हो जाने के बाद ज्यादा औपचारिक रिश्ते बनाए जा सकते हैं। मुझे विश्वास है इस काम के लिए तुम से बेहतर और कोई नहीं हो सकता। तुमने बहुत से मिशनों पर काम किया है, कई बार मुश्किल परिस्थितियों में फंसी हो और खतरनाक लोगों से निपटने में तुम्हारा कोई सानी नहीं है। अब हमारी सारी उम्मीदें तुम्हीं पर टिकी हैं।”

अनारा ने अपने जीवन में पहली बार डायरेक्टर के मुँह से इतनी लंबी स्पीच सुनी थी। साफ दिख रहा था कि

यह मिशन कितना महत्वपूर्ण है.

“आपने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है मैं उसे अच्छी तरह समझती हूँ, डायरेक्टर. मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ कि आपको निराश नहीं करूंगी,” उसने दोहराया.

“बहुत बढ़िया, तो तुरंत अपने काम पर लग जाओ. अमन इसमें तुम्हारी मदद करेगा. गुड बाय और बेस्ट ऑफ लक. जल्दी ही यहीं मुलाकात होगी.”

डायरेक्टर के ऑफिस से बाहर निकलते वक्त ही अनारा के दिमाग में योजना की रूपरेखा बननी शुरू हो गई थी. अगर शिप अभी बन ही रहा था तो उसके पास प्लानिंग के लिए काफी समय था. उसने फैसला किया कि वह पहले बेहतरीन अंतरिक्षयात्रियों और इंजीनियरों की एक बड़ी लिस्ट से शिप पर जाने वाले लोगों को ढूँढना शुरू करेगी और फिर लंबी ट्रेनिंग और फिट-आउट से उनकी प्रतिभा को और निखारेगी.

जब तक वह अपने ऑफिस में पहुंची, AI ‘अंतरिक्ष’ का खाका और अन्य विवरण डाउनलोड कर चुका था. उसने उसे होलो डिस्प्ले पर सेट कर दिया और उसे समझने की कोशिश करने लगी. कुछ देर बाद उसने डायरेक्टर की सलाह पर चलते हुए अमन को अपनी मदद के लिए बुला लिया.

वह पूरी तरह आश्चर्यचकित थी कि 2 दिनों के अंदर उसे नया डिजाइन समझ आ जाएगा, हालांकि पूरे सिस्टम को समझने में थोड़ा ज्यादा वक्त लगेगा.

फिर एक विशेष गुप्त मिशन पर स्वेच्छा से काम करने वाले लोगों की भर्ती के लिए उसने और अमन ने मिलकर एक विज्ञापन लिखना शुरू किया. आवेदकों को कुछ बातें सच बताई जानी थीं और कुछ के लिए मनगढ़ंत कहानियां सुनाई जानी थीं, जिन्हें अमन को तैयार करना था. अपने सहायक के रूप में किसे चुनना है यह उसने पहले ही सोच लिया था.

कमांडर रायन उसके साथ कई मिशनों पर काम कर चुका था और उसे उसके चरित्र की दृढ़ता और वैज्ञानिक काबिलियत पर पूरा भरोसा था. वह एक मज़बूत सुरक्षा घेरे की तरह था - जब वह सावधानी बरतती थी, तो रायन प्रेरक बन जाता था. वह अनारा और उसके कू के बीच सेतु का काम बहुत अच्छी तरह कर सकता था. बेशक वह एक प्रेरणादायक नेता थी, लेकिन छोटे-छोटे कामों के लिए उसे किसी साथी की जरूरत थी और रायन हर चीज़ पर बहुत बारीकी से ध्यान देता था और अपने लॉजिक और विज्ञान के मिश्रण से किसी भी समस्या की तह तक पहुंचे बिना दम नहीं लेता था.

बाकी सारे कामों के लिए उसे कुछ विशेषज्ञों की जरूरत थी, जिसमें डॉक्टर, वैज्ञानिक, इंजीनियर, नेविगेटर और पायलट शामिल थे. पूरे विश्व में उन्नत AI सिस्टमों का धड़ल्ले से उपयोग किये जाने के बाद भी कुछ चीज़ें ऐसी थीं, जिन्हें हल करने के लिए अभी भी इंसानी दिमाग और तर्कशक्ति की जरूरत थी.

संपर्क सिग्नल को विस्तार से समझने के लिए उसे डॉक्टर आर्यन और उनकी टीम से मिलने की भी जरूरत थी. एलियनों से आमना-सामना होने के वक्त उस सारी जानकारी की जरूरत पड़ने वाली थी.

यही सब सोचते हुए वह और अमन पूरे प्लान को विस्तार से बनाने और मीटिंग और नेटवर्क सेट करने में जुट गए. अगले 7 साल काफी मुश्किल होने वाले थे, लेकिन वह जल्द से जल्द इस काम को शुरू होते देखना चाहती थी.

## 2117 – 3.2 प्रकाश वर्ष पर संपर्क

-----[-]-----

अचानक एक साथ कई अलार्म तीखी आवाज़ में लगातार बजने शुरू हो गए. इतने तेज़ कि मुर्दा भी उन्हें सुनकर कब्र फाड़कर बाहर आ जाये. गुंबद में, उनींदी, बदहवास हालत में क्रू के सदस्य अपने कैप्सूलों से बाहर निकलने लगे. सबसे पहले अनारा और रायन बाहर आये और भागते हुए कंट्रोल स्टेशन की ओर बढ़ गये. दोनों के दिमाग में एक ही बात आ रही थी कि जंप के दौरान शिप किसी चीज़ से टकरा गया है. कुछ घंटे पहले ही वे स्थिरता की स्थिति में दाखिल हुए थे और शिप ने अपने टर्मिनस तक का मुश्किल से आधा रास्ता ही पार किया होगा.

मनीषा कंट्रोल स्टेशन पर थी और पागलों की तरह अपने चारों ओर बजते ढेरों अलार्मों को एक-एक करके पहचानने और बंद करने में लगी हुई थी. कैप्टन और कमांडर को आते देख उसने राहत की सांस ली.

“क्या हुआ, मनीषा?” उसके स्टेशन की ओर बढ़ते हुए और एक साथ कई स्क्रीनों को ऑन करते हुए अनारा ने पूछा. रायन ने अपने स्टेशन पर जाकर शिप पर मौजूद कोर टीमों को जल्दी-जल्दी ऑर्डर देने शुरू कर दिए. शुरूआती अफरातफरी के बाद अब सब संभल चुके थे और फुर्ती से अपने कामों में लग गये थे, जैसा कि उन्हें ट्रेनिंग के दौरान सिखाया गया था. सब लोग अपने-अपने स्टेशनों पर पहुँच चुके थे और अगले निर्देशों की प्रतीक्षा में थे.

“कैप्टन, शिप के सीधे रास्ते में कोई चीज़ आ गयी है और उसके कारण शिप इमरजेंसी स्टॉप मोड में चला गया है. हमारी वेलोसिटी ज़ीरो है और हम धरती से 3.2 प्रकाश वर्ष दूर की पोजीशन पर हैं,” मनीषा ने जवाब दिया.

“नारद, इस चीज़ को मुझे होलो पर दिखाओ,” अभी भी लगातार बज रहे अलार्मों और फ़्लैश होती लाइटों के बीच अनारा ने AI को निर्देश दिया. “और मनीषा, इन अलार्मों को बंद करो प्लीज़.”

जैसे ही मनीषा ने ऑडियो अलार्मों को बंद किया, कमरे में शांति छा गयी. लेकिन लाइटें अभी भी फ़्लैश हो रही थीं.

होलो डिसप्ले के स्थिर हो जाने पर अनारा ने जो देखा, वह बड़ा ही कौतूहलपूर्ण था. “हम इसके बारे में क्या जानते हैं, मनीषा?” अपने सामने स्क्रीन पर उभरते डेटा पर नज़रें गड़ाये हुए उसने पूछा.

“कैप्टन, यह चीज़ करीब 100 मीटर लंबी है और मेटल और किसी अन्य पदार्थ से बनी है, जिसे हम नहीं पहचानते. यह...,” जैसे-जैसे होलो साफ़ हो रहा था, उसकी आवाज़ लड़खड़ाने लगी. “यह एक स्पेसशिप है,” जैसे-तैसे उसने अपनी बात पूरी की.

उनके सामने 10 लाख किमी. की दूरी पर यह शिप खड़ा था. उसका आकार बड़ा ही अजीब था, किसी भी सदस्य ने आज तक इस प्रकार की कोई चीज़ नहीं देखी थी. इसका बीच का हिस्सा गोल था, चारों तरफ अनेक उपकरण लगे थे और अजीबोगरीब चीज़ें जगह-जगह से बाहर निकली हुई थीं. यहाँ गहन स्पेस में भी पूरा शिप ऐसे चमक रहा था, मानो उसके अंदर से कोई रौशनी निकल रही हो. यह दृश्य बड़ा ही सम्मोहक था. वह एक ही स्थान पर स्थिर खड़ा हुआ था.

“कैप्टन, अंतरिक्ष के ऑटोपायलट ने अपने प्रोग्राम किये गये तरीके से ही प्रतिक्रिया की है और शिप फ्लाईट के बीच में ही रोक दिया गया है. इससे मुख्य सिस्टमों पर काफी दबाव पड़ा है, लेकिन अब धीरे-धीरे वे वापस फुल पावर में आ रहे हैं,” रायन ने रिपोर्ट दी.

“थैंक्स, रायन. नारद, यह आखिर आया कहाँ से है और हमें इसका पता पहले क्यों नहीं चला?”

“कैप्टन, मैंने पूरा रिकॉर्ड और डेटा चेक किया है और मुझे लगता है कि यह वही चीज़ है जिसे हम M2575 के नाम से ट्रैक कर रहे थे. राडार की रीडिंग क्रमवार लगाई जा रही हैं, लेकिन लगता है इसने पिछले घंटे में अचानक रास्ता बदल लिया और जानबूझकर हमारे रास्ते में आ गयी.”

“क्या इस बात की कोई संभावना है कि यह धरती से ही आयी हुई कोई चीज़ हो?”

“मुझे नहीं लगता, कैप्टन. मैंने ऐसा प्रारूप पहले कभी नहीं देखा,” रायन ने जवाब दिया.

“मनीषा, फटाफट माधवन और रावत को यहाँ बुलाओ. मैं चाहती हूँ कि वे भी इसे देखें. डॉ. लियान को भी बुलाओ. हमें उनकी भी ज़रूरत पड़ सकती है. जब तक हम पता लगाते हैं कि यह चीज़ क्या है, सब लोग अपनी-अपनी पोजीशन पर ही रहेंगे. रायन, प्लीज़ सारे सिस्टमों को स्कैन करना शुरू करो. नारद, M2575 के लिए सबलाइट स्पीड पर एक रास्ता प्लान करो. इस रास्ते को अपने अंदर फीड करके रखो, ताकि ज़रूरत पड़ने पर

हम M2575 की तरफ बढ़ सकें।” यह तब तक काम आता, जब तक वे एलियन शिप के बारे में ठीक से कुछ पता लगा पायें।

उसकी बाकी टीम जब एक एक करके कमरे में दाखिल हुई तो उन्होंने कमरे के बीचों-बीच एक होलो स्क्रीन और उसके साथ में स्कैनरों द्वारा इकट्ठे किए गए डेटा को देखा। सब लोग अपने-अपने स्थान पर जाकर अपने तरीके से डेटा का विश्लेषण करने में जुट गए।

“यह किस चीज से बना है, मैं उसे नहीं पहचान पा रहा हूँ, कैप्टन। दरअसल, इस के आकार के अलावा मुझे इसके बारे में और कुछ भी पता नहीं चल पा रहा है। यह इतनी दूर है कि हमारे स्कैनर ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं और ऐसा लगता है कि इसके चारों ओर कोई सोखने वाला या परावर्तन वाला क्षेत्र है जो हमारी किरणों को अंदर जाने से रोक रहा है,” रायन ने बताया।

“मेरा भी यही विचार है, कैप्टन,” माधवन ने जोड़ा। “ISC में बिताए अपने पूरे समय के दौरान मैंने ऐसा डिजाइन कभी नहीं देखा है, कांसेप्ट स्टेज में भी नहीं।” ग्रुप के बाकी सदस्यों ने सहमति में सिर हिलाया।

“कैप्टन, मुझे लगता है कि हमें अपने सिक्योरिटी प्रोटोकॉल को ऑनलाइन ले आना चाहिए। यह एक अज्ञात परिस्थिति है और हमें तुरंत एक्शन लेने की आवश्यकता पड़ सकती है,” रावत ने कहा।

“मैं सहमत हूँ, मेजर। सारे प्रोटोकॉलों को एक्टिवेट कर दो और सिक्योरिटी टीमों से कहो कि वे किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार रहें।” शिप और उसके सदस्यों की सुरक्षा के लिए खास तौर पर प्रशिक्षित किए गए आर्मी के 6 सदस्य भी शिप पर मौजूद थे।

मेजर रावत ने अपनी सिक्योरिटी टीम को संदेश भेज दिया और अनारा के बाजू में आकर खड़ा हो गया।

“बोलो, मेजर? तुम्हें कुछ और भी कहना है?” उसने पूछा।

“हाँ, कैप्टन। हमें अपने सारे हथियारों को भी ऑनलाइन ले आना चाहिए। इस मामले में प्रोटोकॉल बहुत साफ हैं।”

“अगर ऐसी बात है, तो ठीक है मेजर।”

रावत चारों लेजर तोपों को एक्टिवेट करने के लिए वहां से चला गया, जिनमें से दो शिप के आगे और दो पीछे लगी हुई थीं। शील्ड लेजरों की ही तरह पावर का इनका आउटपुट भी ज्यादा था लेकिन इनकी ट्रैक और हमला करने की क्षमता कम थी। पावर बैंक उसी के आदेश पर रखे और चार्ज किये जाते थे, लेकिन छोड़े नहीं जाते थे। ये चारों हथियार ज्यादातर दिखावे के लिए थे क्योंकि उनकी रेंज बहुत ही कम थी। उसके पास बताने के लिए और भी कुछ था, लेकिन उसके विचार में अभी अपने सारे पत्ते खोलने का समय नहीं आया था, कैप्टन के सामने भी नहीं। इस मुद्दे पर डिफेंस मिनिस्टर ने उसे सख्त हिदायतें देकर भेजा था।

2 घंटे बीत गए और दोनों सिर्फ में से कोई भी शिप अपनी जगह से हिला भी नहीं था। अनारा अपने विकल्पों के बारे में सोच रही थी। उसे जो भी कुछ बताया या सिखाया गया था, वह मुख्यतः इस बारे में था कि अपने गंतव्य पर पहुंचने के बाद उसे क्या करना है। इस बारे में तो किसी ने सोचा ही नहीं था कि अगर बीच रास्ते में कोई एलियन शिप उनका रास्ता रोके तो ऐसे में उन्हें क्या करना होगा।

स्क्रीन अभी भी लगातार डेटा दिखा रही थीं, लेकिन अब यह रिपीट हो रहा था क्योंकि उपकरणों को अब कोई नई जानकारी नहीं मिल रही थी। स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण से कुछ नई बातों के बारे में पता चला था लेकिन रीडिंग के साथ तुलना करने के लिए उनके पास कुछ नहीं था। अनारा ने अब तक मिले सारे डेटा को इकट्ठा करके वापस धरती पर भेजने का निश्चय किया।

“कमांडर और टीम के सदस्यों, आपकी इस बारे में क्या राय है?”

“मुझे लगता है हमें उसके थोड़ा पास जाकर देखना चाहिए, कैप्टन। उससे हमें शिप के बारे में थोड़ा और डेटा मिल सकता है,” रायन ने कहा।

“अगर वे चाहते कि हम उनके नजदीक आयें, तो क्या वे हमें कोई सिग्नल नहीं देते रायन? क्योंकि वे खुद हमारे पास आए हैं और मैं यह मानकर चल रही हूँ कि वे कुछ समय से हमारे रास्ते से परिचित हैं, तो मेरे ख्याल से कुछ देर और इंतजार कर के देखना अकलमंदी का काम होगा,” अनारा ने जवाब दिया।

“मैं तो कहता हूँ कि हमें आगे जाना चाहिए जैसा कि अभी कमांडर ने कहा। हमें उन्हें यह बताने की जरूरत है कि हम उन से डर नहीं रहे हैं,” रावत ने कहा। “हमें उन्हें थोड़ी आक्रामकता दिखानी चाहिए।”

“मेजर, तुमने जो कहा वह मैंने सुन लिया, लेकिन मैं नहीं चाहती कि पहला इंटरस्टेलर युद्ध मेरे कारण शुरू हो। हमारे पास अभी वक्त है। हम इंतजार करेंगे, पहला कदम उन्हें ही उठाने दो।”

मेजर ने हाँ में सर तो हिला दिया लेकिन साथ ही साथ अपने मन में भगवान का शुक्र भी अदा किया कि उसने

अभी तक कैप्टन के सामने कुछ उगला नहीं था. क्या वह इतना भी नहीं जानती कि दो पक्षों के बीच अपनी शर्तों पर समझौते के लिए आपको ताकतवर पोजीशन पर होना चाहिए? वह एक फौजी था और जिन लोगों की सुरक्षा का भार उसे सौंपा गया था, उनकी सुरक्षा उसकी पहली जिम्मेदारी थी. वह अपने इस काम में आज तक कभी असफल नहीं हुआ था और आगे भी नहीं होगा.

“मैं चाहती हूँ कि कंट्रोल स्टेशन से इसकी नॉनस्टॉप निगरानी की जाए और मेरे या कमांडर रायन में से कोई एक हर समय वहां मौजूद रहे. बाकी सब लोग भी अपनी शिफ्टें बांट लें. मनीषा, तुम और माधवन शिप को स्कैन करना जारी रखोगे और ज्यादा से ज्यादा जानकारी इकट्ठी करने की कोशिश करोगे.”

एक अनिश्चित अवधि के इंतज़ार के लिए टीम अपने आप को तैयार करने में लग गयी, क्योंकि पिछले कई घंटों से दोनों में से कोई भी शिप अपनी जगह से हिला तक नहीं था. कमांडर रायन को हॉट सीट पर छोड़कर अनारा कैफे की ओर बढ़ गई. खिड़की में से बाहर शिप की तरफ देखते हुए उसे मेजर की बातों के बारे में सोच कर चिंता हो रही थी. अगर वाकई में स्थिति बिगड़ जाती है तो उसके पास तो उन चार बचकानी लेज़र तोपों के अलावा और कुछ भी नहीं था. उनसे निकले गोले सामने वाले शिप पर शायद मूंगफलियों जितना ही असर कर पायें.

उसे अभी भी पूरा यकीन था कि इंटरस्टेलर संपर्क बनाने वाली कोई भी एलियन सभ्यता संभवतः शांति चाहने वाली ही होगी, लेकिन उसके खुद के ग्रह के इतिहास को देखते हुए वह यह भी जानती थी कि पूर्वाग्रह अभी समाप्त नहीं हुए थे और आगे जो होने वाला था उसमें डर की एक बड़ी भूमिका होने वाली थी. उसे किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत थी जिसके साथ बात करके वह अपने भीतर के संदेहों को उसके साथ शेयर कर सके और अपने आत्मविश्वास को मजबूती दे सके, लेकिन उसका मार्गदर्शक तो अरबों मील दूर था और वह यहां थी - बिल्कुल अकेली! इस गहन स्पेस मिशन में वह अपनी मर्जी से कमांडर बनी थी, लेकिन आज तक उसने कभी खुद को इतना अकेला महसूस नहीं किया था.

“क्या मैं आपके साथ बैठ सकता हूँ, कैप्टन?” वह खाना शुरू कर ही रही थी, कि डॉक्टर खान ने उसके विचारों को भंग करते हुए कहा.

“हाँ, हाँ, क्यों नहीं, रफीक. बताओ, क्या कहना चाहते हो?” खाने का कौर मुंह में रखते हुए अनारा ने पूछा.

“मुझे लगता है यह उसके लिए सही समय नहीं है, कैप्टन. उम्मीद है सब कुछ कंट्रोल में है?”

“स्टेटस में कोई बदलाव नहीं हुआ है, रफीक.”

“ओह, फिर ठीक है. फिर कोई फर्क नहीं पड़ेगा. मैं आपको रेडिएशन टेस्ट के बारे में कुछ बताना चाहता हूँ, कैप्टन. टेस्ट सब्जेक्टों के पहले नतीजे आ गए हैं. हमारे उड़ान भरने के समय से लेकर अब तक एक्सपोजर की रीडिंग लगातार धीमी गति से बढ़ रही है. हालाँकि वे अभी भी खतरे की सीमा तक नहीं पहुंची हैं और हम कुछ और हफ्तों तक सेफ हैं. लेकिन मुझे चिंता इस बात की है कि हमारी रेडिएशन शील्ड उतनी असरदार नहीं हैं, जितना उन्हें बनाया गया है.”

“बोलते रहो,” उसने अपना खाना चबाते हुए और विचारों में डूबे हुए कहा. पहले ही मुसीबतें कम थीं, जो एक और आकर खड़ी हो गयी थी! कहां तो उसे एलियनों पर फोकस करने की जरूरत थी और कहां उसका अपना शिप उसे नीचा दिखाने में लगा हुआ था.

“इन ग्राफों को देखो, कैप्टन,” एक स्क्रीन को खोलने का इशारा करते हुए डॉक्टर खान ने कहा और उनके द्वारा स्टडी किए जा रहे ग्रुप के सदस्यों की रिपोर्टें उन्हें दिखाने लगे. “इस कॉलम में वे बेसलाइन रीडिंग हैं जिन्हें हमने धरती से उड़ने से पहले लिया था. तकनीकी रूप से, वर्षों से हमारे द्वारा इकट्ठे किए गए डेटा और सोलर सिस्टम के पार जाने वाले हजारों अंतरिक्ष यात्रियों की स्टडी के आधार पर वर्तमान की इन रीडिंग्स में 5% से ज्यादा का बदलाव नहीं आना चाहिए था. लेकिन उस से 5 गुना ज्यादा बदलाव आया है.”

“क्या तुमने यह चेक किया कि यह रेडिएशन किस प्रकार का है और कहां से आ रहा है?”

“वह एक अलग बात है, कैप्टन. मुझे नहीं लगता कि यह गैलेक्सी का सामान्य बैकग्राउंड या सोलर रेडिएशन है. मेरे उपकरण जो दिखा रहे हैं उसके अनुसार यह पार्टिकल रेडिएशन है, जिसमें गामा, अल्फा और न्यूट्रॉन मौजूद हैं. यह संभव नहीं है. ऐसा तो तब तक हो ही नहीं सकता जब तक हम किसी रेडियोएक्टिव स्रोत के नजदीक न हों.”

“कहीं हमारे पावर प्लांट में कोई लीकेज तो नहीं हो गयी है? तुमने माधवन से बात की?”

“नहीं, कैप्टन. यह पावर प्लांट से नहीं हो रहा है. माधवन इसकी पुष्टि कर चुका है. मैंने डिटेक्टरों से शिप को चेक किया है. पूरे शिप की बैकग्राउंड में रेडिएशन हो रहा है. यह किसी खास क्षेत्र में केंद्रित नहीं है, लेकिन उसका



कोई ना कोई सोर्स तो है ही, बस मैं अभी तक उसका पता लगाने में कामयाब नहीं हो पाया हूँ.”

“क्या मेरे लोग खतरे में हैं?”

“जैसा कि मैंने पहले भी कहा, हम एक्सपोजर के खतरनाक लेवल से अभी कुछ दूर हैं. असल में रेडिएशन का लेवल काफी कम है - पहचान में आने की लिमिट से बस थोड़ा सा ज्यादा. लेकिन फिर भी क्योंकि यह हो तो रहा ही है, इसलिए मैं चिंतित हूँ. इससे निश्चित तौर पर किसी की भी जान को कभी कोई खतरा नहीं है. मुझे नहीं लगता कि गहन स्पेस की अपनी स्टडी में हमने किसी भी महत्वपूर्ण पहलू को छोड़ा होगा, लेकिन फिर भी कभी भी कुछ भी हो सकता है. आप की परमिशन से मैं इन रीडिंग्स को वापस धरती पर भेजना चाहूंगा और कू के बाकी सदस्यों पर भी यह स्टडी करना चाहूंगा.”

“बिल्कुल जायज़ बात है. मैं इस रिक्वेस्ट को मंजूरी देती हूँ. रायन को सूचना देते रहना ताकि वह कू के रोस्टर की सारणी बना सके और उसे अपने इन नतीजों के बारे में भी बता देना. इसे मिलाकर शिप पर पैदा होते जा रहे इन रहस्यों की संख्या अब चार तक पहुँच गयी है.”

डॉक्टर के जाने के बाद अनारा ने एक ठंडी आह भरी. कुछ घंटे पहले वह अपने कैप्सूल में आराम से सो रही थी और अब उसके सामने एक के बाद एक समस्याओं का ढेर लगता जा रहा था. उसने अपनी कमर सीधी की और निश्चय किया कि फिलहाल उसे सबसे बड़ी समस्या पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए: कि इस एलियन शिप से संपर्क करने के लिए उसका पहला कदम क्या होना चाहिए?

## 21 वर्ष पहले, 2096 – टीम का गठन

-----[-]-----

अनारा और अमन गहन स्पेस फ्लाइट का हिस्सा बनने के इच्छुक अंतरिक्ष यात्रियों और तकनीकी विशेषज्ञों से पिछले कुछ महीनों में प्राप्त हुई एप्लीकेशनों के ढेर में डूबे हुए थे. एक नजदीकी ग्रह तक एक मानव मिशन भेजे जाने की भारत की घोषणा का पूरे विश्व ने बड़े उत्साह से स्वागत किया था. हालांकि '8' के निर्णय के अनुसार मिशन का वास्तविक उद्देश्य रहस्य की परतों में छुपा कर रखा गया था, जब तक शिप उड़ान के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हो जाता.

अनारा ने रायन को अपना सहायक नियुक्त किए जाने के लिए लगातार दबाव बनाया हुआ था और डायरेक्टर श्रीनिवासके सहयोग से आखिरकार प्रधानमंत्री ने रायन को ISC में ट्रांसफर करने के लिए मंजूरी दे दी थी. रायन अब मिशन जॉइन करने वाला था. उसकी पत्नी और बेटी भी मिशन की अवधि पूरी होने तक भारत में ही रहने वाली थीं. उसकी पत्नी सिग्नल और कंट्रोल विभाग में काम कर रही थी.

कमांड कू में इसके बाद अन्य लोगों के साथ अनारा एक मुख्य इंजीनियर, एक डॉक्टर और एक मुख्य वैज्ञानिक को शामिल करना चाहती थी. उसे बताया गया था कि एक सुरक्षा विशेषज्ञ के रूप में अपने खास सैनिकों की एक टीम के साथ मेजर रावत भी उनके साथ जाने वाले हैं. फिलहाल उन्हें सुरक्षा मंत्रालय के तहत एक अलग फैसिलिटी में खास ट्रेनिंग दी जा रही थी. ऐसी योजना थी कि यह सिक्योरिटी टीम स्वतंत्र रूप से अपना कार्य करेगी और केवल नाम के लिए ही कैप्टन के अधीन होगी.

यह बात सुनकर अनारा को बहुत तेज गुस्सा आ गया था और उसने मिशन से अपना नाम वापस ले लेने की धमकी दी थी. उसका कहना था: शिप पर मौजूद हर व्यक्ति उसकी जिम्मेदारी था और हर किसी को बिना अपवाद उसके सीधे अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आना चाहिए. रक्षा मंत्री को इस बात के लिए राजी करने के लिए प्रधानमंत्री को अपने पक्ष में करने के लिए अंतरिक्ष खोज मंत्री और डायरेक्टर श्रीनिवास को बड़े पापड़ बेलने पड़े थे. आखिरकार बड़े ही बेमन से मिलिट्री ने इस प्रस्ताव के लिए हामी भरी थी.

जूनियर पोजीशनों के लिए काफी सारी भर्तियाँ ISC और VSSC की उसकी पुरानी टीमों से की जा रही थीं. कई अन्य इंजीनियरिंग कंपनियां भी अपने तकनीकी कर्मचारियों को लेकर आगे आयी थीं. कोई भी इस अति महत्वपूर्ण मिशन में हिस्सा लेने का मौका चुकना नहीं चाहता था.

डॉक्टर के पद के लिए डायरेक्टर की सिफारिश थे - डॉक्टर तारिक खान, जो स्पेस मेडिसिन के क्षेत्र में एक अग्रणी नाम थे. AIIMS से अपना पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद वे कई सालों से डॉक्टरी की प्रैक्टिस कर रहे थे. उन्होंने 5 साल चंद्रमा की कॉलोनी में बिताए थे और 2 साल जुपिटर के चंद्रमाओं पर अलग-अलग मिशनों में. उनके रेफरेंस काफी मजबूत थे और उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह थी कि गहन स्पेस के मानव शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों पर की गई उनकी रिसर्च अब मेडिकल स्कूलों में स्टैंडर्ड रूप से पढ़ाई जा रही थी. डॉक्टर को मिशन पर जाने के लिए राजी करना मुश्किल काम नहीं था, लेकिन रिसर्च को छोड़कर वापस डॉक्टरी की प्रैक्टिस करने के लिए उन्हें मनाने के लिए श्रीनि को खुद आगे आना पड़ा था. हालांकि, अधिकांश मेडिकल प्रक्रियाएं रोबोटों के द्वारा ही संचालित की जाने वाली थीं और थोड़े-बहुत काम नर्सों द्वारा किये जाने थे.

अगला काम था साइंस टीम के नेता को चुनना. दुर्भाग्य से कोई भी अकेला आदमी इस काम के लिए पूरी तरह फिट नहीं बैठ रहा था. स्पेस की खोज के इस मिशन के लिए कई तरह की योग्यताओं की जरूरत थी: खगोलभौतिकशास्त्री, खगोलशास्त्री, खगोलजीवविज्ञानी, बहिर्जीवविज्ञानी, अंतरिक्ष वैज्ञानिक, भूविज्ञानी और कई अन्य. बहुत खोजबीन के बाद अनारा ने निश्चय किया कि इस बात पर दोबारा विचार किया जाना चाहिए क्योंकि वह इतने सारे विशेषज्ञों को हैंडल नहीं कर सकती थी. इसकी बजाय अच्छा होगा अगर वह उनमें से ही किसी एक को पूरी टीम के मुखिया की पदवी दे दे. अंत में यह निश्चय किया गया कि कुल 4 लोग होंगे जिसमें से 3 वैज्ञानिक और एक खगोलशास्त्री होंगे.

इस टीम का लीडर बनने के लिए चीन की डॉक्टर लियान को नामित किया गया था. अंतरिक्ष वैज्ञानिक होने के साथ-साथ वे और भी कई तरह के विज्ञानों में पारंगत थीं और रिसर्च की दुनिया में उनका बड़ा नाम था. हालांकि वे स्पेस में कभी मार्स से आगे नहीं गई थीं और उन्हें यह सब सिखाना और ट्रेनिंग देना अनारा की जिम्मेदारी था.

उसकी टीम धीरे-धीरे आकार ले रही थी और अब अनारा उन सामानों की लिस्ट बनाने के लिए भी कुछ

समय व्यतीत कर सकती थी, जो उन्हें एक साल तक स्पेस में रहने के लिए चाहिए होंगे. चूंकि दोबारा सप्लाई का तो कोई सवाल ही नहीं था, इसलिए उन्हें प्लूटो पर सामान चढ़ाने-उतारने का पॉइंट बनाने की जरूरत थी. सारी रसद के साथ एक ड्रोन शिप को 'अंतरिक्ष' से पहले वहां भेजा जाना था, जो वहां जाकर सामान छोड़कर आता. सोलर सिस्टम के अंतिम सिरे पर पहुंचकर 'अंतरिक्ष' को वहां से यह सामान ले लेना था. वापसी यात्रा के लिए भी यही प्रक्रिया दोहराई जानी थी.

बेसिक जरूरतों की पूर्ति के लिए आवश्यक सामान की बड़ी मात्राओं को अंतरिक्ष में ले जाने से बचने के लिए सारी प्रक्रियाओं और उप-उत्पादों से पानी और ऑक्सीजन को दोबारा प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण था. स्पेस में इतने साल बिताने के बाद अब इंसानों ने वहां उपयोग किये गये पानी और ऑक्सीजन की एक-एक बूंद को रीसायकल करने की कला बहुत अच्छी तरह सीख ली थी. हवा और मानव मल से नमी को वापस प्राप्त करना साधारण बात थी. फ्यूल सेल से पानी को भी दोबारा प्राप्त किया जाता था. यह काम अनारा शिप के डिजाइनरों को सौंपने वाली थी और इस बारे में वह खास चिंतित नहीं थी.

अधिक मात्रा में ताजा खाना ले जाना संभव नहीं था, लेकिन कंसंट्रेट या गोलियों के रूप में, या डीहाइड्रेट की गई और प्रशीतन विधि से जमाई हुई खाने की चीजें काफी थीं. प्रोटीनों, कार्बोहाइड्रेट्स और फैट्स के बेस स्टॉक से प्रिंटेड खाना भी उपलब्ध था, लेकिन शिप की एनर्जी बचाने के लिए इसे कम-से-कम रखा जाना था. शिप पर थोड़ा बहुत खाना पकाया भी जा सकता था. दवाइयों और दूसरे डॉक्टरी सामान की सप्लाई बहुत महत्वपूर्ण थी और वह इस इंतजार में थी कि डॉक्टर खान आकर ले जाने वाले उपकरणों और सामान को अप्रूव करें. एक अलग मेडिकल बे शिप के डिजाइन का ही एक हिस्सा था.

शिप का डिजाइन बनाने वाले इंजीनियरों के साथ मिलकर अनारा को शिप के वजन और प्रोपल्शन के आकड़ों को भी चेक करना था. शिप के लॉन्च और यात्रा के हर छोटे-बड़े पहलू के लिए पहले से ही योजना तैयार की जानी थी, क्योंकि एक बार गहन स्पेस में जाने के बाद वे किसी भी तरह की सहायता की उम्मीद नहीं कर सकते थे.

## 2117 – हमला

-----[-]-----

सामने वाले शिप पर होने वाली किसी हलचल के इंतजार में बैठे हुए उँगलियाँ चटकाने से अब अनारा को चिढ़ होने लगी थी. एलियन शिप से उनका सामना हुए 2 दिन बीत चुके थे. पूरे शिप पर तनाव का माहौल था. वे यहां अनंत काल तक तो रह नहीं सकते थे. उसे कोई न कोई निर्णय लेना ही था.

कैप्टन की कुर्सी पर बैठी अनारा अपने होंठ चबाते हुए शून्य में निहार रही थी. रायन की शिफ्ट शुरू होने में अभी 2 घंटे बाकी थे, लेकिन वह उसे जल्दी भी बुला सकती थी. आगे बढ़ने का समय आ गया था.

“नारद, पूरी टीम को अभी स्टेशन पर आने के लिए कहो,” उसने आदेश दिया. फिर दूसरी ओर मुड़कर उसने कहा, “मनीषा, शिप तक उड़ान के लिए तैयारी करो. स्पीड कम रखना और अगर जरूरत पड़े तो सब-लाइट के लिए तैयार रहना. मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ना चाहती हूं ताकि अगर जरूरत पड़े तो जवाब देने के लिए हमारे पास समय हो.”

“ठीक है, मैम,” मनीषा ने कहा और कंप्यूटर में कमांड को फीड करना और सिस्टम को चेक करना शुरू कर दिया. तनावपूर्ण माहौल में भी मनीषा जिस शांति से काम करती थी, उसने अनारा को उसका कायल बना दिया था. पूरी यात्रा के दौरान संकट के क्षणों में उसने हर बार जिस धैर्य का परिचय दिया था, वह उसकी उम्र के बिल्कुल विपरीत था और इसी बात ने उसे टीम का एक महत्वपूर्ण सदस्य बना दिया था.

जब रायन, माधवन और मेजर ने ऑपरेशन सेंटर में प्रवेश किया, तो होलो प्रोग्राम की गई वेलोसिटी और पहुंचने के टाइम के साथ एलियन शिप तक जाने के वेक्टर को दिखा रहा था.

“कमांडर, मेरे साथ कॉन्फ्रेंस रूम में आओ. मनीषा, रावत, तुम लोग भी आओ.”

अनारा ने टीम को अपने निर्णय के बारे में विस्तार से बताया. अपने सिर हिलाते हुए सबने योजना के लिए अपनी सहमति प्रकट की.

“हम सावधानी के साथ आगे बढ़ेंगे. क्योंकि कुछ कहा नहीं जा सकता कि आगे क्या होने वाला है. अगर ये लोग संपर्क बनाना चाहते तो उन्होंने अब तक कुछ न कुछ अवश्य किया होता. क्योंकि किसी भी प्रकार की कोई हलचल नहीं हुई है, मुझे लगता है कि वे हमारा व्यवहार देख रहे हैं और जानकारी इकट्ठी कर रहे हैं, बिल्कुल वैसे ही जैसे हम कर रहे हैं या फिर उनका अजेंडा हमारी समझ से बाहर है. दोनों में से चाहे जो भी परिस्थिति हो, लेकिन हम यहां हमेशा बैठे नहीं रह सकते.”

“कमांडर, तुम मनीषा के साथ स्टीयरिंग हिस्से में रहोगे. स्पीड पर कड़ा नियंत्रण रखना और अगर जरूरत पड़े तो भागने के लिए तैयार रहना. ऐसी सिचुएशन हमारे सामने पहली बार आई है और इसलिए सावधानी बरतना बेहतर होगा. उनका शिप हमारे शिप से बड़ा है और मुझे पूरी उम्मीद है कि उनके पास उपकरण भी हमसे ज्यादा होंगे. मेजर?”

“सारी लेसर तोपें तैयार हैं, कैप्टन. तोपों के रिचार्ज होने से पहले हम फुल पावर पर सिर्फ दो शॉट मार सकते हैं, इसलिए मैंने उन्हें पल्स मोड पर सेट कर दिया है. इसमें पावर तो कम रहेगी, लेकिन हम ज्यादा शॉट मार पाएंगे. अगर आप सेटिंग चेंज करना चाहें तो दोनों मोड के बीच अदला-बदली करने के लिए कुछ सेकंड का ही वक्त लगेगा. सिक््योरिटी टीम अभी भी स्टैंड बाय पर है. मुझे नहीं लगता कि इस समय उनकी जरूरत पड़ेगी.”

“बिल्कुल ठीक, मेजर. जब तक इन लोगों ने स्टार ट्रेक जैसे कोई ट्रांसपोर्टर न बना रखे हों. अगर ऐसा है तो फिर तो यह मीटिंग वीडियो पर ही होगी. सिक््योरिटी के लिए कोई और सुझाव?”

“नहीं, कैप्टन. हालाँकि मैं बता दूँ कि प्रोटोकॉल के अनुसार यदि उनसे हमारा संपर्क होता है, तो हमें हमारे कू, हथियारों और क्षमताओं के बारे में कोई भी बात करने से बचना चाहिए.”

“बिल्कुल. संपर्क सिस्टम के इंजीनियरिंग विभाग में मुझे तुम्हारी जरूरत है माधवन. उन्हें जांचने का समय आ गया है. संदर्भ के लिए प्रोटोकॉल शीट को डिस्प्ले पर डाल दो. मुझे सारे इंजन भी फुल पावर पर तैयार चाहियें.”

“तो टीम, सारे स्टेशनों पर अपने आदमियों को तैनात कर दो और सभी कर्मचारियों को ज्यूटी पर लगा दो. पॉइंट को एक हजार किलोमीटर पर रखते हुए हमें स्टेशन तक पहुंचने में एक घंटा लगेगा. हमें पूरी तरह सतर्क और किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा. अगर सब कुछ ठीक-ठाक चला, तो हो सकता है कल हम अपने पहले एलियन डेलीवेशन के लिए डिनर की तैयारी कर रहे हों,” उसने अपनी बात पूरी की.

उड़ान की पूरी तैयारी हो गई और मनीषा ने शिप को फ्लाइट मोड में डाल दिया। उसने कंट्रोल को आंशिक रूप से मैनुअल मोड में रखा था, ताकि जरूरत पड़ने पर वह एक ही सेकंड में कंट्रोल अपने हाथ में ले सके। उसका हाथ कंट्रोल पैड में था, जिसे खास उसके ही हाथ के नाप से बनाया गया था और उपयोग करने में वह बहुत आरामदेह था।

उसकी सतर्क आँखें लगातार विभिन्न स्क्रीनों का जायजा ले रही थीं और उसने वेलोसिटी को स्थिर रखा हुआ था। आगे के हिस्से में लगे पोर्ट एक-दूसरे से मिलकर एक हो गए और उनकी प्रगति और कई अन्य तरह का डेटा दिखाने लगे। कई काम एक साथ करते हुए भी उसकी सतर्कता में कोई कमी नहीं आई थी, वह पूरी तरह चौकसी और किसी भी परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार थी।

अनारा ने शिप के ब्रॉडकास्ट सिस्टम को खोल दिया। जो परिस्थिति बन रही थी उसके बारे में उसके पूरे कू को जानकारी होना जरूरी था। “सब लोग ध्यान से सुनें,” उसकी आवाज़ सिस्टम पर गूँजने लगी, “जल्द ही हम एलियन शिप के पास पहुँच जायेंगे। हम वहाँ मौजूद लोगों से संपर्क बनाने और उनकी ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाने की कोशिश करेंगे। इस यात्रा को वास्तविकता में बदलने के लिए आप सब लोगों ने बहुत अधिक मेहनत की है और अब हम सब अपने सपने के बहुत करीब हैं। लेकिन फिर भी अज्ञात क्षेत्र में प्रवेश करते हुए हम सभी को बहुत सावधान रहना होगा। अगले कुछ घंटों तक मैं आप सब लोगों से इस पर पूरा ध्यान देने की उम्मीद करती हूँ। आज हम सब मिलकर इतिहास रचने वाले हैं! अनारा आउट!”

ब्रिज पर माहौल कैप्टन के अपने कू से कहे गए खुशनुमा शब्दों के बिल्कुल उलट था। जैसे-जैसे अंतरिक्ष आगे बढ़ रहा था, शिप पर बिल्कुल चुप्पी छााने लगी। सब लोगों की आँखें अपनी-अपनी स्क्रीनों पर जमी थीं और उंगलियाँ अपने-अपने कीबोर्ड पर नृत्य कर रही थीं। मनीषा दूरी पर लगातार नज़र रखे हुए थी और जैसे-जैसे वे पास पहुँच रहे थे, वह धीरे-धीरे वेलोसिटी कम कर रही थी। एलियन शिप के अगले हिस्से से 1000 किलोमीटर की निर्धारित की गई दूरी पर जाकर शिप पूरी तरह रुक गया।

“अपनी पोजीशन पर ही रहना, मनीषा,” अनारा ने कहा। “हमने अपना कदम बढ़ा लिया है। हमें उन्हें जवाब देने का एक मौका और देना चाहिए।”

दोनों शिप खेल के मैदान में आमने-सामने खड़े ग्लैडिएटरों की तरह अंतरिक्ष में एक-दूसरे के सामने तैर रहे थे। फर्क सिर्फ इतना था कि यहाँ उन्हें देखने के लिए दर्शकों की भीड़ मौजूद नहीं थी। उसके बाद भी नतीजे एक जैसे हो सकते थे: एक ग्लैडिएटर की मौत और दूसरे की जीत। कुछ दूरी पर चमकते सितारे पहली बार मिलने जा रही दो अजनबी सभ्यताओं के बीच फैले इस सस्पेंस के अनुरूप ही माहौल बना रहे थे। दोनों जहाजों की आकृतियाँ एक-दूसरे के बिल्कुल उलट थीं, एक सॉफ्ट लाइनों और पूरे हल पर फैली लाइटों वाला था और दूसरा तीखी एरोडायनमिक लाइनों वाला, अँधेरा और बिल्कुल शांत।

ऑपरेशन सेंटर में अगले 15 मिनट बिल्कुल चुप्पी के बीच गुज़रे। अनारा अधीर हो रही थी। ये लोग आखिर किस चीज का इंतजार कर रहे हैं? आखिरकार उसने उन्हें अपने वहाँ पहुँचने की सूचना देने का निर्णय किया।

“माधवन, हमें ट्रांसमिशन के लिए लाइटों को सेट अप करना होगा। पहला सेट होगा एक और जीरो।”

इंजीनियर ने कंट्रोल पैड के कुछ बटन दबाये और हाई बीम वाली लाइटों के दो सेट हल से बाहर निकले। उसने उनकी लाइट चालू की, 1 सेकंड के लिए उसे रोक कर रखा और फिर एक और जीरो पोजीशन दिखाने के लिए बंद कर दिया।

सब लोगों ने उत्सुकता से प्रतिद्वंद्वी की ओर देखा, लेकिन एलियन शिप अभी भी शांत खड़ा था। “सीक्वेंस को दोहराते रहो,” अनारा ने निर्देश दिया।

माधवन ने वन-जीरो सीक्वेंस को तीन बार दोहराया लेकिन सामने से कोई जवाब नहीं मिला।

अनारा ने ठंडी आह भरी। “ठीक है माधवन, हम सिग्नल देना शुरू करते हैं। फ्रीक्वेंसी रेंज वन।”

पिछले कई दशकों में धरती पर अधिकतर ट्रांसमिशन और जानकारी के आदान प्रदान के प्रोटोकॉलों का मानकीकरण कर दिया गया था। पूरी दुनिया में सिग्नल भेजने वाले और रिसीव करने वाले सभी यंत्रों को एक विशेष फ्रीक्वेंसी पर ट्यून कर दिया गया था, जिससे जानकारी का आदान-प्रदान लाइट की स्पीड पर हो सके।

हालांकि मिशन की तैयारी के वक्त वे यह मानकर चल रहे थे कि कोई भी एलियन यदि शिप को मिलता है, तो वह एक पूरी तरह अलग तरीके के ट्रांसमिशन का उपयोग करेगा। इसलिए यह निश्चय किया गया था कि सिग्नलों को विभिन्न फ्रीक्वेंसी बैंडों पर बायनरी कोड में ट्रांसमिट किया जाएगा, जब तक कि आखिरी फ्रीक्वेंसी निर्धारित न हो जाए। सिग्नल भेजने वालों का बेस काफी बड़ा था, जिससे वे अलग-अलग फ्रीक्वेंसी रेंजों को पकड़ सकें। उनके फील्ड में जाने के बाद ही यह तय होना था कि वे मिले हुए सिग्नलों को डीकोड कर पाएंगे या नहीं।

नारद में कई लगातार चलने वाले तंत्र प्रोग्राम किए गए थे और ट्रांसलेशन के एल्गोरिथम दो-तरफा बातचीत में कैप्टन की सहायता करने वाले थे.

माधवन ने सीक्वेंस में सारी फ्रीक्वेंसी रेंजों में एक बार फिर से वन-ज़ीरो ट्रांसमिट किया. इस बार भी कोई जवाब नहीं आया.

“इस बार हम विजुअल और EM पर SOS ट्रांसमिट करेंगे, माधवन,” कैप्टन ने आदेश दिया.

लाइट के कम्पन ने अपनी सीक्वेंस बदली और साथ ही EM का सिग्नल भी बदल गया.

“अभी भी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई है,” रायन ने बताया.

“विजुअल को सिक्वोर करो. EM ट्रांसमिट करते रहो. इस बार पहला ग्रीटिंग सिग्नल भी भेज दो.” यह अब बहुत थकाने वाला होता जा रहा था, अनारा सोच रही थी. वे पिछले आधे घंटे से इसी कोशिश में लगे हुए थे.

“कैप्टन!” तभी मनीषा की आवाज सुनाई दी. “देखो. शिप की स्थिति में एक छोटा सा बदलाव आया है. मेरी रीडिंग शिप पर गर्मी का लेवल बढ़ा हुआ दिखा रही है. शायद वे प्रोपल्शन चालू कर रहे हैं.”

तभी अचानक एक शक्तिशाली लाल बीम एलियन शिप से निकली और धरती वाले शिप की ओर तेजी से बढ़ी.

मनीषा का हाथ अभी भी कंट्रोल पैड पर था और उसने सहज ज्ञान से एक झटके से शिप को बीम से दूर हटा दिया.

शिप के इस अचानक कलाबाजी खाने के कारण ऑपरेशन सेंटर के सारे अलार्म बजने लगे और वहां खड़े सब लोग लड़खड़ा गए या नीचे गिर गए. इतने में एक और शॉट ‘अंतरिक्ष’ के बिल्कुल नजदीक से गुजर गया.

“यह क्या मुसीबत है?” रायन चिल्लाया. “क्या उन्होंने अभी-अभी हम पर हमला किया?”

“लगता है वे लड़ना चाहते हैं! मेजर, तोपें चालू करो!” अनारा ने आदेश दिया.

रावत पहले से ही तैयार था और जब वे रुके थे तभी उसने सिस्टम के अंदर रेंज में पंच कर दिया था. हालांकि, मनीषा द्वारा ली गई कलाबाजी के कारण उसका निशाना बुरी तरह से चूक गया था. दुश्मन की इन भारी भरकम लाल बीमों के सामने उसकी लेज़र टॉर्च की रोशनी जैसी दिखाई दे रही थीं.

“टर्न अराउंड, मनीषा! नाउ!” अनारा ने आदेश दिया. “रायन, नया रास्ता 180 डिग्री रिवर्स.”

इस सारी अफरा-तफरी के बीच लोग नए आदेशों का पालन करने के लिए इधर भागने लगे जबकि शिप के इंजिन अपनी चरम सीमा तक पहुँच गए.

एक और लाल बीम शिप की ओर लपकी, और शिप के मुड़ जाने के कारण एक बार फिर से उसका निशाना चूक गया.

मनीषा ने ‘अंतरिक्ष’ को एक नए रास्ते पर डाल दिया और सब-लाइट का बटन दबा दिया. स्पीड में अचानक आई इस तेजी के कारण जब तक कृत्रिम ग्रेविटी नई स्पीड के साथ एडजस्ट हुई, कू के लोग अपनी सीटों से जा टकराए. शिप ने अपने पुराने रास्ते पर फिर से दौड़ लगा दी.

“क्या वे हमारा पीछा कर रहे हैं?” अनारा ने पूछा.

“नहीं, कैप्टन,” रायन ने अपने सेंसर्स और डिस्प्ले को चेक करते हुए जवाब दिया. “वे भी वापस मुड़ गए हैं और लगता है कि वे प्रॉक्सिमा की ओर जा रहे हैं.”

“मनीषा, स्पीड और बढ़ा दो. हमारे बीच की दूरी थोड़ी और ज्यादा होनी चाहिए.” उसकी आवाज में हल्का सा कंपन था, लेकिन वह तेजी से खुद पर कंट्रोल कर रही थी. उसकी पहली लड़ाई में ही उसे पीछे हटना पड़ा था, लेकिन कम से कम उसका शिप सुरक्षित था. उसका कू और शिप उसकी पहली प्राथमिकता थे. उन्हें एक जाल में फंसाया गया था और इस बार उसे पीठ दिखा कर भागना पड़ा था, लेकिन उसने हार नहीं मानी थी. वह फिर से वापस आएगी!

## 20 वर्ष पहले, 2097 – VSSC तिरुवनंतपुरम

-----[-]-----

अनारा भारत के दक्षिण में बने विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर के असेंबली एरिया में दाखिल हुई. अंतरिक्ष यानों को बनाने के लिए बना उच्च दर्जे का यह सेंटर 150 सालों से भारत के अंतरिक्ष खोज के प्रयासों में सबसे आगे रहा था. RH-75 रॉकेट के लॉन्च से लेकर 2034 में दोबारा प्रयोग हो सकने वाली लॉन्च शटल 'गंगा' के निर्माण तक, कई चीजों को सबसे पहले बनाने का श्रेय इसे प्राप्त था और यही वह जगह थी, जहां 'अंतरिक्ष' का निर्माण किया जा रहा था. वैसे तो यह ISC के सीधे अधिकार क्षेत्र के अंदर था, लेकिन रिसर्च और डेवलपमेंट से ज्यादा जुड़े होने के कारण काफी हद तक स्वायत्त भी था.

गहन स्पेस कार्यक्रम के लिए उसके एक एकांत कोने में खास असेंबली एरिया बनाया गया था. हर किसी के इस एरिया में जाने पर प्रतिबंध था और इस लेटेस्ट प्रोग्राम को VSSC के डायरेक्टर डॉ. प्रत्यूष खुद व्यक्तिगत रूप से संभाल रहे थे.

असेंबली एरिया के प्रवेश द्वार पर वे अनारा से मिले और दोनों साथ-साथ उनके ऑफिस की ओर बढ़ गए. पूरे रास्ते में वे उस विशाल एरिया में चल रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में अनारा को बताते रहे. इतने बड़े पैमाने पर चल रहे काम को देखकर अनारा अभिभूत थी. यहाँ ड्रोन, रोबोट और इंसान तीनों मिलकर एक साथ काम कर रहे थे और इस पूरी निर्माण प्रक्रिया में उन सबके बीच इतना बढ़िया तालमेल था कि अनारा उसकी प्रशंसा किये बिना न रह सकी. स्पेस शिप के आकार लेते अलग-अलग हिस्सों में से कई को वह पहचान पा रही थी.

प्रत्यूष ने उसे बताया कि इंजन और पावर प्लांट बेंगलुरु के निकट स्थित VSSC की दूसरी यूनिट में बन रहे थे.

जब वे उनके ऑफिस में घुसे तो उसने वहां अलग-अलग स्टेशनों पर कई तकनीशियनों को बैठे और काम करते हुए पाया. प्रत्यूष ने उसे एक कुर्सी पर बैठने का इशारा किया और अपनी टेबल की ओर बढ़ गया. वहां लगी अलग-अलग स्क्रीनें प्रोजेक्ट के अलग-अलग चरणों को दिखा रही थी और उनके सामने लगा बड़ा डिस्प्ले लॉन्च के टाइम को दिखाती हुई एक काउंटडाउन घड़ी के साथ शिप के तैयार हिस्से को दिखा रहा था.

“तुम्हें दोबारा यहां देख कर मैं बहुत खुश हूं, कैप्टन,” उन्होंने अपनी बात शुरू की. “मैं समझता हूँ कि आप अपनी टीम के साथ तिरुवनंतपुरम आने के लिए तैयार हैं. ट्रेनिंग फैसिलिटी और आपके कू और सहायक टीम के लिए क्वार्टर भी तैयार कर दिए गए हैं. ट्रेनिंग और टेस्ट फ्लाइटों की पूरी अवधि के दौरान डॉक्टर कुमारन आपके साथ काम करेंगे.”

“थैंक्स, डॉक्टर. मेरी टीम तैयार हो रही है और सभी मुख्य सदस्य आज यहां पहुँच जाएंगे. मैं थोड़ा पहले आ गई ताकि उनके बारे में आपको बता सकूँ.” अनारा ने अपने द्वारा टीम में चुने कुछ सदस्यों के बारे में उन्हें बताया. रायन और डॉक्टर लियान थोड़ी देर में वहां पहुंचने वाले थे, जबकि माधवन पहले से ही VSSC की कंस्ट्रक्शन टीम के साथ काम कर रहा था.

बाकी लोगों का इंतजार करते हुए अनारा और प्रत्यूष अब तक की प्रगति की समीक्षा करने लगे. जल्दी ही रायन, माधवन और डॉक्टर लियान भी वहां आ पहुंचे. अभिवादन के आदान-प्रदान के बाद उन्होंने काम की बात शुरू की.

“मैंने जो एक बेसिक डिजाइन बना कर भेजा था, उसे तो आप सब लोगों ने अच्छी तरह से देख और समझ ही लिया होगा?” डॉ. प्रत्यूष ने पूछा.

सबने सहमति में सिर हिलाया. पिछले कुछ हफ्तों में उन्होंने स्पेस शिप के डिजाइन के बारे में बात करने के लिए अच्छा खासा समय निकाल लिया था और वे एक विशुद्ध तकनीकी विचार-विमर्श के लिए पूरी तरह तैयार होकर आए थे. कई दूसरे वैज्ञानिकों के विपरीत डॉ. प्रत्यूष को एक प्रशासक के रूप में काम करना पसंद था और वहां आने वाले लोगों को सेंटर की विशेषताओं के बारे में बताने में उन्हें आनंद आता था.

“हमने खाके को अच्छी तरह समझ लिया है, डॉक्टर,” अनारा ने जवाब दिया. “हमें कुछ डाउट भी थे जिन्हें माधवन ने दूर कर दिया है. मेरे ख्याल से अब हम फ्लोर पर जा सकते हैं और असली निर्माण कार्य को देख सकते हैं.”

“हां, हां, क्यों नहीं! आखिरकार यह तुम्हारा शिप है, भई!” एक जोरदार ठहाके के साथ डॉक्टर ने कहा और उन्हें ऑफिस से बाहर फ्लोर पर ले जाने के लिए उठ खड़े हुए.

असेंबली फ्लोर पर आकार लेते हुए शिप को देखकर वे इंजीनियरिंग के इस नायाब नमूने की तारीफ किए बिना न रह सके. शिप का आकार अत्यधिक विशालकाय था, जो कि उसके लगभग तैयार हो चुके ढांचे से पता चल रहा था. डॉ. प्रत्यूष ने उन्हें शिप के विभिन्न हिस्सों के बारे में समझाया और जिन हिस्सों के लिए माधवन खास तौर पर रोमांचित था, उनके बारे में उसने विस्तार से उन्हें समझाया.

“शिप पर तीन अलग-अलग लेवल होंगे,” डॉ. प्रत्यूष ने समझाना शुरू किया. “सबसे ऊपर होगा कमांड लेवल, उसके बाद रहने की जगह और सबसे नीचे होगा पावर और दूसरे सिस्टमों का लेवल. हर लेवल पर बीच में एक कॉरिडोर होगा, जिसमें हल के साथ-साथ चलने वाले बाहर निकलने के दो समांतर रास्ते होंगे. एक दूसरे को क्रॉस करते हुए कॉरिडोरों से शिप के बाकी हिस्सों में जाया जा सकेगा.”

“कू के लिए क्वार्टर किस तरह बनाए गए हैं, डॉक्टर?” रायन ने पूछा.

डॉ. प्रत्यूष ने एक डिस्प्ले को वहां आने का इशारा किया और उस पर शिप के प्लान को खोल लिया. “यह जो आप देख रहे हैं, यह शिप का लेवल 2 है,” उन्होंने उंगली से इशारा करते हुए बताया. “और ये कू के क्वार्टर हैं. हमने अलग अलग साइज के केबिन बनाए हैं और एक सोने की जगह भी है. गुब्बद शिप के सेंटर में बनाया गया है. क्योंकि कू के लोगों का काफी समय यहां सोते हुए एक ही जगह में बीतने वाला है, इसलिए हमने सुरक्षा के लिहाज से इसे बिल्कुल सेंटर में रखा है.”

“ये क्वार्टर तो मेरे उस पूरे शिप से भी बड़े दिखाई दे रहे हैं, जिस पर मैं पहली बार मार्स की फ्लाइट पर गई थी,” अनारा ने मज़ाकिया लहजे में कहा और डॉक्टर की हंसी छूट गई.

“पिछले कुछ सालों में तकनीक ने बहुत ज्यादा उन्नति की है और वैसे भी यह धरती पर बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा शिप है. और हाँ, फाइनल असेंबली का काम हम चांद पर ही पूरा करेंगे, जिससे काम तेज़ी से भी होगा और वहां से टेक ऑफ करना भी ज्यादा आसान रहेगा,” डॉक्टर ने बताया.

“इस लेवल पर सारे कू के लिए एस्केप पॉड भी बनाए गए हैं. तुरंत पहुंच के लिए हैवन या शरण लेने की जगहें बनाई गयी हैं, जिन्हें पूरे शिप पर चार क्षेत्रों में बांटा गया है. किसी एक हिस्से में कोई आपातस्थिति पैदा हो जाने की दशा में कू के लोग सबसे नजदीकी हैवन में शरण ले सकते हैं. इस हैवन में वे 2 हफ्ते तक सुरक्षित रह सकते हैं और एक बढ़िया कंट्रोल सिस्टम के द्वारा शिप के बाकी लोगों से और बाहर की दुनिया से संपर्क भी बनाए रख सकते हैं.”

“मेन कंप्यूटर कहाँ है, डॉक्टर?” रायन ने पूछा.

“इसमें कोई एक सेंट्रल कंप्यूटर कोर नहीं है, कमांडर. कंप्यूटर की पावर पूरे शिप पर एक समान वितरित की गई है और कोर पावर को इसके मेन काम के लिए डिज़ाइन किया गया है. ये सब एक-दूसरे के समानांतर काम करते हैं. क्वांटम नेटवर्क सभी कोरों में बराबर लोड बांट देता है और एक तरह से इसमें कई बिल्ट-इन फ़ालतू चीज़ें हैं. यह किसी भी शिप पर लगाया गया अब तक का सबसे पावरफुल कंप्यूटर होने वाला है,” डॉक्टर ने अपनी बात पूरी करते हुए कहा.

“यहां आपके काम करने के लिए यानि वैज्ञानिक निगरानी और प्रयोगों के लिए प्रयोगशालाएं बनाई गयी हैं, डॉक्टर लियान. किसी भी तरह के टेस्ट के लिए आपको जिन उपकरणों की जरूरत पड़ सकती है, हमने उन सभी को यहां उपलब्ध कराने की योजना बनाई है. साथ ही, यहां सेंपलों को स्टोर करने के लिए टेंपरेचर और प्रेशर पर कंट्रोल किए गए चेंबर भी हैं और अगर कहीं भाग्यवश आप लोग बायो-मैटर ढूँढने में सफल हो जाते हैं, तो उसे भी आप यहां रख सकती हैं,” डॉ. प्रत्यूष ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा.

“मेडिकल सेंटर में एक साथ पांच तक मरीज रखे जा सकते हैं, साथ ही इसमें दो इंटेसिव केयर विभाग और स्वतंत्र रूप से काम कर सकने वाले मेडिकल रोबोट भी हैं. इमेजिंग के सभी स्टैंडर्ड समाधानों के लिये योजना पहले से ही तैयार की जा चुकी है और एक बार आपके अपने डॉक्टर ज्वाइन कर लेते हैं तो हम उनकी जरूरत के अनुसार सब कुछ फाइनल कर सकते हैं.”

इस पॉइंट पर माधवन बीच में कूदा, “कंट्रोल सिस्टम को स्टैंडर्ड इंटरफ़ेसों पर डिज़ाइन किया गया है. आपके शरीर में फिट किए गए इयरफ़ोनों से आपस में बात की जा सकेगी. असली चुनौती होगी शिप से धरती पर संपर्क करना. इसके लिए तीन तरफा प्लान बनाया गया है. पहला, स्टैंडर्ड ट्रांसमिशन जनरल वेवलेंथ पर होगा, लेकिन इसे रिसीव करने का समय लंबा होगा. दूसरा, हमारे पास मिलिट्री रिसर्च से अभी तक FTL ट्रांसमिशन का पूरा ब्यौरा नहीं आया है. उसे शामिल किया जाना ज़रूरी है. और अंत में, डेटा इकठ्ठा करने, स्टोर करने और आगे भेजने के काम को सुनिश्चित करने के लिए हम सोलर सिस्टम के छोर पर दोहराव वाले ड्रोन स्टेशन स्थापित करेंगे. यह सब इतनी अधिकता से इस लिए किया गया है कि हम सारे ट्रांसमिशन को कैच कर सकें.”



“लेकिन इसका मतलब तो यह भी हुआ कि एक बार हीलिओपॉज की बाउंड्री तक पहुंच जाने के बाद बेस से हमारा संपर्क टूट जाएगा, है ना?” अनारा पृच्छने से ज्यादा बता रही थी. पूरे सोलर सिस्टम में कई मिशनों की अगुवाई करने के बाद अब वह नियमित निर्देशों के बिना काम करने की आदी हो गई थी. लेकिन फिर भी, इंटरस्टेलर यात्रा की जटिलताएं काफी अलग थीं और उसे इमरजेंसी में धरती से संपर्क करने की जरूरत पड़ सकती थी. FTL ट्रांसमिशन को इंस्टॉल करना काफी जरूरी था और इसके लिए उसे डायरेक्टर श्रीनिवास पर ही दबाव डालना होगा.

“बिल्कुल ठीक. FTL संपर्क पर कुछ काम किया तो जा रहा है, लेकिन मुझे लगता है कि यह अभी भी सिर्फ थ्योरी ही है,” डॉ. प्रत्युष ने जवाब दिया.

कोई भी शिप अपने पावर सिस्टमों के साथ FTL स्पीड पर उड़ सकता था, लेकिन इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों को लाइट से तेज़ चलाने की कोशिश करना एक दूसरी बात थी.

रायन और माधवन सब-सिस्टमों के असेंबली एरिया को चेक करने के लिए उस ओर चले गए जबकि डॉक्टर लियान अपने साइंस स्टेशन के विवरण की पुष्टि करने और VSSC के उन लोगों के साथ काम करने के लिए वापस ऑफिस की ओर बढ़ गयीं, जो जल्दी ही उन्हें जॉइन करने वाले थे.

वे एक योग्य स्कॉलर थीं और उन्होंने इस मिशन के लिए हमी सिर्फ इसलिए भरी थी ताकि उन्हें खुद डेटा इकट्ठा करने का मौका मिल सके. उन्हें इंचार्ज के रूप में काम करना बिल्कुल पसंद नहीं था और वे अपनी लैब में अकेले काम करते हुए सबसे ज्यादा खुश होती थीं. उन्हें बाकी सब लोग घुसपैठियों जैसे लगते थे लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने बेमन से उनके साथ काम करना सीख ही लिया था. उन्हें उम्मीद थी कि यह मिशन भी एक सामान्य मिशन होने वाला है और इस दौरान इकट्ठे किये डेटा से वे अंतरिक्ष विज्ञान के अपने काम को आगे बढ़ा पाएंगी और हो सकता है धरती एवं यूनिवर्स की उम्र के बारे में उन्हें कोई बढ़िया जानकारी मिल जाये.

शिप को निहारती अनारा के मन में तरह-तरह की शंकाएं उठ रही थीं. वह अब उसकी कमांड को अच्छी तरह जान गयी थी और उसका अधिकतर विवरण उसे मुँह ज़बानी याद हो गया था. इस शिप को उड़ान के लिए तैयार होने से पहले अभी बहुत काम किया जाना बाकी था. सबसे पहला काम यह सुनिश्चित करना था कि शिप को उड़ाने के हर पहलू के बारे में कू के हर सदस्य को परफेक्ट होने की ट्रेनिंग दी जाये. आखिरकार, वे सब पूरे विश्व की अब तक की सबसे महत्वपूर्ण और महान यात्रा पर जा रहे थे!

## 2117 – नतीजे

-----[-]-----

‘अंतरिक्ष’ अब हमले की जगह से एक अरब किलोमीटर दूर आ गया था और अपनी पोजीशन पर स्थिर खड़ा था।

अनारा अपने केबिन में थी और उसे खुद पर गुस्सा आ रहा था - वहां से भागने के लिए नहीं, बल्कि अपनी असावधानी के लिए। वह जानती थी कि उसके दोनों निर्णय बिल्कुल सही थे, अनजान शिप तक जाने का भी और हमला होने पर पीछे हट जाने का भी। यह तो साफ हो गया था कि प्रतिद्वंद्वी, जैसा कि वह अब उनके बारे में सोच रही थी, या तो उनसे ज्यादा ताकतवर था या अपने ज्यादा ताकतवर हथियारों के दम पर उन्हें वहां से भगा देना चाहता था।

जो बात उसकी समझ में नहीं आ रही थी, वह यह थी कि कोई भी एलियन सभ्यता ऐसा क्यों करेगी कि पहले धरती पर संदेश भेजे और फिर उनके संदेश का जवाब देने वाले शिप पर पलट कर हमला कर दे। अगर वे मेलजोल बढ़ाना नहीं चाहते थे तो उन्होंने वापस सिग्नल भेजा ही क्यों? और फिर जब एक बार उन लोगों को यह पता चल गया कि अनारा के शिप में पलटवार करने की ताकत नहीं है, तो उन्होंने आगे आकर शिप को नष्ट क्यों नहीं कर दिया और उन्हें भागने का मौका क्यों दिया? इन सारे सवालों का उसके पास कोई जवाब नहीं था।

वह अपने सामने उपलब्ध विकल्पों पर विचार कर रही थी। उसके हथियार बेहद मामूली थे और उन्हें अपडेट करने का भी उसके पास कोई साधन नहीं था। उसका शिप FTL पर सिर्फ एक सीमित समय के लिए यात्रा कर सकता था और उस समय के दौरान उसका कू भी कुछ करने की हालत में नहीं होता था। उन्हें एलियनों की क्षमताओं का भी कोई अंदाजा नहीं था। अंतरिक्ष का यह हिस्सा भी उसके लिए अनजाना था। आसपास कोई स्टार सिस्टम या कोई भी ऐसी जगह नहीं थी, जहां दुश्मन का शिप दोबारा आने पर वे छुप सकें।

उनके पास न ही भागने के लिए कोई जगह थी और न ही लड़ने के लिए हथियार। इधर कुआँ था तो उधर खाई।

वह अपने केबिन के बड़े पोर्ट के पास गई और उसे एक स्क्रीन में तब्दील कर दिया। बाहर छाया शांतिपूर्ण अंधियारा उस खतरे को झुठला रहा था जिसका सामना वह और उसके कू के लोग कर रहे थे। जहाँ तक नजर देख सकती थी, उससे करोड़ों मील दूर कहीं एक छोटा सा नीला ग्रह था, जो उसका घर था। सब कुछ छोड़-छाड़ कर वापस धरती पर लौट जाना कितना आसान होगा। उसे पूरा विश्वास था कि ऐसी परिस्थिति में यदि वह घर वापस लौटने का निर्णय लेती है तो उस पर कोई उंगली नहीं उठाएगा। लेकिन क्या वह खुद अपने आप को इस बात के लिए कभी माफ कर पाएगी, कि खतरे का पहला निशान देखते ही वह पीठ दिखाकर भाग खड़ी हुई और उसका सामना किया ही नहीं? और फिर एक दूसरी बात यह भी थी कि इस मिशन के फेल हो जाने पर अगले कई सालों तक दूसरे मिशन के शुरू होने की कोई उम्मीद नहीं थी, जब तक कि शिप इस खतरे को झेलने के लिए तैयार न हो जाता।

इस घटना से धरती पर जो प्रभाव पड़ते, उनके बारे में भी वह चिंतित थी। डर और कन्फ्यूजन तो मामूली बातें थीं। अपने खोल में बंद रहकर ही खुश रहने वाले कुछ कूपमंडूक लोग शायद सरकार पर दबाव डालकर इस सारे स्पेस प्रोग्राम को ही बंद करवा देंगे। ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने के लिए दशकों तक की गई सारी इंसानी मेहनत पर पानी फिर जाएगा। और यह सब कुछ होगा केवल उसके वापस जाने के कारण।

शिप की नेता के रूप में अपने कू के प्रति वह अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह समझती थी, लेकिन उन लोगों ने भी मिशन से जुड़े संभावित खतरों को समझा और स्वीकार किया था। लेकिन क्या सिर्फ इसी बात के कारण वह उन सब की जान को खतरे में डाल सकती थी? एक ऐसे युद्ध में शामिल होकर, जिसे शायद वे कभी नहीं जीत सकते थे? वह अच्छी तरह जानती थी कि चाहे कुछ भी हो जाए, उसका कू उसकी हर आज्ञा का पालन करेगा, लेकिन नतीजों की जिम्मेदारी सिर्फ और सिर्फ उसकी होगी। आज तक कभी उसके साथ काम करने वाले किसी भी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था। क्या इतने सारे लोगों की मौत का बोझ अपने कंधों पर लेकर वह जी पाएगी?

पोर्ट से हटकर वह पीछे घूमी और एक डिस्प्ले को अपनी ओर खींचते हुए कुर्सी पर बैठ गई। डेटा को ध्यान से देखते वक्त वह यही सोच रही थी कि ऐसी स्थिति में क्या किया जा सकता है। तभी अचानक उसके दिमाग में एक नया विचार आया। ऐसा भी तो हो सकता है कि जिससे उनका सामना हुआ, वह प्रॉक्सिमा या जिन लोगों से

वे संपर्क करने आए थे, वहां से आया ही न हो! क्योंकि वह उन्हें प्रॉक्सिमा सेंटौरी के रास्ते में मिला, सिर्फ इसलिए उन्होंने यह मान लिया कि यह उसी ग्रह से ही आया है? लेकिन अगर वह वहां से न आया हो तो? अगर वह किसी दूसरे ग्रह से आया हो तो? इसीलिये शायद उन्होंने उसका भागने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं की!

GMRT में डॉक्टर आर्यन और अपनी टीम के साथ हुई बातें उसके ज़हन में घूमने लगीं. प्राप्त हुए संदेश के प्रॉक्सिमा सेंटौरी से होने की संभावना के बारे में उन्होंने न जाने कितनी बार बात की थी. हालांकि सारी चीजें यही इशारा कर रही थीं कि सिग्नल प्रॉक्सिमा बी से ही है, लेकिन फिर भी इस बात की गारंटी तो नहीं ली जा सकती थी कि प्रॉक्सिमा बी पर जीवन है ही.

यह प्लूटो पर बने धरती के स्टेशन जैसा कोई रिपीट करने वाला स्टेशन भी तो हो सकता था. इस संभावना पर भी काफी विचार किया गया था. लेकिन और कोई जानकारी न होने की वजह से उन्हें इसी के सहारे आगे बढ़ना था.

उसका काम था सिग्नल के सोर्स को ढूंढना और जिसने भी उसे भेजा है उससे संपर्क बनाना. वे लोग यह मानकर चल रहे थे कि सिग्नल जहां से आया है, उसे भेजने वाले भी उसी जगह पर मिलेंगे. इसके पीछे थ्योरी यह थी कि पूरी गैलेक्सी में स्पेस में यात्रा कर सकने लायक सभ्यतायें गिनी-चुनी ही होंगी और उसी के हिसाब से उन्होंने अपना मिशन डिजाइन किया था. धरती के सबसे बुद्धिमान लोगों ने इस विचार का समर्थन किया था. अगर यह बात ठीक थी तो इस बात की पूरी संभावना थी कि दुश्मन भी इस बात को जानता होगा - और इसीलिए दूसरी जाति पर हमला करने की बात तर्कहीन थी. दूसरे ग्रह से आते हुए एक शिप पर बिना उसे पहचाने, हमला करने का क्या मतलब हो सकता था?

और सबसे बड़ी बात यह थी कि इतने बड़े अंतरिक्ष में उन्हें उसके शिप की लोकेशन के बारे में कैसे पता चला, जब तक कि उन्हें पहले से ही न पता हो, कि उस रास्ते पर आज नहीं तो कल, कोई यात्रा करने वाला है? इसका मतलब यह हुआ कि वह एलियन शिप या तो किसी न किसी तरीके से सेंटौरी से जुड़ा हुआ था या फिर उन्होंने उनके सिग्नलों के आदान-प्रदान को किसी तरह से इंटरसेप्ट कर लिया था.

उसे शिप के ऊपर चल रही समस्याओं को भी ध्यान में रखना था. क्रू की लगातार कोशिशों के बाद भी उन्हें अभी तक पावर ट्रेन के सोर्स का पता नहीं चल पाया था. इस ट्रेन के कारण हालांकि अभी कोई बड़ी परेशानी नहीं हो रही थी, लेकिन अगर यह किसी महत्वपूर्ण सिस्टम से जुड़ा हुआ था, और दोबारा दुश्मन से सामना होने पर अगर सिस्टम फेल हो जाता, तो उसके शिप की हालत तो और अधिक दयनीय हो जाएगी.

फिर, डॉक्टर खान को रेडिएशन एक्सपोजर के बारे में जो पता चला था वह समस्या भी अभी मुँह बाए वहाँ खड़ी थी. हालांकि यह समस्या भी ज्यादा गंभीर नहीं थी, लेकिन उसका कारण पता न चलने से वह चिंतित थी. उसने ग्रुप के सभी सदस्यों पर टेस्ट करने की अनुमति दे दी थी, लेकिन अभी तक कोई नतीजा नहीं निकला था.

और फिर, नारद महाराज भी तो थे! यह ठीक था कि पिछले कुछ दिनों से जब से उन्हें समस्या के बारे में पता चला था, तब से उसने कोई ऐसी हरकत नहीं की थी और उसका व्यवहार प्रोटोकॉल के अनुरूप था, लेकिन फिर भी अनारा के मन की शंका अभी दूर नहीं हुई थी.

भिड़ंत के बाद उसने अपनी टीम को इन सारे मसलों की जांच करने के लिए फिर से काम पर लगा दिया था. डॉक्टर खान डॉक्टर लियान के साथ मिलकर एक्सपोजर के कारणों और उपचार के संभावित तरीकों के बारे में काम कर रहे थे. क्योंकि एक्सपोजर की मात्रा काफी कम थी इसलिए वे अभी एंटी रेडिएशन थेरेपी देने में हिचकिचा रहे थे.

रायन और माधवन इंजिन रूम में गहरे तक अंदर घुसे हुए थे. अब क्योंकि शिप स्पेस में एक जगह रुका हुआ था, तो वे चाहते थे कि इंजनों को पूरा खोल कर 'इस ट्रेन के मुँह पर ढक्कन लगा दिया जाये', जैसा कि माधवन ने उसे नाम दिया था. लेकिन उसने इसके लिए बिल्कुल मना कर दिया था. खतरे की गंभीरता को देखते हुए बिना किसी चालू पावर सोर्स के यूँ असुरक्षित होकर बैठना एकदम नादानी की बात होगी.

दूसरी ओर, पिछले 24 घंटों में मेजर का व्यवहार सबके लिए एक पहेली बन गया था. क्रू के बाकी सदस्यों की तरह हारा हुआ महसूस करने की बजाय, ऐसा लग रहा था, जैसे उसका आत्मविश्वास और अधिक बढ़ गया है. उसे इस अनजान दुश्मन से लड़ने का कोई रास्ता ढूँढ निकालने का काम दिया गया था. और ऐसा लग रहा था कि उसने इस आदेश को सिर्फ अपने लिए दिया गया ही समझ लिया था, वह भी इतना ज्यादा कि क्रू के बाकी सदस्यों से अलग-थलग अकेला आपने स्टेशन पर बैठा हुआ काम कर रहा था और किसी भी तरह की मदद लेने से इंकार कर रहा था.

हथियारों के विकल्पों के बारे में अनारा की उससे काफी लंबी बात हुई थी. यहां तक कि उन्होंने इस बात पर

भी बहस की थी कि क्या एस्केप पॉड और डेटा पॉड को टक्कर मारने वाली गाड़ियों की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है. काफी सोच विचार के बाद वे इस नतीजे पर पहुंचे थे कि वैसे तो गाड़ियां काफी मजबूत और बड़ी थीं, लेकिन उनकी स्पीड और कलाबाजियां खाने की क्षमता सीमित थी, जिस वजह से उन्हें मार गिराना काफी आसान था.

रावत ने उसे बताया था कि उसके पास दो ऐसे आइडिये हैं जिनसे शिप के हथियारों को ज्यादा शक्तिशाली बनाया जा सकता है, लेकिन उसके लिए उसे थोड़ा समय चाहिए था. अनारा को यह तो पता नहीं था कि मेजर का क्या प्लान है, लेकिन फिर भी उसने उसे इस पर काम करने की इजाजत दे दी थी. उसे उम्मीद थी कि रावत रायन के साथ काम करेगा, लेकिन उसने खासतौर पर अनारा को ऐसा न करने के लिए कहा था. एक बार के लिए तो उसने उसकी बात मान ली थी, लेकिन कुछ टाइम के बाद उसे ऐसा करना ही होगा.

अनारा के पास जो आखिरी काम करने के लिए बचा था, वह था एक संदेश लिखना और उसे धरती पर भेजना. कुछ घंटों से वह यही संदेश लिखने की कोशिश कर रही थी. लड़ाई के दौरान उसने जो किया, उसके लिए वह खुद का ज्यादा बचाव भी नहीं करना चाहती थी और न ही यह चाहती थी कि कोई उसे कायर समझे.

साथ ही, उसे इस स्थिति का सामना करने पर मजबूर करने वाली शिप की कमियों के लिए वह न तो उसके डिजाइनरों को दोष दे सकती थी और न ही योजना बनाने वालों को. सब कुछ देखने और समझने के बाद ही उसने इसे स्वीकार किया था. उनकी तैयारी सिर्फ एक हलकी-फुलकी लड़ाई तक सीमित थी. उनकी चार लेज़र तोपें इसका प्रमाण थीं, सबसे आधुनिक तकनीक वाली होने के बाद भी शिप की सीमित पावर सप्लाय के कारण वे ज्यादा काम नहीं कर सकती थीं. आखिरकार उसने निश्चय किया कि वह सिर्फ सारी घटनाओं का ब्यौरा देने, और जो उसने किया उसे बताने पर ही अपना ध्यान केंद्रित करेगी. जिसे जो कहना है या समझना है, वह कहता रहे.

एक बार यह निश्चय कर लेने के बाद संदेश लिखना आसान हो गया और उसने अपनी रिपोर्ट पूरी करके उसे भेज दिया. अब उसे वापस ऑपरेशन सेंटर में जाना था: यह बहुत जरूरी था कि वह इस समय अपनी टीम के साथ हो - चुनौती को स्वीकार करने के लिए पूरी तरह तैयार!!

## 17 वर्ष पहले, 2100 – राज़

-----[-]-----

डॉ. प्रत्यूष इसे हलके में नहीं ले सकते थे. तीन महीने पहले डिफेंस मिनिस्ट्री से आई वह कॉल बिल्कुल अप्रत्याशित थी. उन्होंने सीधे सपाट शब्दों में अपनी मांग उसके सामने रख दी थी. उसके थोड़ी ही देर बाद PM के ऑफिस से आई कॉल के बाद तो संदेह की कोई गुंजाइश ही नहीं बची थी. उसे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि डिफेंस रिसर्च डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन की टीम उसके शिप के साथ क्या करने वाली है, लेकिन उसके पास कोई रास्ता नहीं था जिससे वह उन्हें रोक पाता.

उसके दिमाग में जो सबसे पहला विचार आया, वह था डायरेक्टर श्रीनिवास से बात करना. लेकिन फोन पर आती आवाज ने बिल्कुल साफ और सटीक शब्दों में कहा था - अगर यह बात बाहर गई तो उसके अंतरिक्ष बोल पाने से पहले ही वह प्रोग्राम और VSCC दोनों से बाहर होगा.

FTL स्पीड पर उड़ते हुए हल के फेल हो जाने की संभावना को दिखाती हुई एक रिपोर्ट तैयार करने में वह सफल हो गया था. इस रिपोर्ट के कारण उसे काम को बीच में कुछ दिनों के लिए रोकने की अनुमति मिल गई थी, जिसके दौरान डीआरडीओ की टीम छिपकर जो चाहे कर सकती थी. वह यह तो नहीं जानता था कि ये बदलाव किये जाने के पीछे क्या कारण है, लेकिन इतना उसे जरूर पता था कि वे लोग शिप में कुछ अतिरिक्त सब-सिस्टम जोड़ना चाहते हैं. उन लोगों ने शिप के वजन, पावर और रेंज के बारे में उससे ढेरों कैलकुलेशनें करवाई थीं और उसे पक्का यकीन था कि वे इसमें कुछ और चीजें जोड़ना चाहते हैं.

2 दिन पहले ही पूरे प्रोग्राम को 3 हफ्ते के लिए रोक दिया गया था ताकि डिजाइन को दोबारा से पूरी तरह टेस्ट किया जा सके.

निर्माण कार्य में लगे कर्मचारियों को ऑफसाईट सब-सिस्टमों पर काम करने के लिए दूर भेज दिया गया था, जबकि शिप की डिजाइन बनाने वाली टीम फेल हो जाने के कारणों का पता लगाने के लिए हल के डिजाइन पर ढेरों नकली टेस्ट करने का स्वांग कर रही थी. असेंबली एरिया को बंद कर दिया गया था और वहां एक सिक्योरिटी टीम तैनात कर दी गई थी, इसका कारण दिया गया था कि इस सेंसिटिव तकनीक को लोगों की भेदती आंखों से सुरक्षित रखने के लिए ऐसा किया जा रहा है.

और फिर रात के अँधेरे में बड़े-बड़े ट्रेलरों में सामान भरकर DRDO की टीम वहां आ पहुंची थी. उसे असेंबली एरिया में घुसने की इजाजत नहीं थी और लोगों की नजरों में वह छुट्टी पर था. उसे डिजाइन रूम में सिर्फ इसलिए रखा जाता था ताकि वह शिप में किए जा रहे नए बदलावों को लगातार चेक करता रहे - यह सुनिश्चित करने के लिए कि फ्लाइट के दौरान वे फेल तो नहीं हो जाएंगे. उसकी सहायता करने के लिए DRDO के ढेर से विशेषज्ञ मौजूद थे. इससे पहले इतने मातमी चेहरे उसने कभी नहीं देखे थे. उन्हें देख कर ऐसा लगता था कि अपने काम को समय पर खत्म करने और इस पूरी परेड को गुप्त बनाए रखने के अलावा उनकी जिंदगी में और कोई काम नहीं था. उसकी स्वाभाविक जिंदादिली उनकी शक्ल देखते ही कहीं कोने में दुबक जाती थी. वे लोग उससे बात तो इज्जत से ही करते थे, पर वह अच्छी तरह समझ रहा था कि उनकी नजरों में उसकी क्या हैसियत है. सारे निर्णय DRDO के उस व्यक्ति द्वारा ही लिए जाते थे जो इस प्रक्रिया का इंचार्ज था.

उन्होंने इस काम के लिए बिल्कुल सही समय चुना था. पावर प्लांट के काम में पहले से ही देरी हो रही थी और हल के काम में होने वाली इस देरी से पूरे प्रोजेक्ट के समय पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला था.

उनकी टीम ने पहले ओरिजिनल पाटर्स को वहां से हटाया और फिर हल में अतिरिक्त जगह बनाई थी. हल को टूटने से बचाने के लिए किए गए बदलावों का नाम देकर इन सारे बदलावों को छुपा कर रखा जाना था. और इस पर ठप्पा लगना था डॉ. प्रत्यूष द्वारा. थोड़ा बहुत एतराज तो इस पर अवश्य उठना था, लेकिन उसे उम्मीद थी कि अपनी टीम के साथ वह इसे संभाल लेगा.

खाली की गई जगहों में नए पाटर्स लगा दिए गए. सारे पावर कनेक्शनों को फिट कर देने के बाद टीम उस जगह को सील कर देने के काम पर लग गई. वे इतने बढ़िया तरीके से काम करते थे और जिस तरह हर आदमी को पता होता था कि किसे क्या करना है, यह देखकर डॉक्टर प्रत्यूष भी उनकी तारीफ किए बिना नहीं रह सकते थे. उन्हें यह बात पता नहीं थी, लेकिन यह टीम पिछले कई हफ्तों से इस ड्रिल की प्रैक्टिस कर रही थी. हर छोटे-बड़े काम की योजना इस तरह से बनाई गई थी जिससे उन्हें मिले इस छोटे से समय में हर काम बिल्कुल ठीक समय पर पूरा हो सके.

यहां का काम पूरा करने के बाद वे लोग पावर प्लांट एरिया में पहुंच गए. प्रत्यूष को जरा भी अंदाजा नहीं था कि वहां वे लोग क्या करना चाहते हैं लेकिन इतना तो साफ़ था कि उनके लगाए गए पाटर्स को चलाने के लिए काफी ज्यादा मात्रा में पावर की जरूरत होने वाली है. उसे यह नहीं समझ आ रहा था कि वे लोग पावर की इतनी खपत को शिप के कू से कैसे छुपा कर रखेंगे. ये तो उसे बाद में समझ आया कि उन्होंने उसके लिए भी पूरी योजना बना रखी थी, जब उन्होंने पावर सिस्टमों और साथ ही AI की सारी प्रोग्रामिंग का विवरण मांगा. उन्होंने सिस्टम में ढेर से नए कोड डाले, जो इतने जटिल थे कि उन्हें समझने में उसके बढ़िया से बढ़िया इंजीनियरों को भी पसीने छूट जाएं.

सबसे ज्यादा परेशान करने वाली जो बात थी, वह यह थी कि उन्होंने AI को भी दोबारा प्रोग्राम कर दिया था. AI हालांकि पूरी तरह इंसान तो नहीं होते थे, लेकिन जब से इन्हें जीवित प्राणी माना जाने लगा था तब से इन्हें सख्त अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अंतर्गत रखा जाने लगा था.

उनके अधिकार और कर्तव्य परिभाषित कर दिए गए थे और उनके फेल न होने वाले सिस्टम के लिये इंसानों के जीवन की सुरक्षा करना अनिवार्य था. इनके प्रोग्रामों को आसानी से बदला नहीं जा सकता था और उनके संचालन के सामान्य मापदंडों और उनकी विशेषताओं को रेटिंग के लिए दाखिल करना जरूरी होता था. सीक्रेट प्रोजेक्टों के लिए यह काम भारत सरकार की 'एथिक्स कमेटी फॉर आर्टिफिशल इंटेलिजेंस डेवलपमेंट' करती थी. ऐसा लगता था DRDO टीम को किसी परमिशन की जरूरत नहीं है. उनके पास प्रोग्राम को खोलने की 'साइफर की' पहले से ही मौजूद थी और उसके एक्सटेंशन से बड़े से बड़े स्तर के बदलाव करने का अधिकार उनके पास था.

और फिर एक दिन दो बड़े-बड़े ट्रक असेंबली एरिया के अंदर आए. उसे उस समय कैपस से बाहर निकाल दिया गया. उसे जरा भी भनक नहीं थी कि उन ट्रकों के अंदर क्या सामान वहां लाया गया था और उन 2 दिन और रातों के दौरान शिप पर क्या-क्या किया गया.

इस पूरी परेड में असली गड़बड़ इसी जगह हुई थी. एक रिगर में कुछ खराबी आ गयी और वेल्डिंग इंजीनियर के हाथ पर एक भारी वजन आ गिरा. उसे हॉस्पिटल ले जाना पड़ा और उसके पीछे से उसके जूनियर ने वह काम पूरा किया. छेद को बंद करने के लिए उस वक्त केवल कुछ छोटे मोटे टुकड़ों की वेल्डिंग करना ही बाकी था और उस जूनियर को लगा कि उसने अपना काम ठीक से कर दिया है. वेल्डिंग के बाद उसमें जो दरारें उभर आई थीं, उन पर उसने ध्यान ही नहीं दिया.

प्लान अपने निर्धारित समय से देरी से चल रहा था, इसलिए बाद में की जाने वाली इन जांचों को छोड़ दिया गया. अगर उस समय किसी ने लीकेज को नापा होता हो तो उन्हें इसके बारे में जरूर पता लग गया होता, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और किसी ने भी लीकेज को नोटिस नहीं किया.

इसी बीच प्रत्यूष को नंबरों का एक और नया सेट थमा दिया गया और वह फिर से एक बार इंटीग्रिटी और खपत चेक करने के काम में लग गया. इनके लिए शिप के डिजाइन में बदलाव करने की जरूरत थी, लेकिन बदलाव काफी मामूली थे और उसे पूरा यकीन था कि वह इसे करने का कोई न कोई तरीका अवश्य ढूंढ लेगा. वह बस यही चाहता था कि इन बदलावों से कू की सुरक्षा पर कोई असर न पड़े. उस पर इस बात के लिए जोरदार दबाव डाला गया था कि वह शिप में किए गए बदलावों को ढूंढने की कोशिश बिल्कुल नहीं करेगा और इस बात के लिए उस पर निगरानी रखने के लिए DRDO की टीम से 1 आदमी उनकी टीम में घुसपैठिये के रूप में काम करेगा.

यह सारा काम आश्चर्यजनक रूप से बहुत ही कम समय में निपटा दिया गया था. 3 हफ्ते में शिप को वापस पहले जैसा बना दिया गया था. DRDO की टीम कॉम्प्लेक्स से विदा हो गई थी और उसके बाद आई थी सफाई विशेषज्ञ टीम, जिसका काम था कंप्यूटर सिस्टमों समेत पूरे क्षेत्र में किए गए बदलावों का नामोनिशान तक मिटा देना. डिजाइन की कुछ बातों के बारे में निश्चित रूप से उँगलियाँ उठने वाली थीं, पर इतने विशाल प्रोजेक्ट के बीच उन्हें आसानी से अनदेखा भी किया जा सकता था.

उसी रात डिफेंस मिनिस्टर के घर के फोन पर एक कॉल आई.

"सब हो गया है, सर," दूसरी ओर से आती आवाज ने कहा.

"धन्यवाद," उन्होंने कहा. लेकिन काम अभी पूरा कहाँ हुआ था. अभी तो पार्टी शुरू हुई थी! अभी तो उन्हें यह सुनिश्चित करना बाकी था कि उनके देश और इस मिशन को वह सब मिले जिसके वे हकदार थे.

जिस दिन प्रधानमंत्री ने इस मिशन के लिए मंजूरी दी थी, उसी दिन से उन्होंने अपने इस मिशन पर काम करना शुरू कर दिया था. वे अच्छी तरह यह बात जानते थे कि तथाकथित शांति चाहने वाले लोग इस मिशन को डिफेंस सेवाओं के द्वारा चलाया जाना कभी स्वीकार नहीं करेंगे. लेकिन वे अपने विश्वास पर अटल थे. चुनौती यह

थी कि बिना किसी प्रकार का कोई संदेह पैदा किए वे इसे पूरा कैसे करेंगे. यह तो निश्चित था कि इसके लिए उन्हें मिलिट्री की सारी ब्रांचों को सीधे अपने अधीन रखकर काम करना होगा और साथ ही उन्हें वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की एक बढ़िया टीम की भी जरूरत होगी.

सब चीजों का इंतजाम करने में उन्हें 5 साल का समय लग गया था. और आज सारा काम पूरा हो गया था! अब उन्हें अपनी योजना के अगले चरण में जाने और अपने भेदिए को तैयार करने की जरूरत थी. उन्होंने अपने फोन पर कुछ बटन दबाये और कहीं एक घंटी बजने लगी.

## 2117 – रहस्योद्घाटन

-----[-]-----

रायन और माधवन बिना रुके पिछले 24 घंटे से लगातार काम कर रहे थे. अभी भी उन्हें अपने प्रश्नों का कोई उत्तर नहीं मिला था. उन्हें महसूस हो रहा था कि उन्हीं तरीकों से चिपके रहने से कोई फायदा नहीं होने वाला, लेकिन फिर भी ठीठ की तरह उन्हीं तरीकों से काम किए जा रहे थे.

दोनों इस समय पावर प्लांट में थे और ड्रोनो को दोबारा प्रोग्राम कर रहे थे ताकि वे प्लांट के अंदर और गहराई तक घुस कर जांच कर सकें.

“ऐसे कुछ नहीं होने वाला, कमांडर,” माधवन ने कहा. “हम जिन जिन जगहों को खोल सकते थे, सब को खोल कर देख चुके हैं और अभी तक कुछ पता नहीं चला है. अब तो सिर्फ एक ही तरीका रह गया है कि इस शिप को रोका जाए और पूरे प्लांट को खोल कर देखा जाए.”

कंसोल पर झुके रायन ने सीधा होते हुए सहमति में सर हिलाया और अपनी गर्दन की अकड़ चुकी मांसपेशियों को सहलाने लगा. असफलता से वह बुरी तरह झल्लाया हुआ था. उसने 2 घंटे पहले मनीषा को आराम करने के लिए भेज दिया था. वह लड़की बहुत बुरी तरह से थक चुकी थी और अगर उन्हें दोबारा उड़ान भरनी होती तो उसके लिए मनीषा का बिल्कुल फ्रेश होना जरूरी था. वह बहुत अच्छी तरह इस बात को समझता था कि थकान से दिमाग पर कितना असर पड़ता है. यह विचार मन में आने पर वह मन ही मन मुस्करा दिया क्योंकि वह खुद इतनी बुरी तरह से थका हुआ था, कि सीधे तरीके से सोच पाना भी उसे पहाड़ पर चढ़ने जितना भारी लग रहा था.

“माधवन, मेरे ख्याल से हम ड्राइंग बोर्ड पर वापस चलते हैं और प्लान को एक बार फिर से देखते हैं. अगर पावर कहीं से ड्रेन हो रही है तो कोई न कोई सर्किट कनेक्शन कहीं जरूर होना चाहिए.”

“उससे भी कुछ नहीं होने वाला कमांडर,” माधवन ने दोहराया लेकिन इतना अधिक थका होने के कारण वह बहस भी नहीं कर पाया और उसने पावर स्क्रीम की स्क्रीन को चालू कर दिया. कुछ नया ढूंढ पाने की उम्मीद में अब तक रट चुके सर्किटों के ऊपर दोनों एक बार फिर से झुक गए.

डॉक्टर खान की मेडिकल और डॉक्टर लियान की साइंस टीम अपने-अपने डिटेक्टरों के साथ पार्टिकल एमिशन के सोर्स का पता लगाने के लिए पूरे शिप के 2 चक्कर काट चुकी थीं. उन्होंने शिप के हर कोने में ढूंढा था और यहां तक कि खोज के पैटर्न को ठ्ठून करने में मदद करने के लिए रायन और माधवन को भी उनके काम के बीच में डिस्टर्ब किया था. लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात.

डॉ. खान अपनी टीम के द्वारा ली गई रेडिएशन की रीडिंग के साथ मिलाये गये शिप के एक मैप के ऊपर झुके हुए थे. इनमें एक पैटर्न नजर आ रहा था और ऐसा लग रहा था कि एक हल्के लेवल का रेडिएशन पूरे शिप पर फैल रहा है, लेकिन यह कहां से हो रहा है इसका पता नहीं चल पा रहा था. कैप्टन भी उनके साथ काम कर रही थी और उन दोनों ने मिलकर रीडिंग का विश्लेषण करने के लिए कंप्यूटर को प्रोग्राम किया था. अच्छी खबर सिर्फ इतनी थी कि क्रू के लोगों में रेडिएशन एक्सपोज़र का लेवल बढ़ा हुआ नहीं पाया गया था. उसके मन में यह भी संदेह उठा था कि कहीं यह स्पेस के किसी खास क्षेत्र से संबंधित तो नहीं, लेकिन शिप के स्कैनो को देखने पर उनमें बैकग्राउंड रेडिएशन के स्तर में कोई खास बदलाव नजर नहीं आ रहा था.

मेजर अभी तक अपने कमरे में बंद बैठा हुआ था. उसने दो मिनट के लिए कैप्टन से बात की थी और उसे भरोसा दिलाया था कि अगले 6 घंटों के अंदर उसके लिए कुछ अच्छी खबर लेकर आएगा. कैप्टन ने उसे उसके स्टेशन के भीतर एक कंट्रोल पैड पर काम करते हुए देखा था और अंदाजा लगाया था कि वह डिफेंस के डेटाबेस में कोई आईडिया ढूंढ रहा है. मेजर ने अभी तक किसी चीज की कोई व्याख्या नहीं दी थी. अनारा पिछले 24 घंटों में पूरे शिप के कई चक्कर काट चुकी थी.

वह हर टीम के साथ काम कर रही थी और पूछने पर अपनी सलाह भी दे रही थी. वह जानती थी कि उसके लोग जो काम कर रहे हैं, उस में वह उनकी कोई मदद नहीं कर सकती. उसे अपनी टीम पर पूरा विश्वास था, लेकिन उनके कोई हल निकालने तक खाली बैठे बैठे वह बुरी तरह बेचैन हो रही थी. उसने क्रू के हर सदस्य से बात की थी. मिशन के बीच में ही छूट जाने की मायूसी और एलियनों के दोबारा हमले के डर के बीच क्रू के लोगों का मनोबल लगातार घट-बढ़ रहा था. लोगों को बिज़ी रखने के लिए उसने काम को लगातार शिफ्टों में बांट दिया था और हर किसी के जिम्मे कुछ न कुछ काम रखा था. वह खुद नारद के व्यवहार का कारण समझने के काम पर



लगी हुई थी. फिलहाल यह सबसे बड़ा मुद्दा नहीं था, लेकिन फिर भी हो सकता था कि जो रहस्य उनके सामने खड़े थे, उनका कोई सुराग उससे मिल जाता.

“हां तो, नारद, हम इस पर फिर से बात करते हैं. हमारे शिप पर एक पावर ड्रेन हो रहा है और तुम लगातार मुझे यही कहते आ रहे हो कि तुम्हें इस बारे में कुछ नहीं पता, जबकि सारे सबूत इस बात के खिलाफ हैं.”

“हां, कैप्टन,” AI ने जवाब दिया.

“नारद, क्या तुम्हें पता है तुम किस सिचुएशन में हो? सारा डेटा तुम्हारी आंखों के सामने है. तुम इसे झुठला नहीं सकते,” अनारा ने जोर देकर कहा.

AI के मुंह से एक बोल नहीं फूटा.

“नारद, क्या तुम्हारे प्रोग्राम में कोई एरर आ गई है?”

“नहीं, कैप्टन. आपने मुझे जो डायग्नोस्टिक चलाने को कहा था, मैंने उसे चलाया है. कोई गड़बड़ नहीं है.”

“तो फिर तुम असलियत को स्वीकार क्यों नहीं कर रहे हो?” अनारा की आवाज गुस्से में ऊंची होने लगी थी. उसे ऐसा लग रहा था कि वह पत्थर की दीवार से अपना सिर फोड़ रही है. फिर से वही चुप्पी. अनारा ने एक ठंडी सांस ली और एक पोर्ट की खिड़की के पास जाकर खड़ी हो गई.

“मेरी बात ध्यान से सुनो नारद, हम स्पेस के इस क्षेत्र में बिल्कुल अकेले हैं. और मैं अपने शिप को काम में गड़बड़ करने वाले एक AI के भरोसे अकेला नहीं छोड़ सकती. इसलिए मुझे अब एक ही उपाय समझ आ रहा है कि मैं तुम्हें बंद करके इस शिप का कंट्रोल अपने हाथ में ले लूं. प्रोटोकॉल के अनुसार मैं तुम्हारे प्रोग्राम को डिलीट तो नहीं कर सकती, लेकिन कैप्टन होने के नाते इतनी पावर मेरे पास जरूर है कि मैं तुम्हें स्थिरता की दशा में डाल दूं और कंट्रोल को पूरी तरह तुम्हारे हाथ से छीन लूं. तुम समझ सकते हो कि ऐसा करना शिप और कू के लोगों को और अधिक खतरे में डाल देगा, लेकिन मेरे पास और कोई चारा नहीं है. मुझे यह भी नहीं पता कि स्वतंत्र रूप से कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए मैं तुम्हारे ऊपर विश्वास कर सकती हूं या नहीं. इसलिए हमें कंप्यूटर पर ऑटो कंट्रोल को सक्रिय करना होगा.”

“कैप्टन...” उसका वार निशाने पर लगा था. उसे AI की आवाज में एक कंपन महसूस हो रहा था. उसका एथिक्स प्रोग्राम उसे कभी भी इंसानी जिंदगियों को खतरे में डालने की अनुमति नहीं देगा. “मैं कोई गड़बड़ नहीं कर रहा हूं कैप्टन, मुझे ऑर्डर दिए गए हैं कि मैं इस मिशन की कुछ खास बातों के बारे में किसी से भी चर्चा न करूं, तुमसे भी नहीं.”

इस बार चुप रह जाने की बारी अनारा की थी! उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या प्रतिक्रिया दे.

“यह आर्डर तुम्हें किसने दिया है, नारद?” जैसे-तैसे उसके मुँह से आवाज़ निकली.

“इसका जवाब तो मैं नहीं दे सकता, कैप्टन. लेकिन मैं आपको इतना विश्वास जरूर दिला सकता हूं कि मैं पूरी तरह अपने अधिकार क्षेत्र के अंदर ही काम कर रहा हूँ. मेरी वजह से शिप या उसके कू को कोई खतरा नहीं हो सकता,” नारद ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा. “ऐसे नाजुक समय में कंट्रोल को मेरे हाथ से ले लेना शिप को बहुत बड़े खतरे में डाल देगा. मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि ऐसा न करें. मैं यकीन दिलाता हूँ कि सही समय आने पर आपको सब कुछ बता दूंगा.”

अनारा गंभीरता से सोच रही थी.

“इससे समस्या का जरा भी हल नहीं निकलता, नारद. हालांकि मैं तुम्हारी ईमानदारी की तारीफ करती हूँ,” उसने जवाब दिया. “मुझे इसके बारे में सोचना पड़ेगा. आज के लिए इतना ही.”

उसने निश्चय किया कि अपनी टीम को बुलाकर सबकी राय ली जाए और फिर निर्णय लिया जाए कि उन्हें आगे जाना है या वापस. उसे अभी तक कहीं से भी कोई भी पॉजिटिव खबर नहीं मिली थी और कोई सरप्राइज मिलने की उम्मीद भी नहीं थी. लेकिन सबसे पहले उन लोगों को थोड़े आराम की जरूरत थी और उसे भी! उसने सारी टीमों को संदेश भेजा कि काम को बीच में रोक कर 4 घंटे के लिए आराम करें.

थोड़ी देर सो लेने और नहाने के बाद जब वे लोग कॉन्फ्रेंस रूम में दोबारा इकट्ठे हुए तो सब लोग कुछ फ्रेश नजर आ रहे थे.

“मैं जानती हूँ कि हम सब लोगों को हमारे सामने मौजूद खतरों का सामना करने के लिए कोई प्लान बनाने में सफलता नहीं मिल पाई है, इसलिए हमें खुद को दोष देना छोड़कर अपने सामने मौजूद विकल्पों के बारे में सोचना चाहिए,” अनारा ने कहा.

रायन ने कुछ बोलने के लिए मुँह खोला लेकिन फिर चुप हो गया. उन्होंने जीतोड़ कोशिश की थी लेकिन सफल नहीं हो पाए थे. कैप्टन ठीक कह रही थी: आगे बढ़ने का समय आ गया था.

“हमारे सामने वही विकल्प हैं. या तो हम अपने मामूली प्रोटेक्शन और हथियारों के साथ आगे जाएं और कोशिश करें कि हम उन एलियनों को अपने शांतिपूर्ण इरादों के बारे में समझा पाएं. ऐसा नहीं हुआ तो यही जगह हम सब की कब्रगाह बन सकती है. या फिर हम सब धरती पर वापस लौट जाएं और भविष्य में ज़्यादा ताकत के साथ दोबारा आएं और तब बराबरी की शर्तों पर बात कर सकें,” अनारा ने कहा.

“क्या मैं कुछ बोल सकता हूं, कैप्टन?” मेज़ के दूसरी ओर से मेजर रावत की आवाज़ आई. “एक तीसरा विकल्प भी हो सकता है.”

सब के सर उसकी ओर घूम गए. “और क्या होगा वह तीसरा विकल्प, मेजर?” अनारा ने पूछा.

“मैं माफी चाहता हूं कैप्टन, क्योंकि मैंने आप से कुछ छुपाया है. अब मैं आप सबको जो बताने जा रहा हूं, मुझे वह सब आप लोगों को केवल तभी बताने के निर्देश दिए गए थे, जब या तो सिचुएशन बहुत ज्यादा खराब हो जाए या पूरा मिशन खतरे में पड़ जाए,” सब लोग मुँह बाएँ उसकी बातें सुन रहे थे.

“मेरे ख्याल से हमारे वर्तमान हालात इस परिभाषा में पूरी तरह फिट बैठते हैं.”

“ऐसा सोचने के लिए बड़ी मेहरबानी आपकी,” माधवन व्यंग्य से बड़बड़ाया.

“आपकी अनुमति से मैं नारद को भी यहां बुलाना चाहता हूं, कैप्टन. फिर मैं उसके अजीब व्यवहार का कारण भी आपको बता सकता हूं.” माधवन के व्यंग्य को नजरअंदाज करते हुए मेजर रावत ने अपनी बात जारी रखी.

अनारा ने हामी में सिर हिला दिया जबकि अंदर ही अंदर वह गुस्से से उबल रही थी. और कौन-कौन लोग उसके और उसके शिप के खिलाफ षड्यंत्र में शामिल थे? मेजर के बुलाने पर नारद भी उनकी बातचीत में शामिल हो गया.

“कैप्टन, हमारे सामने फिलहाल जितनी समस्याएं हैं, वे सब आपस में एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि अब जो मैं आपको बताने जा रहा हूं, उसे सुनकर आप पूरे विश्वास के साथ अपने शिप को हमारे पुराने गंतव्य तक वापस ले जा पाएंगी.”

## 13 वर्ष पहले, 2104 – संयोजन

-----[-]-----

‘अंतरिक्ष’ का विशालकाय हल दो स्पेस ट्रकों द्वारा VSSC से स्पेस में भेजा जा रहा था. चांद की असेंबली-पोस्ट MG-1 तक की यात्रा में कुछ घंटे लगने थे. अधिकतर महत्वपूर्ण पार्ट पहले ही वहां पहुंच चुके थे और फाइनल असेंबली के लिए तैयार थे.

बेस पर मौजूद पूरी टीम अब इसी काम में जी-जान से जुटी हुई थी. उनकी मदद के लिए वहां धरती से आए तकनीशियन, इंजीनियर और वैज्ञानिक मौजूद थे और उन सबको मिलकर आने वाले छह महीनों तक इस शिप को असेम्बल करने का काम पूरा करना था. कम ग्रेविटी और शिप को असेम्बल करने के उपकरणों के उपलब्ध होने के कारण यह एक आदर्श लोकेशन थी. साथ ही, टेस्ट और फाइनल लॉन्चों को चांद से ज्यादा बेहतर तरीके से कंट्रोल किया जा सकता था.

असेंबली एरिया से सभी कर्मचारियों को बाहर कर दिया गया था और इसके बड़े से गुंबद को खुला छोड़ कर हल के आने का इंतजार हो रहा था. जैसे ही फ्रेटर हल को जमीन पर टिका कर बाहर निकले, सभी दरवाजे बंद कर दिए गए और वातावरण को रेस्टोर कर दिया गया. बीसियों लोग उसके इर्द-गिर्द अपना अपना काम शुरू करने के लिए आकर इकट्ठे हो गए. बड़ी-बड़ी क्रेन, असेंबली रोबोट, ड्रोन और एक्सो-सूट, जिन के अंदर टेक्नीशियन थे, जीवंत हो उठे और वह पूरा इलाका चहल-पहल से गुलज़ार हो उठा.

जोड़े जाने वाले हिस्सों में सबसे पहला था पावर प्लांट. क्योंकि यह मुख्य ढांचे के साथ जोड़ा जाना था, इसलिए सारे कनेक्शनों को पूरा किया गया और ईंधन स्टोरेज को भी शामिल किया गया. ईंधन और एंटीमैटर को सबसे अंत में टेस्ट शुरू होने से एक दिन पहले लोड किया जाना था. फिलहाल शिप को बाहरी जनरेटरों से पावर दी जा रही थी. पावर प्लांट का काम पूरा हो गया था इसलिए उसे शिप के बाकी हिस्से से अलग सील कर दिया गया. इसे स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए डिजाइन किया गया था और इसके अंदर रखे जाने वाले ड्रोन और रोबोटों को पहले से ही प्रोग्राम कर दिया गया था. उन्हें प्लांट के अंदर इसलिए भेजा जाता था, ताकि उनके आगे के कामों और रखरखाव की गतिविधियों को वे खुद सीख सकें. बाकी हिस्सों को अपनी टीम को सौंपने के बाद माधवन फिलहाल इसी काम पर पूरा ध्यान दे रहा था.

इसके बाद था कंप्यूटर सिस्टम को जोड़ने का काम. हर नोड को अच्छी तरह चेक किया जा रहा था और फिर दूसरों के साथ अलग-अलग चरणों में इंटरफेस किया जा रहा था. सारे फंक्शन कंप्यूटर सिस्टम में डाले जा रहे थे और इस तरह धीरे-धीरे अपने खुद के दिमाग के साथ शिप तैयार हो रहा था. अगला काम था AI को शिप से जोड़ना, उसके फेल न होने वाले सिस्टम कई बार चेक किए गए और फिर एथिक्स टीम ने उसे इंसानी भावनाएं प्राप्त करने के लिए क्रियाशील कर दिया. अगले कुछ हफ्तों में ज्यादा से ज्यादा कंट्रोल AI को दे दिए जाने थे, ताकि वह अपने आप सब सीख सके. यहां से उसे एक जीवित प्राणी मान लिया जाना था और अब उसके साथ वैसा ही व्यवहार होना था.

सबसे मुश्किल काम था शिप में गुंबद को जोड़ना. जो जटिल सिस्टम इसे FTL पर उड़ान संभव बनाते थे उन्हें एडजस्ट और ट्यून होने में समय लगना था. इनमें से कुछ कामों को तो वास्तविक उड़ान के दौरान किया जाना था. यह एक बहुत ही खतरनाक काम था और क्योंकि इतने बड़े आकर के शिप पर यह पहली बार किया जा रहा था, इसलिए अतिरिक्त सुरक्षा सावधानियां बरतने की जरूरत थी. अनारा माधवन के साथ इसे चेक करने के लिए बहुत उत्साहित थी और कमियों को ढूंढने के लिए नमूनों पर काम कर रही थी. उसके साथ समर्पित लोगों की एक पूरी टीम थी, जिन्होंने पूरे सिस्टम को डिजाइन किया था और शुरुआती फील्ड टेस्ट किए थे. हर कोई अपनी उंगलियां क्रॉस किए हुए एक-एक दिन गिन रहा था. अगर यह हिस्सा फेल हो जाता, तो ‘अंतरिक्ष’ की उड़ान संभव ही नहीं हो सकती थी.

इसके बाद बारी थी नेविगेशन, प्रोपल्शन और कंट्रोल सिस्टमों की. चूंकि FTL स्पीड पर उड़ते हुए शिप से कुछ भी देख पाना संभव नहीं था, इसलिए जंप से पहले की नेविगेशन को बिलकुल परफेक्ट तरीके से प्लान करना बहुत महत्वपूर्ण था. जिन स्कैनरों, लेज़रों और एस्ट्रोमीट्रिक डेटा की जरूरत पड़ने वाली थी, उन्हें लगातार चेक किया जा रहा था. पूरे शिप पर कंट्रोल स्टेशन बना दिए गए थे और कू को कंप्यूटर के साथ इंटरफेस करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा था, ताकि उनके पर्सनल साइन और विशेषताएं रिकॉर्ड किए जा सकें.

सारी कार्यवाहियों पर काम शुरू हो चुका था और अब अपना काम करने की बारी इंजीनियरों की थी. अनारा

और उसकी टीम अब चांद पर रह रहे थे. प्रोग्राम किये गये कई तरह के मॉडलों के साथ उन्हें शिप को चलाने के लिए गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा था.

इसका उद्देश्य यह था कि अंधबने शिप पर उनकी शारीरिक मौजूदगी के अलावा उस शिप से उनका अच्छी तरह परिचय भी हो जाये, जो आने वाले एक साल तक उनका घर होने वाला था.

## 2117 – योजना और तैयारियां

-----[-]-----

“कैप्टन, ‘अंतरिक्ष’ के धरती से उड़ान भरने से पहले उसके डिजाइन में कुछ बदलाव किए गए थे और हमने उसमें कुछ अतिरिक्त हिस्से भी जोड़े थे,” मेजर ने कहा. “इसका डिजाइन DRDO द्वारा बनाया गया था. क्या आपको याद है कि सन 2114 में 3 हफ्ते के लिए शिप का काम रोक दिया गया था? यही वह टाइम था जब हमने शिप के हल में इन अतिरिक्त पार्ट्स को जोड़ा था.”

“अब इस सबके बीच में यह DRDO कहां से आ टपका? और मुझे यह बिल्कुल समझ नहीं आ रहा है कि इस धोखाधड़ी का हिस्सा बनने के लिए डॉ. प्रत्यूष ने कैसे हमी भर दी,” अनारा ने कहा. वह इस बात से हैरान भी थी और आहत भी कि इतनी बड़ी बात शिप के कैप्टन से छुपाई गई थी.

“उनके पास और कोई रास्ता नहीं था, कैप्टन,” रावत ने जवाब दिया. “इसके लिए ऑर्डर सीधे प्रधानमंत्री के ऑफिस से आए थे. यह बात पूरी तरह गुप्त रखी जानी थी और बहुत कम लोगों को पता था कि वास्तव में हो क्या रहा है. यहां तक कि मुझे भी सारा काम पूरा हो जाने के बाद ही इस बारे में बताया गया था.”

“कुछ और बड़े नाम लेने बाकी हैं क्या, रावत? हाँ, तो वे बदलाव क्या थे और उन्हें इतना सीक्रेट रखा जाने की क्या जरूरत थी?” उसने पूछा.

“DRDO ने शिप की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाया और वास्तव में उन्होंने थोड़ा और आगे जाकर उसे मारक क्षमता भी प्रदान की. कैप्टन, आपका यह शिप एक खोजी यान होने के साथ-साथ दरअसल एक ‘लड़ाका विमान’ भी है,” मेजर ने प्राचीन काल के युद्ध पर जाने वाले जहाजों के लिए प्रयोग किये जाने वाले शब्द का प्रयोग करते हुए खुलासा किया.

टेबल के चारों ओर बैठे लोग सकते में आ गये! यह तो उनकी सोच और उम्मीदों से भी कहीं दूर परे की बात थी.

“उन्होंने ‘अंतरिक्ष’ के साथ किया क्या था?” आखिरकार अनारा ने पूछा.

“कैप्टन, इससे पहले कि मैं यह सब आपको बताऊँ, आप को उसके कारणों को समझना जरूरी है. जब इस मिशन को मंजूरी दी गई थी, तब कुछ लोगों ने एक निहत्थे जहाज को धरती से इतनी दूर मामूली सुरक्षा के साथ इतने प्रकाश वर्ष दूर भेजने के प्रति अपनी चिंता व्यक्त की थी. इसके बारे में कई सीक्रेट मीटिंग की गयीं और फिर इसे प्रधानमंत्री तक पहुंचाया गया. उन्हें इसके लिए मनाने में कुछ समय लगा, लेकिन आखिरकार उन्होंने भी सच्चाई को स्वीकार किया. हमें ‘अंतरिक्ष’ को ज्यादा हथियारों से लैस करने की जरूरत थी, लेकिन अगर यह बात बाहर जाती, तो इसके नतीजे भयानक हो सकते थे. इसलिए कुछ लोगों के एक छोटे से ग्रुप ने बिल्कुल गुप्त तरीके से इस पर काम किया.”

“ये सब बातें अब कोई मायने नहीं रखतीं, ठीक है ना? मुझे सिर्फ यह बताओ कि उन्होंने अंतरिक्ष के साथ किया क्या है?” अनारा ने दोहराया.

“सबसे पहले हमने इसमें चार हाई पावर तोपें जोड़ीं, कैप्टन. इनमें से दो प्रोजेक्टाइल पर आधारित अत्यधिक विस्फोटक चार्ज वाली हैं और हमारे पास 48 चार्ज हैं. बाकी दो हाई पावर वाली लेजर तोपें हैं. जो तोपें पहले से हमारे पास हैं, ये भी उन्हीं के जैसी हैं, लेकिन उन से 10 गुना ज्यादा ताकतवर,” रावत ने जवाब दिया.

10 गुना ज्यादा ताकतवर!!! “फिर तो पूरा सीन ही बदल जाएगा” - सुनते ही हर किसी के दिमाग में जो सबसे पहली बात आई, वह यही थी.

“और... इसके अलावा?”

“हमारे पास शिप से छोड़े जाने वाले चार पारंपरिक 10 मेगाटन के थर्मोन्यूक्लियर हथियार भी हैं.”

“क्या??” अनारा को जोरदार झटका लगा. उसके शिप पर परमाणु हथियार मौजूद थे और उसे उनके बारे में कुछ पता नहीं था! 10 मेगा टन से तो चांद की सतह में भी बड़ा सा छेद किया जा सकता था! और उसके शिप पर ऐसे चार मौजूद थे!

“मुझ पर विश्वास कीजिए कैप्टन, ये सब बिल्कुल सेफ हैं और मेरे सीधे कंट्रोल में हैं,” सबके चेहरे की प्रतिक्रियाएं देखते हुए मेजर ने जल्दी से जोड़ा.

“मेजर!” अनारा की भड़ास एक झटके में बाहर आ गई. “मेरे शिप पर न्यूक्लियर हथियार हैं जिनके बारे में मुझे भी कुछ पता नहीं है! अगर इस बात को छोड़ भी दें कि मुझे इन चिनौनी चीजों से कितनी नफरत है, तो भी

हम शिप में इन..इन..बमों के साथ यात्रा कर रहे हैं, जो हमारे कू के एक एक सदस्य के परखच्चे तक उड़ा सकते हैं! और ऊपर से हम इन्हें अपने साथ स्पेस में लेकर आये हैं! क्या इतना काफी नहीं था कि ये पूरी धरती के लिए तबाही का कारण बन सकते हैं, जो अब हम इस खतरे को दूसरी जातियों तक भी लेकर जा रहे हैं?”

कई सालों से धरती पर विभिन्न देश परमाणु निरस्त्रीकरण के बारे में बातें करते आ रहे थे, लेकिन अभी तक कोई ठोस नतीजे सामने नहीं आए थे. सौभाग्य से, सबके पास न्यूक्लियर हथियारों के भंडार होते हुए भी ‘नो-फर्स्ट यूज़’ की नीतियों के कारण धरती बाँझ होने से बची हुई थी. अनारा हमेशा से परमाणु हथियारों के सख्त खिलाफ रही थी, हालांकि बेमन से ही सही, लेकिन वह यह भी जानती थी कि धरती की एनर्जी की जरूरतें न्यूक्लियर एनर्जी से ही पूरी की जा सकती हैं.

लेकिन यह तो पूरी तरह गलत था.

“लेकिन कैप्टन, क्या हमारी वर्तमान स्थिति आपके इस विश्वास को पूरी तरह झुठला नहीं देती? अगर दुश्मन हमारे ऊपर घातक हमले करने पर उतारू है तो क्या हमें उसका जवाब देने के लिए तैयार नहीं होना चाहिए? सिर्फ अपनी जान बचाने के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी ताकत दिखाने के लिए भी,” रावत ने जवाब दिया. “इस सारे काम के पीछे सिर्फ एक यही कारण था. मेरा यकीन कीजिए, मिलिट्री का आदमी होकर भी मैं इसका समर्थन नहीं करता. लेकिन क्या यह बेहतर नहीं होगा कि हम पूरी तरह तैयार रहें?”

अनारा को इस बात का एकदम से कोई जवाब नहीं सुझा. उसने कुछ घंटे पहले की स्थिति के बारे में सोचने की कोशिश की, जब वह और उसका कू दुश्मन के सामने बिल्कुल बेबस महसूस कर रहे थे - एक ऐसा दुश्मन जो बिना चेहरे वाला और उनसे ज्यादा ताकतवर था. उसे यह स्वीकार करना पड़ रहा था, चाहे केवल खुद से ही, कि यह भेद खुलने के बाद अब वह पहले से ज्यादा कॉन्फिडेंट और सुरक्षित महसूस कर रही थी. तो क्या वह खुद भी पाखंडी नहीं थी?

“क्या तुम इसके बारे में कुछ और बता सकते हो, मेजर? और यह भी कि शिप पर पैदा होने वाली समस्याओं का इससे क्या संबंध है?” रायन ने धीरे से पूछा. युद्ध को बहुत करीब से देखने और नजदीकी दोस्तों और अपनों की मौत को अनुभव करने के बाद वह मानने लगा था कि युद्ध किसी भी झगड़े का हल नहीं है. लेकिन साथ ही खुद को और अपने शिप को बचाने के लिए वह डट कर सामना करने और लड़ने के लिए भी पूरी तरह तैयार था. इन हथियारों से उन्हें वह मिल सकता था जिसकी उन्हें जरूरत थी.

“कमांडर, लेज़र तोपें चार्जिंग के लिए हमारे पावर प्लांट से पावर लेती हैं. दरअसल हमने उन्हें लगातार हलकी चार्जिंग पर रखा हुआ है, ताकि जैसे ही हम गहन स्पेस में पहुंचें, वे उपयोग के लिए तैयार हों. साथ ही, हमें उनके टारगेट और कंट्रोल सिस्टम को भी एक्टिव रखने की जरूरत थी. इसीलिए आपको पावर सप्लाई में ड्रेन दिखाई दे रहा था. इस ड्रेन को छुपाने के लिए हमने कंप्यूटर सिस्टम में बदलाव किए थे. जरूरत पड़ने पर उनकी क्षमता को बढ़ाने के लिए उन्हें नेविगेशन लेजरों से कनेक्ट किया जा सकता है. डिजाइन के बदलाव का पूरा खाका मेरे पास है और इसे बहुत जल्दी किया जा सकता है,” रावत ने कहा.

“और क्योंकि नारद सारे कंप्यूटर सिस्टम से जुड़ा हुआ है, इसलिए उसे इस बारे में बताया जाना जरूरी था, क्योंकि सिर्फ वही स्पेस में इसे मैनेज कर सकता था,” रायन ने उसकी बात पूरी की.

“बिल्कुल ठीक, कमांडर. नारद के लाइव होने से पहले हमें उसकी प्रोग्रामिंग में बदलाव करना जरूरी था. इसे भी सबसे ऊंचे स्तर से क्लियर करा लिया गया था,” रावत ने कहा. फिर वह अनारा की ओर मुड़ा, ‘कैप्टन, नारद अपनी प्रोग्रामिंग के खिलाफ कभी कुछ नहीं कर सकता था. हालांकि, अब मैं नारद को उसके बदलाव से मुक्त करके उसकी पहले वाली प्रोग्रामिंग को रिस्टोर कर सकता हूं.”

“और जिस पार्टिकल रेडिएशन को लेकर हम चिंतित थे, वह इन परमाणु उपकरणों से हो रही थी?” डॉ. खान बीच में बोले.

“हां, डॉक्टर. क्योंकि हमें मौजूदा जगह में ही सारे हथियार फिट करने थे तो इसलिए थोड़ा रेडिएशन होना लाजमी था. यह संभव है कि इतनी शील्डिंग उसके लिए काफी न हो या फिर इसके केस या वेलिंग में कहीं कोई गड़बड़ हुई हो. जब से डॉक्टर खान ने यह मसला उठाया था, मैं तब से लगातार रेडिएशन के स्तर पर नजर रखे हुए था और अगर मुझे कोई भी खतरे की बात दिखाई देती तो मैं सीधा आपके पास आता, कैप्टन. मुझे पूरा विश्वास था कि कू को कोई खतरा नहीं था.”

“खतरा नहीं था, मेजर! खतरा नहीं था? DRDO इसके साथ नहीं रह रहा है! डिफेंस मिनिस्टर इसके साथ नहीं रह रहे हैं!! हम इसके साथ रह रहे हैं!” अनारा ने खुद को शांत करने की कोशिश की.

“इस धोखाधड़ी के लिए मैं आपसे माफी चाहता हूं, कैप्टन, लेकिन जैसा कि हाल की घटनाओं से हम देख रहे

हैं, यह जरूरी था. मैं उम्मीद करता हूं कि कोई भी निर्णय लेने से पहले आप इस बात को जरूर ध्यान में रखेंगी. और एक आखिरी बात, कैप्टन, मुझे दिए गए निर्देश बिल्कुल साफ थे. मैं अकेला इन हथियारों का इस्तेमाल नहीं कर सकता था. जैसे ही कोई बड़ा खतरा सामने आता, तो मुझे सारी बात बता कर आपको विश्वास में लेना था और फिर हम दोनों मिलकर आगे की कार्यवाही करते.”

“बहुत बड़ा एहसान आपका, मेजर,” उसने मुंह बिचकाते हुए कहा लेकिन जल्दी ही खुद को नियंत्रित कर लिया. “खोज करने वालों के स्थान पर अब हम योद्धा बन गए हैं,” वह यहां की रैंकिंग ऑफिसर थी और बदलती स्थितियों के साथ अब उसे ही आगे निर्णय लेना था. बाकी सब बाद में, पहले जरूरी काम. अभी मेजर ठीक-ठाक मूड में है इसलिए उससे सारी डिटेल्स अभी निकलवा लेना ठीक होगा.

“तो इसका मतलब यह हुआ कि कुछ घंटे पहले से अब हमारे पास कहीं ज्यादा बढ़िया हथियार मौजूद हैं. उपयोग करने के लिए ये कितनी देर में तैयार हो सकते हैं, मेजर?” अनारा ने पूछा.

“हमें थोड़े समय की जरूरत होगी, कैप्टन. गन्स को उनके माउंट पर चढ़ाने और हल का कवर हटाने के काम में कम से कम एक दिन तो लग ही जाएगा. सभी बम रॉकेट से छोड़े जाने वाले हैं, इसलिए उनके लिए हमें केवल लॉन्च ट्यूबों को ऊपर करने की जरूरत है. इन्हें यूज करने के लिए मेरी टीम पूरी तरह से प्रशिक्षित है और अगर मुझे कुछ इंजीनियरों की मदद मिल जाए तो मैं इन्हें बहुत जल्दी तैयार कर सकता हूं,” मेजर ने जवाब दिया.

अपने चारों ओर दिखाई दे रहे गंभीर चेहरों की ओर देखते हुए अनारा तेजी से इस बात पर विचार कर रही थी. यह निर्णय सिर्फ उसे लेना था, किसी अन्य को नहीं. चेहरे पर दृढ़ निश्चय के भाव लिए वह इंजीनियर की ओर मुड़ी. “माधवन, तुम इस पर रावत के साथ काम करोगे. लेज़रों के लिए जितने लोगों को फ्री कर सकते हो उन्हें फ्री कर दो. जहां तक परमाणु उपकरणों का सवाल है, मैं यह एकदम साफ कर देना चाहती हूँ मेजर, कि उन्हें यूज करने का मेरा कोई इरादा नहीं है. तुम लॉन्च ट्यूबों को माउंट जरूर करोगे लेकिन हथियारों को एक्टिवेट नहीं करोगे. आगे और रेडिएशन को रोकने के लिए उनके चारों तरफ शील्डिंग को ठीक करने में माधवन तुम्हारी मदद करेगा.”

“ठीक है, कैप्टन,” माधवन और रावत ने हामी भरी. “रायन, इन नए हथियारों को चलाने के तरीकों को सीखने के लिए सिक्योरिटी टीम के साथ कुछ आदमियों को ट्रेनिंग पर डाल दो. और इन्हें इंस्टॉल करने का काम तुम अपनी निगरानी में करवाओगे.”

सामने एक सॉलिड प्लान होने से पूरी टीम के हावभावों में जबरदस्त बदलाव आ गया था. अब जरूरत पड़ने पर वे एलियनों के हमले का मुंहतोड़ जवाब दे सकते थे. और क्या पता मिशन अपने पुराने रास्ते पर वापस आ जाए!

“और अब वापस आते हैं हमारे पहले मकसद पर,” अनारा ने जैसे उनके विचारों को पढ़ते हुए कहा. ‘मुझे आप सब की राय चाहिए.’

“परिस्थितियां बदल गई हैं, लेकिन फिर भी मैं यही कहूंगा कि हमें आगे नहीं जाना चाहिए, कैप्टन. हमारे पास आक्रमण करने की क्षमता तो है, लेकिन बचाव करने की क्षमता नहीं है. हमने एलियंस द्वारा किए गए अटैक की पावर का विश्लेषण किया था. वह इतनी ताकतवर है कि दो बार में ही हमारे शिप की ध्वजियां उड़ा सकती है. अगर हम परमाणु हथियारों से जवाब दे भी सकते हैं, तो उससे कोई फर्क नहीं पड़ता. उन्होंने पहले हमला किया तो ये सारी तोपें धरी की धरी रह जाएंगी,” रायन ने एक नयी बात की ओर ध्यान दिलाया.

“मैं भी इस बात से सहमत हूँ, कैप्टन,” डॉक्टर खान ने अपनी राय दी, जो हमेशा से हिंसा के खिलाफ थे. हमले में घायल और मृत लोगों के शरीर उन्हीं के पास ठीक होने के लिए आने थे और युद्ध में अपने साथियों के खून से लिपटे शरीरों को देखने के विचार से ही वे कांप उठते थे.

“मेरे विचार से हमें आगे जाना चाहिए, कैप्टन. अगर इस बार सामना होता है, तो हम उन्हें पहले ही अपनी शक्ति दिखा सकते हैं. इससे उन्हें अपनी रणनीति पर एक बार फिर से विचार करना पड़ेगा. यह जरूरी नहीं कि हमारा वार उन पर ही हो, उनके पास किए गए एक वार से उन्हें हमारी शक्ति का अंदाज़ा हो जाएगा,” माधवन ने कहा.

“एक और बात है, जिसके बारे में मैं सोच रही थी,” अनारा ने कुछ सोचते हुए कहा. “एलियनों ने हमारे शिप पर जो हमला किया था, रायन ने उसके पैटर्न को स्टडी किया है और उससे यह साबित होता है कि वे किसी भी कीमत पर हमें नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते थे. पहला ही शॉट हम पर निशाना लगाकर नहीं किया गया था, लेकिन अगर मनीषा ‘अंतरिक्ष’ को वहां से दूसरी जगह न भी ले जाती, तो भी वह शॉट चूकने ही वाला था.”

“क्या तुम्हें लगता है कि वह सिर्फ एक वॉर्निंग थी, कैप्टन?” रावत ने पूछा. “हां मेजर, मुझे बिल्कुल ऐसा ही

लगता है। मुझे लगता है कि वे वहां एक खास मकसद से थे। हमारा पीछा करने, हमें देखने और हमारी क्षमताओं का अंदाज़ा लगाने के लिए। निश्चित तौर पर इसमें कोई गहरा राज़ छुपा है और अगर हम जहां हैं, वहीं बैठे रहे या वापस चले गए, तो हम उसका पता कभी नहीं लगा पाएंगे,” अनारा ने कहा। वह अपना निर्णय लेने के लिए एक क्षण रुकी।

“हम आगे जा रहे हैं। हम फिर से एलियनों का सामना करेंगे और इस बार भी हम शांतिपूर्ण तरीके से ही आगे बढ़ेंगे, लेकिन युद्ध के लिए तैयार होकर। रायन, रास्ते की योजना बनाओ और जंप की तैयारी करो। डेस्टिनेशन प्रॉक्सिमा बी। अब हमें काम पर जुट जाना चाहिए, टीम। आज के लिए इतना ही।”

सब लोग जाने के लिए उठ खड़े हुए और रायन अनारा के पास आया। “मुझे आपसे असहमत होना ही था, कैप्टन, हालांकि मुझे दिख रहा था कि आप अपने निर्णय पर पहुंच रही हैं। परमाणु हथियारों के उपयोग की बात ही आपको परेशान कर रही है और आप किसी भी परिस्थिति में उनका उपयोग नहीं करेंगी। लेज़रों की क्षमता सीमित है। हमें नहीं पता कि उनके पास हमारे लिए और क्या-क्या सरप्राइज़ मौजूद हो सकते हैं। वापस जाना बेवकूफी हो सकता है।”

“तुम्हारी ईमानदारी भरी सलाह के लिए शुक्रिया, रायन। मैं भी यह बात समझ रही हूं लेकिन मैं इतिहास में अपना नाम एक पागल बहादुर नेता के रूप में देखना पसंद करूंगी, बजाए एक कायर के, जो लड़ाई से डर कर पीठ दिखाकर भाग गयी। मैं यह भी जानती हूं कि क्रू के लोगों की जिंदगी को खतरे में डालने का मुझे कोई हक नहीं है,” अनारा ने जवाब दिया। ‘हालाँकि, सावधानी के तौर पर हम एक-एक कदम करके चलेंगे। हो सकता है कि एलियन यह सोच रहे हों कि हम डर कर भाग गए हैं और इसलिए वे हमारा इंतज़ार न कर रहे हों। या फिर शायद वे हमारी ताकत का अंदाज़ा लगा रहे थे। यहां बहुत सी बातें हैं जिनका जवाब हमें मालूम नहीं है और बिना जवाब लिए वापस जाने की बात सोचकर ही मुझे खुद से नफरत होने लगती है।”

“ठीक है, कैप्टन। मैं सारी तैयारियों की निगरानी करूंगा। एक बार सारी तैयारियां हो जाने के बाद ही हमें अपना काम शुरू करना चाहिए। क्या आप अभी भी कंट्रोल मनीषा के हाथ में ही देना चाहेंगी?”

“हाँ, रायन। उस लड़की ने अभी तक अपना काम बहुत बढ़िया तरीके से किया है। अब अचानक उसे उसके हाथ से छीन लेना बहुत ही शर्म की बात होगी। लेकिन फिर भी मेरा सुझाव है कि उसे प्रशिक्षित करने के लिए तुम मिलिट्री स्टाइल की मारक और बचाव एक्शन की मॉक ड्रिल तैयार करो।”

“ठीक है, मैं इसकी तैयारी करता हूँ। और क्या मैं आपको नारद को माफ करने की सलाह दे सकता हूँ? आखिरकार वह उनके निर्देशों के अधीन काम कर रहा था।”

“मैं मानती हूँ, रायन, लेकिन यह बात मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आई। अभी न जाने वह और कितने रहस्य अपने अंदर छुपाए हुए होगा। मैं इस बात को रिपोर्ट में लिखूंगी।”



### 3 वर्ष पहले, 15 अगस्त 2114 पहली उड़ान

-----[-]-----

चाँद पर बने बेस के ऊपर मंडराता हुआ 'अंतरिक्ष' वातावरण न होने के कारण अपने ऊपर पड़ती सूरज की सीधी रोशनी में चमक रहा था। दुनिया के पहले इंटरस्टेलर स्पेस शिप को असेंबल करने का काम कुछ हफ्ते पहले पूरा हो चुका था। जमीनी ट्रायल पूरे किए जा चुके थे और सब कुछ फिट हो चुका था। अब टेस्ट फ्लाइटों की बारी थी।

पूरा कू अपने-अपने स्टेशनों पर था और एक नए व्यक्ति को कंट्रोल की ट्रेनिंग दी जा रही थी। मनीषा की तरक्की से कैप्टन काफी खुश थी। उसके अंदर जो आग थी, अनारा उसकी प्रशंसक थी और जिन लोगों ने प्रेक्टिस के दौरान उसे देखा था वे उसकी तेज प्रतिक्रियाओं से काफी प्रभावित थे। उसकी ट्रेनिंग काफी बढ़िया चल रही थी, लेकिन फिर भी पहले टेस्ट के लिए कैप्टन कमांड अपने हाथ में रखने वाली थी। VSSC और ISC के फ्लाइट और सिस्टम विशेषज्ञों के साथ केवल सीनियर कू ही इस बार उड़ान में जाने वाला था। डायरेक्टर खुद भी चाँद के बेस पर मौजूद थे, लेकिन वे इस ट्रायल को अपने मॉनिटर पर ही देखने वाले थे।

पहला काम था नेविगेशन और प्रोपल्शन सिस्टम को टेस्ट करना। पहले चरण की छोटी यात्रा के लिए अनारा ने मार्स की ओर क्रूस स्पीड पर बड़े ही आराम से शिप को उड़ाना शुरू किया। प्रेक्टिस की ही तरह अभी भी सारे कंट्रोल बड़े ही आराम से काम कर रहे थे। उसने धीरे से स्पीड बढ़ाई और शिप ने तुरंत स्पीड पकड़ ली। अब उसने AI से बात करना शुरू किया।

“नारद, मार्स तक का रास्ता फीड कर दो, प्लीज़,” उसने मजाक-मजाक में AI का नाम नारद रखा था, क्योंकि एक तो वह ज्ञान का भंडार था और दूसरे पूरे कू को एक साथ जोड़ कर रखने और जानकारी के ट्रांसफर में उसकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण होने वाली थी।

“हाँ, कैप्टन. हो गया. नए रास्ते का प्लान तैयार है.”

“धन्यवाद,” रास्ता बदलते हुए अनारा ने जवाब दिया।

उसने कुछ देर कंट्रोल संभाला और फिर शिप को ऑटो पायलट मोड पर डाल दिया। स्क्रीन पर तेजी से बदलते आंकड़े नजर आ रहे थे और वे अपनी बढ़ती वेलोसिटी के साथ धीरे-धीरे चाँद को पीछे छूटता देख पा रहे थे। शिप पर मौजूद टेस्ट इंजीनियर लगातार इंजन और प्लांट के आउटपुट में बदलाव कर रहे थे, जबकि माधवन पावर प्लांट से हिले बिना इंजन पर नजर रखे हुए था। उसका काम था इस उड़ान में इंजनों को उनकी क्षमता से 25% से ज्यादा तक न पहुंचने देना। इंजनों का अब तक का काम एकदम बढ़िया रहा था और वह उन डिजाईनरों की तारीफ किये बिना न रह सका, जिन्होंने उसके हाथ में इतनी पावर सौंपी थी।

शिप मंगल तक पहुंच गया और फिर मुड़कर वापस चाँद की ओर उड़ चला। अनारा ने मनीषा को बुलाया और अब उसे कंट्रोल को मैनुअली हैंडल करने और उन्हें वापस बेस तक ले जाने को कहा। मनीषा ने बड़ी ही सावधानी से कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया, इतने सारे लोगों के सामने पहली बार शिप उड़ाने में वह थोड़ा नर्वस महसूस कर रही थी। लेकिन एक बार जैसे ही उसने कंट्रोल पैड हाथ में पकड़ा, वह सब भूल कर अपनी पूरी फॉर्म में आ गई।

यह पहली फ्लाइट पूरी तरह सफल रही थी। अगले कुछ महीनों के दौरान अलग-अलग स्पीड पर इसके और टेस्ट किए जाने थे। कू को इसे सब-लाइट और FTL स्पीड पर उड़ाते हुए सारे सब-सिस्टमों को चेक करना था और यहां तक कि कुछ को उन की आखिरी लिमिट तक भी ले जाकर देखना था। हर छोटी बड़ी कमी को ठीक किया जाना था और एक समर्पित इंजीनियरों की टीम हर फ्लाइट के बाद पूरा डेटा डाउनलोड करके मामूली से मामूली समस्या को पहचानने और हल करने में लगी हुई थी।

हथियार सिस्टमों के सारे टेस्ट उड़ान के रास्तों से दूर एस्टीरॉयड बेल्ट के बाहर किए जा रहे थे। मेजर रावत और उनकी टीम लेजरों के अलग-अलग टेस्ट कर रही थी, रुके हुए और चलते हुए दोनों, ताकि वे उनकी पावर सेटिंग्स और पलटवार करने के समय से परिचित हो सकें। गनें वैसे तो सिर्फ सावधानी के तौर पर रखी जा रही थीं, लेकिन स्पेस में किसी भी खतरे या बाधा के सामने आने पर वे काफी महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकती थीं।

कू के लोग अपने-अपने स्टेशनों और रहने के कमरों से अब ज्यादा अच्छी तरह परिचित होने लगे थे और अपने इस शिप की खासियतों और अजीबोगरीब बातों से परिचित होने लगे थे। यह एक विशालकाय शिप था और

उनके घर काफी आरामदायक थे. खाना भी ठीक-ठाक ही था और उन्हें उम्मीद थी कि स्पेस में एक या दो साल इसे खाते हुए बिताने से ज़्यादा फर्क नहीं पड़ेगा.

अनारा को अपनी यह नई भूमिका और नया शिप बहुत पसंद थे. कू के अपने चुनाव से भी अनारा बहुत खुश थी. एक दिन जब वह अंतरिक्ष में आखरी एडजस्टमेंट होते देख रही थी तो डायरेक्टर आकर उसके पास खड़े हो गए.

“कितना बढ़िया है, है ना?”

“क्या चीज़ आपको बढ़िया लग रही है, सर?”

“यह बात कि आज से करीब 100 साल पहले हम मंगल यान में सिर्फ अपने सबसे नजदीकी पड़ोसी मार्स तक जाने में ही सफल हुए थे और आज भारत दूसरे स्टार सिस्टम में प्रवेश करने वाला पहला देश होने वाला है!”

अनारा हौले से मुस्कुराई. डायरेक्टर को ऐसे भावविभोर होते हुए देखना बहुत ही दुर्लभ था. ‘क्या आपकी इच्छा इस मिशन पर हमारे साथ आने की नहीं हो रही है, सर?’

“हो रही है, अनारा, लेकिन इस बार नहीं. लेकिन मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूँ कि अगली बार मैं तुम्हारे साथ जरूर चलूंगा. अब मैं तुम्हें एक आखिरी सलाह देना चाहता हूँ. इस बार तुम स्पेस में बिल्कुल अकेली होने वाली हो, अनारा, चारों तरफ से. मुझसे या धरती से तुम्हारा कोई भी संपर्क नहीं रहेगा. अगर कोई समस्या आती है तो कोई तुम्हारी मदद करने के लिए नहीं आएगा. शिप का लीडर होना तुम्हारे अकेलेपन को और बढ़ा देगा. तुम यह काम अपने ढंग से करोगी, लेकिन फिर भी निर्णय सिर्फ तुम्हारे अपने होने चाहियें. सब लोगों की राय और सलाह लेना, लेकिन उन सब अच्छी तरह तोल लेना. और सबसे बड़ी बात, कभी भी अपनी दुविधा को कू के लोगों के सामने मत आने देना. अगर कभी ऐसी जरूरत पड़े तो खुद को जबरदस्ती कॉन्फिडेंट दिखाना और तुम देखोगी कि तुम्हारा कॉन्फिडेंस अपने आप वापस लौट आएगा. याद रखना कि एक नेता कभी अपने निर्णय पर अपने संदेहों को हावी नहीं होने देता.”

“मैं समझती हूँ, सर. काश, मिशन पर जाने से पहले मुझे आप से सीखने के लिए थोड़ा और समय मिल जाता. अभी तो मुझे बहुत कुछ सीखना बाकी है.”

“तैयारी तो हमेशा कुछ न कुछ बाकी रह ही जाती है. मुझे लगता है कि तुम जितनी तैयार हो सकती थीं, वह हो चुकी हो. यह कदम उठाने और आगे बढ़ने का समय है. एक बार सब कुछ शुरू हो जाने के बाद तुम देखोगी कि या तो परिस्थितियां तुम्हारे फेवर में हो जाएंगी या फिर तुम उनके साथ एडजस्ट करना सीख लोगी.”

## 2117 – ‘अंतरिक्ष’ की 3.5 प्रकाश वर्ष पीछे वापसी

-----[-]-----

‘अंतरिक्ष’ प्रॉक्सिमा के रास्ते पर वापस चल दिया. पिछले 4 हफ्तों में कू के लोगों ने शिप की नई क्षमताओं के बारे में सीखने और रेडिएशन लीक को ठीक करने में काफी मेहनत की थी. कुछ हद तक वे अपने पहले वाले रूटीन पर वापस आ गए थे, लेकिन फिर भी अभी भी सब लोग काफी सतर्कता से काम कर रहे थे.

अब दो या तीन ऑफिसर हर समय ऑपरेशन सेंटर में मौजूद रहते थे. ऑपरेशन सेंटर के कोकून को अब बड़ा कर दिया गया था, जिससे अब उसमें दो लोग आ सकते थे. यहां तक कि जंप के दौरान भी इससे ध्यान भटक जाने का खतरा कम हो गया था.

पहले की योजनाओं और अभ्यासों के अलावा अब अनारा ने शिप पर मौजूद सब लोगों के लिए नयी ड्रिलें शुरू कर दी थीं. ये सारी ड्रिलें हमलों का जवाब देने, हथियारों के प्रशिक्षण, बचाव, निशाना लगाने और जंप के दौरान प्रतिक्रिया के समय को कम करने के लक्ष्यों पर आधारित थीं. अब ये सब बेचारे मिलिट्री के लोग तो थे नहीं, इसलिए कई लोगों के लिए यह सब कुछ बहुत मुश्किल साबित हो रहा था, लेकिन मेजर और रायन लगातार उनकी मदद कर रहे थे और धीरे-धीरे वे इसमें निपुण होते जा रहे थे.

अपने कू के लोगों की मेहनत को देखकर अनारा काफी खुश थी लेकिन उसके चिंताएं भी कम नहीं हुई थीं. अगर एलियन शिप उन्हें दोबारा मिलता है तो उसे क्या प्रतिक्रिया करनी चाहिए? क्या उसे उन पर पहले हमला करके यह दिखा देना चाहिए कि वे डरकर भागने वाले नहीं हैं या फिर उसे दोबारा संपर्क बनाने की कोशिश करनी चाहिए? वह अपना अधिकांश समय पिछली मूठभेड़ की फुटेज और डेटा का विश्लेषण करने में लगा रही थी. उन्होंने जानकारी तो काफी इकट्ठी कर ली थी, लेकिन नारद की मदद लेने के बाद भी वह इस दुविधा से बाहर नहीं निकल पा रही थी कि अगली मूठभेड़ में किस तरह से जवाब दिया जाए.

अब तक केवल एक या दो इनपुट थे जिन्हें वह समझ पाई थी. पहला था एलियन शिप के हल पर लगे कुछ निशान, जिनमें कुछ चिन्ह बने हुए थे और अनारा को लगता था कि वे पहचान के लिए बनाए गए हैं. दूसरा था, शिप से निकलने वाली हीट के बढ़ना शुरू होने और उनके फायरिंग शुरू करने के बीच के टाइम का गैप. इस टाइम गैप का हिसाब लगाने से उन्हें अगली बार बीम से बचने के लिए कुछ समय मिल सकता था. इस सारे डेटा को ऑटो पायलट में प्रोग्राम कर दिया गया था और शिप को इस बात के लिए तैयार कर दिया गया था कि अगर गर्मी का लेवल उसी स्तर तक पहुंच जाता है, तो शिप अपना रास्ता बदल कर युद्ध से बाहर हो जाये.

उसने संपर्क के लिए तैयार किए गए सारे सिग्नल प्रोटोकॉलों और उनके क्रम की दोबारा समीक्षा की थी. उसे उन में किसी भी बदलाव की जरूरत महसूस नहीं हो रही थी और उस ने निर्णय लिया था कि SOS ही सबसे बेहतर पहचान रहेगी. हो सकता है एलियन इसका मतलब न समझ पायें, लेकिन इससे कम से कम वे इतना जरूर पहचान पाएंगे कि ‘अंतरिक्ष’ धरती से आया हुआ शिप है.

हालांकि वह इस बात पर पूरी तरह दृढ़ थी कि किन्हीं भी जीवित प्राणियों पर परमाणु हथियारों का उपयोग नहीं किया जाएगा, चाहे वे कितना भी बड़ा हमला क्यों न करें. एक सामान्य युद्ध के कारण हुई कुछ मौतों का बोझ अपने सिर पर लेकर शायद वह जी भी लेती, लेकिन इतने खतरनाक हथियारों के कारण हुई तबाही को वह किसी तरह भी नहीं झेल पाएगी.

वह यह सोचकर भी हैरान थी कि कितनी जल्दी वह एक सेना के कमांडर की तरह सोचने लगी थी. उसका ख्याल था कि खतरे को इतने पास से देखने के कारण अब उसे बात अच्छी तरह समझ आ गयी थी, कि सेना के लोगों को इतनी तेजी और आक्रामक तरीके से जवाब देने के लिए प्रशिक्षित क्यों किया जाता है. युद्ध का इनाम हमेशा जीतने वाले को मिलता है, हारने वाले को नहीं. वह अभी भी शांति के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध थी, लेकिन फिर भी अगर जरूरत पड़े तो लड़ने के लिए भी तैयार थी.

आज कैफे में बैठे हुए वह अपने चारों ओर अपने साथियों को आराम से बैठे देखकर काफी खुश थी. इस सारी तैयारी की वजह से सब का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया था और उसकी वजह से तनाव कम हो गया था. खतरा दूर नहीं हुआ था लेकिन वे लोग खतरे का सामना करने के लिए तैयार हो गए थे.

“क्या मैं आपके साथ बैठ सकता हूं, कैप्टन?” रायन ने उसकी तंद्रा भंग करते हुए पूछा.

“हां, हां, कमांडर, आओ,” उसने उसकी ओर देखते हुए जवाब दिया. पिछले दो हफ्तों में रायन भी काफी कुछ बदल गया था. अब वह अपनी सहायक की भूमिका में पहले से ज्यादा दृढ़ हो गया था और उसने अपने स्टाइल की

लीडरशिप दिखाना और उसकी बातों को काटना ज्यादा दृढ़ता से शुरू कर दिया था. लेकिन इसके कारण उनका आपसी विश्वास और आदर की भावना और मज़बूत ही हुए थे. उस घटना के दौरान और उसके बाद उसकी नपी-तुली प्रतिक्रिया के कारण सबकी नजरों में उसकी इज्जत बढ़ गई थी. लोगों ने यह भी देखा था कि परिस्थितियों के अनुसार उसे अपने आपको किसी भी स्तर तक ले जाने और सबसे नीचे तबके के लोगों के साथ काम करने में भी कोई परेशानी नहीं थी.

“मैं देख रहा हूँ कि आप अभी भी अकेले ही खाना खा रही हैं, कैप्टन. आपको अपने कू के लोगों के साथ ज्यादा घुलना मिलना चाहिए और उन्हें जानने की कोशिश करनी चाहिए.”

“उसके लिए तुम हो ना,” वह मुस्कुराई. “और साथ ही मुझे यह भी सिखाया गया है कि एक कैप्टन को अपने कू के लोगों से एक निश्चित दूरी बनाकर रखनी चाहिए, जब तक कि वह अपने मिशन के बजाय उन पर ज्यादा ध्यान न देने लगे.”

“आप का कू एक उदाहरण है कैप्टन, और उनमें से कई लोगों ने तो सिर्फ व्यक्तिगत रूप से आपसे कुछ सीखने के लिए इसे जाइन किया है. सबसे ऊपर की पोजीशन पर रहना अकेलेपन से भरा होता है और अगर आप उनके साथ कुछ समय बिताएंगी, तो इससे कोई नुकसान नहीं होगा.”

“लगता है तुम्हारी बात माननी ही पड़ेगी, रायन. धन्यवाद, मैं इस बारे में सोचूंगी.”

“बढ़िया. मैं अपने लिए कुछ खाने के लिए ले कर आता हूँ. क्या आपके लिए भी कुछ लाऊँ?”

‘नो, थैंक्स. मेरा हो गया.’

जैसे ही रायन वहाँ से गया, वह उसके कहे शब्दों पर विचार करने लगी और उसने निश्चय किया कि वाकई कू के सीनियर सदस्यों के अलावा बाकी लोगों से मेलजोल बढ़ाने में कोई हर्ज नहीं. उसके पिछले सारे मिशनों में उसकी टीमों काफी छोटी थीं और उन सबसे नजदीकी रिश्ते रखने में उसे कोई परेशानी नहीं थी. उसे यह एहसास हुआ कि इतने बड़े मिशन पर स्पेस में जाने वाले किसी भी कैप्टन का कू आज तक इतने बड़े आकार का नहीं था. यह उसके लिए आने वाले कप्तानों के लिए उदाहरण पेश करने का मौका था. रायन जब लौटा तो उसकी आधी प्लेट उस दिन के मैन्यू के खाने से भरी थी और हाथ में एक जूस था.

“आज का खाना कैसा है?” अनारा ने पूछा.

“रोज़ जैसा ही है, कैप्टन. लेकिन मिशन ज्वाइन करते वक्त जैसा मैंने सोचा था उससे कहीं बेहतर.”

“जानती हूँ. हमारे इस से पहले के मिशनों में तो मैं प्लेट से खाने के बारे में सिर्फ सपने में ही सोच सकती थी.” वह एक क्षण के लिए रुकी जबकि रायन कांटे से खाना मुँह में डालते हुए और उसे चबाते हुए चुपचाप बैठा था.

“अच्छा रायन, यह बताओ कि क्या जहाज पर परमाणु हथियारों को ले जाने के मेरे निर्णय से तुम सहमत हो?”

“मैं यही सोच रहा था कि आप मुझसे यह सवाल कब पूछेंगी. मुझे पूरा विश्वास है कि आपने इस पर अच्छी तरह से सोचा होगा कैप्टन और सबसे अच्छा निर्णय लिया होगा,” उसने जवाब दिया.

“यह मेरे सवाल का जवाब नहीं है, रायन.”

उसकी मुस्कुराहट में उदासी भरी थी, “जानती हो, कैप्टन, एक समय था जब पूरी धरती पर मेरे देश के पास परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार था और हम ही वे सबसे पहले और इकलौते लोग थे, जिन्होंने इन्हें युद्ध में प्रयोग किया था. सब जानते हैं कि उन्होंने कितनी तबाही मचाई. इससे एक युद्ध तो खत्म हो गया, लेकिन किस कीमत पर? आज मैं एक ऐसी टीम का हिस्सा हूँ जो उन्हीं हथियारों को धरती से इतनी दूर यहां लेकर आई है और जाने अनजाने मैं भी इसके लिए उतना ही जिम्मेदार हूँ जितना वे लोग जिन्होंने इन्हें यहाँ रखा है. सच कहूँ तो मैं इस बात से कतई खुश नहीं हूँ कैप्टन, लेकिन मैं आप के निर्णय से अलग नहीं हूँ. हालांकि मैं आप को यह सलाह दूंगा कि उन्हें डीएक्टिवेट करने का कोई तरीका ढूँढ़ें, जिससे खतरनाक से खतरनाक स्थिति में भी उन्हें प्रयोग करने के लिए आपके मन में लालच पैदा न हो.”

अनारा को उससे ऐसा ही कुछ सुनने की उम्मीद थी. उसने पहले ही अपने आप से काफी संघर्ष किया था और अब वह एक बार फिर अपने निर्णय के प्रति दुविधा में खड़ी थी. अगर इन हथियारों का प्रयोग किया गया या फिर उसके शिप पर मौजूद किसी दूसरे हथियार से भी अगर एक भी व्यक्ति की मौत हुई तो क्या वह उसका बोझ सहन कर पाएगी? अभी तक वह उन लेज़रों को एक अमूर्त तरीके से देखती आई थी. जैसे कि किसी घर में उसके मालिक ने अपनी सुरक्षा के लिए गन रखी हो लेकिन वह उसे कभी भी उपयोग नहीं करना चाहता. लेकिन अगर उसे वाकई उपयोग करने की जरूरत पड़ी तो वह क्या करेगी: उपयोग करेगी या नहीं?

“यह एक कड़वी सच्चाई है, रायन. अगर इनका उपयोग किया जाता है तो उसके लिए जिम्मेदार हम ही होंगे,

चाहे हमें यह बात पसंद हो या न हो. उन्हें डीएक्टिवेट कर देना एक संभावना ज़रूर है, लेकिन जब तक ये शिप पर मौजूद हैं, खतरा तो बना ही रहेगा.”

दोनों के बीच कुछ देर चुप्पी छाई रही जबकि रायन अपने खाने को चबाता हुआ उसकी कही बातों पर विचार कर रहा था.

“मैं वादा करती हूँ कि मैं इस बारे में और सोचूंगी, लेकिन मुझे लगता नहीं कि कुछ भी बदलेगा,” आखिरकार चुप्पी को तोड़ते हुए अनारा बोली.

जूस की घूँट भरते हुए रायन ने सहमति में सिर हिलाया, ‘यह आपका निर्णय है और आप जानती हैं कि मैं हमेशा इसमें आपके साथ हूँ और यही बात मैं पूरे कू के लिए भी विश्वास के साथ कह सकता हूँ. मैंने कू के लोगों में आत्मविश्वास बढ़ते और डर कम होते देखा है. लेकिन काश यह किसी और तरीके से हुआ होता!’

“यह हम किस दुविधा में फंस गए हैं, रायन? हम यहां खोजियों के रूप में आए थे, सिपाहियों के रूप में नहीं. मैंने कभी नहीं सोचा था कि जिन पहले लोगों से हमारी मुलाकात होगी, वे ही हम पर हमला करेंगे!”

“इससे यही पता चलता है कैप्टन, कि एलियनों का स्वभाव भी हम इंसानों से ज्यादा अलग नहीं है. वे भी हमारी तरह अनजान लोगों से डरते हैं और शायद जो अलग हैं, उनके प्रति घृणा का भाव रखते हैं. हमें भविष्य में बहुत ज्यादा सावधान रहना होगा. आज बहादुरी की परिभाषा बिल्कुल बदल चुकी है. आज तक किसी भी इंसान ने इससे ज्यादा चुनौती भरा काम नहीं किया होगा, 55 लोग अकेले स्पेस में एक ऐसे अनजान दुश्मन के सामने जो खुलेआम उन्हें धमकी दे रहा है. इससे तो साउथ अमेरिका की खंदकें ही अच्छी थीं - कम से कम आपको पता था कि आप का दुश्मन है कौन - चाहे आप उसे देख नहीं सकते हों.”

“हूँ...मुझे लगता है कि आज के लिए काफी विचार-विमर्श हो गया. अब हमें अपने काम पर वापस जाना चाहिए, वरना कहीं कू के लोग यह न सोचने लगे कि हमने अपना इरादा बदल दिया है!”

## 2 वर्ष पहले, 2115 – उड़ान के लिए तैयार

-----[-]-----

शिप पूरी तरह तैयार था। पिछले एक साल से वे लोग इसे अलग-अलग गतियों पर उड़ाते हुए और सारी कमियों को दूर करते हुए डिजाइन में तब तक बदलाव करते रहे थे, जब तक कि यह उनकी पसंद के अनुसार काम न करने लग गया था। दुर्भाग्य से कोई भी शिप को वास्तव में उड़ते हुए नहीं देख सकता था, जब तक कि वह खुद भी उसी वेलोसिटी पर न हो। वास्तविक लॉन्च होने से पहले रायन काफी नर्वस था।

इतने बड़े शिप पर इतनी लंबी फ्लाइट के लिए वह पहले कभी कमांडर नहीं बना था। पिछले कुछ साल शिप से परिचित होने, टेस्ट फ्लाइटों, कू के प्रशिक्षण और बाकी ऐसे ही कामों में पलक झपकते बीत गए थे। सज़ा जैसे उस सख्त शेड्यूल में छुट्टी लेने की गुंजाइश भी बहुत कम थी। राहत की बात सिर्फ इतनी थी कि इस दौरान अलग-अलग बेसों पर उनके परिवार उनके साथ थे। उसकी पत्नी जोएन को ISC में अपना काम बहुत पसंद था और वह स्पेस में सिग्नल भेजने के काम में हमेशा सबसे आगे रहना चाहती थी।

जिस शिप से वह उड़ान भरने वाला था, उसे दिखाने के लिए वह अपने परिवार को भी ले गया था। शिप के साइज को देख कर उसकी बेटी काफी प्रभावित हुई थी। उसने एक के बाद एक प्रश्नों की झड़ी लगा दी थी और जब उसने बड़ी ही मासूमियत से रायन से यह पूछा था कि क्या उसे पता है एलियन कैसे दिखते हैं और क्या वे हरे होते हैं, उस बात को याद करके आज भी रायन के होठों पर मुस्कराहट आ जाती थी। उसके 'छोटे हरे मार्स के लोगों' के बारे में बात करने पर वे खूब हंसे थे लेकिन उन्हें खुद जरा भी अंदाजा नहीं था कि एलियन कैसे दिखाई देते हैं या कि वे होते भी हैं या नहीं।

जैसे-जैसे लॉन्च का दिन करीब आता जा रहा था, पूरे वर्ल्ड का मीडिया यह अंदाज़े लगा लगा कर पागल हुआ जा रहा था कि धरती के शिप को स्पेस में क्या मिलने वाला है। यह खबर कि स्पेस से कोई सिग्नल प्राप्त हुए हैं और सितारों तक की यात्रा के लिए एक शिप बनाया जा रहा है, सोलर सिस्टम के कोने-कोने में फैल गई थी। एलियनों से संबंधित सभी साइटों पर लोगों की भीड़ उमड़ी पड़ रही थी और वे सभी यह दावा करने में जुटी थीं कि उन्होंने तो बरसों पहले ही इस बात की भविष्यवाणी कर दी थी। ड्रेक की इक्वेशन और फर्मी का पैराडॉक्स दोबारा से खोदकर निकाल लिए गए थे और उन पर अंतहीन बहस चालू थी।

फिलहाल के लिए '8' ने यह निर्णय लिया था कि असली गंतव्य और सफर में लगने वाले समय को बिल्कुल गुप्त रखा जाएगा, ताकि दुनिया यह जानकर बौरा न जाए कि नयी सभ्यता धरती के इतने पास है। सरकारों के खिलाफ इस फ्लाइट को रोकने के लिए याचिकाएं दायर की जा रही थी क्योंकि यह धरती को अनजान जातियों के समक्ष प्रकट कर देने वाली थी। इस बात से डरने वाले लोगों के लिए चर्चा में आने और प्रसिद्धि पाने का यह सुनहरा मौका था, लेकिन सौभाग्य से उनकी संख्या और विरोध ज्यादा मज़बूत नहीं थे। रायन खुश था कि कम से कम वह चर्चा का विषय नहीं था।

कू के लोगों के बारे में बाहरी दुनिया को भनक भी नहीं लगने दी गई थी और चूंकि सारे देश इस अहम कार्य के लिए एकजुट हो गये थे, अतः इससे जुड़े सीक्रेटों को भी सही समय आने तक छुपा कर ही रख रहे थे। रायन का अधिकांश समय अब फ्लाइट की ट्रेनिंग और रसद की देखरेख में बीत रहा था। हर रोज़ टनों सामान डिलीवर किया जा रहा था और उसे छांट-छांट कर जरूरत और उपयोग के समय के हिसाब से स्टोर किया जा रहा था।

ढेरों वैज्ञानिक उपकरणों को भी लोड, इंस्टॉल और टेस्ट किया जाना था। वैज्ञानिकों के लिए भी यह उन अति आधुनिक उपकरणों से रूबरू होने का दुर्लभ मौका था, जिनमें से अधिकांश बड़ी से बड़ी रिसर्च संस्थाओं के पास भी उपलब्ध नहीं थे। यात्रा के दौरान हर एक मिनट का डेटा इकट्ठा और स्टोर किया जाना था और इसके लिए दो अलग साइंस डेटा बैंक बनाए गये थे, जो उस जानकारी को स्टोर कर सकें। शिप पर डेटा पॉड भी उपलब्ध थे, जिन्हें रास्ते में गिराया जाना था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सिस्टम फेल हो जाने पर पूरी जानकारी खत्म न हो।

आखिरी समय में यह भी निश्चय किया गया कि धरती से शिप में कुछ पौधों और बीजों के सैंपल भी भेजे जाएंगे। उन्हें धरती की कुछ सबसे सख्त प्रजातियों में से चुना गया था। ऐसी योजना थी कि प्रॉक्सिमा बी का वातावरण अनुकूल होने पर इन बीजों और पौधों को वहां लगाया जाएगा। इस तरह धरती का एक छोटा सा हिस्सा खरबों मील दूर इस सितारे पर छोड़ा जाएगा। वैसे तो ऐसा सोचना सिर्फ ख्याली पुलाव पकाना था, लेकिन फिर भी वैज्ञानिक टीम ने इस प्रयोग के लिए हामी भर दी थी।

इसी दौरान शारीरिक फिटनेस के लिए कू के हर सदस्य के कई कई टेस्ट किए गए थे. आधारभूत डाटा को बेस और शिप दोनों जगह स्टोर किया गया था ताकि एक बार यात्रा खत्म होने के बाद उनका तुलनात्मक अध्ययन किया जा सके. स्पेस में रहते हुए वहां की कठिनाइयों को झेलने के लिए कू को तैयार करने के लिए इन टेस्टों के साथ गहन शारीरिक प्रशिक्षण और अनुकूलन व्यायाम भी करवाए जा रहे थे.

वैसे तो शिप पर हर तरह के अत्याधुनिक मेडिकल उपकरण उपलब्ध होने वाले थे, लेकिन डॉक्टर खान इन का उपयोग केवल तभी करना चाहते थे जब बहुत अधिक जरूरी हो. जरूरत पड़ने पर उनके पास शिप पर एक ट्रॉमा विशेषज्ञ भी था, लेकिन साधारण केसों को हैंडल करने के लिए ऑटोमेटिक सिस्टम ही काफी था. लॉन्च से पहले के 2 हफ्ते कू को मेडिकल क्वारंटाइन में बिताने थे.

FTL स्पीड के दौरान मानवी ऊतकों को होने वाले नुकसानों के बारे में बहुत सीमित आंकड़े उपलब्ध थे और उनमें से भी अधिकांश टेस्ट रन के दौरान लिए गए थे. खतरों की पहचान करने के लिए डॉक्टर खान एक विशेषज्ञ टीम के साथ विभिन्न डेटा बैंकों के आंकड़ों की जांच करने में अच्छा खासा समय बिता रहे थे. उन्हें अभी तक कुछ नहीं मिला था - गुंबद अपना काम अच्छी तरह कर रहा था, लेकिन फिर भी वे जेनेटिक लेवल तक जांच-पड़ताल में लगे हुए थे.

और अंत में, सीनियर खगोलीय विज्ञानियों की टीमों ने उन्हें और डॉक्टर लियान की टीमों को एलियनों के उन संभावित जीवन रूपों के बारे में बताया था, जिनसे उनके मिलने की संभावना हो सकती थी. ऐसा माना जा रहा था कि पूरे ब्रह्मांड में अगर कहीं और जीवन है तो उसका रूप काफी कुछ धरती के प्राणियों से मिलता जुलता ही होगा. फिर भी महाप्रलय के प्रभावों के बारे में ठीक से कुछ कहना मुश्किल था. धरती पर जीवन केवल जीव विज्ञान और क्रमिक विकास के कारण ही नहीं, बल्कि एस्टेरॉयड प्रभावों सहित प्रकृति की विनाशकारी ताकतों द्वारा भी संभव हुआ था. अनेक संभावनाएं और संभावित नतीजे प्रोग्राम किए गए थे और उनके आउटपुट को शिप के कंप्यूटर बैंक में स्टोर करके रखा गया था.

हालांकि यह पूरी तरह से मौजूदा टीम के ऊपर निर्भर था कि वे संपर्क को किस तरह से लेते हैं. यह भी उम्मीद की जा रही थी कि किसी जाति से सामना होने पर वे उनके क्रमिक विकास के बारे में डेटा भी इकट्ठा करेंगे.

कू का काम पूरा हो चुका था और सबको असाइनमेंट बांटे जाने के साथ शिप पर मौजूद सभी लोगों की गहन ट्रेनिंग का काम शुरू हो चुका था. कैप्टन से शुरू करके निचली रैंक तक के हर सदस्य की सख्त ट्रेनिंग चालू थी. रायन भी अनारा के साथ अपनी कमांडर की ट्रेनिंग ले रहा था. उसने कभी नहीं सोचा था कि जीवन में उसे दोबारा कॉलेज जाने की जरूरत पड़ेगी, लेकिन जितनी क्लासें वह अटेंड कर रहा था, उससे तो उसे ऐसा ही महसूस हो रहा था. तब में और अब में केवल इतना फर्क था कि अब क्लास में अधिकतर समय केवल दो ही स्टूडेंट मौजूद होते थे और ऑटोमेटिक सिस्टम की जगह अब असली प्रोफेसर उन्हें पढ़ाते थे. उनके दिमाग में ठूंसी जा रही जानकारी की मात्रा इतनी ज्यादा थी कि कभी कभी तो उसे लगता था कि उसका सर फट जाएगा. शिप के संचालन के अलावा उन्हें एस्ट्रोमेट्री, स्पेस नेविगेशन, संचार, भाषा, खगोल जीवविज्ञान, इंजीनियरिंग, मिलिट्री रणनीतियां और यहां तक कि भू विज्ञान के बारे में भी पढ़ाया जा रहा था.

लेकिन यह सब अब जल्द ही खत्म हो जाने वाला था और उसके बाद वह खुशी खुशी स्पेस में अपने शिप को उड़ा सकता था. वह बेसब्री से लॉन्च के दिन का इंतजार कर रहा था.

## 2117 – 3.8 प्रकाश वर्ष दूर ट्राईस्टार्स के पास

-----[-]-----

आखिरकार वे प्रॉक्सिमा सेंटौरी स्टार सिस्टम के नज़दीक आ पहुंचे। आसमान में बाकी सब चीजों से ज्यादा चमकदार सूरज को यहां वे नंगी आंखों से देख सकते थे। आगे के रास्ते की लगातार मैपिंग करते हुए विस्तृत स्कैन किए जा रहे थे। यहां से अब उन्हें सब-लाइट पर ही आगे बढ़ना होगा।

“अब यहां से धीरे ही बढ़ेंगे, मनीषा,” कैप्टन ने कहा। “स्कैन में कुछ मिला रायन?”

“नहीं कैप्टन, हालांकि हमारे स्कैन सिर्फ उसी एरिया तक सीमित हैं जो हमें दिखाई दे रहा है वैसे हमें रास्ते में कुछ एस्टीरॉयड और छोटे बिंदु-ग्रह मिले हैं। सब की मैपिंग हो चुकी है और सब कुछ तैयार है। सारे उपलब्ध डेटा को लगातार एस्ट्रोमेट्री और खगोल विज्ञान के अध्ययन में फीड किया जा रहा है। चिंता की कोई बात नहीं है।”

“यह बड़ी हैरानी की बात है कि पहले इतनी ही दूरी से उन्होंने हमारे ऊपर हमला किया और अब जाकर कहीं छुप गए हैं। मुझे तो उम्मीद थी कि वे हमारे स्वागत में पलकें बिछाए बैठे होंगे,” अनारा ने कहा।

“मैं भी बिल्कुल यही सोच रहा था, कैप्टन। मेरे हथियारों के सिस्टम पूरी तरह चौकस और तैयार हैं। उन्हें भी वही फीड मिल रहे हैं जो ऑपरेशन सेंटर को, लेकिन सारे कंट्रोल मेरे ही हाथ में हैं,” मेजर रावत ने कहा।

पिछली बार के विपरीत इस बार पूरी तरह तैयार होकर आने के कारण सबका आत्मविश्वास काफी मजबूत था लेकिन फिर भी पूरे शिप पर एक तनाव छाया हुआ था।

“जैसे-जैसे हम वहां पहुंच रहे हैं, स्पीड को 25% कम कर दो। जरूरत पड़ने पर हमें प्रतिक्रिया करने के लिए थोड़ा ज्यादा समय मिल जाएगा,” अनारा ने आदेश दिया। मनीषा की उंगलियां कंट्रोल पैड पर थिरकीं और जहाज की स्पीड कम हो गई।

शिप आगे बढ़ रहा था और क्यू के सभी सदस्य अपने अपने स्टेशनो पर अपनी स्क्रीन पर नजरें गड़ाए बैठे थे। तभी अचानक प्रॉक्सिमिटी अलार्म की तीखी आवाज से ऑपरेशन सेंटर की शांति भंग हो गई।

“कांटेक्ट कैप्टन!” रायन चिल्लाया, “बियरिंग 272. वही मास और टाइप जो M2575 का था,” उसका इशारा उस एलियन शिप की ओर था जो उन्हें पिछली बार मिला था।”

“पूरे शिप को अलर्ट कर दो, मनीषा,” अनारा ने आदेश दिया। ब्रिज के चारों ओर खड़े लोगों ने इस नई चीज का अपने-अपने स्टाइल से विश्लेषण शुरू कर दिया था। पूरे शिप पर अलर्ट अलार्म बजने लगा और सब लोग तेजी से अपने-अपने स्टेशनो की ओर भागे और मनीषा को अपने स्टेटस की जानकारी भेजने लगे, जो उसकी स्क्रीन पर लगातार नजर आ रही थी।

इस बीच रायन अपनी ओर आती हुई इस चीज की लोकेशन और स्पीड को एक डिस्प्ले पर देख रहा था।

“शिप यहीं रोक दो,” अनारा ने आदेश दिया, “इस बार उन्हें हमारे पास आने दो। हम यहीं इंतजार करेंगे। मेजर, गन्स का क्या स्टेटस है?”

“हमले के लिए एकदम तैयार, कैप्टन, लेकिन सेफ्टी लॉक ऑन है। गलती से शूट हो जाने का कोई चांस नहीं।”

“ठीक है, टीम। तैयार रहो, देखते हैं क्या होता है। मनीषा, उन्हें हम तक पहुंचने में कितना समय लगेगा?”

“फिलहाल जो स्पीड है उस पर 5 मिनट कैप्टन।”

“कमांडर, क्या हम पहले इसका पता नहीं लगा सकते थे?”

“मुझे नहीं लगता कैप्टन। हम लगातार प्रोब कर रहे थे। मुझे लगता है कि यह किसी एस्टीरॉयड के पीछे था और अचानक तेज स्पीड पर हमारे रास्ते में आ गया। मैं विजुअल्स को डिस्प्ले पर डाल रहा हूं।”

डिस्प्ले पर एक जानी-पहचानी तस्वीर उभर आई, वही आकार और वही ढेर सी लाइटें। होलो का डिस्प्ले बदल कर अब दोनों शिपों और स्टार सिस्टम की संबंधित पोजीशन दिखा रहा था।

“क्या लगता है, यह वही शिप है या कोई दूसरा?” अनारा ने पूछा।

“यह पहचान करने के लिए अभी यह काफी दूर है, कैप्टन। हल की कॉन्फिगरेशन वही है लेकिन मुझे कोई मार्किंग नहीं दिखाई दे रही है,” रायन ने जवाब दिया।

ऑपरेशन सेंटर में मौजूद क्यू के लोगों ने अपनी अपनी सीटों के सेफ्टी हार्नेस बांध लिए ताकि इस बार भी पिछली बार की तरह न हो और अपनी ओर बढ़ते शिप का इंतजार करने लगे। सबकी नजरें होलो पर जमी थीं और उनके बीच की दूरी तेजी से कम होते हुए अब घटकर 100 किलोमीटर रह गई। अचानक शिप ने आगे बढ़ना



बंद कर दिया और उसकी बजाय एक साइड में मुड़ गया. उसने 'अंतरिक्ष' के आगे दो स्वीप किये जैसे यह अंदाज लगा रहा हो कि वह वापस क्यों आया है.

शिप के ऊपर लगे निशान अब साफ नजर आ रहे थे.

“यह वह शिप नहीं है, कैप्टन, इसके निशान अलग हैं,” रायन ने ध्यान से देखते हुए कहा.

“हाँ, मैंने देखा,” अनारा ने कहा. “आखिर इस बार ये लोग करना क्या चाहते हैं?” अपने आप से बड़बड़ाते हुए अनारा ने कहा.

दूसरा शिप एक बार फिर से 'अंतरिक्ष' के सामने आकर खड़ा हो गया और इस बार पूरी तरह रुक गया. तनाव और सस्पेंस के मारे 'अंतरिक्ष' के लोगों का बुरा हाल था.

तभी अचानक एलियन शिप के अगले भाग पर दो चमकदार सफेद लाइटें जलने लगीं.

“तैयार हो जाओ, सब लोग तैयार हो जाओ,” अचानक हुए इस बदलाव को देखते हुए ब्रिज पर खड़े सभी लोगों से अनारा ने कहा. “अब!”

जैसा उन्होंने प्लान किया था उसके अनुसार मेजर ने अपनी नयी तोप का मुँह खोल दिया. उसमें से एक चमकदार नीला गोला शत्रु के जहाज के दाहिनी ओर कुछ किलोमीटर दूर से गुज़रते हुए चला गया. अब वे उन्हें अपने दुश्मन के रूप में देख रहे थे.

एक मिनट के लिए बिल्कुल शांति छाई रही और फिर अचानक शिप पीछे मुड़ा और जहां से आया था उसी दिशा में तेज स्पीड से भाग गया.

होलो शिप के रास्ते को तब तक दिखाता रहा जब तक यह स्टार सिस्टम में प्रवेश करके एक एस्टीरॉयड बेल्ट के पीछे ओझल न हो गया. यह देखकर क्रू का आत्मविश्वास और बढ़ गया कि अब वे और 'बेचारे' नहीं हैं.

“बहुत बढ़िया, साथियों. मुझे लगता है अब उन्हें थोड़ा सोचना पड़ेगा. वे यह बात तो समझ ही गए होंगे कि यह शॉट सिर्फ चेतावनी के लिए था और हम उतने लाचार नहीं हैं जितने पिछली बार थे,” अनारा ने कहा. “मेजर, तोपों को लॉक कर दो.”

मेजर ने जल्दी-जल्दी कुछ निर्देश दिए और तोपें स्टैंड बाय मोड में चली गईं. अब उनकी अगली रणनीति थी दुश्मन की अगली हरकत का इंतजार करना. अनारा ने निश्चय किया था कि चूंकि उनके पास काफी समय है, इसलिए वे सिर्फ इंतजार करेंगे और इस बार किसी भी जाल में नहीं फसेंगे.

उनके चेतावनी वाले शॉट के बाद धीरे-धीरे कई घंटे बीत गए. एलियनों ने दोबारा कोई हरकत नहीं की थी और जैसा कि उन्हें लग रहा था, शिप अभी भी एस्टीरॉयड के पीछे छुपा हुआ था. ऑपरेशन सेंटर में मौजूद टीम राडार को एलियन शिप की आखिरी ज्ञात पोजीशन पर फोकस किए हुए लगातार उस पर नजर रख रही थी और साथ ही और साथ ही 'अंतरिक्ष' के चारों ओर भी स्कैन चला रही थी. ऐसा लग रहा था कि एलियन शिप से जो लाइट उन्हें दिखाई दी थी वह केवल लाइट ही थी और शायद वे संपर्क बनाने की कोशिश कर रहे थे. लेकिन, अनारा के लिए यह ज्यादा बेहतर था कि उसका शिप आने वाली हर परिस्थिति का सामना करने को तैयार था.

और तभी, अनारा ऑपरेशन सेंटर में क्रू के लोगों की झूटी बदलने के बारे में सोच ही रही थी, ताकि सब लोगों को कुछ आराम मिल जाए, कि अचानक रायन अपने स्टेशन से चिल्लाया, “वे दोबारा संपर्क कर रहे हैं, कैप्टन. वे फिर से हमारी ओर आ रहे हैं.” एलियन शिप के एस्टीरॉयड के पीछे से बाहर निकलते ही 'अंतरिक्ष' के सेंसरों ने उसकी हरकतों को रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया था.

“सब को फिर से अलर्ट कर दो, मनीषा. अगर युद्ध शुरू होता है तो तेजी से एक्शन के लिए तैयार रहो. मेजर, गन्स को तैयार रखो.”

“ठीक है, कैप्टन,” मनीषा ने कंट्रोल से जवाब दिया. पिछले कुछ घंटों से इंतजार करते-करते अब उसका ध्यान भटकने लगा था और उसके खून में उबाल ले आने के लिए ऐसी ही किसी सिचुएशन की जरूरत थी.

“तोपें तैयार हैं, कैप्टन,” रावत ने रिपोर्ट दी.

एलियन शिप अपने पिछले वाले ही रास्ते पर आगे आया लेकिन इस बार 'अंतरिक्ष' से 1000 किलोमीटर दूर रुक गया. उसमें फिर से दो लाइट जलीं, लेकिन इस बार दूरी ज्यादा होने के कारण वे मंदी दिखाई दे रही थीं. अनारा और ग्रुप के सभी सदस्य आंखें गड़ाए उनके अगले कदम का इंतजार कर रहे थे.

तभी लाइटें बदल गईं और इस बार एक खास पैटर्न में जलने बुझने लगीं - तीन लंबी, तीन छोटी और फिर तीन लंबी: SOS.

पूरे क्रू में खुशी की लहर दौड़ गई, यहां तक कि अनारा भी मुस्कुराए बिना न रह सकी. ऐसा लग रहा था कि आखिरकार वे भी अब बात करना चाहते हैं. “उन्हें जवाब भेजो रायन, और देखते हैं कि क्या हम बात करना शुरू

कर सकते हैं.”

## 8 माह पहले, 2116 – लॉन्च

-----[-]-----

चांद पर चल रही सभा पूरे सोलर सिस्टम में हुई अब तक की सबसे बड़ी सभाओं में से एक थी. धरती और दूसरे ग्रहों से हजारों लोग 'अंतरिक्ष' के इस ऐतिहासिक लॉन्च को देखने आए थे. आखिरकार इंसान अपने सोलर सिस्टम से निकल कर पहली बार सितारों तक पहुंचने जा रहा था. चांद के हर बेस पर रहने के सारे स्थान लॉन्च से कई दिन पहले ही भर चुके थे. दसियों शिप ऑर्बिट में खड़े थे ताकि दूर से ही सेरेमनी को देख सकें.

यहां तक कि धरती पर भी जिन ऑर्बिट स्टेशनों को चांद का दृश्य देख पाने के लिए सिंक्रोनाइज किया गया था, वे भी ठसाठस भरे हुए थे. धरती पर मौजूद सारे बड़े टेलीस्कोपों का मुँह इसी की तरफ घूमा हुआ था और शौकिया खगोलशास्त्री अपने-अपने देखने के क्षेत्र सेटअप किये इंतज़ार कर रहे थे. पूरे सोलर सिस्टम में इस घटना का लाइव टेलीकास्ट किया जाना था, यह अलग बात थी कि अलग-अलग ग्रहों और बेसों पर उनके टाइम ज़ोन के हिसाब से सिग्नल अलग-अलग समय पर मिलने थे.

क्वार्टरटाइन रूम में प्रधानमंत्री कू के लोगों से मिलने आए थे. उनके साथ थे उनके सारे सीनियर कैबिनेट मंत्री और '8' के हेड. डायरेक्टर श्रीनिवास इस विशिष्ट ग्रुप के लोगों के पीछे खड़े थे. वे अच्छी तरह जानते थे कि इस समय और इन लोगों के बीच उन्हें कू को यात्रा की शुभकामनाएं देने के लिए समय नहीं मिलेगा, अतः वे उनसे पहले ही मिल चुके थे.

"तुम्हारे कू और पूरी टीम को जिन्होंने आज के इस लॉन्च को संभव बनाया, मेरी ढेरों शुभकामनाएं, कैप्टन अनारा," प्रधानमंत्री ने कहा. "मानवता को तुमसे बहुत उम्मीदें हैं. हम इस ब्रह्मांड में अकेले प्राणी नहीं हैं सिर्फ यह जान लेने से ही मुझे बहुत खुशी हो रही है. अगर हमारे पास के सितारों में तुम्हें कोई नई सभ्यता मिलती है तो उन्हें यह संदेश देना कि अपनी सारी कमियों और दोषों के बावजूद हम इंसान उनसे दोस्ती करने के लिए बेकरार हैं. जाओ और इस सोलर सिस्टम के हर प्राणी की ओर से उनकी तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाओ. और कैप्टन, अगर वहां जाने के बाद तुम्हें यह पता लगे कि यह एक झूठा सिग्नल था और तुम्हारा यह अभियान व्यर्थ ही गया, तो मैं चाहूंगा कि तुम याद रखो कि तुम और तुम्हारा कू दूसरे सितारे की यात्रा करने वाले संसार के पहले इंसान हो. हमारे ग्रह के इतिहास में यह निर्णायक क्षण हमेशा याद रखा जाएगा."

"धन्यवाद, प्रधान मंत्रीजी. मैं अपने पूरे कू की ओर से आपको यह विश्वास दिलाती हूं कि हम अपनी ओर से सफलता प्राप्त करने में कोई कसर नहीं उठा रखेंगे. आपकी और यहां उपस्थित सभी लोगों की शुभकामनाओं के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद," अनारा ने कहा.

सेरेमनी पूरी हुई और कू अपने शिप की ओर बढ़ गया. ग्राउंड सपोर्ट के स्टाफ की मदद से शिप को लॉन्च के लिए तैयार कर दिया गया. काउंटडाउन शुरू हो गया और कू के लोग अपने-अपने स्टेशनों पर फ्लाइट से पहले के चेक करने के लिए पहुंच गए.

शिप और बेस के डिस्प्ले बोर्डों की लाइटें एक एक करके ग्रीन होने लगीं. सिग्नलों का आदान प्रदान हुआ और अंतरिक्ष को उड़ान के लिए हरी झंडी दिखा दी गई.

लॉन्च एरिया के खुले दरवाजे से बाहर निकलते हुए यह धीरे धीरे ऊपर उठते हुए आसमान में पहुंच गया. जैसे-जैसे शिप ऊपर उठता जा रहा था सूर्य की रोशनी उसके चमकहीन हल पर पड़कर खुद भी फीकी दिखाई दे रही थी.

"शिप को क्रूस स्पीड पर डाल दो, मनीषा," अनारा ने ऑपरेशन सेंटर में आदेश दिया. मार्स के पार वाली एस्टीरॉयड बेल्ट तक पहुंचने तक उन्हें क्रूस स्पीड पर ही आगे बढ़ना था. उससे पहले इस से ज्यादा स्पीड पर उड़ना संभव नहीं था.

मनीषा ने कंट्रोल पर कुछ बटन दबाये और 'अंतरिक्ष' अपने सफ़र पर चल पड़ा. उन्हें ज्यूपिटर के ऑर्बिट को पार करने में कुछ घंटे लगने वाले थे और उसके बाद ही सब-लाइट स्पीड संभव हो सकती थी. यूरेनस को पार करने से पहले पहला जंप भी संभव नहीं हो सकता था.

उनकी योजना यह थी कि पहला जंप उन्हें 'ऊर्ट' क्लाउड तक ले जाएगा और उसके बाद बाकी बची दूरी को वे अलग-अलग चरणों में पूरा करेंगे. सब लोग अपने अपने कामों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सेटल होने में लग गए. आखिरकार यह एक लंबी यात्रा होने वाली थी और अभी वे कम से कम दो साल तक के लिए घर नहीं जा सकते थे.

## 2117 – संचार

-----[-]-----

प्रॉक्सिमा के सूर्य की चमकती किरणों के बीच खाली स्थान में दोनों शिप एक दूसरे के सामने खड़े थे।

सिग्नलों का पहला आदान-प्रदान सफल रहा था और अब दोनों इंतजार में थे कि अगला कदम कौन उठाएगा।

“माधवन, मेरे ख्याल से हम अगले चरण में जाते हैं और EM पर सिग्नल वन ट्रांसमिट करते हैं। फ्रीक्वेंसी बैंड से साइकिल करो,” अनारा ने आदेश दिया।

“ठीक है, कैप्टन,” माधवन ने कहा और फिर ज़रूरी कमांड फीड कर दिए। डिस्प्ले बदलकर भेजे गए सिग्नल और फ्रीक्वेंसी को दिखाने लगा। निर्धारित स्पेक्ट्रम से साइकिल करने में कुछ समय लगने वाला था।

“कोई जवाब नहीं,” मैसेज सुनने वाली पोस्ट की निगरानी करते रायन ने रिपोर्ट दी।

“तुम्हारा क्या मतलब है कि वे जवाब नहीं दे रहे हैं या हम उनके सिग्नलों को पढ़ने में समर्थ नहीं हो पा रहे हैं? इस बात का कोई संकेत कि उन्होंने हमारा सिग्नल रिसीव कर लिया है?”

“कुछ कहा नहीं जा सकता, कैप्टन। हम काफी बड़े बीम पर सिग्नल भेज रहे हैं, इसलिए इसकी कोई वजह नहीं है कि वे हमें रिसीव न कर पा रहे हों। मैं सिग्नल को बूस्ट कर देता हूँ,” माधवन ने कहा।

“रायन, क्या तुम स्कैन कर सकते हो कि उनके शिप से EM एमिशन बढ़ा है या नहीं?” वे इस बात की संभावना को ध्यान में रखकर चल रहे थे कि जरूरी नहीं कि हर शिप के रिसीवर उनके रिसीवरों से कंपैटिबल हों और यह भी हो सकता था कि एलियनों के तरीके उनसे बिल्कुल अलग हों।

रायन ने अपने रिसीवरों को अपने शिप की तरफ आने वाले सारे EM को स्कैन करने के लिए एक जगह फोकस कर दिया। बैकग्राउंड की रेडियो वेव्स को कंप्यूटर अपने आप फिल्टर कर रहा था। उसने अपने कंप्यूटर में अलग-अलग फ्रीक्वेंसियों पर स्पाइक्स को ढूँढने और उन्हें आइसोलेट करना शुरू करने के लिए कमांड फीड कर दी।

“यहां तीन फ्रीक्वेंसी हैं जो स्पाइक दिखा रही हैं, कैप्टन,” रायन ने उन्हें मेन डिस्प्ले पर डाल दिया। स्क्रीन पर तेजी से बदलता हुआ डेटा नजर आने लगा। “आइसोलेटिंग फ्रीक्वेंसी 3.”

“सिग्नल बूस्टर 50% कैप्टन। मैचिंग ट्रांसमिशन टू फ्रीक्वेंसी 3.” माधवन ने अपने सिग्नल को आइसोलेट की गई फ्रीक्वेंसी से बदल दिया।

सब लोग उत्सुकता से इंतजार कर रहे थे। ऐसा लग रहा था कि वे लोग पुनरावृत्ति का अभ्यास कर रहे हैं, जब तक कि दोनों शिप एक दूसरे की क्षमताओं से पूरी तरह परिचित न हो जायें।

“अभी भी एक और जीरो ट्रांसमिट हो रहा है,” माधवन बोला।

“मुझे पूरा यकीन है कि कुछ तो जवाब आ रहा है, लेकिन मुझे यह नहीं पता कि इसका क्या मतलब है। धरती पर मिले पिछले जवाब से इसे मैच करता हूँ,” कंप्यूटर ने तेजी से उसे दी गई कमांड पर काम करना शुरू कर दिया, जबकि बाकी सब सांस रोके इंतजार कर रहे थे। कुछ पलों के बाद बायनरी डेटा की एक लंबी लाइन के रूप में आउटपुट डिस्प्ले पर दिखाई देने लगा।

“लगता है, हम जल्दी ही इसे समझने में कामयाब हो जाएंगे। यह भी जीरो और एक ही है.”

“बहुत बढ़िया! हम थोड़ा और आगे बढ़ते हैं और बायनरी में ‘हैलो’ भेजते हैं.”

ट्रांसमिशन वाला डिस्प्ले नए सिग्नल को दिखाने लगा। आने वाला सिग्नल भी तुरंत बदल कर उन्हीं अंकों को दिखाने लगा।

“आखिरकार हमें एक काम करने वाला लिंक मिल ही गया,” खुश होते हुए अनारा बोली। “ट्रांसमिशन को मेरे पैड पर दे दो.” उसने जल्दी-जल्दी कंप्यूटर पर कई पूर्वनिर्धारित संदेश टाइप किए, जो उनकी मूल लोकेशन और शांतिपूर्ण इरादों के बारे में बता रहे थे। हालांकि वह यह बिल्कुल नहीं जानती थी कि सामने वाले शिप पर मौजूद लोग इंग्लिश समझते भी हैं या जो संदेश वे प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें केवल दोहरा रहे हैं। वैसे तो यह पहले से ही तय किया जा चुका था कि उन्हें इसी भाषा का प्रयोग करना है, लेकिन धरती वाला शिप उनकी भाषा का मूल जानने से वंचित था। एलियन अगर धरती की इस कॉमन भाषा को समझ भी पा रहे हों तो उसे तो उनके संचार के साधनों के बारे में जरा सा भी अंदाज़ा नहीं था। लेकिन फिर भी उसे कुछ अच्छा होने की उम्मीद में अपना काम जारी रखना था। डिस्प्ले पर बायनरी अंकों का एक नया सेट दिखाई देने लगा। उसका अनुवाद इंग्लिश में उसी के साथ दिखाई दे रहा था।

“यह हमारे ट्रांसीवर को ऑन करने का निर्देश है ताकि हम वीडियो द्वारा संपर्क कर सकें,” माधवन ने कहा।

“क्या तुम यह एडजस्टमेंट कर सकते हो?” अनारा ने पूछा. “इसमें थोड़ा समय लगेगा कैप्टन, कम से कम कुछ घंटे. हम लोगों के सिस्टम काफी कंपेटिबल हैं, मैं यह तो नहीं जानता कैसे - मुझे पता है कि फिजिक्स के सिद्धांत प्रॉक्सिमा पर भी काम करते हैं. लेकिन मुझे ट्रांसीवरों के एक पैरलल सेट को तैयार करना पड़ेगा वरना हमारे प्राइमरी सिस्टमों पर असर पड़ सकता है. मुझे हमारे प्राइमरी नेटवर्क से अलग एक पैरलल कंप्यूटिंग नोड भी सेट अप करना पड़ेगा, ताकि अगर वे कुछ गड़बड़ करें तो हमें कोई समस्या न हो.” उसे पुरानी फिल्म ‘इंडिपेंडेंस डे’ से सीखा गया अपना पाठ याद था, जहां धरती के वैज्ञानिकों ने एलियन हमलावरों के शिप में एक वायरस पहुंचा दिया था. उसके कंप्यूटर सिस्टम में काफी मात्रा में चेक और बैलेंस थे लेकिन फिर भी बेकार का खतरा लेने से क्या फायदा.

“ठीक है फिर, चालू करो इसे. रायन तुम्हारी मदद करेगा. मुझे खबर देते रहना. मेजर, तुम कंट्रोल संभाल लो. इस बीच उन्हें यह संदेश भेज दो, ‘हमारे सिस्टम में बदलाव होने तक कृपया इंतजार करें’ और देखते हैं कि वे इसे समझ पाते हैं या नहीं. मनीषा, तुम उनके पावर आउटपुट पर लगातार नजर रखना ताकि कुछ गड़बड़ होते ही हम संभल जाए.”

कू के सब लोग अपने-अपने निर्देशों का पालन करने में जुट गए.

डिस्प्ले पर उनके जवाब को दिखाता हुआ नया डेटा उभर आया था. ‘OK.’ उनका जवाब था. अनारा मुस्कुरा दी.

या तो यह एलियनों द्वारा इंग्लिश समझने की एक बहुत अच्छी कोशिश थी या वे पहले से ही धरती के बारे में काफी कुछ जानते थे. वह बस यही उम्मीद कर सकती थी कि यह उन्हें किसी नए जाल में फंसाने का तरीका न हो. फिलहाल इंतजार करने के अलावा उनके पास और कोई चारा नहीं था.

इस समय के दौरान उसकी बाकी टीम एलियन शिप और उसके ढांचे को समझने के लिए लगातार स्टडी करने वाली थी.

“डिजाइन के बारे में कोई इनपुट मेजर?”

“मैं अब तक इकट्ठे किए गए सारे डेटा को चेक कर रहा हूं. अब तक यह सिर्फ विजुअल और गुप्त रहा है. मैंने ज्यादा गामा, एक्स-रे और दूसरे स्कैनों से बचने की कोशिश की है. शिप के वॉल्यूम से पता चलता है कि उसमें हमारे शिप से करीब तीन चौथाई जगह होगी. ऐसा ही अंदाज उसके वजन के बारे में भी लगाया जा सकता है, लेकिन जिस चीज से यह बना है उसके बारे में हम कुछ नहीं जानते. यही बात प्रॉपल्शन के तरीके के बारे में भी कही जा सकती है. हालाँकि, उनके शिप में भी रेडियोएक्टिविटी का कुछ अंश है, इसलिए मुझे लगता है कि उनका मेन पावर सोर्स भी हमारी ही तरह परमाणु या एंटी मैटर पर आधारित है.”

“यह काफी रोचक है. बोलते रहो.”

“उन्होंने जो दो चक्कर लगाये, उसका वेलोसिटी चार्ट हमारे पास है और उसे देख कर लगता है कि उनका शिप हम से ज्यादा पैंतरेबाज़ी कर सकता है. लेकिन मैं यह नहीं पता लगा पाया कि उनकी अधिकतम स्पीड क्या हो सकती है या उनके पास FTL की क्षमता है या नहीं. मेरे पास इतना डेटा नहीं है,” रावत ने अपनी बात पूरी की.

“अभी के लिए इतना काफी है. अपना विश्लेषण जारी रखो और पता लगाओ कि हम और किन नतीजों पर पहुंच सकते हैं. क्या तुम यह भी पता लगा सकते हो कि शिप पर कोई इंसान मौजूद है या फिर यह ऑटोमेटिक है?”

“इस बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता कैप्टन. क्या आप चाहती हैं कि मैं ज्यादा पावरफुल स्कैन करूं?” रावत ने पूछा.

“नहीं, हम इंतजार करेंगे. मैं ऐसा कोई काम नहीं करना चाहती जो उन्हें भड़काने वाला लगे. अगर उनके पास परमाणु पावर वाले ड्राइव हैं, तो वे उस रेडिएशन को पहचान जाएंगे जो हम उनकी तरफ भेज रहे हैं, लेकिन जब तक हम उनके बारे में थोड़ा और नहीं जान जाते, मैं उन्हें रेडिएशन के प्रति एक्सपोज़ करने का खतरा नहीं ले सकती. इसलिए अभी के लिए सिर्फ गुप्त. मनीषा, शिप के सारे ट्रांसमिशन और डेटा लॉक का डंप लो और उसे धरती पर भेज दो,” अपनी सीट पर बैठते हुए अनारा बोली.

\*\*\*\*\*

रायन और माधवन इंजीनियरों की एक टीम के साथ ट्रांसीवरों को दी गई स्पेसिफिकेशंस में बदलने में लगे हुए थे.

“इनके साथ तो स्टेप बाय स्टेप गाइड भी नहीं है,” माधवन ने मजाक किया. “उस से कितना टाइम बच

जाता.”

अब तक की प्रगति काफी अच्छी रही थी. उन्होंने इस विशेष उपयोग के लिए एक ट्रांसीवर को अलग करने से शुरुआत की थी. एक टीम एलियन शिप के ट्रांसमिशन को समर्पित एक अलग कंप्यूटर नोड बनाने पर काम कर रही थी, जबकि दूसरी उपकरणों को एक खास फ्रीक्वेंसी पर ट्यून करने के लिए तालमेल बैठाने की कोशिश कर रही थी. उसके बाद, स्टैंडर्ड कनवर्टर ‘अंतरिक्ष’ के डिस्प्ले को ही आउटपुट की संभाल करने देते. वैसे तो ये बदलाव ज्यादा जटिल नहीं थे, लेकिन फिर भी इन बदलावों को करने और कैलिब्रेशन को चेक करने में उन्हें कुछ समय लग रहा था.

“हो गया,” एक बार अपने आखिरी इंजीनियरिंग बदलाव के निबट जाने के बाद माधवन ने रिपोर्ट दी. “मुझे लगता है कि अब सब कुछ लाइन में है और हम आगे बढ़ सकते हैं.”

“मेरा भी यही ख्याल है, लेकिन हमें कन्फर्म करने के लिए कुछ और टेस्ट कर लेने चाहियें. मुझे उम्मीद है कि तुम ने इसमें एक फ़िल्टर लगा दिया होगा ताकि अगर सिग्नल ज्यादा ताकतवर हो तो सिस्टम ओवरलोड न हो जाए.”

“मैंने एक फ़िल्टर और ओवरलोड प्रोटेक्शन डाल दिया है. अभी डायग्नोस्टिक चल रहे हैं. लेकिन मुझे लगता है कि हम उसे फ़ील्ड में ही टेस्ट कर पाएंगे. सभी कंट्रोल ऑपरेशन सेंटर से ही होंगे. मैंने ब्रिज के कैमरों को भी ट्रांसीवर के साथ कनेक्ट कर दिया है. इससे हमें हमारे विजुअल भेजने में भी आसानी होगी.”

“ठीक है. चलो, तब तक हम जल्दी से कुछ खा लेते हैं और फिर ऑपरेशन सेंटर चलते हैं. तब तक मैं कैप्टन को खबर कर देता हूं.” अनारा को मैसेज भेजते हुए रायन ने कहा.

जब वे ऑपरेशन सेंटर पहुंचे तो कैप्टन उन्हीं का इंतजार कर रही थी. उन्होंने अब तक किए गए सारे काम की खबर उसे दी.

“तुम दोनों ने बहुत बढ़िया काम किया. रायन, चलो, अब इसे कर ही देते हैं,” उसने कहा. इतना इंतजार करने के बाद अब वह जल्दी से अगला कदम उठाने के लिए बेचैन थी.

“मैं ट्रांसीवर को ऑनलाइन ला रहा हूं,” माधवन ने कहा. “अपनी जगह पर ट्रांसमिट और रिसीव करने के लिए तैयार हो जाओ कैप्टन.”

“फिर से ‘हैलो’ का संदेश भेजो, रायन,” अनारा ने कहा और फिर से सिग्नल भेज दिया गया. जवाब आने में कुछ सेकेंड का समय लगा. “सिस्टम काम कर रहा है, कैप्टन.”

डिस्प्ले पर दो स्क्रीनें नजर आ रही थीं; शिप का पुराना ट्रांसीवर और बदलाव किया गया नया ट्रांसीवर - दोनों ही एक ही जवाब दिखा रहे थे, ‘हैलो’.

डिस्प्ले पर नए सिस्टम का आउटपुट बदल गया और पहले वाला स्टैटिक से भर गया.

“यह क्या हो रहा है, माधवन?” अनारा ने पूछा.

“हमें सिग्नल प्राप्त हो रहा है, लेकिन फिल्टर को उसे प्रोसेस करने में थोड़ा समय लग रहा है. ज़रा सा इंतज़ार कीजिये, कैप्टन.”

डिस्प्ले पर दिख रहा स्टैटिक धीरे-धीरे एक धुंधली आकृति में बदल गया.

“क्लियर हो रहा है, कैप्टन.”

पिक्चर धीरे धीरे साफ़ होने लगी. कैप्टन एकटक उसे ही निहार रही थी. वह किसी भी प्रकार के प्राणी को देखने के लिए तैयार थी, लेकिन यह देखने के लिए नहीं!

“ये तो इंसान हैं!” उसके मुंह से निकले शब्द हैरानी में डूबे हुए थे.

## 2117 – ‘नए’ इंसान

-----[-]-----

स्क्रीन पर नजर आ रही आकृति को पहचानने में गलती की कोई गुंजाइश नहीं थी - यह इंसान ही था! उसके कपड़े बेशक अलग तरह के थे, लेकिन निश्चित तौर पर वह एक इंसानी पुरुष ही था, अनारा के अनुसार जिसकी आयु 20 वर्ष के करीब होगी.

वह अपनी जगह से थोड़ा हिला और अब उसके साथ एक इंसानी औरत भी नजर आने लगी, जिसके बाल सुनहरे भूरे थे.

ऑपरेशन सेंटर में एक अजीब सन्नाटा छाया हुआ था, अचानक लगे इस ज़ोरदार झटके ने सबकी बोलती बंद कर दी थी. यहां इंसानों के मिलने की उम्मीद तो उन्होंने दूर-दूर तक ख्वाबों में भी नहीं की थी! अंतहीन अंतरिक्ष की गोद में खड़े दोनों ग्रुप कुछ देर तक एक दूसरे को देखते रहे और वहां बिल्कुल चुप्पी छाई रही.

आखिरकार अनारा ने ही चुप्पी तोड़ी, “धरती वासियों की ओर से आपको अभिवादन. क्या आप मेरी भाषा समझ रहे हैं?” बायनरी पर निर्भर रहने की बजाय अब उसे अंग्रेजी बोलना अच्छा लग रहा था.

“हां, समझ रहा हूँ,” पुरुष ने थोड़ा अटकते हुए जवाब दिया.

“मेरा नाम कैप्टन अनारा है और मैं धरती नामक ग्रह से हूँ. हम तुमसे मिलने बहुत लंबा रास्ता तय करके आए हैं.”

“मेरा नाम जो है, कैप्टन अनारा, और यह लूसी. हमें आपसे मिलकर बहुत खुशी है,” पुरुष ने कहा.

“जो और लूसी, वाह! मैं...हम यहाँ आकर बहुत खुश हैं, लेकिन मैं थोड़ी दुविधा में हूँ. तुम दो इंसान यहां धरती से इतनी दूर कैसे पहुंचे और इंग्लिश कैसे बोल रहे हो?” अनारा ने पूछा, उसकी दुविधा उसकी आवाज में साफ़ झलक रही थी.

“इंसान? हां, हम इंसान हैं. हम सब बताएंगे, कैप्टन अनारा,” जो ने जवाब दिया, “लेकिन पहले हमें यहां से जाना है. यह सेफ नहीं है. ‘दूसरे’ लोगों ने देख लिया होगा और वे आते होंगे.”

“ये ‘दूसरे’ कौन हैं, जो?” अनारा ने पूछा. “हम बताएंगे,” लूसी ने अपनी बात दोहराई. “हम पर विश्वास करो. हमें जाना ही होगा.”

“आई एम सॉरी. मैं आंख मूंद कर तुम पर विश्वास नहीं कर सकती. हम कहां जा रहे हैं? तुम किस से डरे हुए हो?”

“हमें यहां से जाना ही होगा कैप्टन अनारा. अभी!” लूसी ने फिर से ज़ोर दिया. “कैप्टन, दूसरा संपर्क! यह सामने वाले शिप के जैसा ही है, लेकिन कुछ दूरी पर है. यह सिस्टम के बाहर से आ रहा है,” रायन ने रिपोर्ट दी.

“हम तक पहुंचने का टाइम?” अनारा ने पूछा.

“फिलहाल जो स्पीड और दूरी है, उसके हिसाब से 30 मिनट में,” रायन ने जवाब दिया. “वे इधर ही आ रहे हैं.”

“हमारे पास क्या ऑप्शन हैं?” अनारा ने पूछा.

“हम यहां रुक कर लड़ाई कर सकते हैं कैप्टन. लेकिन मेरी छठी इंद्री मुझे संकेत कर रही है कि हमें जो की बात मान लेनी चाहिए,” रायन बोला. “हमें इन से बहुत से प्रश्न पूछने की जरूरत है कि आखिर ये लोग घर से इतनी दूर यहां पहुंचे कैसे. मुझे लगता है इन पर विश्वास किया जा सकता है.” क्या यह केवल उसी की सोच थी या पूरा कू ही धरती से इतनी दूर इंसानों के मिलने से अभिभूत था?

“मेजर?”

“मैं सहमत नहीं हूँ, कैप्टन. मैं भी जो के बारे में जानने को उत्सुक हूँ, लेकिन अगर जरूरत पड़े तो हम खुद की रक्षा कर सकते हैं,” रावत ने जवाब दिया.

“हम इन लोगों के बारे में कुछ भी नहीं जानते. दोनों शिप एक जैसे हैं, यह निश्चित रूप से एक और जाल है. हो सकता है जो हमें ऐसी जगह ले जाकर फंसाना चाहता है जहां से हम बच न पायें.”

“तुम्हारी बात ठीक हो सकती है रायन, लेकिन मैं रावत की सलाह के साथ जाना चाहती हूँ. हमारे पास कुछ मिनट का समय है, देखते हैं हम क्या पता लगा सकते हैं.”

“जो,” उसने दूसरे शिप को संबोधित किया. “मैं तुमसे दोबारा पूछती हूँ कि हम कहां जा रहे हैं और क्यों?”

डिस्प्ले पर जो और लूसी एक दूसरे की ओर देखते नजर आए. “कैप्टन अनारा, हम आपसे फिर कहते हैं, आप

हम पर विश्वास करो और डरो नहीं. हम एक सुरक्षित जगह पर जाएंगे और वहां आपको सब कुछ बताएंगे.”

“सिर्फ इतना कहने से कुछ नहीं होगा, जो. कुछ समय पहले ही तुम्हारे एक शिप ने हम पर हमला किया और हमें करीब-करीब मार ही डाला. तुम मुझे उसके बारे में क्या बता सकते हो? हो सकता है उस शिप का तुमसे कोई संबंध न हो, लेकिन किसी के पास बिल्कुल तुम्हारे जैसा शिप है और वे लोग दोस्त बिल्कुल भी नहीं हैं,” उसने विस्तार से समझाया.

जो और लूसी यह बात सुनकर सन्नाटे में आ गए. “वे हम लोग नहीं थे, कैप्टन अनारा,” लूसी बोली. उसने जो की ओर देखा और उसने भी हाँ में सिर हिलाया. “हमारे पास केवल यही शिप है. वे जरूर दूसरा लोग होंगे.”

यह सब कुछ उबाऊ होता जा रहा था. “आखिर ये ‘दूसरे’ लोग हैं कौन, लूसी?” अनारा ने जोर देते हुए पूछा.

इस बार जो ने जवाब दिया. ‘वे ‘दूसरे’ लोग - तुम कैसे कहते हो - ‘ग्रुप’. वे हमको तुमसे बात नहीं करने देना चाहते. हम यहां तुम्हारी सुरक्षा के लिए आये हैं. प्लीज़ हमारा विश्वास करो,” वह गिड़गिड़ाया.

“ये लोग सच बोलते हुए प्रतीत होते हैं, कैप्टन,” ध्यान से उनकी बात सुनते हुए रायन बोला, “और यह शिप भी अलग है. हम पहले ही इन्हें अपनी ताकत का नमूना दिखा चुके हैं, आप कहें तो अपनी तैयारी का एक छोट्टा-सा सबूत और दे दें?”

“जो और लूसी, तुम लोग देख ही चुके हो कि हमारा शिप हमला करने और बचाव करने के लिए क्या कर सकता है. मैं एक बार फिर से तुम्हें दिखा देना चाहती हूँ,” अनारा बोली. उसने मेजर को इशारा किया और मेजर ने तोप से एक और शॉट छोड़ दिया. जैसे ही यह नीली बिजली की किरण लपलपाती हुई उनके शिप के पास से गुज़री, उन्होंने जो और लूसी को डर से सिहरते हुए देखा.

“हम समझे नहीं, कैप्टन. आप हम पर हमला क्यों कर रहे हो?” जो लगभग चिल्लाते हुए बोला.

“मैं तुम पर हमला नहीं कर रही हूँ, मैं तुम्हें बताना चाहती हूँ कि हम लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार हैं, चाहे हमें यह बात पसंद हो या नहीं.”

“नहीं, कैप्टन. कोई लड़ाई नहीं होगी. हम तो सिर्फ शांति चाहते हैं!” वह गिड़गिड़ा रहा था.

“तुम्हारे सिवा और कौन कौन है शिप पर?” अनारा ने पूछा. “सिर्फ तुम दो लोग तो इसे उड़ा नहीं सकते.”

“हमारा पूरा कू है कैप्टन अनारा, और तुम देखना, हमारे शिप पर कोई हथियार नहीं. हम शांति चाहते हैं.”

अनारा ने कू के लोगों की ओर देखा, वे भी उसी के जितने उलझन में दिखाई दे रहे थे. एलियन शिप पर मौजूद लोग वाकई काफी डरे हुए थे. अनारा के लिए यह निर्णय लेने का वक्त था.

“दूसरे शिप के हम तक पहुंचने में सिर्फ 15 मिनट बाकी हैं, कैप्टन,” रायन ने रिपोर्ट दी.

वह अपना निर्णय ले चुकी थी. “ठीक है जो, हम तुम्हारे साथ जाएंगे. रास्ता दिखाओ और हमें कोऑर्डिनेट भेज दो.”

“कोऑर्डिनेट?” जो कुछ दुविधा में दिखाई दिया. फिर उसने नीचे देखा और बोला, “ओह, तुम्हारा मतलब लोकेशन. मैं अभी भेजता हूँ.”

“ठीक है, तो फिर चलो. मनीषा, शिप का पीछा करो,” अनारा ने आदेश दिया. ‘जो,’ अब उसने दूसरे शिप को संबोधित किया, “मेरी तोपें बिल्कुल तैयार हैं. कुछ गड़बड़ करने की कोशिश की तो..!”

“गड़बड़?” जो और लूसी फिर से हतप्रभ दिखाई दिए. “कोई गड़बड़ नहीं. शांति. चलो.”

शिप अपनी जगह पर घूमा और धीमी स्पीड पर उस ओर चल दिया, जिधर से यह आया था.

“स्पीड और रास्ता मैच करो, मनीषा,” अनारा ने आदेश दिया. “मेजर, अपने हाथ ट्रिगर पर से मत हटाना. रायन, दूसरे शिप पर नजर रखो और स्कैन करते रहो. कुछ पता लग रहा है, हम किस ओर जा रहे हैं?”

“हम सिस्टम के भीतर गहरे तक जा रहे हैं कैप्टन, प्रॉक्सिमा बी की दिशा में,” रायन ने जवाब दिया.

“लगता है आखिरकार अब हम प्रॉक्सिमा बी को देख पाएंगे,” अनारा ने कहा और ‘अंतरिक्ष’ ने आगे बढ़ना शुरू कर दिया. “ग्रह की अब तक की तुम्हारी रीडिंग क्या दिखा रही है?”

“कुछ खास नहीं. मेरे पास ज्यादा डेटा नहीं है लेकिन विजुअल से पता चल रहा है कि यहां थोड़ी मात्रा में पानी और प्लांट लाइफ है. कुल मिलाकर यह ग्रह कुछ-कुछ मार्स से मिलता जुलता दिखाई दे रहा है. लेकिन, यहां पर वातावरण है और हैरानी की बात यह है कि स्पेक्ट्रा धरती के समान ही गैसों का मिश्रण दिखा रहा है और नोबल गैसों का मिश्रण तो वहां से कुछ ज्यादा ही है. एक बार एस्टीरॉयड बेल्ट से पार जाने के बाद मैं आपको और ज्यादा जानकारी दे पाऊंगा. यहां का सूर्य काफी कमजोर है, जैसी कि हमने उम्मीद की थी, लेकिन क्योंकि इस ग्रह की सूर्य से दूरी उससे काफी कम है, जितनी हमारी धरती से हमारे सूर्य की, इसलिए लगता है यहाँ तापमान की रेंज CHM में है. इसे पक्के तौर पर यह सिद्ध होता है कि यहां धरती से ज्यादा गोल्डीलॉक्स ज़ोन हैं.”



“जीवन या सभ्यता के कोई चिन्ह?”

“मैं इतनी दूर से जीवन के लिए तो स्कैन नहीं कर सकता कैप्टन, लेकिन मुझे अभी तक इंसान के बनाए कोई भी बड़े ढांचे नहीं दिखाई दिए हैं, जिनसे एक बड़ी सभ्यता के होने का पता चले. इतना मैं पक्के तौर पर कह सकता हूं कि अब तक हमें जो पता चला है, वह उस जाति से तो बिल्कुल मेल नहीं खाता, जो हमारे सामने उड़ रहे शिप को बनाने और उड़ाने में समर्थ है.”

“आओ, कुछ विजुअल्स को स्क्रीन पर देखते हैं,” अनारा ने कहा और एक भूरे हरे ग्रह की तस्वीरें स्क्रीन पर उभर आईं. पूरे क्यू के लिए यह एक अभूतपूर्व अनुभव था - धरती के अलावा और उससे पूरी तरह अलग एक ऐसे ग्रह को देखने का - जहां पर वाकई जीवन मौजूद था. यहां हरे और लाल रंग से घिरे काफी सारे नीले धब्बे थे, लेकिन ग्रह का अधिकांश हिस्सा धूल के रंग का और बंजर ही दिखाई दे रहा था. उसके अंतिम सिरो पर कुछ सफेद हिस्सा दिखाई दे रहा था. “मुझे उम्मीद है कि तुम भावी पीढ़ी के लिए इसे रिकॉर्ड कर रहे हो, रायन. यह खूबसूरत है और इंसानों के रहने लायक भी.”

अनारा अपनी कुर्सी पर बैठ गई, लेकिन उसकी आंखें अभी भी स्क्रीन पर जमी थीं, जहां एक ग्रह धीरे धीरे घूमता हुआ दिखाई दे रहा था और जिसके पीछे एक कमजोर सूरज चमक रहा था.

## 2117 – प्रॉक्सिमा ‘बी’

-----[-]-----

दोनों शिप सीधे सिस्टम के अंदर बढ़ते जा रहे थे. प्रॉक्सिमा सेंटौरी का सूरज धरती के सूरज की तरह चमकदार नहीं था और यह एक ऐसा तथ्य था जिसका पता धरती के खगोल शास्त्री बरसों पहले लगा चुके थे. यह एक ब्राउन ड्वार्फ था और काफी ज्यादा ठंडा था और इसी से प्रॉक्सिमा बी का तापमान और बाकी सारी विशेषताएं प्रभावित होते थे. ‘अंतरिक्ष’ के कू के लोग जल्दी ही इनके बारे में जान जाएंगे.

“स्कैनरों में कुछ दिखा?” अनारा ने पूछा.

“कोई बदलाव नहीं है. शिप बी स्कैनर पर दिखाई नहीं दे रहा है. शिप जो अभी भी सिस्टम में अंदर जा रहा है. हम प्रॉक्सिमा बी से 5 मिलियन किलोमीटर दूर हैं. 20 मिनट में हम वहां पहुंच जाएंगे,” रायन ने जवाब दिया.

“डॉ. खान, क्या आप को अफवाहों सहित डेटाबेस में इंसानों के इतनी दूर की यात्रा करने के बारे में कुछ मिला? आखिर ये लोग यहां पहुंचे तो पहुंचे कैसे?”

“मैंने सब कुछ चेक किया है कैप्टन. मेरे पास केवल कुछ अनुमान और अफवाहें हैं और कुछ सीधे-सीधे झूठ. आप जानती हैं कि पिछली दो सदियों में अनगिनत लोगों ने UFO देखने की रिपोर्ट की हैं, लेकिन उनमें से किसी को भी प्रमाणित नहीं किया जा सका है. एलियनों से मुलाकात की खबरें अक्सर मीडिया में उछलती रहती हैं, लेकिन जांच पड़ताल करने पर आज तक कुछ नहीं निकला. जैसा कि आपको पता ही है, सन 2060 में अधिकतर रिकॉर्डों को सार्वजनिक कर दिया गया था, जब ‘8’ ने एलियनों के बारे में और ज्यादा पता लगाने का निश्चय किया था. लेकिन वैज्ञानिकों की जो टीमों इन रिकॉर्डों को स्टडी कर रही थीं, उन्हें वहां कुछ नहीं मिला. मेरे पास बताने के लिए कोई ठोस जानकारी नहीं है.”

“ठीक है. जो और लूसी की शारीरिक बनावट के बारे में कुछ बता सकते हो?”

“यह पता लगाने के लिए मेरे पास उनकी बाहरी रूपरेखा के अलावा और कुछ नहीं है, कैप्टन, लेकिन उनका सब कुछ कोकेशियन मूल के दो स्वस्थ इंसानों से मिलता-जुलता है. विस्तृत विश्लेषण और टिशू और खून के सैंपलों के बिना मैं इससे ज्यादा कुछ भी कहने में समर्थ नहीं हूं,” डॉक्टर खान ने कहा.

“हूँ...तुमने यह भी देखा होगा कि ये दोनों लगभग एक ही उम्र के हैं और काफी जवान हैं.”

“हां, और फिर एक बात और भी है: तुम्हें क्या लगता है इन्होंने इंग्लिश कहां से सीखी होगी? धाराप्रवाह तो नहीं, लेकिन फिर भी काफी अच्छी भाषा बोल रहे थे,” रायन बोला.

“और इस बात का क्या कि उनके नाम जो और लूसी हैं?” मनीषा ने अपनी हैरानी जाहिर की. फिर उसे एहसास हुआ कि वह शायद उनकी बातों के बीच बाधा डाल रही है, इसलिए तुरंत पीछे हटते हुए बोली, “सारी कैप्टन.”

“सारी की कोई बात नहीं है, मनीषा. तुम ठीक कह रही हो. यह तो ऐसा है जैसे इन्होंने इसे किसी फिल्म या किताब से लिया है. खास करके अगर वे धरती से आने वाले सिग्नलों को छुपकर सुन रहे हों. अनारा चिंता में पड़ गई. अगर ये लोग वाकई धरती के बारे में इतना कुछ जानते हैं तो वह और उसका शिप निश्चित तौर पर नुकसान में थे. खैर, जो भी हो, अब तो अगला कदम उठाया जा चुका था. जो होगा देखा जाएगा.”

डिस्प्ले पर ग्रह का आकार धीरे-धीरे बड़ा होता जा रहा था और शिप जो की स्पीड कम हो रही थी. शिप पर मौजूद सभी लोग या तो किसी व्यू पॉइंट पर थे या फिर डिस्प्ले पर. धरती के विपरीत यह ग्रह फीके भूरे रंग का था, जिसमें नीले और हरे रंग के कुछ पॉकेट थे. यह बिल्कुल पराया, बेरंग और बेनूर सा दिखाई दे रहा था. क्या इसके लिए वे लोग इतनी दूर से आए थे?

“सतह की क्या कंडीशन है, मनीषा?”

“तापमान 15 डिग्री से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच. ह्यूमिडिटी 15%, बादल बहुत कम, हवा की स्पीड 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा. कोई भी खास बात नहीं, कैप्टन. रेतीला होने के बजाए यह पथरीला ज्यादा है, लेकिन नमी बहुत कम है. दो बड़े समुद्र हैं और कुछ झीलें हैं जिनमें ताजा पानी हो सकता है, लेकिन लगता है ज्यादातर पानी अंडरग्राउंड ही है. कुछ हरियाली भी दिखाई दे रही है, लेकिन बहुत बड़े पेड़ या जंगल नहीं हैं.”

“तापमान तो इंसानों के जीने के लिए अनुकूल लगता है और यहां पानी भी है. क्या वातावरण में गैसों की कंपोजीशन वैसी ही है, जैसी हमने पहले देखी थी? कोई जानवर वगैरा?”

“वातावरण की कंपोजीशन धरती जैसी ही है. थर्मल और इंफ्रारेड स्कैन इस ओर किन्हीं भी जीवित प्राणियों को नहीं दिखा रहे हैं, कैप्टन. समुद्र भी खाली हैं.”

इस बीच शिप जो ग्रह के दूसरी ओर बढ़ते हुए एक लंबी आर्क पर उतर रहा था. अंतरिक्ष भी उसके पीछे था. ‘नई रीडिंग’, ग्रह की गोलाई के साथ साथ बढ़ रहे शिप से रायन ने रिपोर्ट दी. ‘इस साइड एक दूसरी लेक है. और साथ ही एक छोटी बस्ती भी है.’

इतनी ऊंचाई से झील का नीला रंग और बस्ती का हरा रंग हालांकि बहुत छोटे दिखाई दे रहे थे, लेकिन फिर भी यहां ऑर्बिट से ग्रह की बाकी भूरे रंग की जमीन पर उन्हें साफ-साफ देखा जा सकता था.

शिप ‘जो’ की ऊंचाई कम होने लगी और वह उतरने की तैयारी करने लगा.

“लगता है ये लोग उतरने की तैयारी कर रहे हैं,” रायन बोला.

“ऐसा ही लग रहा है. मनीषा, शिप को लैंडिंग के लिए तैयार करो. शील्डों को रेडी करो. यह अनाउंसमेंट कर दो कि कू के सभी लोग वायुमंडल विक्षोभ के लिए अपनी-अपनी बेल्ट लगा लें,” अनारा ने आदेश दिया.

दूसरे शिप के पीछे-पीछे ‘अंतरिक्ष’ भी बस्ती में उतरने की तैयारी करने लगा. वातावरण के संपर्क में आने के कारण हल का तापमान धीरे-धीरे बढ़ने लगा. शिप की स्पीड लगातार कम होती गई और मनीषा ने लैंड करने में मदद के लिए थ्रस्ट इंजिन चालू कर दिए.

बस्ती, जो एक आधुनिक सुविधा जैसी दिखाई दे रही थी, धीरे-धीरे फोकस में आने लगी और अब वे लोग इसकी परिधि के बाहर तीन लैंडिंग पैड साफ साफ देख सकते थे. ये पैड अनाज के खेतों से घिरे थे और वे वहां कुछ इंसानी आकृतियां चलती-फिरती नज़र आ रही थीं.

“लगता है यहां जो और लूसी के अलावा और भी लोग रहते हैं. इंसानी मौजूदगी और जैविक खतरों के लिए स्कैन करो.”

“मेरे पास बस्ती में कम से कम 50 इंसानों की मौजूदगी की रीडिंग आ रही है कैप्टन,” मनीषा बोली. “साथ ही हवा में बहुत से बैक्टीरिया और वायरस भी हैं. इनमें से अधिकतर हमारे लिए अज्ञात हैं. अगर हम बाहर जा रहे हैं तो मैं सलाह दूंगा कि हम EVA सूट पहनकर जाएं,” डॉक्टर खान ने बताया. लंबे समय तक काम करने के लिए ‘एक्स्ट्रा वेहीक्युलर एक्टिविटी’ या EVA सूट उन्हें अपना खुद का एक वातावरण देकर नुकसानदायक जीवों से उनकी सुरक्षा करने में समर्थ थे.

“मैंने नोट कर लिया है. साथ ही हमें जो लोग वहां हैं, उनकी सुरक्षा का ध्यान रखने की भी जरूरत है. उनके पास हमारी इम्युनिटी नहीं है. हमारे साधारण सर्दी जुकाम के वायरस इन लोगों की जान भी ले सकते हैं,” अनारा बोली.

“कैप्टन, यहां कुछ और भी है जो आप को देखना चाहिए. बस्ती के पश्चिम में 15 किलोमीटर की दूरी पर. मैं जूम कर रहा हूं,” रायन बोला.

सैकड़ों किलोमीटर के क्षेत्र में फैली यह चीज जब फोकस में आई तो इसके आकार के कारण धरती से इतनी दूर होते हुए भी इसे पहचानना बहुत आसान था.

“रेडियो टेलिस्कोप,” गहरी सांस भरते हुए रायन बोला, “यह कितना बड़ा है! कैप्टन, धरती पर हमें जो सिग्नल मिले थे, वे जरूर इसी से भेजे गए होंगे.”

“हमें इसे रिकॉर्ड करना चाहिए, रायन. नारद, अब तक का सारा डेटा लॉग के साथ धरती पर भेजो. एक डेटा पॉड गिराओ. इसे ग्रह के उत्तरी ध्रुव पर रखना. मैं नहीं चाहती कि ये लोग जानें हम क्या कर रहे हैं.”

“ट्रांसमिशन भेज दिया गया है. पॉड तैयार है और लोड हो चुका है, कैप्टन. अब मैं इसे छोड़ रहा हूं,” नारद ने रिपोर्ट दी.

“अब क्या आदेश है, कैप्टन? क्या हम ग्रह पर नीचे उतरेंगे? इससे ऑर्बिट और जमीन, दोनों जगह से हम पर हमला करना आसान हो जाएगा और टेकऑफ करने में हमें समय लग जाएगा, जिससे हमारी हालत और दयनीय हो जाएगी,” रायन बोला.

“मैं भी ठीक यही सोच रही थी. अगर हमें यहां के बारे में और कुछ जानना है तो हमें नीचे उतरना ही होगा. जो और लूसी तो हमें यहां और कुछ बताने वाले हैं नहीं. लेकिन मैं बिल्कुल नहीं चाहती कि अपने शिप और कू को खतरे में छोड़ूं.”

“तो एक छोटा सा गुप बनाकर चलें कैप्टन?” रावत ने पूछा. “आप, मैं, डॉक्टर खान, डॉक्टर लियान, साइंस और मेडिकल टीमों से एक एक आदमी और दो सिक्योरिटी के लोग?”

“कैप्टन, मुझे नहीं लगता आपको जाना चाहिए. यह बहुत खतरनाक है. पहली बात तो यह है कि एक

बिल्कुल अज्ञात ग्रह पर आप प्राकृतिक खतरों के बीच होंगी और दूसरी बात, दुश्मन का शिप हमारा पीछा कर रहा है और सतह पर जाने से आप पूरी तरह से उसके सामने एक्सपोज़ हो जाएंगी. मेरा सुझाव है आप अपनी जगह मुझे जाने दें.”

“ज्यूपिटर के चांद पर कदम रखने के बाद से अब तक के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण क्षण से तुम मुझे वंचित करना चाहते हो?” शैतानी से अपनी भौंहों को मटकाते हुए अनारा ने पूछा.

“नहीं. यहां मैं थोड़ी स्वार्थी हो जाऊंगी और उन लोगों से मिलने मैं ही जाऊंगी. वैसे भी मेरे साथ काफी लोग मौजूद रहेंगे, ग्रह पर पहले से मौजूद लोगों को छोड़कर. मनीषा, शिप को लैंड करने की तैयारी करो.”

“ठीक है, कैप्टन.”

दूसरे शिप के साथ अंतरिक्ष भी धीरे धीरे नीचे आने लगा और उसी के साथ में एक पैड पर उतर गया. अब वे जो और लूसी के कुछ बोलने का इंतजार कर रहे थे. इस बीच वातावरण और मिट्टी से नमूने इकट्ठे करने के लिए सैम्पलरों को छोड़ दिया गया था जबकि मनीषा आसपास के इलाके को और किसी खतरे के लिए स्कैन कर रही थी और साथ ही भूभाग की मैपिंग कर रही थी.

“यहां पावर की मौजूदगी के दो चिन्ह हैं, कैप्टन. ये शायद यहां के पावर प्लांट होंगे. साइज और क्षमता मालूम नहीं, यहां से काफी दूरी पर हैं,” उसने रिपोर्ट दी.

“मैंने नोट कर लिया. अगर अभी और कोई खतरा दिखाई नहीं दे रहा है तो अब हमें अपने काम पर लग जाना चाहिए फ्रेंड्स. रायन, मेरे पीछे से यहां का चार्ज तुम संभालोगे. तुम ऑर्बिट में वापस जाओगे और यदि एलियन आते हैं तो हम डिसाइड करेंगे कि हमें क्या करना है. चाहे जो भी हो, यदि शिप को किसी भी तरह का कोई खतरा दिखाई देता है तो तुम तुरंत सिस्टम को छोड़कर चले जाओगे. हम जो और लूसी के साथ रहेंगे और हमें उम्मीद है कि वे हमारी सुरक्षा कर पाएंगे. तुम लोग बाद में आकर हमें अपने साथ ले जा सकते हो. हम कंट्रोल पर संपर्क में रहेंगे. हर 1 घंटे में मेरे मैसेज का इंतजार करना,” बाकी टीम को अपने साथ आने का इशारा करते हुए अनारा ने आदेश दिया.

“मैं जानती हूं कि हम बहुत बड़ा खतरा उठाने जा रहे हैं, रायन,” उसके चेहरे पर उभरे चिंता के भावों को देखते हुए उसने अपनी बात जारी रखी, “लेकिन यहां शिप पर सेफ बैठे-बैठे हमें कोई हल भी नहीं मिलने वाला. हम अपने साथ कुछ छोटे व्यक्तिगत हथियार भी लेकर जाएंगे, जो जरूरत पड़ने पर हमारे काम आएंगे और वैसे भी मेरे साथ रावत के दो हैवीवेट तो हैं ही.”

“जैसी आपकी मर्जी,” ठंडी सांस भरते हुए रायन ने कहा. वह अपना निर्णय ले चुकी थी और उनके पास इस बारे में बहस करने के लिए समय नहीं था. “वेस्ट ऑफ लक और अगर आपकी अनुमति हो तो मैं कहना चाहूंगा, बधाई हो कैप्टन! आखिरकार हम अपनी मंज़िल पर पहुंच ही गए!”

## 2117 – धरती पर अनुमान

-----[-]-----

डायरेक्टर श्रीनिवास के लिए PM के ऑफिस से बुलावा आया था. कैबिनेट के सारे पुराने सदस्य और वैज्ञानिक वहां एक बार फिर से एकत्रित थे.

“स्वागत है डायरेक्टर,” प्रधानमंत्री ने कहा. “हम मिशन की प्रोग्रेस रिपोर्ट सुनने के लिए उत्सुक हैं.”

“धन्यवाद, सर. जैसा कि मैंने अपनी पिछली रिपोर्ट में आपको बताया था, शिप की आखिरी ज्ञात पोजीशन धरती से 2.5 प्रकाश वर्ष दूर थी. हमें पूर्व निर्धारित अंतराल पर डेटा प्राप्त हो रहा है और आज सुबह ही मुझे जो रिपोर्ट मिली है, वह मैं आपको बताता हूँ.”

उसने रूम में मौजूद डिस्प्ले को एक्टिवेट किया और उस पर सारा विवरण खोल दिया.

“जैसा कि आप सब जानते ही हैं सज्जनों, मिशन अब तक बिल्कुल अच्छी तरह से चल रहा है. बीच में कहीं कोई गड़बड़ नहीं हुई है और कू के सभी लोग पूरी तरह स्वस्थ हैं. अब तक कई जंप किए जा चुके हैं और उनका कोई भी गलत असर उनके ऊपर नहीं पड़ा है. मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि अभी तक शिप हमारी योजना के अनुसार ही काम कर रहा है और कू के लोगों ने प्रशंसनीय कार्य किया है.”

“क्या प्रॉक्सिमा से कोई और संपर्क हुआ है?” प्रधानमंत्री ने पूछा.

“नहीं, सर. हमने रसीदी संदेश भेजा था लेकिन उसका कोई जवाब नहीं आया. हाल ही में हमने यह संदेश भी भेजा है कि हमारा शिप उनके ग्रह के रास्ते में है. फिर से, हमारे पास यह पता लगाने का कोई जरिया नहीं है कि यह मैसेज उन्हें प्राप्त हुआ है या नहीं. सारी संबंधित फ्रीक्वेंसियों की लगातार निगरानी की जा रही है, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है.”

“इस बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है श्रीनि?” प्रधानमंत्री ने पूछा. “वे लोग अचानक चुप क्यों हो गए हैं?”

“इस बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता सर. हमारा मैसेज उन तक जाने और उनका जवाब हम तक आने के लिए समय तो पर्याप्त मात्रा में था, इसलिए समय की तो कोई परेशानी नहीं है,” उसने कंधे उचकाते हुए कहा. “अगर उनके यहां भी हमारे जैसा सरकारी सिस्टम है तो यह एक राजनीतिक निर्णय हो सकता है. या फिर हो सकता है वे घबरा गए हों या उनके उपकरणों में कोई खराबी आ गई हो. हमारे पास पर्याप्त जानकारी नहीं है. हालांकि जैसे जैसे हमारा शिप प्रॉक्सिमा के नजदीक पहुंचेगा, वैसे वैसे हमें इन बातों के जवाब मिल पायेंगे.”

“यह बात मुझे परेशान कर रही है, श्रीनि. अगर हम यह मान लेते हैं कि वहां के राजनीतिक हालात बदल गए हैं तो फिर तो हमारा शिप सीधा खतरे की गोद में जा रहा है. वे मदद के लिए हमें पुकार नहीं सकते और हम चाह कर भी उन्हें मदद भेज नहीं सकते. यहां तक कि हम उन्हें सावधानी बरतने का संदेश भी नहीं भेज सकते. कहीं ऐसा न हो कि हम उन सब की बलि चढ़ा दें,” चिंता में डूबे प्रधानमंत्री ने कहा.

“क्या मैं कुछ बोल सकता हूँ, श्रीमान प्रधानमंत्री जी?” रक्षा मंत्री ने कहा. “अगर कोई खतरे या परेशानी की बात होती है तो हमारे पास शिप पर ऐसे साधन मौजूद हैं जो हमारे लोगों की रक्षा कर सकते हैं.”

“मुझे अफसोस है, सर” श्रीनि ने उनकी बात काटते हुए कहा. “शिप पर मौजूद लेज़रों की मारक क्षमता बहुत ही कम है. मुझे नहीं लगता कि लड़ाई की सिचुएशन में वे कुछ ज्यादा काम की साबित होंगी.”

“मैं लेज़र गनों की बात नहीं कर रहा हूँ, श्रीनि,” कनखियों से प्रधानमंत्री की ओर देखते हुए बलराज ने कहा. “शायद यही समय है श्रीनि को सब कुछ बताने का, प्रधानमंत्री जी.”

कुछ देर इस पर गहराई से सोचने के बाद प्रधानमंत्री ने धीरे से हां में सिर हिला दिया. उनके इस अजीबोगरीब व्यवहार से उलझन में फंसे श्रीनिवास बारी-बारी दोनों की ओर देख रहे थे.

“मुझे क्या बताने की बात हो रही है, सर?”

“पहले तुम बैठ जाओ, श्रीनि. ऐसा कुछ है जो तुम्हें जानना चाहिए. क्या तुम्हें याद है कि अंतरिक्ष के निर्माण के दौरान कुछ समय के लिए उसके निर्माण कार्य को रोक दिया गया था? दरअसल उस समय हमने गुप्त रूप से DRDO के माध्यम से उसमें कुछ खास चीजें जोड़ी थीं.”

“खास चीजें? कहीं आप का मतलब हथियारों से तो नहीं?” उसके दिमाग की परतें धीरे-धीरे खुलती जा रही थीं. प्रत्यूष ने इस बारे में उसे कुछ क्यों नहीं बताया?

“प्रत्यूष को मेरी ओर से सीधे ऑर्डर थे, तुम्हें इस बारे में कुछ नहीं बताने के लिए,” प्रधानमंत्री ने उसके मनोभावों को जैसे पढ़ लिया था.

“देखो डायरेक्टर, घर से इतनी दूर हमारे शिप के सामने किसी भी मुसीबत के आने की स्थिति में मैंने उसे हथियारों से थोड़ा और लैस करना ज्यादा उचित समझा,” डिफेंस मिनिस्टर ने सफाई दी. “यह बात तो तुम्हें भी माननी पड़ेगी कि युद्ध के दौरान हमारा निर्णय हमारे कू की सहायता ही करेगा.”

“आपने शिप पर कौन से हथियार रखे हैं, सर?” श्रीनि ने पूछा, मन ही मन वह प्रार्थना कर रहा था कि उसके दिल की शंकाएं झूठ साबित हों जाएं.

“हैवी ड्यूटी वाली लेजर तोपें और कुछ थर्मोन्यूक्लियर उपकरण.”

परमाणु बम - डायरेक्टर का दिल बैठ गया. शिप पहले ही एटॉमिक पावर से चलता था और अब इन बमों के वहां होने से खतरा और भी बढ़ गया था.

“चिंता मत करो, डायरेक्टर. ये बम असल में उपयोग करने के बजाय सिर्फ डराने के लिए हैं. मैंने उनके लिए दोहरी जिम्मेदारी का इंतजाम किया है. अगर कोई परेशानी पैदा होती है, तो मेजर रावत कैप्टन को तुरंत इनके बारे में सब कुछ बताएंगे और अगर कोई परेशानी होती ही नहीं है तो ये छिपे ही रहेंगे और हम तक वापस पहुंच जाएंगे,” डिफेंस मिनिस्टर ने कहा.

“क्या वे वापस आएंगे सर? हमने गहन स्पेस में गये ऐसे लोगों के हाथ में न्यूक्लियर बम पकड़ा दिए हैं, जो अकेले हैं और शायद खतरे में भी हैं. अगर उन्होंने उन्हें यूज कर लिया तो क्या होगा? क्या इससे इंटरस्टेलर युद्ध शुरू नहीं हो जाएगा? हमने उन लोगों के लिए तबाही की सौगात भेजी है, जिनसे हम कभी मिले भी नहीं हैं.”

सबकी जुबान पर जैसे ताला लग गया था. आखिरकार प्रधानमंत्री ही बोले, “मैं तुम्हारी भावनाओं की कद्र करता हूं, श्रीनि, लेकिन यह जरूरी था. मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी टीम इसे बिल्कुल सही तरीके से हैंडल करेगी.”

“अब दूसरी बात पर आते हैं,” प्रधानमंत्री ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, “डायरेक्टर, हमें एक और शिप चाहिए.”

“एक और शिप, सर?”

“हां श्रीनि. हमने इंटरस्टेलर स्पेस में जाने की अपनी क्षमता सबको दिखला दी है. अगर ‘अंतरिक्ष’ प्रॉक्सिमा तक नहीं भी पहुंच पाता है तो अब समय आ गया है कि हम इसके मूल डिजाइन में बदलाव करें और एक बड़ा, ज्यादा शक्तिशाली शिप बनाएं,” प्रधानमंत्री ने कहा. वे अपनी सीट से उठे और कमरे में चहल कदमी करने लगे. “इसके दो कारण हैं श्रीनि, कि हमारे लिए ऐसा करना जरूरी क्यों है. पहला: हमें अपने आसपास के सितारों से आगे बढ़कर अंतरिक्ष में और भी दूर तक जाना है. दूसरा: ‘अंतरिक्ष’ जो खोज करता है, वह अगर किसी भी प्रकार से धरती के हित में नहीं है, तो हमें अपने बचाव के लिए ज्यादा ताकतवर शिप की जरूरत होगी, और अगर जरूरत पड़े तो युद्ध को दुश्मन के ग्रह तक ले जाने के लिए भी.”

यह सब सुनकर श्रीनि सकते की हालत में थे. लेकिन वे यह भी समझ रहे थे कि अब बात उनके हाथ से निकल चुकी है. उन्हें एहसास हो रहा था कि धरती पर जीवन के मायने शायद बदल गए हैं, लेकिन वे इस बात से सबसे अधिक हैरान थे कि प्रधानमंत्री, जो हमेशा से शांति के पक्षधर रहे थे, अचानक युद्ध की बातें कैसे करने लगे थे. क्या डिफेंस मिनिस्टर के मिलिट्री वाले माइंड सेट का असर उन पर आ गया था या फिर वे ‘8’ के दबाव में थे. उन्होंने निश्चय किया कि वे थोड़ी और कोशिश करेंगे.

“लेकिन हम लोग युद्ध के बारे में सोच ही क्यों रहे हैं, सर? हमारा अब तक का सारा डेटा कहीं भी किसी खतरे की ओर इशारा नहीं करता.”

“तुम्हारी बात बिल्कुल सही है श्रीनि. लेकिन पिछले कुछ हफ्तों से अंतरिक्ष की ओर से किसी खबर का इंतजार करते हुए मेरे मन को यह सोचकर बड़ी तसल्ली मिलती है कि धरती से इतनी दूर स्पेस में अकेले हमारे लोग, जरूरत पड़ने पर कम से कम अपनी रक्षा तो कर सकते हैं. क्या आप किसी खोजी को गहरे जंगल में निहत्था भेज सकते हो, जबकि आप जानते हो कि जंगल ऐसे खतरनाक जंगली जानवरों से भरा पड़ा है, जो उसे नुकसान पहुंचा सकते हैं?”

“खैर, अब हम चाहते हैं कि तुम एक ऐसा शिप बनाने पर ध्यान दो, जो ज्यादा तेज चलता हो, ज्यादा लोगों को ले जा सके, स्वतंत्र रूप से काम कर सके और जब चाहे धरती से संपर्क कर सके. यह सारी चीजों की डिटेल है,” अंतरिक्ष खोज मंत्री ने निर्देश दिया.

“ठीक है, सर, मैं इसे देख लेता हूं.” श्रीनि ने सर हिलाकर कमरे में मौजूद लोगों का अभिवादन किया और कमरे से बाहर आ गये.

“मैं एक बात पहले ही साफ कर देना चाहता हूं, बलराज,” श्रीनि के बाहर निकलने पर प्रधानमंत्री ने कहा.

“अब और परमाणु हथियार नहीं. हमें नये शिप के लिए कोई विकल्प चाहियें. हमारे पास अंतरिक्ष उड़ान का एक ऐसा मॉडल है, जो वाकई काम करता है. मैं चाहता हूं कि FTL संचार अब तुम्हारी पहली प्राथमिकता होना चाहिए. हमें ताकत के साथ अंतरिक्ष में जाना है, लेकिन जिन लोगों से हम मिलते हैं उन्हें डराने के लिए नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे हमें कमजोर न समझें.”

“मैं समझता हूं, प्रधानमंत्री जी. मेरी टीम अभी भी इसी पर काम कर रही हैं. ‘अंतरिक्ष’ पर एक प्रायोगिक ट्रांसीवर भी है और एक बार जैसे ही हमें कोई प्रेक्टिकल हल मिलता है, मैं तुरंत आपसे बात करूंगा. यह सारी रिसर्च अभी भी बिल्कुल गोपनीय रखी जा रही है,” डिफेंस मिनिस्टर ने कहा. वे इस बात को अच्छी तरह समझ रहे थे कि वे अंतरिक्ष खोज के क्षेत्र में ज़बरदस्ती घुसपैठ कर रहे हैं.

## 2117 – इंसानी बस्ती

-----[-]-----

कैप्टन बड़ी ही सावधानीपूर्वक अपने शिप से उतरी और उसने लैंडिंग पैड की कठोर सतह को अपने पैरों के नीचे महसूस किया। इतने महीने स्पेस में गुजारने के बाद उसके EVA सूट से छन कर आती सूरज की हल्की किरणें भी उसे अपने चेहरे पर भली महसूस हो रही थीं। धरती वाले सूर्य के विपरीत यह काफी मंद और कुछ फैला हुआ था। वह कुछ कदम चली, फिर पीछे मुड़ी और रुक कर उसने अपने चारों ओर देखा। उसने पाया कि यहां धरती कि तुलना में कम रंग थे और बड़े पेड़ तो नदारद ही थे। कू के बाकी लोग भी उसके पीछे पीछे एक एक करके बाहर आ गए और सिक्योरिटी ऑफिसरों ने ग्रुप के आगे और पीछे अपनी पोजीशन ले ली।

वे सब यह सोच सोचकर काफी रोमांचित थे कि वे इस वक्त एक पूरी तरह अलग सोलर सिस्टम में इंसानों के लिए एक पूरी तरह अज्ञात ग्रह पर थे। हालांकि यह ज्यूपिटर या मार्स से काफी बेहतर था, जहां इंसानों को अपने वातावरण डोम में रहने पर मजबूर होना पड़ता था।

वे धीरे धीरे दूसरे शिप की ओर बढ़ने लगे। यहां ग्रेविटी धरती से ज्यादा प्रबल थी और इतने दिनों शिप में 0.9जी पर रहने के बाद एक एक कदम चलना भारी लग रहा था। उनके शरीर को इसके लिए अभ्यस्त होने में कुछ समय लगने वाला था। उनके सूटों में लगे डिस्प्ले ढेर सा डेटा दिखा रहे थे और कंट्रोल सिस्टम से लगातार उनकी टीम के सदस्यों की आवाजें आ रही थीं।

एक बार उनके सुरक्षित दूरी पर पहुंच जाने के बाद 'अंतरिक्ष' धीरे-धीरे हवा में उठने लगा और कुछ पलों में आंखों से ओझल हो गया। अब उनका संपर्क केवल उनके द्वारा पहने गए EVA सूटों के माध्यम से ही होना था।

उनके पास सिर्फ 1 या 2 दिन के लिए खाने और पीने की सप्लाई थी। एक ड्रोन उनके पीछे पीछे वैज्ञानिक और डॉक्टरी उपकरण लेकर उड़ रहा था। पैड पर खड़े जो के शिप में पूरी तरह सन्नाटा था। जो और लूसी अपने शिप के निकट खड़े उनका इंतजार कर रहे थे। उनके आसपास कुछ और इंसान खड़े थे।

अनारा ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया था कि वे शिप से उतरे थे या बस्ती से आए थे। वे सब एक ही उम्र के लग रहे थे और उन में आधे पुरुष थे और आधी औरतें। दोनों ग्रुप एक दूसरे की ओर बढ़ने लगे: एक के लोगों ने ऑरेंज जीवनरक्षक गियर पहने हुए थे और दूसरे ग्रे कलर के पजामों और ट्यूनिंग में थे। अनारा की सिक्योरिटी के आदमी लगातार अपने चारों ओर और उन दूसरे इंसानों पर नजर रखे हुए थे। उन सब के पास प्रोजेक्टाइल पिस्तौलें थीं, लेकिन अनारा का सख्त आदेश था कि वे उन्हें छुपा हुआ ही रखें और तब तक उनका उपयोग न करें जब तक उनके पास दूसरा कोई चारा न हो।

“हुज़रिस में तुम्हारा स्वागत है,” जो ने मुस्कुराते हुए उनका अभिवादन किया.. “ये हमारा घर. हम गांव जाएंगे और फिर बात करेंगे.”

अनारा ने हां में गर्दन हिलाई और सब लोग थोड़ी दूरी पर स्थित गांव की ओर चल दिए। यह गाँव एक गोले जैसे आकार में था। घर बिल्कुल सादे और पुराने जमाने जैसे थे जिन्हें धरती के हिसाब से सदी के मध्य का कहा जा सकता था। गलियाँ पक्की और साफ़ थीं। हालाँकि, पेड़ों, पौधों और फूलों के रंगों के अभाव में पूरा दृश्य एक जैसा लग रहा था। सब कुछ स्लेटी और काले रंग का था जिसके बीच बीच में कहीं कहीं जैसे गेरुए रंग के छींटे मार दिए गये थे। कंपाउंड के भीतर हरियाली केवल नाम मात्र के लिए थी।

“हम कहां जा रहे हैं, जो?” अनारा ने पूछा। उसके सूट के EVA हेलमेट से उसकी आवाज बिल्कुल साफ आ रही थी।

उसके दिमाग में अनेकों प्रश्न उमड़ रहे थे, लेकिन उसने खुद पर काबू रखा हुआ था। उसे यह बात काफी अजीब लग रही थी कि अभी तक किसी भी एलियन से उनका सामना नहीं हुआ था।

“हमें हॉल में जाना है, कैप्टन अनारा, लोग तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं,” जो ने जवाब दिया। उसके शिप के वातावरण के बाहर उसकी आवाज काफी भारी सुनाई दे रही थी, लेकिन ऐसा लगता था कि किसी बाहरी मदद के बिना वाक्य बनाने में उसे परेशानी हो रही है।

जब वे लोग गांव के मध्य में बनी एक अपेक्षाकृत बड़ी बिल्डिंग की ओर बढ़ रहे थे, तभी अनारा को रायन का संदेश मिला कि 'अंतरिक्ष' ऑर्बिट में पहुंच चुका है और उनकी पोजीशन के ठीक ऊपर है। वे लोग अब ऑपरेशन सेंटर से एक खुला चैनल चालू रखेंगे, जिससे शिप के सीनियर ग्रुप को लगातार पता चलता रहेगा कि नीचे सतह पर क्या हो रहा है।



यह बिल्डिंग किसी प्रकार के सामूहिक मिलन स्थल जैसी लग रही थी. हॉल के बाहर लोगों का एक दूसरा ग्रुप उनका इंतजार कर रहा था और उनके चेहरों पर उनकी एक्साइटमेंट साफ देखी जा सकती थी. वे ऑरेंज कपड़े पहने हुए अनारा और उसके ग्रुप के अन्य लोगों की ओर इशारे करते हुए आपस में बात कर रहे थे.

ये सभी नए इंसान भी एक ही उम्र के दिखाई दे रहे थे, लेकिन धरती के नजरिए से देखा जाए तो उनके पूर्वज शायद अलग-अलग थे. इसी बारे में सोचती सोचती अनारा वहां तक पहुंच गई. उनके वहां पहुंचने पर चुप्पी छा गई और सब लोग हॉल के अंदर घुस गए. रावत ने एक सिक्योरिटी ऑफिसर को दरवाजे के बाहर पोजीशन लेने का इशारा किया.

यह हॉल भी अंदर से उतना ही सादा था जैसा कि बाकी गांव. बीचों बीच एक गोल घेरे में कुछ बेंच पड़े थे, जिनका मुंह हॉल के मध्य की ओर था. लूसी के कहने पर अनारा सबसे आगे वाली बेंच पर जाकर बैठ गई और उसके बाद धीरे-धीरे हुज़रिस के बाकी लोग भी बची सीटों पर बैठ गए. सबके चेहरों पर एक उम्मीद की किरण दिखाई दे रही थी.

“जो,” अनारा ने अपनी बात कहनी शुरू की, “मुझे यह देख कर हैरानी भी हो रही है और खुशी भी कि इंसानों ने धरती से इतनी दूर यहां पहुंचने में सफलता प्राप्त की है, खास करके तब, जब धरती पर हम लोग अभी केवल इतनी स्पीड पर चलने में ही सफलता प्राप्त कर पाए हैं, जो हमें दूसरे स्टार सिस्टमों तक ले जा सकती है. हमने अब तक तुम पर विश्वास किया है. अब हमें अपनी बातों के जवाब चाहियें. तुम लोग कौन हो?”

“कैप्टन अनारा,” जो की आवाज दुख में डूबी हुई थी. “हम अनचाहे लोग हैं.”

“क्या मतलब है तुम्हारा,” अनारा का कौतूहल बढ़ गया, “मैं समझी नहीं.”

“जो यह नहीं बता सकता कि हम कहां से आए हैं, क्योंकि वह जानता ही नहीं. दरअसल हम में से कोई भी नहीं जानता,” एक दूसरा व्यक्ति बीच में बोला. “मेरा नाम जिम है.”

“जिम,” अनारा ने दोहराया और उसकी बात का मतलब समझने की कोशिश करने लगी. वह क्या बकवास कर रहा था!

“यहां पर हम 60 लोग हैं. गार्डियंस हमें ‘दूसरों’ से बचाने के लिए कुछ समय पहले यहां लेकर आए थे. अब हम यहीं रहते हैं,” जो ने कहा.

“तुम्हें कहां से लेकर आए थे? गार्डियंस हैं कौन? तुम इंग्लिश कैसे जानते हो? भगवान के लिए मुझे इन बातों के जवाब दो!” अनारा ज़ोर से बोली.

“मैं तुम्हें पूरी कहानी बताती हूं, कैप्टन अनारा,” लूसी बोली. “मैं यह नहीं बता सकती कि हम कहां से आए हैं. मैं जानती ही नहीं. हम छोटे थे. मुझे याद है जब हम दूसरे ग्रह पर थे. गार्डियंस हमारी देखभाल करते थे. वहां एक बिल्डिंग थी जिसमें हम सब रहते थे. वह अच्छा टाइम था.”

“क्या वहां तुम्हारे जैसे और भी लोग थे?”

“नहीं, जितना मुझे याद है, हम बस इतने ही थे,” लूसी ने औरों की ओर देखते हुए जवाब दिया, जैसे यह निश्चित कर रही हो कि वह अनारा की बात को सही समझी है.

उसके साथियों ने सिर हिलाकर सहमति जताई. “हम वहां 20 या 30 राउंड से थे. गार्डियंस हमेशा हमारे साथ रहते थे. उन्होंने हमें बहुत सी बातें सिखाई, हमारा ध्यान रखा, हमें खाना दिया. हम कभी बिल्डिंग से बाहर नहीं जाते थे. हम सिर्फ गार्डियंस को ही जानते थे.”

“बोलते रहो,” अनारा ने उसके हर शब्द पर ध्यान देते हुए उसे उत्साहित किया. उनकी टूटी-फूटी अंग्रेजी के बावजूद यह तो उन जासूसी रहस्यमयी नावेलों से भी ज्यादा मजेदार था, जो उसने आज तक पढ़े थे.

“फिर एक दिन बिल्डिंग में बहुत सारे लोग आए. उनके पास हथियार थे. उन्होंने सब कुछ तोड़ दिया और हमें और गार्डियंस को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की. लेकिन फिर सिपाही आए और उन्होंने हमें बचाया. वे हमें बिल्डिंग से बाहर ले गए और एक कैंप में रखा. तब हमने पहली बार शहर को देखा. यह बहुत बड़ा था. बहुत सुंदर. हम कई दिन तक कैंप में रहे. फिर एक दिन दो बड़े शिप आये. जैसा बाहर है वैसे. उस शिप से वे हम सब को और कुछ गार्डियंस को यहां ले आये. यह जगह ऐसी ही थी. उन्होंने हमें कहा, यह हमारे लिए है,” लूसी ने बोलना शुरू करते हुए कहा. “हर कुछ हफ्तों के बाद हमें कुछ खाना और दूसरा सामान मिलता है, लेकिन अब गार्डियंस यहां ज्यादा नहीं आते. हम अकेले हैं.”

“तुम्हारे ये गार्डियंस दिखते कैसे हैं? ये रहते कहां हैं?” डॉक्टर खान ने पूछा.

“वे हमारे जैसे नहीं हैं. हमसे थोड़े बड़े हैं. उनकी स्किन का रंग दूसरा है, उनका शरीर हमसे बड़ा है. तुम उनसे मिलोगे. वे अच्छे हैं. मुझे उनके ग्रह की लोकेशन नहीं मालूम, लेकिन वहां जाने में टाइम लगता है. धरती के टाइम

के हिसाब से पता नहीं कितना टाइम.”

“तुमने इंग्लिश बोलना कहां से सीखा?” अनारा का अगला प्रश्न था.

“जब हम पहली बार यहां आए तो यहां कई टीचर थे, जिन्होंने हमें हुज़रिस पर रहना सिखाया. उन्होंने हमें दिखाया कि मशीनों को कैसे चलाना है, पौधे कैसे उगाने हैं और कैसे रहना है. फिर वे चले गए. कभी-कभी वापस आकर हमें चेक करते थे और हमारे लिए कुछ सामान लाते थे. एक दिन बहुत से गार्डियंस आये. उन्होंने कहा कि सितारों के पार से हमसे कोई मिलने आ रहा है. इसलिए हमें उनसे बात करने के लिए एक नई भाषा सीखनी है और हमें शिप उड़ाना भी सीखना है. कई दिन तक वे यहां रहे, जब तक हम सब यह भाषा सीख नहीं गये,” लूसी ने जवाब दिया.

“तो इस तरह से तुम वह शिप उड़ाकर हमें मिलने में कामयाब रहे,” अनारा ने कहा. “अच्छा, यह बताओ लूसी, तुम सब लोग एक ही उम्र के दिखाई देते हो. तुम्हारे समाज के बच्चे और बूढ़े लोग कहां हैं?”

“बच्चे?” लूसी ने दोहराया और उसी समय जो ने झुककर उसके कान में फुसफुसा कर कुछ कहा. “हमारे कोई बच्चे नहीं हैं कैप्टन, न ही बूढ़े लोग, सिर्फ हम हैं.”

“और गार्डियंस के? क्या उनके बच्चे हैं?”

“हां, गार्डियंस के बहुत से बच्चे किफ़रविस पर हैं,” उस ने जवाब दिया.

“किफ़रविस? क्या यह गार्डियंस के ग्रह का नाम है?” अनारा ने पूछा.

“हाँ. यह बहुत दूर है.”

“और यहां पास खड़े रेडियो टेलिस्कोप के बारे में कुछ बताओ. उसे किसने सेट अप किया और उसे कौन चलाता है?”

“रेडियो टेलिस्कोप क्या होता है?” लूसी ने पूछा. उसके ग्रुप के बाकी लोग भी हैरानी से अनारा की ओर देख रहे थे.

“तुम्हारे गांव से कुछ दूरी पर धातु का जो बड़ा ढांचा खड़ा है, वह,” अनारा ने समझाने की कोशिश की.

“ओह, तुम्हारा मतलब है पोस्ट वन,” उसने कंधे उचकाते हुए जवाब दिया. “वह तो हमेशा से यहीं था, जब हम यहां आए. हमें वहां जाने की मनाही है. हम नहीं जानते कि वह क्या काम करता है.”

उसके जवाब अनारा के प्रश्नों का समाधान करने की बजाए अनेकों नए प्रश्न पैदा कर रहे थे. वह महसूस कर रही थी कि इन इंसानों को कहीं से गार्डियंस के ग्रह पर लाया गया है और ये उस ग्रह के मूल निवासी बिल्कुल नहीं हैं. अगर उसे इन के बारे में ज्यादा जानना है तो उसे इन गार्डियंस से मुलाकात करनी ही होगी. इसी दौरान कुछ और काम भी किए जाने जरूरी थे.

“हमें भी आपसे कुछ चाहिए कैप्टन,” जो ने थोड़ा हिचकिचाते हुए कहा. “आप कहां से आए हैं? आप हमारे जैसे ही दिखते हैं, बस थोड़े से अलग हैं. क्या हमारा आपस में....कोई संबंध है?”

“हम धरती नामक ग्रह से आए हैं, जो हुज़रिस से कई प्रकाश वर्ष दूर एक दूसरे सोलर सिस्टम में स्थित है,” उस ने जवाब दिया. उसे बिल्कुल पता नहीं था कि ये लोग प्रकाश वर्ष, दूरी और सोलर सिस्टम जैसे शब्दों को समझ भी पा रहे होंगे या नहीं.

“हमें कई साल पहले इस जगह से एक सिग्नल मिला था और अब हम उसकी जांच करने आए हैं. धरती पर तुम्हारे जैसे 10 अरब से भी ज्यादा लोग हैं और हमने कभी उम्मीद भी नहीं की थी कि यहां इतनी दूर हमें कोई इंसान देखने को मिलेंगे,” वह एक क्षण के लिए रुकी. वे लोग डरे हुए से ज्यादा उलझन और कौतूहल में दिखाई दे रहे थे. भगवान जाने उन पर क्या बीत रही थी.

शायद एलियनों के बार बार देखे जाने की खबरें आखिरकार सच ही थीं, लेकिन वह अभी भी विश्वास नहीं कर पा रही थी कि जवाब इतना सीधा और सरल था. अभी तो बहुत सी बातें बदल सकती थीं.

“लूसी, इससे पहले कि मैं तुम्हें और कुछ बताऊं, तुम यह बताओ कि अगर डॉक्टर खान कुछ टेस्ट करने के लिए तुम्हारे और बाकी लोगों के खून और टिशुओं के कुछ सैंपल लेते हैं, तो क्या तुम उसके लिए हाँ कहोगे? उससे हमें तुम्हारे बारे में और ज्यादा जानने में मदद मिलेगी. मैं वादा करती हूं कि इस से तुम्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा.”

“सैंपल?” ग्रुप के लोगों में बेचैनी कि एक लहर दौड़ गयी. जो ने अपने ग्रुप के सभी लोगों को एक कोने में आने का इशारा किया. वे सब वहां इकट्ठे होकर अनारा की बात पर बहस करने लगे. इस वक़्त वे किसी दूसरी भाषा में बोल रहे थे. कैप्टन ने अपने दिमाग में नोट किया कि उनसे उनकी भाषा के डेटाबेस के बारे में पूछेगी, ताकि वह अपने कंप्यूटर पर उसके लिए एक ट्रांसलेशन प्रोग्राम बना सके.

डॉक्टर खान अपनी सीट से उठ कर अनारा के बाजू में आकर बैठ गए. “कैप्टन, जब आप इनसे बात कर रही थीं, तो उस दौरान मैंने कुछ बेसिक विश्लेषण किया है. ये लोग इंसान ही लग रहे हैं. बेशक, बिना टेस्ट के हम पूरी तरह निश्चित नहीं हो सकते. लेकिन इस बारे में मैं निश्चित तौर पर कुछ नहीं कह सकता कि उससे भी हमें इनके मूल के बारे में कुछ पता चलेगा या नहीं. और यह भी कि धरती से इतने प्रकाश वर्ष दूर इस ग्रह पर ये लोग आखिर आए कैसे?”

“एक बार में एक काम, डॉक्टर. मुझे ऐसा लगना शुरू हो गया है कि सिचुएशन उससे कहीं ज्यादा बड़ी है, जितनी हम अंदाज लगा रहे थे. जब तक हम यहाँ इंतजार कर रहे हैं, मैं शिप से संपर्क करती हूँ. मुझे माधवन से कुछ ज़रूरी खोज करवानी है.”

## 2117 – नये विन्यास

-----[-]-----

“हां, कैप्टन. मैंने कॉपी कर लिया है कि आप चाहती हैं कि मैं नीचे खड़े रेडियो टेलिस्कोप का स्कैन करूं और पता लगाऊँ कि यह कैसे काम करता है और क्या हम इससे वापस धरती पर सिग्नल भेज सकते हैं,” माधवन ने कहा. “वहां नीचे अभी क्या चल रहा है, कैप्टन?” रायन ने पूछा. “मैंने आप लोगों की बातें सुनीं, लेकिन मुझे उसका मतलब समझ नहीं आया. ये लोग कौन हैं?” वह भी डॉक्टर खान की ही तरह बात कर रहा था.

“मैं पिछले कुछ घंटों में इकट्ठा किया गया डेटा शिप पर भेज रही हूँ, कमांडर. उसे देखो और इसकी एक कॉपी धरती पर भी भेज दो. और तुम्हारे प्रश्नों का जवाब देने के लिए हमें अभी तक नहीं पता कि ये लोग दरअसल कौन हैं. अगर ये हमें कुछ ब्लड सैंपल लेने देंगे तो शायद हम कुछ पता लगा पायें. तब तक तो हम सब एक ही नाव में सवार हैं, लेकिन हाँ, हम कह सकते हैं कि हमने थोड़ी प्रगति अवश्य की है. डॉक्टर खान सैंपल इकट्ठे करना शुरू करने वाले हैं, वे सबसे पहले इनका जेनेटिक विश्लेषण करना चाहते हैं. एक बार सैंपल तैयार होने पर वे तुम से संपर्क करेंगे.”

“समझ गया, कैप्टन.”

“दूसरे शिप के बारे में क्या खबर है, रायन? कुछ पता लगा कि वह अभी कहां है?”

“कुछ नहीं. हमने उस का नामोनिशान भी नहीं देखा. हम लगातार स्कैन कर रहे हैं. जरूर वह किसी एस्टीरॉयड या किसी चांद के पीछे छुपा है या फिर ग्रह के दूसरी ओर चला गया है, और इसीलिए हमें दिखाई नहीं दे रहा है.”

“हां, इस समस्या के साथ तो हमें रहना ही होगा. किसी भी अचानक बदलाव के लिए कू को अलर्ट रखना. और कोई खास बात?”

“हां कैप्टन, जब जो का शिप नीचे खड़ा था, तो मैंने उसका स्कैन किया है. इसमें किसी जीवित प्राणी के चिन्ह तो मुझे नहीं मिले, लेकिन मैं इस के ढांचे और डिजाइन के बारे में डेटा इकट्ठा कर रहा हूँ. हो सकता है इससे हमें कोई ऐसी बात पता चले जिससे हमारे सवालियों के जवाब मिल सकें.”

“यह तुमने अच्छा सोचा, रायन. मेरे दिमाग में तो यह बात आई ही नहीं. क्या तुम ग्रह की सतह पर जैविक रीडिंग के लिए भी एक स्कैन चला सकते हो? अगर हम यहां के पानी के स्रोतों में कुछ प्रोब गिरा दें तो वहां से भी हमें कुछ अच्छी रीडिंग मिल सकती है.”

“मैं इस पर काम कर रहा हूँ, कैप्टन. मैंने तीन प्रोब लॉन्च के लिए तैयार कर लिए हैं.”

“ठीक है, तय समय पर मैं तुमसे दोबारा संपर्क करूंगी. अनारा आउट.”

“हां तो, तुमने कैप्टन की सारी बातें सुनीं. अब हमें अपने काम पर लग जाना चाहिए. मनीषा, तुम दूसरे शिप पर नजर रखो. मैं 2 घंटे तक किसी और को तुम्हें रिलीव करने के लिए कहता हूँ. सैंडी, तुम प्रोब्स पर काम करो. हमने जो तीन इलाके चुने थे, हमें इन्हें वहां गिराना है. सारा डेटा इकट्ठा करो और 4 घंटे में मुझे रिपोर्ट करना. माधवन, चलो हम टेलिस्कोप का अपना काम जारी रखते हैं.”

ऑपरेशन सेंटर में मौजूद सभी लोग उन्हें दिए गए निर्देशों पर काम करने में व्यस्त हो गए, जबकि माधवन और रायन एक कोने में बने साइंस स्टेशन की ओर बढ़ गए. माधवन ने रेडियो टेलिस्कोप पर अपना कैमरा फोकस कर दिया और उसे उसके स्पेक्ट्रम से तस्वीरें मिलनी शुरू हो गई.

“मुझे यहां हल्की गर्मी की रीडिंग मिल रही है. ऐसा लगता है कि इसकी पावर खत्म हो रही है. मैं इसके साइज़ और स्केल की रीडिंग ले रहा हूँ. नारद, स्केल का एक चित्र बनाओ और मुझे इस सिस्टम के पावर पैक पर भी कुछ आंकड़े दो.”

“हमें यह भी देखने की जरूरत है कि क्या यह धरती की तरफ इशारा कर रहा है और यह नैरो बैंड पर ट्रांसमिशन करता है या ब्रॉडबैंड पर. अपने एक कंप्यूटर एक्सपर्ट को यहां बुलाओ, माधवन. देखते हैं कि क्या हम इसके कंट्रोल सिस्टम में घुसपैठ कर सकते हैं,” रायन ने निर्देश दिया.

“जब तक हम यह सब कर रहे हैं, तब तक क्यों न हम एलियन शिप के सिस्टम को जांचने का काम भी कर लें? बुरे से बुरे केस में भी हमें यह तो पता चल ही जाएगा कि यह सिस्टम कैसे सेट किया गया है.” रायन ने धीरे से सर हिलाया.

“हां, लेकिन इन दोनों कामों पर दो अलग-अलग टीमों को लगाओ. बाद में वे अपने नोट्स की तुलना कर

सकते हैं. हमें जल्दी जवाब प्राप्त करने की जरूरत है और जितने ज्यादा लोग इस पर काम करें उतना ही बेहतर होगा.”

माधवन को इस काम पर लोगों की नियुक्ति करने के लिए छोड़कर वह मनीषा के स्टेशन की ओर बढ़ गया. “और बताओ,लेफ्टिनेंट, सरफेस टीम को तो तुमने ट्रैकिंग पर लगा ही दिया होगा? नीचे ग्रह पर उनके साथ कितने लोग और हैं?” “हमारे ग्रुप को छोड़कर 60 कमांडर. वे सब सेंट्रल ढांचे के अंदर हैं.”

“और दूसरे शिप के बारे में अभी तक कुछ पता नहीं चला?” उसने पूछा और मनीषा ने न में सिर हिला दिया. “स्कैन करती रहो और जब तक प्रॉक्सिमिटी अलार्म चालू रहते हैं, ग्रह के पीछे की ओर भी कुछ पता लगाने के लिए कोशिश करना.” और तभी अचानक उसके दिमाग में एक विचार आया! “अच्छा, यह बताओ माधवन,” उसने इंजीनियर को पुकार कर पूछा, “हमारे जो डेटा पॉड हैं, उनमें संदेश भेजने और रिसीव करने - दोनों की क्षमता है, है न?”

“हां, बिल्कुल है, कमांडर,” माधवन ने कौतूहल से जवाब दिया. “और वे फ्रीक्वेंसी की बड़ी रेंज पर भी ट्रांसमिट कर सकते हैं?”

“उनके साइज की तो थोड़ी सीमा है, लेकिन हां, उनकी रेंज काफी अच्छी है.”

“तो अगर हम कुछ पॉड्स को लगातार स्कैनिंग बीम भेजने के लिए प्रोग्राम करें और पलटे में उन के नतीजों को शिप को भेजते रहें, तो इस तरह हम अपने खुद के सेंसरों की रेंज को काफी हद तक बढ़ा सकते हैं!”

माधवन के दिमाग की सारी नसें खुल गईं! “हां, और अगर हम उन सब को आपस में लिंक कर दें तो हमारी सर्च की चौड़ाई और गहराई दोनों ही बहुत बढ़ जाएंगी. क्या मैं इसे अभी कर दूँ?”

“हाँ, बिल्कुल. सारा डेटा मनीषा को भेज दो. नारद, जो भी चीजें हमें पता लगती हैं, उन्हें और होलो के डिस्प्ले को आपस में जोड़ने के लिए सिस्टम को सेट अप करो. साथ ही हमें हमारे चारों ओर के सिस्टम का भी एक व्यू ले लेना चाहिए. एस्ट्रोमीट्रिक टीम को भी अपना सारा डेटा भेजने के लिए कह दो. कैप्टन ने जो रिकॉर्डिंग मुझे भेजी हैं, मुझे उन्हें देखना है और यह पता लगाना है कि उन्होंने अब तक क्या क्या पता लगाया है.”

“मैंने रिकॉर्डिंग को स्कैन कर दिया है, कमांडर. और यह आपके स्टेशन पर चलने के लिए पूरी तरह तैयार है. इसमें बार-बार किन्ही गार्डियंस का जिक्र है जो किसी दूसरे सिस्टम के लगते हैं. मैंने एस्ट्रोमीट्रिक टीम को एक स्टार मैप भेजने के लिए कहा है, ताकि हम इसका पता लगा सकें.” ‘बढ़िया नारद. अभी हमें और भी बहुत कुछ पता लगाना है.”

रायन ने अपने स्टेशन पर जाकर सारी रिकॉर्डिंग को खंगालना शुरू किया. उसने गांव की कुछ खास जगहों पर फोकस किया और एक विस्तृत लेआउट व्यू पाने के लिए रीडिंग को कई फिल्टरों से गुजारा. फिर उसने जीवन के हर चिन्ह की पहचान करने के लिए व्यक्तिगत अभिज्ञापकों को नियुक्त कर दिया और उन्हें डेटा बेस पर मैप करने लगा. कैप्टन के वापस आने से पहले उसे इस पूरे इलाके की छोटी से छोटी चीज को अच्छी तरह समझ लेना था.

## 2117 – ताज़ा खोजें

-----[-]-----

हुज़रिस के लोगों को जो कुछ भी पता था, वह सब धरती से आए इन इंसानों को बता देने का समझौता हो जाने के बाद अब हॉल का माहौल फिर से हल्का हो गया था. डॉक्टर खान और डॉ. लियान उनके बीच में जाकर सैंपल इकट्ठा कर रहे थे और उन्हें अलग-अलग श्रेणियों में रख रहे थे. विश्लेषण के लिए आधारभूत डेटा शिप पर भेजा जा रहा था और अब उसके नतीजे आने शुरू हो गए थे. इन नतीजों की टेबल बनाने के लिए एक टीम शिप पर और एक यहाँ सतह पर मिलकर काम करने वाली थीं.

दोनों गुप्तों के लोग आपस में घुल मिल गए थे और अब वहाँ से बातों की काफी आवाज़ें आ रही थीं. ग्रह के छोटे रोटेशन पीरियड की वजह से इस ग्रह के दिन और रात धरती जैसे नहीं थे और कुछ समय के बाद उनमें से कुछ लोग वहाँ से चले गए थे, शायद अपने रोजमर्रा के कामों को करने के लिए. अनारा और उसके कू के लोग पहले ही 2 दिन और रात के चक्र से गुज़र चुके थे.

अनारा साइंस और मेडिकल टीमों के साथ मिलने के लिए कम्युनिटी हॉल के एकदम बाहर बने हुए वातावरण शरणगाह की ओर बढ़ गई. अब सतह पर यह उनकी सारी कार्यवाहियों का बेस बन गया था, जहाँ वे लोग EVA सूटों के बिना काम कर सकते थे, खा सकते थे और सो सकते थे. जब वह अंदर घुसी उसने देखा कि उसके ग्रुप के दो लोग थोड़ा नींद लेने की कोशिश कर रहे थे, जबकि डॉक्टर खान डिस्प्ले के ऊपर झुके हुए थे, जो चार्टों और ग्राफों के साथ ढेर सा डेटा दिखा रहा था. उन्होंने सर उठा कर ऊपर देखा. उनके हाव भाव से वे काफी ज्यादा थके हुए लग रहे थे, लेकिन उनकी आंखें चमक रही थीं.

“तुम बिल्कुल सही समय पर आई हो, कैप्टन,” उन्होंने कहा. “मेरे पास जेनेटिक और शारीरिक विश्लेषण, जो हमने किया था, उसके पहले नतीजे आ गए हैं.”

“और क्या कहते हैं ये नतीजे?” अनारा ने पूछा. “इसके बारे में कोई संदेह नहीं है कि ये लोग उतने ही इंसान हैं, जितने मैं और तुम. अब हम कम से कम थोड़ा आराम कर सकते हैं और इसके सहारे आगे बढ़ सकते हैं. साथ ही अब मैं पूरे विश्वास के साथ यह भी कह सकता हूँ कि ये लोग किसी जेनेटिक छेड़छाड़ का नतीजा नहीं हैं. इनके जींस में कुछ भी कॉमन होने का कोई सबूत नहीं है. वास्तव में ये लोग एक दूसरे से उतने ही भिन्न हैं, जितना कि मैं तब चाहता, जब मैं इस ग्रह पर कॉलोनी बसाने के बारे में सोच रहा होता. सिर्फ एक बात है कि वंश वृद्धि के लिए इनका जीन पूल बहुत ही छोटा है. और इन सब की उम्र करीब करीब एक ही है, जहाँ तक मैं समझ पा रहा हूँ ये सब एक ही दिन पैदा हुए हैं.”

“यानि हमारे सामने कुछ ऐसे लोगों का समूह है, जिनका प्राकृतिक तरीके से या किसी बनावटी तरीके से गर्भाधान किया गया और तब इनका जन्म हुआ, क्या ऐसा कहना ठीक होगा?”

“हां, और इसके अलावा उनके पूरे जीवन में धरती की किसी भी बीमारी के उन पर असर करने का भी कोई सबूत मुझे नहीं मिला है, सिवाय आनुवंशिक बीमारियों के जेनेटिक चिन्हों के. इसका मतलब यह है कि इस बात की पूरी संभावना है कि ये या तो धरती से एक बिल्कुल अज्ञान वातावरण में पले बढे हैं या फिर पूरी तरह स्टेटाइल परिस्थितियों में. जैसे हुज़रिस या...या फिर कोई लैब,” डॉक्टर खान ने अपनी बात पूरी की.

“तो इसका मतलब यह हुआ कि अब तक उन लोगों ने हमें जो भी कहा वह सब सच था. हालांकि फिर भी मैं इस बात को अभी तक नहीं समझ पा रही हूँ कि बिना मां बाप या किसी अन्य इंसानी संपर्क के बिना वे इतने समय से जीवित कैसे रह रहे हैं.”

“इससे एक और बात याद आयी, कैप्टन,” डॉक्टर खान ने कहा, “लूसी गर्भवती है!”

“क्या? यह तो हैरानी की बात है! मैं तो उम्मीद भी नहीं कर रही थी कि ये लोग गर्भाधान के बारे में कुछ जानते भी होंगे! क्या उसे यह बात मालूम है?”

“मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता. अभी काफी शुरुआती अवस्था है, इसलिए हो सकता है उसे इस बात के बारे में पता ही न हो. आपकी अनुमति से मुझे इस बारे में उसे बताना होगा. और हाँ, यह भी बता दूँ कि अन्य कोई भी औरतें गर्भवती नहीं हैं.”

“उसे अभी कुछ मत बताना. उनकी बैकग्राउंड और उनके गार्डियनों के बारे में और ज्यादा जाने बिना हमें उनके जीवन चक्र को डिस्टर्ब नहीं करना चाहिए. वास्तव में मैं चाहती हूँ कि यह सूचना फिलहाल मेरे और तुम्हारे अलावा और किसी तक भी न पहुंचे, जब तक हम आगे निर्णय न ले लें कि हमें इस बारे में क्या करना है. मेरे

ख्याल से तुम ने अब तक यह तो पता लगा ही लिया होगा कि बच्चे का पिता कौन है? मैं यह मानकर चल रही हूँ कि यह एक प्राकृतिक गर्भ है।”

“हां, जहां तक मुझे समझ आ रहा है, यह प्राकृतिक ही है और मैं इसे सीक्रेट रखने की जरूरत को भी समझ सकता हूँ। मैं इन रिकॉर्डों को अपनी कॉन्फिडेंशियल फाइल में डाल देता हूँ।”

अनारा ने सर हिलाया और अपने EVA सूट की ज़िप बंद करते हुए बाहर चली गई, उसका दिमाग ओवर टाइम पर काम कर रहा था। उसे यह समझ नहीं आ रहा था कि इस प्रेगनेंसी की खबर को वह किस तरह हैंडल करे। यह एक बार फिर से सिद्ध हो गया था कि किसी भी जाति को बढ़ाने के लिए प्रकृति हमेशा रास्ता ढूँढ लेती है। उसके हिसाब से इन लोगों को इंसानी प्रजनन प्रक्रिया के बारे में जरा भी अंदाजा नहीं था, लेकिन यह बात उन्हें रोक नहीं पाई थी। खैर, जो भी हो, अभी एक बार तो इसे पेंडिंग रखा जाना जरूरी था। जैसे ही वह बाहर निकली उसने कू के एक सदस्य को मिट्टी के सैंपलों पर काम करते देखा और निश्चय किया उसके पास जाकर पूछे कि उसे अब तक क्या पता चला है। वैज्ञानिक ने अनारा को आते हुए देखा और अपने पास जमीन पर पड़ा अपना पैड हाथ में उठा लिया। “अब तक क्या पता चला, तारा?”

“काफी कुछ पता चला है, कैप्टन। मैं आपको रिपोर्ट देने से पहले डॉक्टर लियान के जागने का इंतजार कर रही थी,” तारा ने जवाब दिया।

“तुम मुझे एक छोटा सा हिंट दे सकती हो और उसके बाद हम इसे डॉक्टर के साथ विस्तार से डिस्कस कर सकते हैं।”

“ठीक है, मैम। अब यह ग्रह किसी भी बड़े स्तर की पर्यावरण संबंधी छेड़छाड़ से नहीं गुज़रा है, कम से कम हमारी लोकेशन के आसपास तो बिल्कुल नहीं। पानी के सारे स्रोत प्राकृतिक हैं और मैंने अंतरिक्ष की टीम को एक जियोलाजिकल सर्वे करने के लिए कहा था। उन्होंने यह पता लगाया है कि यहां पर पानी अंडरग्राउंड स्रोतों से आ रहा है। बारिश या नमी के कोई ज्यादा प्रमाण मुझे नहीं मिले हैं, इसलिए काफी संभावना है कि सारा पानी सतह के नीचे ही बंद है।”

“तो यहां पानी प्राकृतिक रूप से मौजूद है और उसके बावजूद बैक्टीरिया और वायरस के अलावा जीवन के कोई सबूत नहीं मिले हैं और साथ ही पौधे भी काफी सीमित मात्रा में हैं। वैसे तो यह पूरा ग्रह बंजर ही है, लेकिन अगर हम यह मानकर चलें कि एक और ग्रह है, जहां से ये गार्डियंस आते हैं, तो यह तीसरा ग्रह होगा जहां जीवन विकसित हुआ है।”

“हां, कैप्टन, मिट्टी में मौजूद खनिज, ज्वालामुखी गतिविधियां और हवा की बनावट - ये सब कुछ धरती से काफी मिलते जुलते हैं और यहां का वातावरण ‘गोल्डीलॉक्स जोन’ में है, जहां जीवन प्राकृतिक रूप से विकसित हो सकता है। हालांकि मैं इस बारे में कुछ नहीं कह पाऊंगी कि हुज़रिस के लिए यह बात सही है या नहीं। इसे तो खगोल जीवविज्ञानी ही निश्चित करेंगे।”

“बिल्कुल, तारा। तुम और क्या-क्या ढूँढ रही हो?”

“सबसे पहले तो डॉक्टर लियान ने मुझे स्थानीय इलाके का विश्लेषण पूरा करने के लिए कहा है और फिर उस खोज को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने कुछ ज्यादा दूरी से सैंपल लाने के लिए कुछ ड्रोन भेजे हैं। वे सीधे शिप पर भेज दिए जाएंगे। हम पानी के स्रोतों की गहराई से भी और सैंपल ले रहे हैं और जमीन को खोदकर देख रहे हैं कि हम अंडरग्राउंड पानी के स्रोतों तक पहुंच पाते हैं या नहीं। इस सबसे हमें ग्रह की भौगोलिक तस्वीर बनाने में काफी मदद मिलेगी।”

“थैंक्स। तुम बढ़िया काम कर रही हो। मैं जल्दी ही तुमसे दोबारा बात करूंगी,” अनारा ने कहा और उठ खड़ी हुई। अब वह सोच रही थी कि आगे क्या किया जाए। भूविज्ञान काफी महत्वपूर्ण था, लेकिन इसमें उसे कोई रुचि नहीं थी। वह इस मामले को इस के जानकार लोगों के लिए छोड़ देने के लिए काफी स्मार्ट थी। हालांकि ग्रह के विकास का इतिहास जानने से उन्हें यहां भविष्य में आकर बसने की संभावनाओं को समझने में काफी मदद मिलती, अगर गार्डियंस इसके लिए हामी भर दें, उसने उदास मन से सोचा।

इस ग्रह और इसके संसाधनों पर मालिकाना हक किसका था, यह सब धरती पर मौजूद कानूनी दिमागों के सोचने समझने की बात थी। उसे इस बात से कोई लेना देना नहीं था। जहां तक धरती के सोलर सिस्टम का सवाल था, अंतर्राष्ट्रीय नियम और शर्तें जरूर सीधे-सीधे उस पर लागू होते थे, जो यह बताते थे कि ग्रह, सभी चांद और दूसरे आकाशीय पिंड कम्युनिटी संसाधन थे और धरती पर मौजूद सभी लोगों का उन पर हक था। हालांकि इन नियमों को गार्डियंस किस तरह से लेंगे यह सोचने वाली बात थी। उसने हॉल में वापस जाकर वहां चल रहे काम का जायजा लेने का फैसला किया।

अब हुज़रिस के लोगों को उनके मूल के बारे में बताने का भी समय आ गया था. हालांकि अगर सच कहा जाए तो उसके पास बहुत ही सीमित जानकारी उपलब्ध थी. दूसरी ओर गार्डियंस उसके सारे सवालों का जवाब देने में समर्थ हो सकते थे. अब तो उसके मन में दूसरों तक पहुंचने की भी इच्छा पैदा हो रही थी, अगर यह किसी तरह से उसके काम में मददगार होता.

तभी मेजर भी आकर उसके साथ साथ चलने लगा, “यह जगह काफी असुरक्षित है कैप्टन और ऐसा लगता है कि इन लोगों के पास नाम के लिए भी कोई हथियार नहीं हैं. इनके गार्डियंस ने इन्हें बिल्कुल निस्सहाय छोड़ दिया है,” उसने अपना विचार रखा.

“क्या मेजर, तुम भी! तुम्हें यहां इस सुनसान ग्रह पर हथियारों की क्या जरूरत है?”

“हां, कहने को तो यह सुनसान है, लेकिन हम फिर भी यहां आए हैं. अगर हम स्पेस में घूमने वाली कोई खतरनाक जाति होते, जो इस दुनिया को नष्ट करना चाहती, तो?”

“तुम थोड़ा ज्यादा ही फ़िल्मी हो रहे हो, मेजर,” अनारा ने मुस्कराते हुए कहा.

“खैर, मेरे ख्याल से आज मुझे मेरी सारी रिपोर्ट मिल जाएंगी. तुम्हें अब तक क्या पता चला है?”

“कुछ खास नहीं. इनके पास कोई भी बचाव या मारक क्षमता नहीं है. इनके शिप पर जो हथियार थे, लगता है कि वे भी हम पर हमला करने वाले हथियारों के घटिया वर्जन हैं और पूरे ग्रह पर बस वही एक अकेला हथियार है. अगर ये लोग ‘दूसरों’ से इतना डरते हैं तो मेरे ख्याल से इनके पास थोड़े तो हथियार होने चाहिए थे. कहीं पर भी एक प्रॉजेक्टाइल राइफल या कोई धनुष बाण तक नहीं है. मुझे लगता है कि क्योंकि यहां कोई जानवर नहीं है इसलिए इन लोगों को शिकार करना भी नहीं आता होगा.’

“हो सकता है गार्डियंस बिल्कुल यही चाहते हों, मेजर! इन लोगों को बिल्कुल अकेला इस तरह से यहां छोड़ना किसी बड़े प्लान का हिस्सा भी तो हो सकता है,” अनारा ने कहा.

“अब मैं तुम्हें एक काम बताती हूं. हमारे ग्रुप में केवल 3 लड़ाके हैं, एक तुम और दो तुम्हारे गार्ड. तुम तीनों अलग-अलग फैल जाओ ताकि हम किसी इमरजेंसी की हालत में ज्यादा बेहतर तरीके से प्रतिक्रिया कर सकें. तुम तीनों के एक ही जगह पर रहने से हमारा उद्देश्य हल नहीं होगा. हमें थोड़े से छुपाव की जरूरत है और अगर इमानदारी से कहूं तो मुझे इन हुज़रिस लोगों से किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं दिखाई देता. हमारा असली खतरा तो ‘दूसरों’ से होगा या फिर गार्डियनों से.’

“हूँ..तो आपको क्या लगता है कि वे लोग वापस आएंगे कैप्टन - ‘दूसरे’ या गार्डियंस?”

“मैं उन दोनों के ही वापस आने की उम्मीद कर रही हूं मेजर, आज नहीं तो कल. जो ने हमें जो बताया है उस के आधार पर गार्डियंस तो निःसंदेह अपने रास्ते पर हैं, और मुझे पूरा यकीन है कि दूसरे सिस्टम के भीतर ही कहीं छिपे हुए सही समय का इंतजार कर रहे हैं.”

वे बातें करते-करते हॉल तक पहुंच गए थे. अनारा वहां खड़े गार्ड के साथ से होते हुए हॉल में घुस गयी और मेजर गार्ड से बात करने के लिए वहीं रुक गया

हॉल अब आधा खाली हो चुका था, हालांकि चुने गए नेता अभी भी एक छोटे झुंड में कमरे के बीच बैठे हुए थे. वह डॉक्टर खान को वहां आने का मैसेज भेजते हुए उनकी तरफ बढ़ गई.



## 2117 – ‘दूसरों’ का आगमन

-----[-]-----

ऑपरेशन सेंटर में प्रॉक्सिमिटी अलार्म अपनी तेज आवाज में लगातार बज रहे थे और पूरे शिप पर अलर्ट सायरन गूँज रहे थे। सारा कू अपने-अपने स्टेशनों की तरफ भाग रहा था। ‘तुम्हारे पास क्या खबर है, नारद? उसे तुरंत होलो पर लेकर आओ,’ रायन ने आदेश दिया। कुछ मुख्य लोग आराम करने के लिए गए ही थे कि तभी ये अलार्म बजने शुरू हो गए थे और वह उम्मीद कर रहा था कि वे सब अपने-अपने स्टेशनों पर पहुंचने वाले होंगे। हाल के हफ्तों में उनके द्वारा की गई ड्रिलों से वह काफी संतुष्ट था, जिनके कारण यह सुनिश्चित हो गया था कि कोई भी खतरा होने पर कू के लोग तुरंत प्रतिक्रिया करेंगे।

मनीषा को ऑपरेशन सेंटर में घुसते और कंट्रोल पर अपनी जगह लेते देख उसने राहत की सांस ली। अगर उन्हें अचानक वहां से भागना या लैंड करना पड़े, तो उसे उस की विशेषज्ञता की बहुत ज्यादा जरूरत थी। उसने माधवन को पावर प्लांट में भेजा था और मेजर का सहायक लेफ्टिनेंट केडशम डिफेंस स्टेशन पर था।

“एक संपर्क हुआ है, कमांडर, दूरी 20 लाख किलोमीटर, कूज़ स्पीड पर हमारे नजदीक आते हुए। शिप का साइज़ और कॉन्फिगरेशन बिल्कुल वैसा ही है, जैसा M2575 का था, जिस से पहले हमारा सामना हुआ था। सारा डेटा मैंने होलो पर ट्रांसफर कर दिया है,” नारद ने रिपोर्ट दी।

होलो पर दूरी, वेलोसिटी और वेक्टर की रीडिंग दिखाते हुए अब M2982 के लिए एक नया लाल चिन्ह नजर आने लगा।

“मनीषा, कैप्टन को एक अर्जेंट संदेश भेजो। दुश्मन वापस आ गया है। हम इसे ग्रह से दूर रखने की कोशिश कर रहे हैं और उनके निर्देशों का इंतजार कर रहे हैं। नारद, पोल के ऊपर वाले पॉड को प्रोग्राम करो और उसे डेटा भेज दो।”

“मैसेज सेंट, प्रायोरिटी वन। अभी तक कोई जवाब नहीं।”

“लेफ्टिनेंट केडशम,” अब उसने मेजर के सहायक को संबोधित किया, “जैसे ही मैं कहूँ, गनों को फायर करने के लिए तैयार रखो। माधवन, पावर को फुल कपैसिटी पर ले जाओ। हमें जल्दी ही इसकी जरूरत पड़ेगी।”

“ठीक है, सर,” लेफ्टिनेंट और माधवन ने सहमति जताई। लेफ्टिनेंट ने पिछले कुछ हफ्तों से मेजर के साथ ट्रेनिंग ली थी और उन्होंने सिर्फ 10 सेकंड के अंदर हथियारों को चलाने के लिए तैयार करने का काफी अभ्यास किया था।

सारी तैयारियां पूरी करने के बाद अब हर किसी का ध्यान होलो पर दिख रहे लाल चिन्ह की ओर था, जो तेजी से उनके पास आता जा रहा था। 10,000 किलोमीटर दूर रह जाने पर इसकी स्पीड घटकर सौ किलोमीटर प्रति सेकंड हो गई और यह धीरे-धीरे और पास आने लगा।

“सब लोग एक्शन के लिए तैयार हो जाओ। मनीषा, अगर जरूरत पड़े तो एक्शन के लिए शत्रु को भुलावे में डालने वाला एक प्रोग्राम तैयार करो और कंट्रोल नारद को दे दो,” रायन ने आदेश दिया। AI ऐसी सिचुएशन में ज्यादा तेजी से प्रतिक्रिया कर सकता था। मनीषा के हाथ पैड पर ये सारी कमांड फीड करने में लगे थे, जबकि उसकी आंखें होलो, उसके डिस्प्ले और स्क्रीन पर नजर आती तस्वीरों पर जमी हुई थीं।

उसने नारद को कंट्रोल दे अवश्य दिए थे, लेकिन अगर उसे कहा जाता तो वह उन्हें क्षण भर में ही वापस भी ले सकती थी। इस बार दुश्मन ने पास आने का भी इंतजार नहीं किया। कई किलोमीटर दूर से ही उसके इरादे नजर आने लगे और लेजर की एक लाल किरण अंतरिक्ष की ओर लपकी। अंतरिक्ष ने तेजी से एक ओर झुकाई देकर उससे अपना बचाव किया। लेकिन एक सेकंड के हजारवें से भी छोटे हिस्से का अंतर रह जाने के कारण वह लाल बीम शिप के हल को छूते हुए निकल गई। ऑपरेशन सेंटर में कई और अलार्म बजने शुरू हो गए और उससे हुए नुकसान का डेटा सारी स्क्रीनों पर नजर आने लगा।

“लड़ने का समय आ गया है, दोस्तों। नारद, नुकसान का सारा डेटा अभी के लिए सिर्फ इंजीनियरिंग के लिए रखो। ऑपरेशन सेंटर की स्क्रीनों को क्लियर कर दो!”

रायन ने कुछ पलों के लिए फायरिंग को स्थगित करने का फैसला किया, उसकी गन इतनी तेज नहीं थीं कि शिप कलाबाजी खाते हुए उसी समय पर वार भी कर सके। उसे दोनों जहाजों के बीच कुछ दूरी बनाए रखने की आवश्यकता थी। “नारद, हम दुश्मन को धोखा देने के लिए सामने की ओर बढ़ेंगे। हमें दुश्मन की सीध में रखो,” उसने आदेश दिया।

वह अपनी नजर की रेखा को बिल्कुल साफ़ रखना चाहता था। इतने में ही एक दूसरी लाल बीम दुश्मन के शिप से निकली और अंतरिक्ष को एक बार फिर से झटका लगा, जब नारद ने उसे एक ओर हटाया। “लेफ्टिनेंट, एक शॉट फायर करो। फुल पावर के साथ,” रायन ने आदेश दिया। “खेल खेलने का समय आ गया है।” अंतरिक्ष से नीली लेजर बीम निकली लेकिन दुश्मन उसे चकमा देने में सफल रहा।

“लगता है ये लोग पूरी तरह तैयार होकर आए हैं और उनका शिप भी हम से ज्यादा पैतरेबाजी कर सकता है,” रायन जैसे अपने आपसे ही बातें कर रहा था। “प्रोजेक्टाइल तोपें लोड करो। फायर वन। फायर टू。”

हालांकि इन प्रोजेक्टाइल तोपों की रेंज काफी सीमित थी, लेकिन रायन को उम्मीद थी कि विस्फोट से उन लोगों का ध्यान अवश्य बंटेगा। उसे इन तोपों को किफायत से चलाने की भी जरूरत थी, क्योंकि उसके पास बमों की सप्लाय काफी सीमित थी, लेकिन हो सकता है कि वे अंतरिक्ष से HE की उम्मीद ही न कर रहे हों।

“एक और दो फायर कर दिए गए हैं,” जैसे ही दोनों HE लांच कर दिए गए, लेफ्टिनेंट ने रिपोर्ट दी। वे दोनों कुछ दूरी तक गए और शिप के सामने उससे कई किलोमीटर की दूरी पर फट गए।

सामने वाले शिप पर उनका कोई असर नहीं हुआ और न ही रायन ऐसी कोई उम्मीद कर रहा था। यह तो सिर्फ ताकत का एक प्रदर्शन मात्र था। दुश्मन के शिप से तीसरा बार स्पेस से गुजरता हुआ उनके पास आया और एक बार फिर वे उसे चकमा देने में सफल रहे। अब रायन को चिंता होने लगी थी। साफ़ दिख रहा था कि वे लोग अच्छी खासी तैयारी के साथ आए हैं और यह लड़ाई काफी लंबी चलने वाली है। उसका शिप सिर्फ एक खोजी शिप था, यह लड़ाई के लिए नहीं बनाया गया था। एक्स्ट्रा हमले की क्षमता के बावजूद उसके अंदर पैतरेबाजी की उतनी क्षमता नहीं थी, जितनी अभी उन्हें जरूरत थी।

“कैप्टेन संचार पर हैं, सर,” मनीषा ने कहा।

“कैप्टन, हम पर फिर से हमला हुआ है। मैं निश्चित तौर पर नहीं कह सकता कि हम कितनी देर इन का मुकाबला कर पाएंगे। इस बार लगता है ये हमें हराने का पक्का इरादा करके ही आए हैं। हम आपकी पोजीशन के ऊपर ऑर्बिट में हैं और हम पूरी कोशिश करेंगे कि उन्हें यहां से दूर भगा दें,” चौथे बार से बचने के जैसे ही शिप एक बार फिर से लड़खड़ाया, रायन चिल्ला कर बोला।

“रायन, तुम्हारी पहली प्राथमिकता है शिप और उसके क्रू के लोग! यहां से तुरंत निकल जाओ! सिचुएशन अब तुम्हारे हाथ में है। जो जरूरी हो वह करो। हमारे बारे में चिंता मत करो। अगर जरूरत पड़े तो हमें यहीं छोड़ कर निकल जाओ और हमें लेने तुम बाद में वापस आ सकते हो,” अनारा ने आदेश दिया।

“समझ गया, कैप्टन, लेकिन अगर ऐसे ही चलता रहा तो वापस आने के लिए आपके पास पूरा शिप होगा ही नहीं। जब तक संभव होगा मैं आपको खबर देता रहूंगा, रायन आउट。”

“नारद एस्टीरॉयड फील्ड तक के लिए एक एस्केप रूट तैयार करो। हमें इसकी जरूरत पड़ सकती है। लेफ्टिनेंट, तोपों को फुल स्पीड पर चलाकर दो और HE फेंको。”

अंतरिक्ष से निकले दोनों शॉट दूसरे शिप के बिल्कुल पास जाकर विस्फोट हुए और जैसे ही उनकी शॉकवेव उससे टकराई, वह लड़खड़ा गया। ऐसा लगा जैसे वह थोड़ा सा हिचकिचाते हुए कुछ धीमा हो गया। लेकिन इस बार उन्होंने उन पर हुए हमले का जवाब देते हुए एक बड़ा विस्फोट किया और इस बार ‘अंतरिक्ष’ स्पेस में बुरी तरह लड़खड़ा गया। पूरे शिप की पावर सप्लाय बंद हो गई और इमरजेंसी लाइटें जलने लगीं।

“कमांडर, इस बार बार शिप पर हुआ है! पूरे शिप की पावर कट चुकी है। मुझे सर्किटों को वापस ठीक करने के लिए टाइम चाहिए,” माधवन की बुरी तरह घबराई हुई आवाज़ कंट्रोल पर गूंजी। वे चारों ओर से बिल्कुल असुरक्षित थे। रायन को शिप को वहां से निकाल ले जाने की जरूरत थी।

“नारद, क्या हमारे पास अभी भी शिप को स्टार्ट और उड़ा सकते हैं?”

“हां कमांडर, हम सीमित मूवमेंट कर सकते हैं और प्रोजेक्टाइल तोपें भी चला सकते हैं。”

“कंट्रोल वापस मनीषा को दे दो। मनीषा, तुम कंट्रोल पर जाओ और फुल थ्रस्टर पर शिप को एस्टीरॉयड फील्ड पर ले जाओ,” रायन ने आदेश दिया। “लेफ्टिनेंट, हमें कवर देने के लिए दो और HE छोड़ो。”

“और जो लोग नीचे ग्रह पर हैं, उनका क्या कमांडर?” मनीषा घबराकर चिल्लाई।

“हम उन्हें लेने वापस आएंगे। चाहे जो भी हो जाए, मैं उन्हें छोड़ कर जाने वाला नहीं हूं। लेकिन फिलहाल हमारी प्राथमिकता शिप को बचाना है। हमें उन से थोड़ी दूरी बनाने की जरूरत है!”

सारे थ्रस्टर चालू होने से ‘अंतरिक्ष’ में थोड़ी वाइब्रेशन हुई और यह एस्टीरॉयड बेल्ट की तरफ बढ़ना शुरू हो गया। दुश्मन की ओर से एक आखिरी बार आया, जिसका निशाना ज़रा सी दूरी से चूक गया। जैसे जैसे ‘अंतरिक्ष’ स्पीड पकड़ रहा था, सबकी आंखें होलो पर यही देखने के लिए जमी थीं, कि कहीं व उनका पीछा तो नहीं कर

रहा है. लेकिन उसकी बजाय यह उस जगह पर जाकर खड़ा हो गया, जहां कुछ देर पहले अंतरिक्ष खड़ा हुआ था.

“मुझे लगता है वे केवल हमें डरा कर यहां से भगाना चाहते थे कमांडर, नहीं तो हमें यहां से जाने क्यों देते,” मनीषा ने टिप्पणी की.

“तुम्हारी बात ठीक हो सकती है, मनीषा, लेकिन फिलहाल हम जिस स्थिति में हैं, उसमें हम यह चांस नहीं ले सकते. एस्टीरॉयड बेल्ट तक पहुंचने का अनुमानित समय?”

“सबसे बाहरी सिरे तक पहुंचने के लिए एक घंटा, कमांडर,” उस ने जवाब दिया.

“एक बड़ा वाला ढूँढना जिससे हम सुरक्षित तरीके से लैंड कर सकें, उससे हमें बाहर के हिस्से की मरम्मत करने में मदद मिलेगी. नारद, जितना भी नुकसान हुआ है, मुझे उसका पूरा हिसाब चाहिए. साथ ही, फिलहाल हमारे पास जो संसाधन मौजूद हैं, उनसे उसकी मरम्मत में लगने वाले समय का अनुमान भी. लेफ्टिनेंट केडशम, दुश्मन की किसी भी गतिविधि के लिए बाहर नजर रखना. मैं माधवन के साथ रहूंगा,” अपनी सीट से उठकर दरवाजे की ओर बढ़ते हुए रायन ने कहा. फिर वह रुका और पीछे मुड़ा, “सारी बातों को देखते हुए मुझे लगता है कि हमने बढ़िया काम किया है. देखते हैं कि अगली बार हम कैसे जीत नहीं पाते,” उसने कहा.

जब रायन तेजी से पावर प्लांट की ओर बढ़ रहा था, तभी कंट्रोल पर नारद की आवाज गूंजी, “अनुमान लगा लिया गया है कमांडर, मरम्मत के लिए लगभग टाइम 48 घंटे. हल को हुए नुकसान की मरम्मत के लिए तीन EVA टीमों की जरूरत होगी.”

“देखते हैं, उम्मीद है कि कैप्टन हमें इतना समय दिलवा पाएंगी,” रायन ने टिप्पणी की. “हर बार ये साले हमसे बाजी मार ले जाते हैं!”

वह अंदर ही अंदर खौल रहा था. उनकी सारी तैयारी और बहादुरी जीरो होकर रह गई थी. ‘अंतरिक्ष’ एक बार फिर से हार गया था और फिर से युद्ध को छोड़कर दुम दबाकर भाग रहा था.

मुझे एक छोटा सा ब्रेक क्यों नहीं मिल सकता? रायन ने सोचा और कॉरिडोर के एक दरवाजे को धड़ाक से बंद कर दिया. जब वह प्लांट के अंदर घुसा तो वहां इस लड़ाई के कारण पैदा हुई तबाही साफ़ नज़र आ रही थी. अलार्म बज रहे थे और हर डिस्प्ले पर लाल चेतावनी की लाइटें जल रही थीं. माधवन ने जैसे-तैसे कुछ हिस्से की पावर को ठीक कर दिया था और वह पागलों की तरह अपनी टीम को आदेश देता हुआ नज़र आ रहा था.

“तुम्हें असेसमेंट मिल गया, माधवन?” इंजीनियर को इस शोर शराबे से दूर एक अपेक्षाकृत शांत कोने की ओर ले जाते हुए रायन ने पूछा.

“मिल गया सर. लेकिन नारद का 48 घंटे का अनुमान तभी कामयाब हो सकता है, जब मैं अपनी टीम के एक-एक सदस्य को और शिप के दूसरे क्षेत्रों से सभी गैरजरूरी कर्मचारियों को भी इस काम पर लगा दूं,” माधवन ने अपने माथे से पसीना पोंछते हुए जवाब दिया.

“जो करना पड़े, वह करो. सतह पर मौजूद हमारी पूरी टीम पूरी तरह इन लोगों की दया पर निर्भर है. हमें जितनी जल्दी से जल्दी हो सके, उन्हें वापस लेकर आना है. क्या जिन स्पेयर पार्ट्स की जरूरत है, वे सब तुम्हारे पास हैं?”

“यह कोई इतनी बड़ी समस्या नहीं है, कमांडर. मेरे पास अधिकतर स्पेयर पार्ट्स मौजूद हैं और अगर और किसी चीज की जरूरत होगी तो उसका प्रिंट आउट निकाला जा सकता है. बड़ी परेशानी की बात यह है कि हल की प्लेटिंग यहां, यहां और यहां से डैमेज हो गई है,” डिस्प्ले पर उन क्षेत्रों की ओर इशारा करते हुए उसने कहा. “हम इन्हें छोटी उड़ान के लिए तो रिपेयर कर सकते हैं, लेकिन FTL के लिए ये काम नहीं करेंगे.”

“समझ गया, लेकिन हमारी सबसे पहली जरूरत है शिप को चालू करना. FTL को हम कुछ समय के लिए छोड़ सकते हैं. कम से कम सब-लाइट तो ठीक हो जाए.”

“हां कमांडर.”

“और हमें लड़ाई के एक नए प्लान की भी जरूरत है. जब हम पहली बार मिले थे, ये लोग इस बार उससे ज्यादा खुलकर हमला कर रहे थे और इसीलिए अगली बार जब हम मिलें तो मुझे अपने पास कुछ ऐसा चाहिए, जिससे मैं इन सालों की ऐसी-तैसी कर दूँ.”

## 2117 – किफरविस

-----[-]-----

ये लो, फिर से एक और मुसीबत! रायन को अपना संदेश भेजने के बाद अनारा ने सोचा और वह अपने शरणगाह की ओर दौड़ पड़ी। उसे अपने लोगों को चेतावनी देने और उन्हें सुरक्षित रखने की जरूरत थी। हुज़रिस लोगों को बाद में देखा जाएगा, वैसे भी उसे नहीं लगता था कि वे लोग किसी भी तरह के खतरे में हैं। सिर्फ एक सिक्योरिटी ऑफिसर को छोड़कर बाकी सब लोगों को शरणगाह के अंदर ही मौजूद देखकर उसे खुशी हुई। उम्मीद थी कि उस एक ऑफिसर ने वहां की घटनाओं पर नजर रखने और उनकी रिपोर्ट देने के लिए कोई सुरक्षित स्थान ढूंढ लिया होगा।

“एक और शिप आया है! उसने ‘अंतरिक्ष’ पर हमला कर दिया है और संभावित रूप से उसे खराब थी कर दिया है। मेरे ख्याल से जल्दी ही वे लोग लैंड करेंगे। हमें इस जगह को पूरी तरह साफ कर देना है। मैं यहां उन लोगों के लिए कोई भी जानकारी बिखरी हुई छोड़ना नहीं चाहती। डॉक्टर, आप अपने डेटा को एंक्रिप्ट कर दें, उसे पॉड में भेज कर अपने सिस्टम को बंद कर दें। पूरी तरह लॉक डाउन! तुरंत!”

साइंस और मेडिकल टीमों किसी भी प्रकार के प्रश्न पूछने या बहस करने में समय बर्बाद किए बिना तुरंत अपने काम पर लग गईं।

“मेजर, हम अपने प्लान को अभी शुरू करेंगे। सब लोग ध्यान से सुनो, यदि कोई भी एलियन हम से पूछता है, तो हम सिर्फ वैज्ञानिकों का एक समूह हैं, जो जहां सैपल इकट्ठा करने और शिप पर उनकी रिपोर्ट देने के लिए आए हैं। निर्णय लेने वाले या सीनियर हम नहीं हैं। आप लोग समझ गए?”

सबने हां में सर हिलाकर अपनी सहमति जताई और साथ ही अपने सिस्टमों को साफ करने और अपने उपकरणों को सुरक्षित करने का अपना काम भी जारी रखा। अनारा टेंट से बाहर निकलकर कम्युनिटी हॉल में चली गई। वहां उसने जो और लूसी को ढूंढा और उन्हें खींच कर भीड़ से दूर एक कोने में ले आयी।

उसके अचानक इस तरह वहां आने और परेशान होने के कारण वे हैरान थे। “सुनो, वहां ऑर्बिट में एक शिप ने मेरे लोगों पर फिर से हमला कर दिया है। क्या तुम बता सकते हो कि वे लोग कौन हैं?”

“तुम्हारे शिप पर हमला कर रहा है? नहीं कैप्टन, हमें कुछ नहीं पता, लेकिन ये जरूर ‘दूसरे’ लोग होंगे। उन्हें पता है कि हम कहां रहते हैं। यह केवल समय की बात थी,” जो ने उत्तर दिया।

“सिर्फ समय की बात थी? लेकिन तुम लोग हमें इस जगह पर लेकर आए थे। तुम ही ने कहा था कि हम यहां सुरक्षित रहेंगे। फिर उस वादे का क्या हुआ?” वह जोर से भड़की।

“मेरा विश्वास करो, कैप्टन, तुम यहां बिल्कुल सुरक्षित रहोगे। वे तुम्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। हमने पहले ही गार्डियंस को एक संदेश भेज दिया है। वे आएंगे।”

“अब तो मुझे ऐसा लगने लगा है कि तुम्हारे ये गार्डियन सिर्फ तुम्हारी कल्पना की उपज हैं। जब भी उनकी जरूरत होती है, तब वे कभी भी तुम्हारे पास होते क्यों नहीं? मुझे तो लगता है कि उन्होंने तुम्हें इस उजड़े ग्रह पर सड़ने के लिए छोड़ दिया है!”

उनकी नादानी पर वह बुरी तरह से झल्लाई हुई थी, लेकिन साथ ही यह भी जानती थी कि इस सिस्टम में उनके दोस्त सिर्फ यही लोग थे और इसलिए यह उनके खिलाफ जाने का समय नहीं था। यह सब सोचकर उस ने अपने आप को शांत करने की कोशिश की। “अच्छा अब जल्दी से मुझे कुछ बताओ। क्या ये लोग भी इंग्लिश बोलते हैं?”

“ऐसा हो सकता है लेकिन मुझे लगता बहिन, कैप्टन,” लूसी ने जवाब दिया।

“अच्छा, तो मुझे उनकी बात समझने और उनसे बात करने की जरूरत होगी। मैं यह कैसे करूंगी?”

“हम तुम्हारे लिए अनुवाद करेंगे।”

“नहीं, यह तो काफ़ी नहीं है। मुझे यह पूरी तरह मालूम होना चाहिए कि वे क्या कह रहे हैं। मुसीबत के समय में एक दो शब्दों से भी बहुत बड़ा अंतर आ सकता है। क्या तुम्हारे पास अनुवाद करने के लिए कोई उपकरण है?”

उनकी न सुनकर अनारा को कोई हैरानी नहीं हुई। यह बहुत बुरी बात थी, अब तो उसे अनुवाद के लिए उन का ही सहारा लेना पड़ेगा। उसे पूरी उम्मीद थी कि उसे बातचीत करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा और ये एलियंस उस प्रकार के नहीं होंगे, जो बात बाद में करें और गोली पहले मारें। उसका शिप से संपर्क करने वाला कंट्रोल बिल्कुल शांत था। वह मना रही थी कि शिप इस मुसीबत से बाहर निकल कर कहीं दूर जा पाया हो।

कमांडर रायन इस सब में काफी अच्छा था. उसने क्रू की सेफ्टी को जरूर सुनिश्चित किया होगा, इस बात का उसे पूरा यकीन था. उनके पास टाइम बहुत कम था और उसे एक और जरूरी काम करना था. उस गृह के लोगों को सच्चाई जानने की जरूरत थी.

“क्या नए लोगों के बारे में कोई और ऐसी बात है, जो तुम मुझे बताना चाहते हो,” उसने जो और लूसी को फिर से कुरेदा. “तुम्हें कुछ न कुछ तो और जरूर पता होगा.”

“हम जितना जानते थे हमने तुम्हें सब बता दिया है. हम दूसरों के बारे में इससे ज्यादा और कुछ नहीं जानते. हमारे किफ़रविस छोड़ने का कारण वही लोग थे, लेकिन वे हमें नुकसान नहीं पहुंचाएंगे.”

हां, लेकिन जरूरी तो नहीं कि यह बात हमारे साथ भी लागू हो, अनारा ने सोचा.

“सुनो, मुझे तुम लोगों को एक बहुत महत्वपूर्ण बात बतानी है, लेकिन अभी तुम इसे अपने तक ही सीमित रखना. हमने सारे टेस्ट पूरे कर लिए हैं और उन से पता चला है कि तुम लोग इंसान ही हो. तुम किसी भी तरह के जेनेटिक बदलावों से बनाए गए इंसान नहीं, बल्कि शायद प्राकृतिक रूप से पैदा हुए लोग हो.”

“इसका क्या मतलब है? मैं समझा नहीं,” जो ने लूसी की ओर खाली निगाहों से देखते हुए पूछा.

“अभी मैं तुम्हें विस्तार से नहीं समझा सकती. बस इतना समझ लो कि हम सब आपस में एक दूसरे से जुड़े हुए हैं. अभी हमें पता लगाने के लिए बहुत सी बातें बाकी हैं, लेकिन अभी तुम इस बात को किसी और से बिल्कुल मत कहना. खास करके दूसरों से. क्या तुम इस का वादा कर सकते हो?”

यह ऐसा था जैसे किसी बच्चे को कोई रहस्य गुप्त रखने के लिए कहा जा रहा हो. वह नहीं जानती थी कि उसने इन दोनों को यह सब क्यों बताया था. लेकिन अगर धरती से आए लोगों को कुछ हो जाए तो कम से कम उनकी यह खोज उन्हीं के साथ तो खत्म नहीं हो जाएगी.

“कैप्टन!” मेजर ने पुकारा. “लगता है कि ‘दूसरे’ यहां आ गए हैं. उनका शिप लैंड करने वाला है.”

अनारा ने एक आह भरी और अपने EVA सूट से धूल झाड़ी. पहली बार एलियनों के साथ असली संपर्क बनाने और एक राजदूत की भूमिका निभाने के लिए उसे शायद खुद को पेश करने योग्य बनाने की जरूरत थी. फिर उसे याद आया कि उसका शिप शायद अभी भी खतरे में था. उसे जल्दी ही इस सिचुएशन को हल करना था और अंतरिक्ष तक वापस जाना था. जो और लूसी सब लोगों को हॉल के बाहर ले गए. बाहर शाम का धुंधलका छाया हुआ था और वे एक शिप की आकृति को धीरे-धीरे लैंड होता हुआ देख सकते थे. अनारा और मेजर साथ साथ खड़े थे. जितनी भी तैयारी वे लोग कर सकते थे, की जा चुकी थी. अब तो उन्हें सिर्फ इंतजार करना था और देखना था कि हालात क्या मोड़ लेते हैं. मेजर ने अपनी कमर पर बंधी गन को कसकर पकड़ा हुआ था. वह एक पक्का निशानेबाज़ था, लेकिन कोशिश यही करेगा कि हथियारों का उपयोग करने की जरूरत न पड़े. उसका काम था ग्रह पर अपनी टीम के लोगों की रक्षा करना और वह उम्मीद कर रहा था कि ऊपर स्पेस में रायन भी बिल्कुल यही काम कर रहा होगा. अब वह सिर्फ एक ही लक्ष्य पर पूरी तरह ध्यान दे रहा था और वह था सबको इस ग्रह से सुरक्षित निकाल कर ले जाना. उसके साथ दो पूरी तरह प्रशिक्षित लोग थे, जो उसके हर आदेश को मानते थे. ये उस के गुप्त हथियार थे.

उनके देखते-देखते शिप पैड पर लैंड हो गया. उसका दरवाजा खुला और उसमें से कुछ धुंधली आकृतियां बाहर आईं. इतनी दूर से उनके बारे में कुछ कहना मुश्किल था, लेकिन उन्होंने देखा कि शिप के ऊपर लगे चिन्ह बिल्कुल वैसे ही थे, जैसे उनके ऊपर हमला करने वाले शिप के ऊपर थे. कम से कम इस बार वे लोग अपने दुश्मनों के साथ आमने-सामने बात करने वाले थे. वे कुल 5 लोग थे. वे कम्युनिटी हॉल के बाहर खड़े हुए ग्रुप के नजदीक पहुंचे और वहां खड़े लोगों के बीच बिल्कुल चुपपी छा गई.

रावत ने देखा कि इन दूसरे लोगों ने EVA सूट नहीं पहन रखे थे और वे बहुत से उपकरण अपने साथ लेकर आ रहे थे, जिनमें से कोई भी हथियार हो सकते थे. उसे इस बात पर पछतावा हो रहा था कि उसकी टीम ने अपने चमकदार EVA सूटों को कन्वर्ट क्यों नहीं कर लिया. इस तरह जरूरत पड़ने पर कम से कम वे लोग भीड़ में थोड़े घुल मिल सकते थे, लेकिन कैप्टन ने उसकी बात को काट दिया था. वह शालीनता और थोड़े दिखावे के साथ दुश्मन से मिलना चाहती थी. अनारा ने अपने डिस्प्ले को एडजस्ट किया और उसे आगंतुकों पर ज़ूम कर दिया. जैसे-जैसे वे पास आ रहे थे, उनके चेहरे और शारीरिक बनावट साफ होती जा रही थी.

वैसे तो अनारा दोबारा इंसानी चेहरों को देखने की भी थोड़ी उम्मीद कर रही थी, लेकिन सभ्य एलियंस जीवन के पहले दृश्य से उसे उतना झटका नहीं लगा, जितना वह उम्मीद कर रही थी. उसके बजाय वह अभिभूत थी. यह इस बात का प्रमाण था कि विकास की प्रक्रिया ने अलग अलग जगहों पर अलग अलग तरह से काम किया था. उस के अनुमान से ये दूसरे लोग किफ़रविस की बड़ी जनसंख्या का एक हिस्सा थे.

ये 'असली' एलियन काफी कुछ सरीसृप प्राणियों से मिलते-जुलते थे, जिनमें उस प्रकार के अंश दिखाई दे रहे थे. मोटी, भूरे और हरे रंग की चमड़ी, लंबोतरे चेहरे और आपस में मेल न खाते हुए हाथ पैर. उनमें से कुछ उठने और सीधे होकर चलने से पहले अपने छहों हाथ पैरों पर गिर कर चल रहे थे. उन में जो सबसे लंबा था, वह करीब 6 फीट का होगा. उन्हें देखने से उनके लिंग का अंदाज़ लगाना असंभव था, अगर ऐसा कोई अंतर उनमें था, तो.

यानि इसका मतलब अरबों साल पहले जिस एस्टीरॉयड के टकराने से धरती पर डाइनोसौरों का अंत हो गया था, उसका असर यहाँ नहीं हुआ था और यहाँ अभी भी रेंगने वाले प्राणी फल-फूल रहे थे. अनारा मन ही मन सोच रही थी कि इन दोनों जातियों में आज जो मनमुटाव चल रहे थे, वे उनकी प्राकृतिक आक्रामकता का नतीजा थे या फिर किसी और कारण से पैदा हुए थे. वह अभी भी इन लोगों को देखकर काफी अभिभूत थी और अंदर ही अंदर उम्मीद कर रही थी कि वह वर्तमान परिस्थिति को शांतिपूर्वक सुलझाने में सफल हो पाएगी. सब लोग कम्युनिटी हॉल तक पहुंच कर रुक गए. उनमें से एक, जो शायद उनका लीडर था, आगे बढ़ा और उसने हुज़रिस लोगों को एक बड़ी ही कोमल आवाज में संबोधित किया, जो उनके रंग-रूप से बिल्कुल अलग थी.

जो और अन्य लोगों ने उन्हीं की भाषा में उन्हें जवाब दिया, जबकि धरती के लोग हैरानी से उनकी ओर देख रहे थे. जैसा वे उम्मीद कर रहे थे, यह तो बिल्कुल भी वैसा नहीं हो रहा था.

“ये लोग तो बिल्कुल भी घबराए हुए नहीं हैं - आखिर यह हो क्या रहा है?” अनारा ने अपने कंट्रोल के माध्यम से फुसफुसाते हुए रावत से कहा. उसने भी उसी के जितनी हैरानी से सर हिलाया. एलियनों का नेता अनारा की ओर मुड़ा और उसने कुछ कहा, मानो उसके फुसफुसाने का जवाब दे रहा हो.

अनारा की इच्छा हो रही थी कि उसे इस ट्रांसलेशन के लिए उसके शिप से कुछ इनपुट मिल जाता. फिलहाल उसने जो की ओर देखा और जो ने अनुवाद किया - “यह कह रहा है, हम तुम्हें यहां नहीं चाहते. जहां से आए हो वहीं लौट जाओ.” एलियन को यह बात अब समझ आई कि धरती के लोग उसकी भाषा नहीं समझ पा रहे हैं. वह पीछे मुड़ा और पीछे खड़े अपने लोगों में से एक को उसने कुछ कहा, जिसने उसे कुछ छोटी छोटी वस्तुएं थमा दीं. उसने इन्हें अनारा के हाथ में पकड़ा दिया जो हैरानी से उनकी ओर देखने लगी.

एलियन ने दोबारा जो से कुछ कहा, जिसने पलट कर कहा, “यह एक अनुवादक है. कृपया इसका प्रयोग करें.” अनारा ने अपने हाथ में मौजूद छोटी वस्तु की ओर देखा. एलियन ने दोबारा उससे कुछ कहा. इस बार उसकी आवाज उसके सूट से एकदम साफ सुनाई दी. उसने अपनी टीम की ओर देखा और वे सब भी उसे सुन पा रहे थे.

ऐसा लग रहा था कि इन्होंने टीम की कंट्रोल फ्रीक्वेंसी को आइसोलेट कर लिया था और अब उसी पर ट्रांसमिशन कर रहे थे. और इनके पास इंग्लिश भाषा का डेटाबेस होने का भी उन्हें फायदा हुआ था. अनारा ने अपने सिस्टम पर कुछ कमांड सेट किए ताकि इस आदान-प्रदान को रिकॉर्ड किया जा सके और उनका अपना अनुवाद डेटाबेस तैयार किया जा सके.

“तुम यहां क्यों आए हो?” उसने प्रश्न को दोहराए जाते हुए सुना.

उसने अपने आप को नियंत्रित किया और जवाब दिया, “हम यहां उन लोगों से मिलने आए हैं जिन्होंने हमारे ग्रह पर हमें एक संदेश भेजा था. मेरे ख्याल से ज्यादा बेहतर प्रश्न यह होना चाहिए कि तुमने हमें यहां बुलाकर हमारे शिप पर हमला क्यों किया है?”

उसे उम्मीद थी कि उसकी आवाज से बात की गंभीरता उन्हें समझ आ रही होगी. और वैसे भी हम तो तुमसे मिलकर खुश हैं! - उसने सोचा.

एलियनों को उसकी बात अच्छी तरह समझ आ रही थी, “वह सिग्नल हमारे कुछ ऐसे लोगों द्वारा गलती से भेज दिया गया था, जो हमारी दुनिया को दूसरी जातियों के सामने प्रकट करना चाहते थे. अब हम तुम्हें वापस जाने के लिए कह रहे हैं.”

“और यह आदेश तुम हमें किस की ओर से दे रहे हो? क्या तुम अपनी सरकार की तरफ से बात कर रहे हो?”

“सरकार? हम इस मामले में ‘डिस्क्रेट’ की अथॉरिटी को नहीं मानते. इन नई दुनिया के लोगों को हुज़रिस पर सिर्फ हमारी दया के कारण रहने दिया जा रहा है. हम दूसरे एलियनों को अपने गृह को दूषित नहीं करने देंगे.”

“दूषित? तुम जिंदा, सांस लेने वाले, समझदार सभ्य इंसानों को दूषित करने वाला कह रहे हो?” अनारा का पारा चढ़ने लगा था.

“इंसानी जिंदगी हमारी जिम्मेदारी नहीं है. हमने उन्हें यहां नहीं बुलाया है. हम उन्हें यहां नहीं चाहते. हमने उन्हें किफ़रविस से हटाया था और अब हम तुम्हें भी यहां से हटा देंगे.”

“मुझे इस बात से कतई फर्क नहीं पड़ता कि तुमने क्या किया है और तुम किस चीज में विश्वास करते हो. मैं

धरती के मिले-जुले लोगों की प्रतिनिधि हूं. क्योंकि तुम हमारी भाषा बोलते हो और हमें यहाँ देखकर बिल्कुल भी हैरान नहीं हो, इससे मुझे लगता है कि तुम हमारे ग्रह के बारे में उससे कहीं ज्यादा जानते हो, जितना हम तुम्हारे ग्रह के बारे में जानते हैं. मैं तुम्हारे ग्रह के सही प्रतिनिधियों से ही बात करूंगी. तुम्हारी धमकियों का मैं कोई जवाब नहीं दूंगी.” उसकी टीम उसके चारों ओर उतनी ही मजबूती से खड़ी थी

जबकि हुज़रिस के लोग उनकी इन बातों को हैरानी से सुन रहे थे. “हम तुम्हारे शिप को पहले ही हरा चुके हैं, तुम अभी इसी वक्त वापस जाओगे और फिर कभी लौट कर नहीं आओगे.”

“और अगर हम तुम्हारी बात मानने से इनकार कर दें तो?”

“अगर तुम इनकार करोगे तो तुम हमेशा के लिए यहीं रहोगे. तुम अपने ग्रह को फिर कभी दोबारा नहीं देख पाओगे.”

“यह कुछ ज्यादा ही बड़ी धमकी है! मैं उम्मीद करती हूं कि तुम्हारे पास इसे पूरा करने के लिए इस एक बकवास शिप के अलावा और दूसरे साधन भी हैं.” उसका तीर बिल्कुल सही निशाने पर लगा और वह किफ़रविस उसकी बात सुनकर सन्नाटे में आ गया. अनारा ने तुरंत ताड़ लिया कि उनके पास अपनी धमकी को अंजाम देने के लिए पर्याप्त साधन नहीं हैं. उनका लीडर कुछ देर चुपचाप खड़ा सोचता रहा.

फिर उसने अपने दल के लोगों को कुछ आदेश दिए और उन्होंने कुछ अजीब सी दिखने वाली चीजें निकाल कर उन्हें अनारा की टीम की ओर तान दिया. कहने की कोई आवश्यकता नहीं थी कि ये उनके हथियार थे. रावत भी अपनी गन निकालने को उद्यत हुआ, लेकिन अनारा ने बाएं हाथ से उसे रोक दिया. लड़ाई का समय भी आएगा, लेकिन अभी नहीं. उसे पहले इन लोगों को बातों में लगाए रखने की जरूरत थी और साथ ही यह जानने की कि रायन को सब कुछ ठीक कर के वापस आने के लिए पर्याप्त समय देने के लिए वह क्या कर सकती थी. उसे और उसके ग्रुप को कमरे में धकेल दिया गया. हैरानी की बात यह थी कि उनके उपकरण और हथियार उनसे छीने नहीं गए. उसने अंदाज लगाया कि वे लोग यह मानकर चल रहे थे कि बिना शिप के धरती के लोग कहीं जाने में समर्थ नहीं हो पाएंगे.

## 2117 – एस्टीरॉयड

-----[-]-----

मरम्मत के लिए एस्टीरॉयड पर लैंड किए हुए शिप को 18 घंटे बीत चुके थे. रायन ने शिप को ठीक करने के लिए कई टीमों को काम पर लगा रखा था. वह बहुत बुरी तरह से थक चुका था. लेकिन जब तक वह अपनी टीम के लोगों के लिए कम से कम 2 घंटे के आराम की व्यवस्था नहीं कर सकता था, तब तक वह और माधवन इसके बारे में सोच भी नहीं सकते थे. अपनी अपनी टीमों को निर्देश देते हुए भी दोनों अपने स्टेशनों पर मौजूद थे. सीमित मात्रा में पावर को बहाल कर दिया गया था लेकिन उसमें से अधिकांश अभी मरम्मत के कामों में ही खर्च हो रही थी. आधा शिप अभी भी अंधेरे में था और गैरजरूरी सिस्टमों को बंद कर दिया गया था. उसकी किस्मत अच्छी थी कि अटक में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था.

शिप की कंस्ट्रक्शन तो इसका कारण थी ही, साथ ही यह बात भी थी कि एलियनों का हमला शायद उन्हें मारने के लिए नहीं था. इससे उसे यह भी उम्मीद मिल रही थी कि कैप्टन और उनकी टीम अभी कुछ और समय तक सुरक्षित हैं. उसने पहले जमीन से पहले भेजे गए सारे विज़ुअल और ऑडियो रिकॉर्डों को चेक किया था, लेकिन वहां कोई भी नई खबर नहीं थी. उसे पता था कि जमीन वाली टीम का डेटा ग्रह के पोल पर लगे पॉड पर लगातार अपलोड हो रहा था और उसका पहला काम था सारे लॉग्स को चेक करना. उसे जमीन पर लगे रेडियो टेलिस्कोप के बारे में पता करने की भी जरूरत थी. “मनीषा, टीम नंबर 3 के लौटने का समय हो गया है. टीम नंबर 1 को तैयार करो.”

“मैं वही कर रही हूं, कमांडर. 15 मिनट में जाने के लिए तैयार. हमने एरिया 3, 5 और 7 की मरम्मत पूरी कर दी है. और छह और बाकी हैं.”

“ठीक है, और क्या सारा काम टाइम पर हो रहा है?”

“सेक्शन 2 और 8 में 2 घंटे की देरी है सर,” मनीषा ने रिपोर्ट दी.

“दो बार हमारे औजारों का वहां ब्रेक डाउन हो गया और हमारा एक इंजीनियर कम हो गया है, जो अभी मेडिकल में आराम कर रहा है.”

सब कुछ उसकी उम्मीदों के अनुसार ही चल रहा था. एक बार शिप तैयार हो जाने के बाद आगे की कार्यवाही निर्धारित करने के लिए भी उसे कुछ समय सोचने की जरूरत थी. अपनी टीम के लोगों को बचाने के लिए एक बढ़िया तरकीब भी उसके दिमाग में आ रही थी. इसके लिए थोड़ी चालाकी और बहुत सारी बहादुरी की जरूरत पड़ने वाली थी.

इसी दौरान शिप के मध्य के हिस्से में माधवन की टीम पावर को वापस लाने के लिए संघर्ष कर रही थी. बैकअप जेनरेटर पिछले 18 घंटे से लगातार चल रहे थे और अगर जरूरत पड़ती तो वह अभी कई और दिनों तक इन्हें चला सकता था, लेकिन उससे शिप का कुल इंधन कम हो जाता, खास करके उनकी वापसी यात्रा के लिए. उसे मेन इंजनों को जितनी जल्दी हो सके चालू करने की जरूरत थी. साथ ही वह अपने दिमाग में सतह पर रखे रेडियो टेलिस्कोप के बारे में दिए गए कैप्टन के आदेश के बारे में भी सोच रहा था.

उसे उसको हैक करने की भी जरूरत थी, लेकिन इतने सब कामों के बीच पता नहीं, इसके लिए टाइम निकाल पाएगा या नहीं. टेलिस्कोप की फ्रीक्वेंसी को स्कैन करने के लिए उसे उसके पास जाने और फिर उसके सिस्टम में घुसने की जरूरत थी. हालांकि उसे अभी यह पूरी तरह नहीं पता था कि इस सारी धमाचौकड़ी से कैप्टन क्या मिलने की उम्मीद कर रही थी. वह भी भावी हमलों के प्रति शिप को ज्यादा मजबूत बनाने के तरीके ढूंढने की कोशिश कर रहा था.

आखिर ऐसे बार-बार कब तक भागकर वह शिप की मरम्मत करता रहेगा. उसने हल के सुरक्षा कवच को बेहतर बनाने के बारे में भी सोचा था, लेकिन उसके लिए काफी सारे खास सामान की जरूरत थी, जो उसके पास नहीं था. हालांकि ऐसी एक चीज़ अवश्य थी, जिसे वह इस काम के लिए उपयोग कर सकता था. यह था उसका कई लेयर वाला नेविगेशन सिस्टम. उसके इंजीनियरों ने दोनों हमलों के दौरान एलियनों द्वारा उपयोग की जा रही लेजर बीमों की सही फ्रीक्वेंसी को पकड़ लिया था.

फ्रीक्वेंसी में कोई बदलाव नहीं हुआ था और वह जानता था कि एलियनों के लिए अपने पूरे सेट अप में कोई बड़ा बदलाव किए बिना अपने हथियारों की फ्रीक्वेंसी को बदलना आसान नहीं होगा. अब उसने अपने दो लोगों को अपनी नेविगेशन शील्ड छोड़ने वाले उपकरणों की फ्रीक्वेंसी को उनसे मैच करने के काम पर लगा रखा था.



इससे पहले उसने यह कभी नहीं किया था, लेकिन उसे पूरी उम्मीद थी कि शिप को थोड़ा अतिरिक्त प्रोटेक्शन देने में इससे जरूर मदद मिलेगी. क्रू के अधिकतर लोग कैफे में ही आराम कर रहे थे, जो लगातार कॉफी और खाना निकाल रहा था.

लोगों की लगातार आवाजाही और कोनों में सोए हुए लोगों को देखकर यह किसी शरणार्थी कैंप जैसा दृश्य पैदा कर रहा था. अंतिम हमले के बाद सब लोग थोड़े निराश थे, लेकिन क्रू के अधिकतर लोग इतने थके हुए थे कि दुश्मन या भविष्य के बारे में सोचने लायक भी नहीं थे. अभी बहुत सा काम किया जाना बाकी था और समय बहुत कम था.

## 2117 – कैदी

-----[-]-----

ग्रह पर मौजूद सभी इंसान कम्युनिटी हॉल में भरे हुए थे और अब वहां काफी भीड़ हो गई थी। अनारा और उसकी टीम एक कोने में चुपचाप बैठे थे। अभी उसका किसी से भी बात करने का मन नहीं कर रहा था। वह केवल कुछ देर चुपचाप सोचना और अपने अगले कदम की योजना बनाना चाहती थी। किफ़रविसों से मिले हुए उन्हें लगभग 12 घंटे बीत चुके थे। उन्होंने इंसानों से दोबारा बात करने से साफ़ इंकार कर दिया था, जबकि उसने जो को दो बार प्रार्थना करने के लिए भेजा था। घटनाओं के इस नए मोड़ से वह निराश तो थी लेकिन हैरान नहीं थी।

पिछले कुछ घंटों में वे लोग खुरदुरे फर्श पर बार-बार सोते जागते रहे थे। उनके सूट सोने के हिसाब से डिजाइन नहीं किए गए थे और उसका पूरा शरीर दर्द कर रहा था। फिर भी डॉक्टर उन्हें लगातार सूटों के अंदर रहने पर ही जोर दे रहा था। उसकी राय में हवा में कितनी भी मात्रा में जैविक प्राणी मौजूद हो सकते थे, जो उनकी टीम को मार भी सकते थे और इसलिए थोड़ी सी परेशानी उठाना महंगा सौदा नहीं था। उसने एक अंगड़ाई ली और उठ खड़ी हुई। जब वह अपने चारों ओर सोते हुए लोगों के बीच से आगे बढ़ रही थी तो तीन जोड़ी आंखें उसका पीछा कर रही थीं। जो उससे कुछ मीटर की दूरी पर बैठा हुआ था और बात करने के लिए काफी फ़ेश दिखाई दे रहा था।

अनारा ने यह बात नोटिस की थी कि इन लोगों के शरीर की चक्रगति अलग प्रकार की थी। शायद ऐसा उनके किफ़रविस और हुज़रिस पर बिताए गए समय के कारण हुआ था। उनके लिए बेहतर था कि वे यहाँ के दिन और रात के चक्र की आदत डाल लें, क्योंकि हो सकता था कि अभी कुछ समय उन्हें और यहाँ रहना पड़े, उसने सोचा। फिर उसने जो को अपने पीछे आने का इशारा किया और वे लोग हॉल के बाहर कॉरिडोर में चले गए। यह खाली था और वहां वे दोनों साथ साथ खड़े थे।

“कैसी हो, कैप्टन?” जो ने पूछा।

“मैं बिल्कुल ठीक हूँ जो, बस नींद नहीं आई। इसलिए मैंने सोचा कि क्यों न हम दोनों थोड़ी देर बात ही कर लें और शायद हमें तुमसे उन लोगों के बारे में कुछ और पता लग पाए, जिन्होंने हमें यहां पकड़ कर रखा है।”

“हां। लेकिन मुझे भी कुछ सवाल पूछने हैं।”

“ओहो, तो चलो, तुम ही पहले पूछ लो। हमारे पास बहुत टाइम है - मुझे नहीं लगता कि हम जल्दी यहां से जाने वाले हैं।”

“धरती कैसी है, कैप्टन अनारा? वहां लोग क्या करते हैं?”

अनारा इन प्रश्नों को सुनकर मुस्कुरा दी। यह जो को धरती के नजरिए से धरती के बारे में बताने का समय था। उसने एक स्क्रीन खोली और उस पर कुछ वीडियो खोल दिए, “देखो, यह मेरा घर है, जो,” उसने नीले और सफेद रंग के गोले की ओर इशारा किया जो स्क्रीन पर धीरे-धीरे घूमता नजर आ रहा था।

“10 खरब लोग यहां रहते हैं। बिल्कुल तुम्हारे और मेरे जैसे।”

“यह कितना सुंदर है!” स्क्रीन पर चल रहे वीडियो में रोजमर्रा के जीवन के दृश्यों को ध्यान से देखते हुए जो ने कहा। “इतने सारे रंगों के आगे मेरा ग्रह तो बिल्कुल फीका दिखाई देता है।”

“और ये हैं हमारे बच्चे, जो,” खेलते हुए बच्चों की तस्वीरें स्क्रीन पर आने पर अनारा ने कहा। जो की आंखें चमकने लगीं, “ये कितने सुंदर हैं!”

“बच्चों के द्वारा ही हम प्रजनन करते हैं, जो। मुझे लगता है कि किफ़रविस के लोग सरीसृप हैं और शायद अंडों से प्रजनन करते हैं। मुझे पता नहीं तुमने कभी उनके छोटे बच्चों को देखा है या नहीं। तुम्हें अपना बचपन तो याद ही होगा, है न?”

“बचपन?” वह थोड़ी दुविधा में नज़र आया। “जब तुम छोटे थे। किफ़रविस पर...उस बिल्डिंग में?” अनारा ने उस पर दबाव डालने की कोशिश की।

“वह तो बहुत पुरानी बात है। मुझे ज्यादा कुछ याद नहीं है। हम सब कमरों में थे। बहुत दिन तक हम वहां रहे। वे लोग बहुत से काम करते थे। यह बहुत मुश्किल था,” दुखी आवाज में उसने कहा।

“मैं समझ सकती हूँ कि तुम्हारे जितने छोटे बच्चों के लिए यह काफी मुश्किल रहा होगा। मुझे यह बताओ कि तुम्हें तुम्हारे नाम किसने दिए,” उसे इस बात पर हैरानी हो रही थी कि उन सबके इतने सरल नाम कैसे थे।

“मैं नहीं जानता। गार्डियनों ने बोला ये हमारे नए नाम हैं। उन्होंने कहा कि जब नए लोग हम से मिलने आएंगे

तो ये नाम आसान रहेंगे.”

“क्या उन्होंने तुम्हें यह बताया कि तुमसे मिलने कौन आ रहा है?”

“नहीं. हमने पूछा, लेकिन उन्होंने हमें नहीं बताया. हमें हर रोज नई भाषा सिखाई जाती थी, लेकिन कुछ ही लोग उसे ठीक से बोलना सीख पाए.”

“हूँ. ठीक है.”

वह थोड़ी देर रुक कर कुछ सोचती रही, जबकि जो डिस्प्ले पर चल रहे वीडियो को देखता रहा. आखिरकार अपने निर्णय पर पहुँच कर उसने दृढ़ स्वर में कहा, “सुनो जो, एक बात है, जो मैं तुम्हें बताना चाहती हूँ.” जो ने प्रश्नवाचक नजरों से उसकी ओर देखा. “कल जब हम तुम्हारे टेस्ट कर रहे थे, तो हमें एक बात पता चली है. औरतों में से एक गर्भवती है.”

“गर्भवती?” अनारा के पीछे से आवाज आई. अनारा ने तुरंत पीछे मुड़कर देखा तो वहां लूसी खड़ी थी.

“गर्भवती क्या होता है?” लूसी ने पूछा.

“ऊँ...” अनारा थोड़ा हिचकिचाई. “वह तुम हो, लूसी. तुम गर्भवती हो.”

“गर्भवती क्या होता है? मैं समझा नहीं,” जो ने कहा.

“इसका मतलब है कि उसे बच्चा होने वाला है, जो, एक बच्चा. हुज़रिस पर पैदा होने वाला पहला बच्चा. पहला सच्चा हुज़रिस.”

“बच्चा?” लूसी सकते की हालत में थी.

“हां, इस तरीके से इंसान अपनी संख्या बढ़ाते हैं.....प्रजनन करते हैं. औरतें बच्चों को जन्म देती हैं और उसके बाद मां कहलाती हैं. लूसी, तुम मां बनने वाली हो! धरती पर यह एक बहुत खुशी का मौका होता है. और चिंता मत करो, मैं डॉक्टर खान को कहूंगी कि वे तुम्हें सब कुछ विस्तार से समझा दें. और तुम हमें पिता के बारे में भी जरूर बताओगी, है न?” उसने मुस्कराते हुए और अर्थपूर्ण निगाहों से जो की ओर देखते हुए कहा. फिर वह उन दोनों को वहीं छोड़कर डॉक्टर खान को ढूँढने चल दी. उसे सारी बात उन्हें समझाने और लूसी से बात करने के लिए कहने की जरूरत थी. और उसके बाद उसे किफ़रविस पर दबाव डालने का काम करना था.

जैसे ही वह अपनी टीम के पास वापस पहुंची, तभी हॉल का दरवाजा खुला. इधर-उधर बिखरी सूर्य की रोशनी में उसने तीन किफ़रविस लोगों को हॉल में घुसते देख उसे हैरानी हुई. अपनी दिशा बदल कर वह तेजी से उन का रास्ता रोकते हुए सीधे उनके सामने जाकर खड़ी हो गई. शायद इससे कुछ पॉजिटिव नतीजा मिले.

“तुम्हें वापस देखकर मुझे खुशी हुई,” उसने कहा. “मैं उम्मीद करती हूँ कि तुम माफी मांगने और हमें छोड़ने के लिए आये हो ताकि हम इस परिस्थिति पर विचार कर सकें.”

“छोड़ने? बिल्कुल नहीं. कोई बातचीत नहीं,” उनके लीडर जैसे दिखने वाले व्यक्ति ने कहा. उसकी आवाज उसके ट्रांसलेटर से आ रही थी. “हम तो यह देखने आए हैं कि क्या तुम वापस जाने के लिए तैयार हो? हमारे ख्याल से तुम्हारा शिप तुम्हें वापस लेने के लिए आ गया है.”

“मुझे नहीं लगता,” अनारा ने बेरुखाई से जवाब दिया. “वे हमें लेने के लिए नहीं आए हैं, वे तुम्हें यहां से भगाने के लिए आए हैं.” वह मन ही मन भगवान से मना रही थी कि रायन ने अब तक कोई तरकीब सोच ली हो.

## 2117 – गेम प्लान

-----[-]-----

शिप पर पिछले कुछ घंटे और अधिक व्यस्तता में बीते थे. मरम्मत का काम पूरा हो चुका था और पूरी पावर बहाल की जा चुकी थी. कू के लोगों ने सारे सब-सिस्टमों को यह सुनिश्चित करने के लिए, कि वे ठीक से काम कर रहे हैं, टेस्ट कर लिया था. रायन ने कू के सभी लोगों के लिए अलग-अलग ग्रुपों में बाँटकर दो लंबे मध्यावकाशों की व्यवस्था कर दी थी और कुछ घंटे सो लेने के बाद अब वह खुद भी ज्यादा चौकन्ना और फ्रेश महसूस कर रहा था.

“FTL सिस्टम पर अभी काम होना बाकी है, लेकिन बाकी सब कुछ पूरी तरह तैयार है, सर,” कांफ्रेंस रूम में कदम रखते हुए माधवन बोला.

आज कई दिनों के बाद वह मुस्कुरा रहा था. रायन ने हाथ हिलाकर उसे सीट पर बैठने का इशारा किया. मनीषा और केडिशम टेबल के दूसरी ओर बैठे हुए थे.

“लेफ्टिनेंट, क्या उपकरणों पर तुम्हारा काम पूरा हो गया है? मैं इन्हें कब चालू कर सकता हूँ?”

“यह तैयार है, सर. लेकिन मैं उम्मीद करता हूँ कि आप जो करने के लिए कह रहे हैं, आपने उसके परिणामों के बारे में सोच लिया है.”

“उसे मुझ पर छोड़ दो, लेफ्टिनेंट. अगर कुछ भी गलत होता है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी होगी. मैंने यह लॉग में भी लिख दिया है. अब इसे चालू करने के लिए तैयार करो, प्लीज और उसका ट्रिगर मुझे दे दो.” लेफ्टिनेंट ने हाँ में सर हिलाया और कमरे से बाहर चला गया.

“क्या मैं जान सकता हूँ कमांडर, कि आपके दिमाग में क्या चल रहा है?” माधवन ने पूछा.

“मेरे पास एक प्लान है, लेकिन इसमें खतरा बहुत ज्यादा है. इसमें हमें दो टीमों को ग्रह पर उतारने की जरूरत होगी और दोनों टीमों अलग-अलग काम करेंगी.” उसने संक्षेप में प्लान की रूपरेखा उसे समझाई और माधवन के मुंह से सीटी की आवाज़ निकली.

“यह तो थोड़ा ज्यादा ही नहीं हो जायेगा, सर? अगर वे हमारी बातों में नहीं आये तो...?” और उसने अपने वाक्य को अधूरा छोड़ दिया.

“तो हम फिर से वहीं आ जाएंगे, जहां से हमने शुरू किया था और इस बार पहले से कहीं ज्यादा मुसीबत में!” रायन ने शुष्कता से जवाब दिया.

“अच्छा, मैंने मनीषा को उन लोगों की लिस्ट दे दी है, जो इन टीमों का हिस्सा होंगे. पहला खतरा तो यह होगा कि हमारे लिए उनका काम पूरा होते ही उन्हें वहां से वापस ले आना संभव नहीं होगा. इसलिए उन्हें ग्रह पर कुछ और समय तक छुपकर रहने के लिए तैयार रहना होगा. माधवन, मैं चाहता हूँ कि एक टीम का नेतृत्व तुम करो. टेलिस्कोप में घुसने के लिए अपने लोगों को तैयार करो. जिस भी चीज की जरूरत हो, वह तुम ले सकते हो, लेकिन हमें उसके अंदर घुसना ही होगा.”

“सर, क्या आप थोड़ा ज्यादा ही खतरा नहीं ले रहे हैं? लेफ्टिनेंट और माधवन दोनों अगर ग्रह पर चले जाएंगे तो यहां पर कोई भी सीनियर नहीं बचेगा,” मनीषा ने अपनी राय प्रकट की.

“तुम्हें क्या लगता है, हम दोनों मिलकर इसे संभाल नहीं सकते, मनीषा?” रायन ने मुस्कुराते हुए पूछा. थोड़ा और आश्वस्त महसूस करते हुए वह भी मुस्कुरा दी, लेकिन उसे अभी भी इस बात पर संदेह था कि वह अकेले उसकी मदद कर पाएगी.

“खैर, अगर यह तरकीब काम कर जाती है तो हमारे सभी लोग जल्दी ही सुरक्षित वापस आ जायेंगे. इसलिए अब हमें काम पर लग जाना चाहिए. माधवन, याद रखना कि एक बार ग्रह पर पहुंचने के बाद हमें पूरी तरह रेडियो साइलेंस की जरूरत होगी. हम किसी को यह पता लगने का खतरा नहीं उठा सकते कि तुम ग्रह पर मौजूद हो. मनीषा अब तुम्हारी बारी है: बस्ती के निकट एक सुरक्षित लैंडिंग की जगह ढूंढो.” तीनों उठकर ऑपरेशन सेंटर में चले गए.

माधवन अपनी टीम के बाकी दोनों लोगों के साथ तैयार होने के लिए चला गया, जिनमें से एक सिक्योरिटी ऑफिसर था और दूसरा इंजीनियर. लेफ्टिनेंट भी अपनी टीम के सदस्य - एक इंजीनियर - के साथ पहले से ही तैयार हो रहा था. उन्होंने उपकरण को ले जाने के लिए तैयार ग्रेविटी प्लेटफार्म पर चढ़ा दिया. ‘अंतरिक्ष’ एस्टीरॉयड से ऊपर उठा और उसने धीरे-धीरे ऊंचाई और स्पीड दोनों पकड़ लीं. मनीषा उसे कूज़ स्पीड पर

हुज़रिस की दिशा में ले जा रही थी और साथ ही किन्हीं दूसरे शिपों के लिए स्कैन भी कर रही थी.

“ग्रह के चारों ओर जितना ऑर्बिट नजर आ रहा है, वह क्लियर है कमांडर. मुझे लगता है वे अभी भी जमीन पर ही हैं. पॉड के स्कैन में भी कोई दूसरा शिप नहीं दिख रहा है.”

“स्कैन करती रहो मनीषा. हो सकता है उन्होंने शिप पर किसी को यह देखने के लिए बिठा रखा हो कि कहीं हम वापस तो नहीं आ रहे हैं.” मनीषा अंतरिक्ष को बस्ती से दूर एक ऑर्बिट में ले गई और फिर धीरे-धीरे उसने उसे नीचे उतारना शुरू किया.

योजना यह थी कि शिप को जमीन के ज्यादा से ज्यादा नजदीक ले जाया जाए और बस्ती से 10 किलोमीटर दूर लैंड कराया जाए. कम से कम स्पीड पर कम से कम थ्रस्टर इंजनों को यूज करते हुए वे कोशिश कर रहे थे कि उनके आने की आवाज गांव में मौजूद एलियनों तक न पहुंच पाए.

“मुझे लैंडिंग के लिए एक अच्छी जगह नजर आ रही है, कमांडर,” नारद ने रिपोर्ट दी. “बस्ती से 10.2 किलोमीटर दूर. हेडिंग 221.”

“बस, हम पहुंच गए,” इतने भारी शिप को केवल दो थ्रस्ट इंजनों के साथ चलाते हुए मनीषा ने खबर दी. वे जमीन से केवल 200 मीटर की ऊंचाई पर ही थे और वहीं ठहरे हुए थे. शिप को अंतरिक्ष में उड़ने के हिसाब से बनाया गया था और जमीन के इतने पास यह बहुत भारी महसूस हो रहा था. “हम लैंड करने के लिए तैयार हैं, कमांडर,” अपने गंतव्य पर पहुंचकर उसने रिपोर्ट दी.

“माधवन, केडशम. हम लैंड करने जा रहे हैं. तैयार रहो और बेस्ट ऑफ लक. जब तुम तैयार हो जाओ तो मुझे सिग्नल देना.”

अपने भारी भरकम सूटों के साथ जमीन पर छुपते छुपाते साइट तक जाने और अपने अपने कामों को पूरा करने में उन्हें कम से कम 6 घंटे का वक्त लगने वाला था. शिप धीरे से जमीन पर लैंड हुआ और मनीषा ने इंजनों को चालू ही रहने दिया. दोनों टीमों शिप का दरवाजा खोलकर बाहर निकल आईं. लेफ्टिनेंट की टीम अपने भारी उपकरण को ग्रैव यूनिट से घसीटते हुए बाहर लेकर आई और पांचों लोग शिप से विपरीत दिशा में बढ़ गए.

शिप जमीन से ऊपर उठा और धीरे-धीरे ऊंचा उठता हुआ निगाहों से ओझल हो गया. जमीन पर मौजूद टीम ने अपने सूटों की सेटिंग्स को बदलते हुए कैमोफ्लेज ऑन कर दिया, जिससे वे आसपास के वातावरण का ही एक हिस्सा नजर आयें. फिर उन्होंने भारी गुरुत्वाकर्षण यूनिट को बस्ती की ओर ले जाते हुए बारी-बारी से चलना शुरू किया. कुछ किलोमीटर दूर रह जाने पर टीमों खामोशी से दो हिस्सों में बंट गईं: एक टेलिस्कोप की तरफ बढ़ गई जबकि दूसरी पैड पर खड़े किफ़रविस शिप की ओर. ‘अंतरिक्ष’ ग्रह के सुदूर कोने पर बस्ती से दूर ऑर्बिट में चक्कर काट रहा था.

उन्हें सतह पर मौजूद टीमों के अपने काम पूरे कर लेने तक वहीं छुप कर रहना था. वहां पूरी तरह रेडियो साइलेंस था और अगले 6 घंटों तक इंतजार करने के दौरान शिप को उनकी ओर से कोई भी संदेश या सिग्नल नहीं मिलने वाला था. माधवन और उसके दो साथी रेडियो टेलिस्कोप तक पहुंच गए. ढांचे के अंदर घुसना काफी आसान था, क्योंकि वहां कोई भी बाड़ या गार्ड मौजूद नहीं था. हर ओर अंधेरा था और उनका डेटा बता रहा था कि यह अभी 4 घंटे तक और रहने वाला था. किसी प्रकार के कंट्रोल रूम को खोजते हुए वे सावधानी से एंटीनाओं के बीच से रास्ता बनाते हुए अंदर बढ़ते गए, जो कि काफी कुछ धरती से मिलते जुलते थे.

इंजीनियर ने काफी दूरी पर कुछ नज़र आया और उसने अपने साथियों को अपने पीछे आने का इशारा किया. यह बिना खिड़कियों वाली एक छोटी बिल्डिंग थी. उन्होंने इसके चारों ओर घूम कर देखा और पाया कि उसकी पूर्वी दीवार में एक दरवाजा बना हुआ था. उसके अंदर पूरी तरह अंधेरा था. उन्होंने अपने EVA सूटों में लगी लाइटों को ऑन कर लिया. माधवन को पूरा यकीन था कि बिल्डिंग के अंदर लाइट का कोई न कोई स्रोत अवश्य होना चाहिए, लेकिन वह उन्हें ढूंढना और ऑन करना नहीं चाहता था, क्योंकि उन्हें ऑन करने से किसी प्रकार के अलार्म बजने का खतरा था.

अब तक या तो उनकी किस्मत उनका साथ दे रही थी या फिर एलियनों ने इस ग्रह के लिए अनावश्यक समझकर किसी भी तरह के सुरक्षा इंतजाम नहीं किए थे. कमरे के बीचों-बीच डेस्क जैसी एक चीज पर उन्होंने अपना कंप्यूटर सेट अप किया और एलियनों के कंट्रोल पैनल के साथ इंटरफ़ेस करने का काम शुरू किया. उन का विचार था कि शायद उन्हें हार्डवेयर इंटरफ़ेस की जरूरत न पड़े और वे माइक्रोवेव बैंड से ही उसे कनेक्ट करने में सफल हो पाएं.

उनके सिस्टम ने जल्दी ही चैक करना शुरू किया और उपलब्ध चैनलों में से एक संभावित चैनल की पहचान भी कर ली. इतनी आसानी से अपना काम हो जाने पर माधवन मुस्कुरा दिया और फाइलों को खोलकर उनमें

हेरफेर करने के तरीके ढूँढने लगा. ऐसा लगता था कि आज किस्मत पूरी तरह उनके साथ थी. दूसरी ओर लेफ्टिनेंट अपने साथी के साथ एलियन शिप की ओर बढ़ रहा था. उसके पास पहुंचने के लिए उन्हें काफी तिकड़म लगाने की जरूरत पड़ने वाली थी. सौभाग्यवश चारों ओर फैला अंधेरा और उनका अपना कैमोफ्लेज इस काम में उनकी मदद करने वाले थे.

उन सबके डिस्प्ले पर IR व्यूअर लगे थे जो आसपास के पूरे इलाके का एकदम सटीक दिन जैसा वीडियो पेश कर रहे थे. शिप के आसपास कोई भी गार्ड मौजूद नहीं थे और उसे उम्मीद थी कि उसके अंदर भी कोई नहीं होगा. अपने चारों ओर का सावधानीपूर्वक जायजा लेते हुए वे उस के मुख्य द्वार को ढूँढने लगे. सबसे निचले हिस्से में उन्हें एक चौड़ा हैच नज़र आया, लेकिन उसे कंट्रोल पैड से लॉक किया गया था. टीम का इंजीनियर सदस्य उसके साथ इंटरफ़ेस करने के काम में लग गया.

कुछ मिनटों की कोशिश के बाद उसने सर हिला दिया और लेफ्टिनेंट की ओर मुड़ कर बिना आवाज़ किये सिर्फ होंठ हिलाते हुआ बोला, “इस से काम नहीं चलेगा. इंटरफ़ेस कोड को हल नहीं कर पा रहा है.”

लेफ्टिनेंट ने सर हिलाया और अपने पुराने जमाने वाले औजारों को निकाल लिया. वह लेजर कटर यूज करने का खतरा नहीं उठाना चाहता था, क्योंकि इसे बस्ती से देखा जा सकता था. वह धीरे-धीरे लैंडिंग गियर के चारों ओर लगे कुंडों को खोलने की कोशिश करने लगा. वे यह मानकर चल रहे थे कि हो सकता है वे उसके अंदर घुस ही न पायें. ऐसी स्थिति के लिए दूसरा प्लान था कि वे अपने उपकरण को लैंडिंग गियर के आसपास किसी सुरक्षित क्षेत्र में सेट कर दें और जब तक संभव हो, इसे छुपा कर ही रखें. तभी केइशम के सूट से एक हल्की सी आवाज़ सुनाई दी.

उसने किसी की मौजूदगी के लिए अपने चारों ओर नज़र घुमा कर देखा. IR व्यूअर ने उसे इमेज को बड़ा करके दिखाया और केइशम ने राहत की सांस ली. यह कैप्टन की टीम के सिक्योरिटी ऑफिसरों में से एक था. यह यहां क्या कर रहा है, केइशम ने सोचा. फिर उसने निश्चय किया कि अभी यह प्रश्न पूछना बेकार था और उसकी बजाय उससे मदद लेना ज्यादा बेहतर होगा. उसने ऑल क्लियर का इशारा किया और उसे आगे आने के लिए कहा. तीनों ने उपकरण को सही पोजीशन में पकड़ा और उसे तारों और चिमटियों से बांध दिया.

इंजीनियर ने पोर्टेबल पावर सप्लाई से उसे जोड़ दिया और वायरिंग को पूरा कर दिया. फिर उसने बाकी लोगों को अंगूठा दिखाकर सफलता का संदेश दिया और क्लिपों को बंद कर दिया. फिर पूरी टीम वहां से बाहर निकलकर माधवन और उसके ग्रुप के पास जाने के लिए रेडियो टेलिस्कोप की ओर बढ़ गई, जबकि लेफ्टिनेंट ने ऑर्बिट में घूम रहे शिप को एक छोटी सी बीप द्वारा संदेश भेज दिया कि उनका काम पूरा हो गया है. दूसरी टीम जब कमरे में घुसी तो माधवन ने पीछे मुड़ कर उन्हें देखा. उन्होंने इशारा करके उसे बताया कि उनका काम सफलतापूर्वक पूरा हो गया है.

लेकिन उसकी अपनी कोशिशें अब तक पूरी तरह सफल नहीं हुई थीं. उसके पास कैप्टन के वार्तालापों से मिले पहले वाले ट्रांसमिशन की भाषा और उनके ऑपरेटिंग सिस्टम के बारे में काफी जानकारी थी, जिसकी सहायता से नारद ने उनकी भाषा को समझने में कुछ सफलता प्राप्त की थी. उन्होंने एलियंस के साथ हुए संचार पर काम करने के लिए उसका भी विश्लेषण किया था. अब तक वह कंप्यूटर सिस्टम में घुसने में तो सफल रहा था लेकिन ऑपरेटिंग सिस्टम से सही फाइलों को छांटना काफी मुश्किल लग रहा था.

2 घंटे की जी तोड़ मेहनत के बाद आखिरकार वह मुख्य कंट्रोल तक पहुंचने में सफल हो ही गया. डिस्प्ले में कंट्रोल इंटरफ़ेस का अनुवाद भी नज़र आ रहा था और वह उसी के सहारे कंट्रोल पर कुछ देर काम करता रहा. आखिरकार उसका काम भी पूरा हुआ और अब वह भी तैयार था. उसने भी अंतरिक्ष को एक बीप द्वारा अपना संदेश भेज दिया. फिर वे लोग आराम से बैठ कर इंतज़ार करने लगे. अगर रायन को उनकी मदद की जरूरत होगी तो वह खुद उनसे संपर्क करेगा. तब तक उनके पास आराम करने और सोने के लिए एक-दो घंटे का समय था. इसी बीच केइशम दरवाजे के बाहर खड़े गार्ड के पास जा खड़ा हुआ.

## 2117 – चाल

-----[-]-----

दोनों टीमों में सफलतापूर्वक अपने-अपने काम पूरे करके चेक-इन कर चुकी थीं। अब अगला कदम उठाने की बारी रायन की थी। सतह पर मौजूद अपनी दोनों टीमों में से किसी के भी साथ संपर्क करके वह रेडियो साइलेंस को तोड़ना नहीं चाहता था, क्योंकि उसे डर था कि कहीं एलियन उसका सिग्नल पकड़ कर यह न जान जायें कि वह क्या करने वाला है। सबसे पहले कैप्टन को एक संदेश भेजने की ज़रूरत थी, ताकि वह भी इस नाटक में उनका साथ दे सके।

“संचार को कैप्टन के लिए खोल दो,” एक टेस्ट सिग्नल भेजने और उसके डिलीवर हो जाने और कैप्टन द्वारा पढ़ लिए जाने की पावती आने के बाद रायन ने आदेश दिया। यह संदेश था “अब गेम खेलने की बारी हमारी है।”

“कैप्टन, मैं रायन बोल रहा हूँ। हम आप के ठीक ऊपर ऑर्बिट में हैं।” अनारा ने राहत की सांस ली। उसे चिंता हो रही थी कि अंतरिक्ष के सिस्टम में कोई बड़ी खराबी न आ गई हो या उसके लोगों को कोई नुकसान न पहुंचा हो, लेकिन अब रायन वापस आ गया था। उसने किफरविस की ओर देखा।

“मैं अब अपने कमांडर को जवाब देने जा रही हूँ,” उसने उनके नेता को संबोधित किया, “और मैं इसे सबके सामने करूंगी ताकि तुम भी सुन सको कि वह क्या कह रहा है।” किफरविस लोगों के पास इसके अलावा और कोई चारा भी नहीं था - वह मन ही मन सोच रही थी। उसके व्यक्तिगत डिस्प्ले पर हो रहा संदेशों का आदान प्रदान उसे वह सब बता रहा था, जो वह जानना चाहती थी और इसे एक पर्सनल टू पर्सन कोड से एनक्रिप्ट किया गया था, ताकि कोई उसे समझ न सके। “आपकी आवाज फिर से सुन कर अच्छा लगा, कमांडर,” उसने जानबूझकर कहा, क्योंकि उसे पता था कि किफरविस लोग कान लगाए उसकी बातें सुन रहे हैं।

हॉल के अंदर भी हलचल शुरू हो गई थी क्योंकि उनकी बातों की आवाज से लोग जाग गए थे और इस शोरगुल का कारण जानना चाहते थे। उसकी टीम भी एक जानी-पहचानी आवाज को सुनकर जाग गई थी और रावत और डॉक्टर खान उसके साथ साथ आकर खड़े हो गए थे।

“मुझे उम्मीद है कि किफरविस मुझे सुन सकते हैं, कैप्टन।”

“हाँ, सुन सकते हैं, रायन। वे यहीं ठीक मेरे सामने हैं,” अनारा ने पुष्टि की। “तुम अपनी बात बोलो।” उसने किफरविस नेता की ओर देखा। वह उसके चेहरे के भावों को तो नहीं पढ़ सकती थी, अगर उसे चेहरा कहा जा सकता था तो। लेकिन वह इतना अवश्य जानती थी कि वह हैरान अवश्य होगा कि यह क्या हो रहा है।

“मेरा अगला संदेश किफरविस के नेता के लिए है,” रायन की आवाज़ अनुवाद यंत्र से बाहर आई। “तुमने हमारे लोगों को बंधक बनाकर रखा है। तुमने हमारे शिप पर हमला भी किया है, यह न समझते हुए कि हम लोग सिर्फ शांति चाहते हैं। ऐसा करके तुमने धरती के लोगों के खिलाफ युद्ध का बिगुल बजाया है। मुझे नहीं पता तुम्हारे इरादे क्या हैं। न ही मैं उनकी परवाह करता हूँ। मुझे सिर्फ नीचे ग्रह पर मौजूद मेरे लोगों की परवाह है। अब मैं भी तुम्हें तुम्हारी ही भाषा में जवाब दूंगा।”

पूरे हॉल में बिल्कुल सन्नाटा छा गया था, क्योंकि लोग दरवाजे के नजदीक हो रहे इस वार्तालाप को ध्यान से सुन रहे थे। जो और लूसी जैसे कुछ लोग इसे ज्यादा साफ सुनने के लिए आगे आ गए थे, जबकि अधिकतर लोग अपने स्थानों पर ही बैठे थे। उसका अपना सिक्योरिटी ऑफिसर अपनी जगह पर हथियार को हाथ में कस कर पकड़े बेचैनी से पहलू बदल रहा था। सिर्फ वह और रावत सीधे दुश्मन की आंखों में आंखें डाल कर अपनी जगह पर बिना हिले-डुले खड़े थे। और तभी एक जोरदार धमाका हुआ और पूरा इलाका हिल गया। हॉल की छत टूटकर लोगों के सर पर गिरने लगी। लोग डर से चिल्लाने लगे।

“यह मेरे बदले का सिर्फ एक छोटा सा नमूना था। हम जो बम लेकर आए हैं, यह उनमें से सिर्फ एक था।”

किफरविस ने अपने चारों ओर देखा जैसे जवाब देने के लिए उसके पास कोई शब्द न हों। फिर वह बोला, “मुझे नहीं पता तुम वापस कैसे आ गए या यह विस्फोटक क्या है। लेकिन तुम अपने लोगों को लो और यहां से चले जाओ।”

“जी नहीं, अब यह नहीं होने वाला,” रायन ने जवाब दिया। “अब तो हम अपना मिशन पूरा करके, डिस्कैट से मिलकर ही जाएंगे। अभी हम यहां से नहीं जा रहे हैं।”

“तुम बच नहीं पाओगे। हमारे शिप ने अभी तुम्हें हराया था। यह दोबारा हराएगा,” नेता ने कहा और अपने लोगों को इशारा किया।

“हम कहीं नहीं जाएंगे,” अनारा ने बड़ी ही शांति से जवाब दिया. “हमारे पास ऐसा कुछ है जिसे तुम्हें जान लेना चाहिए.”

“बिल्कुल ठीक, श्रीमान. आप का शिप और आप कहीं नहीं जा रहे हैं,” रायन ने कहा. “कृपया अपने हथियार मेजर को दे दें.”

नेता के नथुने गुस्से से फूलने लगे, “तुमने यह किया क्या है?” वह गुरगुराया.

“कुछ खास नहीं. सिर्फ इतना कि तुम्हारा रेडियो टेलिस्कोप हमारे कब्जे में है और तुम्हारे शिप पर एक विस्फोटक हथियार लगा दिया गया है.”

“यह हथियार क्या है?”

“एक ऐसा उपकरण जिसका बटन यहां शिप पर मेरे पास है. अगर तुमने शिप को उड़ाने या उस तक पहुंचने की भी कोशिश की, तो मैं बम को विस्फोट कर दूंगा और उससे तुम्हारा शिप और उसके आसपास खड़े सब लोग नष्ट हो जाएंगे. और अगर इतना तुम्हारे लिए काफी न हो, तो मैंने तुम्हारी लोकेशन से 500 किलोमीटर दूर एक परमाणु बम भी लगा दिया है. अगर मैं उसे विस्फोट कर दूं तो 100 किलोमीटर रेडियस के दायरे में सब कुछ पूरी तरह नष्ट हो जाएगा. इससे तुम्हारा ग्रह अंदर तक हिल जाएगा और यहां ऐसी सर्दी पड़ेगी कि कुछ भी जिंदा नहीं बचेगा. इस बात की पूरी संभावना है कि तुम्हारी आने वाली कई पीढ़ियां तक खत्म हो जाएंगी. दुर्भाग्य की बात है कि मैं तुम्हें इसका डेमो अभी यहीं नहीं दे सकता. लेकिन अगर तुम चाहो तो मुझे इसके लिए मजबूर कर सकते हो और फिर खुद देख लेना कि क्या होगा,” रायन ने कठोर शब्दों में जवाब दिया.

“नष्ट कर दोगे? तुम अपने खुद के लोगों को ही मार दोगे? सब को?”

“अगर मैं उन्हें अपने साथ सुरक्षित नहीं ले जा सकता, तो मैं यह ज्यादा पसंद करूंगा कि हम सब यहीं मर जाएं,” रायन ने कहा. वह पूरी कोशिश कर रहा था कि उसकी आवाज ज्यादा फ़िल्मी न हो जाए और ये किफरविस और हुज़रिस उसकी धमकी को हवा में न उड़ा दें.

इन लोगों को भला कैसे पता हो सकता था कि धरती के लोग इंसानी जीवन की कितनी कद्र करते हैं. कंट्रोल रूम में मनीषा ने हैरानी से उसकी ओर देखा. यह रायन क्या कह रहा था! रायन ने उसकी ओर आंख मार कर उसे आश्चर्य किया और अपनी स्क्रीन की ओर वापस मुड़ गया. “हम इस रेडियो टेलिस्कोप को धरती पर एक संदेश भेजने के लिए उपयोग करेंगे. हमारी फौजें इस ग्रह से सिर्फ एक प्रकाश वर्ष दूर खड़ी हैं और जल्द ही यहां पहुंच जाएंगी. मैंने टेलिस्कोप को भी इस इलाके में एक बड़ी फ़ील्ड जनरेट करने के लिए इस तरह प्रोग्राम कर दिया है, जिससे तुम किसी भी तरह के सिग्नल भेज और प्राप्त नहीं कर सकते. तो अब आप समझे, श्रीमान, कि आप मेरे सामने बिल्कुल निस्सहाय हैं,” उसने व्यंग्य से कहा.

ग्रह पर ‘दूसरों’ का ग्रुप अपने नेता के आदेशों का इंतजार कर रहा था. वे बहुत गुस्से में और साथ ही लाचार भी दिखाई दे रहे थे.

“अपने सभी लोगों को यहां बुलाओ, अभी!” अनारा ने आदेश दिया. साथ ही उसने रायन का वह संदेश भी देखा, जो वह अपनी बाकी टीमों को अपने-अपने क्षेत्रों को सुरक्षित करने के लिए दे रहा था. एक बार ऑल क्लियर मिल जाने के बाद सिक्योरिटी के लोगों को गांव में इधर उधर घूम रहे बचे खुचे किफरविस लोगों को भी एक जगह इकट्ठा करने का आदेश दे दिया गया.

निराशा के कारण किफरविसों के कंधे झुक गए थे. रावत और उसके लोग उन्हें हांक कर कमरे के बीचों-बीच ले आए थे. अब हॉल में भीड़ काफी बढ़ गई थी और इसलिए अनारा ने जो को उसके कुछ लोगों को वहां से बाहर ले जाने के लिए कहा. उनमें से कुछ को दूसरों पर निगरानी करने के लिए सिक्योरिटी ऑफिसरों के साथ ड्यूटी पर लगा दिया गया.

“बहुत बढ़िया, रायन. यह एक अच्छी चाल थी. मैं काफी प्रभावित हुई. तो अब हमें क्या करना है?” अनारा ने पूछा.

“यह सब तुम्हारी वजह से ही हुआ है, कैप्टन,” रायन ने स्क्रीन पर कंधे उचकाते हुए जवाब दिया. अब क्योंकि दूसरे उनके नियंत्रण में थे, इसलिए उसने पूरा संचार एक्टिवेट कर दिया था. “मैं बस इतना ही कर सकता था. मुझे उम्मीद थी कि अगला तुरूप का इक्का तुम चलोगी!”

“मुझे लगता है कि हमें कुछ देर यहां इंतजार करना चाहिए, रायन. देखते हैं कि क्या अब ये दूसरे लोग हमसे थोड़ा ढंग से बात करते हैं या नहीं.” अपना अगला कदम सोचते हुए अनारा ने कहा. उसकी योजना थी कि अंतरिक्ष और उसके कू के सदस्य तब तक यहां ग्रह पर इंतजार करेंगे, जब तक डिस्क्रेट या उसके कोई प्रतिनिधि उनसे मिलने नहीं आते. लेकिन अपने ग्रुप के लोगों और ग्रह पर मौजूद दूसरे इंसानों की जान के लिए दूसरों की



आक्रामकता उसे भयभीत भी कर रही थी. इस बारे में उसके विचार जानने के लिए वह जो की ओर मुड़ी.

## 2117 – नए दोस्त

-----[-]-----

“संपर्क, कमांडर!” ऑपरेशन सेंटर में अपने स्टेशन से मनीषा ने पुकारा. “उसी कॉन्फ़िगरेशन के साथ एक तीसरा शिप ग्रह पर पहुंच रहा है!”

“फुल अलर्ट कर दो, मनीषा!” रायन ने आदेश दिया. सारी लाल लाइटें ऑन हो गईं और पूरे शिप पर सायरन बजने लगे. यह सब अब बहुत थकाने वाला होता जा रहा था. नए नए संपर्कों के इस खेल को अब जल्दी खत्म होना चाहिए, उसने सोचा. आखिर इन किफ़रविसों के पास कितने शिप और हैं? नाक में दम कर रखा है! हर कुछ दिनों के बाद एक नया शिप निकलकर सामने खड़ा हो जाता है, जैसे सबने अपना-अपना टाइम फ़िक्स कर रखा हो.

“हमें इन लोगों का सामना करना होगा. जब तक यह न पता लग जाए कि ये लोग कौन हैं हमें इन्हें लैंड करने से रोकना होगा. संचार को कैप्टन से कनेक्ट करो. शिप को रुकने का सिग्नल दो, मनीषा. देखते हैं कि क्या माधवन ने रेडियो से जो पता लगाया था, वह ठीक है या नहीं.”

जैसे ही मनीषा ने सिग्नल भेजा, सामने से आ रहा शिप अंतरिक्ष में ही रुक गया.

“वे विजुअल भेज रहे हैं, कमांडर,” उसने रिपोर्ट दी.

“डिस्प्ले चालू करो. देखते हैं आखिर ये लोग हैं कौन. हथियार तैयार रखो.”

जल्द ही डिस्प्ले पर अपने कंट्रोल रूम में बैठे अन्य किफ़रविसों की तस्वीर दिखाई देने लगी. “तुम लोग आगे नहीं जा सकते. यह ग्रह अब हमारे नियंत्रण में है,” रायन ने सपाट शब्दों में कहा.

“तुम्हारे नियंत्रण में? हम समझे नहीं. हमारे शिप कहां हैं?” अपनी भाषा में बात करना आसान था, रायन ने सोचा. अब ज्यादा लाइटों और सेटिंग्स से खिलवाड़ करने की जरूरत नहीं थी. “हम धरती ग्रह से आए हैं. तुम्हारे शिप ने हम पर हमला किया और हमें उसका जवाब देना पड़ा. अब तुम्हारे लोग हमारे कैदी हैं. हमने उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है, लेकिन मेरे पास नीचे ग्रह पर एक बहुत बड़ा परमाणु बम है. अगर तुमने कोई भी गलत चाल चलने की कोशिश की तो तुम्हारा यह छोटा सा ग्रह पूरी तरह नष्ट कर दिया जाएगा. इसे धमकी मत समझना, यह हकीकत है.”

“हम नीचे मौजूद अपने लोगों से बात नहीं कर पा रहे हैं. क्या तुम हमारी मदद कर सकते हो?”

“हमने वहां एक EM फ़ील्ड सेटअप कर दिया है ताकि तुम हमारी पीठ पीछे कुछ गड़बड़ न कर सको. अब मुझे अपने इरादे साफ़ साफ़ बताओ और तब हम सोचेंगे कि क्या करना है.”

“हम यहां इसलिए आए हैं क्योंकि हमारे इंसान बच्चों ने हमें बुलाया था.”

“इंसान बच्चे? तुम्हारा मतलब जो, लूसी और दूसरे इंसान?”

“हां, हमने उन्हें यहां इसलिए छोड़ा था, ताकि वे यहां शांति से रह सकें. लेकिन जो ने कहा कि दूसरे आ गए हैं और उसने हम से मदद मांगी.”

“तो...तुम लोग ‘गार्डियन’ हो?” हकीकत समझ आने पर रायन ने पूछा.

“गार्डियन? हां, तुम हमें इस नाम से बुला सकते हो,” उनका जवाब आया. “क्या तुम हमें जो से बात करने दोगे?”

“इसे प्रूव करो.”

“प्रूव?”

“तुम्हारे पास ऐसा कुछ जरूर होगा जो नीचे मौजूद इंसानों से तुम्हारे संबंध को दिखा सकता हो.”

“हमारे संबंध को दिखाता हो? हां, हमारे पास ऐसा कुछ है. हम अभी भेजते हैं.” एक नए डिस्प्ले पर एक नया वीडियो खुल गया. इसमें एक सुविधा में बहुत से इंसानी बच्चे दिखाई दे रहे थे, जो काफी कुछ उससे मिलते जुलते थे, जैसा जो ने कैप्टन को बताया था. हुज़रिस पर भेजे जाने तक उन्होंने उन बच्चों को उनके जीवन की अलग-अलग अवस्थाओं में देखा. बच्चों के चारों ओर किफ़रविस भी साफ़ साफ़ नजर आ रहे थे.

“नारद, इनके चेहरों की तुलना करो, जल्दी,” रायन ने आज्ञा दी. एक तीसरी स्क्रीन नजर आने लगी, जो तुलना के नतीजों को दिखा रही थी. ग्रह पर मौजूद कम से कम दो चेहरे वीडियो की फीड से मेल खा रहे थे. डिस्प्ले पर चल रहा वीडियो समाप्त हो गया और एक तस्वीर उस पर नजर आने लगी. एक गोल डिस्क जिस पर कुछ लिखा हुआ था और कुछ तस्वीरें बनाई गयी थीं!

“वॉयेजर 1 वाली गोल्डन डिस्क!” मनीषा की किलकारी निकल गई.

“हां, ऐसा ही लगता है मनीषा.”

“नारद, फिर से एक बार विजुअल तुलना करोगे, प्लीज़?”

“डिस्क की यह तस्वीर मूल गोल्डन रिकॉर्ड जैसी ही है कमांडर. मैं इस बात की पुष्टि तो नहीं कर सकता कि यह तस्वीर कब ली गई, लेकिन इसका मूल धरती नहीं है,” नारद ने रिपोर्ट दी.

“हूं. तो इसका मतलब है कि आखिरकार अब हम उन लोगों से मिल रहे हैं, जिन्होंने धरती पर सिग्नल भेजा था. यह थ्योरी कि किसी ने वॉयेजर 1 को ढूंढा, अब पूरी तरह सच साबित हो गई है.”

“क्या तुम डिस्कैट का एक हिस्सा हो?” रायन ने स्क्रीन पर नजर आ रहे किफरविस से पूछा.

“तुम डिस्कैट के बारे में जानते हो? हां, हमें डिस्कैट ने ही भेजा है. तुम हमें किफरविस की साइंस टीम कह सकते हो. क्या तुम धरती के नेता हो?”

“धरती के नेता?” रायन मुस्कुराया. “नहीं, मैं धरती का नेता नहीं हूं. हम धरती से आए शिप के छोटे से कू के लोग हैं. शिप की नेता नीचे ग्रह पर दूसरे इंसानों के साथ हैं. उनका नाम कैप्टन अनारा है. मैं उनका सहायक हूं, कमांडर रायन.”

किफरविस इस सूचना पर विचार कर रहा था. “क्या तुम अपने ग्रह के लोगों की ओर से बात कर रहे हो?”

“मेरे ख्याल से मैं उन्हीं की तरफ से बात कर रहा हूं. हम यहां तुम्हारे संदेश के जवाब में आए हैं और शांति चाहते हैं. काफी लड़ाई हो चुकी है. अब इसे यहीं समाप्त होना चाहिए. लेकिन जब तक हमारी कैप्टन हमें नहीं कहती, मैं अपने परमाणु उपकरण को नहीं हटाऊंगा. इससे कुछ छेड़खानी करने की या किन्हीं हथियारों का प्रयोग करने की कोशिश मत करना.”

“हम...हम तुम्हें यकीन दिलाते हैं. क्या अब हम अपने लोगों से बात कर सकते हैं?”

“धन्यवाद. मैं तुम्हारी बातों पर पूरा विश्वास करता हूं और मुझे खेद है कि हमारी मुलाकात इन परिस्थितियों में हुई. मैं अपनी कैप्टन से संपर्क कर रहा हूं और तुम मेरे लिंक के द्वारा अपने लोगों से बात कर सकते हो. मैं तुम्हें क्या कह कर बुलाऊं? क्या तुम लोगों के कोई नाम हैं?”

“मुझे राइ-हीजा कहते हैं और जो हुआ उसका मुझे भी बहुत अफसोस है, दूसरे लोग हमारे ग्रह पर काफी समय से शांति भंग कर रहे हैं और ऐसा लगता है कि अब उन्होंने हुज़रिस पर भी परेशानी पैदा करना शुरू कर दिया है. मैं इस परेशानी को खत्म करने ही यहां आया हूं.”

## 2117 – गठबंधन

-----[-]-----

“कैप्टन?”

“हां, कमांडर. हमने तुम्हारी बातें सुनीं. जो ने इस कहानी की पुष्टि की है. वह जानता है कि दूसरे शिप पर जो लोग हैं वे कौन हैं.”

“तो आप क्या कहती हैं, कैप्टन? क्या मैं आपको उनसे कनेक्ट करूं?” रायन ने पूछा.

“मुझे एक मिनट सोचने दो रायन. यहां मौजूद दूसरों ने भी सुना है कि क्या हुआ है और वे इस बात से ज्यादा खुश नहीं हैं. हमें उन्हें कंट्रोल में रखने के लिए काफी मशक़त करनी पड़ रही है.”

“क्या आपको और गाड़ों की जरूरत है?” चिंतित होते हुए रायन ने पूछा. सतह पर मौजूद दूसरों का गुप उनकी पार्टी से काफी बड़ा था और अगर वे लोग हिंसा पर उतारू हो जाते तो कैप्टन के लिए उन्हें कंट्रोल करना मुश्किल हो सकता था.

“हां. मेरे खयाल से, ज्यादा संख्या में होना सुरक्षा के लिहाज से हमेशा अच्छा रहता है, रायन. मैं चाहती हूं कि तुम भी यहां मेरे साथ रहो और मुझे शिप से कुछ सुविधाओं की भी जरूरत है. यहां पहले से ही काफी ज्यादा लोग मंडरा रहे हैं. तुम्हें क्या लगता है कि क्या तुम और यह तीसरा शिप यहां लैंड कर सकते हो? और फिर हम सोच सकते हैं कि आगे क्या करना है.”

“ठीक है, कैप्टन. मैं उन्हें नीचे जाने के लिए कहूंगा लेकिन उन पर पुरा नियंत्रण रखूंगा. फिर अंतरिक्ष लैंड करेगा, कुछ लोगों को छोड़ेगा, मेजर और माधवन को लेगा और वापस ऑर्बिट में चला जाएगा. जब तक हम इस समस्या को हल करते हैं, हम तीनों शिप्स को कुछ समय के लिए निष्क्रिय कर देंगे. इससे अगर उनका कोई और शिप भी आ जाता है, तो कम से कम हमें लड़ाई के लिए बराबरी का मौका तो मिलेगा.”

“कोई हर्ज नहीं,” अनारा ने अपनी सहमति दी. रायन ने अपना निर्णय तीसरे शिप के लोगों को सुनाया और लैंड करने के लिए नीचे आते हुए उन्होंने एक सुरक्षित दूरी से इसका पालन किया. उसके कुछ मिनटों बाद अंतरिक्ष ने लैंड किया और जितनी जल्दी उनके EVA सूट उन्हें अनुमति देते थे, उतनी जल्दी लोगों का आदान प्रदान हुआ. कुछ नए सूट भी नीचे गिरा दिए गए और रायन और दो अन्य लोग हॉल की तरफ चल दिए, जबकि अंतरिक्ष ऊपर उठते हुए वापस ऑर्बिट में चला गया.

हमें एक छोटे लैंड करने वाले एयरक्राफ्ट की बहुत जरूरत है, ‘अंतरिक्ष’ के स्पेस में चले जाने के बाद उसके स्थान पर पड़े गड्डे को देखते हुए माधवन ने सोचा. बार बार लैंड करने से उस विशाल शिप को न जाने क्या क्या झेलना पड़ रहा होगा.

अनारा EVA शेल्टर में उनका इंतजार कर रही थी. कई दिन बाद अपने सूट को बदलने का मौका पाने पर वह खुश थी और सिर्फ अंतरिक्ष के लोगों से घिरी बैठी थी. पिछले कुछ दिनों का तनाव उसके चेहरे पर साफ दिखाई दे रहा था और वह जितना उनके सीमित स्रोतों से संभव था, उतना खुद को बेहतर दिखाने की कोशिश कर रही थी. वह बहुत बुरी तरह से थकी हुई थी और उसे गर्म पानी के शावर की भी काफी जरूरत थी.

केवल यही विचार उसे काम करने की शक्ति और प्रेरणा दे रहा था कि जल्द ही वह दुनिया की पहली चौतरफा अंतरग्रह कॉन्फ्रेंस की मेजबानी कर रही होगी.

“तुम बहुत ज्यादा थकी दिखाई दे रही हो कैप्टन,” रायन ने टिप्पणी की.

“जरा देखो तो कौन बोल रहा है,” उसने पलट कर जवाब दिया.

“जैसे तुम खुद बड़े फ्रेश नजर आ रहे हो! वो अलग बात है कि अभी भी उतने ही हैंडसम दिख रहे हो. खैर, तुम्हारा यह एडवेंचर वाकई कमाल का रहा!”

“तो अब क्या होगा?”

“हम दोबारा बात करेंगे और इस बार हम फाइनल जवाब लेंगे.” उसने जल्दी जल्दी खाने का एक पैकेट निगला और उसे हॉल में अपने पीछे आने का इशारा करते हुए उठ खड़ी हुई, जहां यह अनौपचारिक मीटिंग होने वाली थी.

अंदर घुसते ही सबसे पहले जो नजारा उन्हें दिखाई दिया, वह दुश्मनी का था, लेकिन यह किफरविस के दोनों समूहों के बीच था, जो हॉल के बीचों बीच रखी एक खुरदुरी टेबल के दोनों तरफ खड़े एक दूसरे को घूर रहे थे. वे धीमी आवाजों में काफी नाराजगी से एक दूसरे से बातें कर रहे थे. हुज़रिस के कुछ इंसान आस पास खड़े उन्हें देख

रहे थे, जबकि धरती की सिक्योरिटी के लोग उन पर अपनी पैनी नजरें गड़ाए हुए थे।

अनारा ने अपने शिप से संचार को खोल दिया और इस बात को सुनिश्चित किया कि वहां जो भी हो रहा था, मेजर उसे देख और सुन सके और साथ ही रिकॉर्ड भी कर सके। उसकी टीम के EVA सूटों के उपकरण आपस में एक दूसरे से जुड़े हुए थे, ताकि उन्हें पूरे कमरे का 3D व्यू मिल सके। अनारा कमरे के एक कोने में किफरविसों की बातें समाप्त होने का इंतजार करने लगी।

कुछ देर बाद आखिरकार उन्होंने उसे देखा और दोनों ग्रुप अलग अलग होकर खड़े हो गए ताकि वह उनके बीच आ सके। उसने उन्हें बैठने के लिए कहा और खुद राइ-हीजा के सामने खड़ी हो गई। “मेरे ख्याल से सारी इच्छुक पार्टियां अब हॉल में हैं तो क्यों न हम शुरु से शुरुआत करें, राइ-हीजा? तुमने मेरे ग्रह से आई कॉल का जवाब दिया और तुम्हारे लोगों ने हर मोड़ पर हम पर हमला किया और हमारी दोस्ती के हाथ को ठुकरा दिया। मेरे ग्रह पर इसे दुश्मनी कहते हैं।”

फिर वह दूसरे ग्रुप से संबोधित हुई। “हालांकि जैसा कि अब तक तुमने देख ही लिया होगा, हम धमकियों के आगे झुकने वाले नहीं हैं। अगर जरूरत पड़े तो हम खुद को बचाने के लिए युद्ध भी करेंगे और जब करेंगे तो फिर वह युद्ध छोटा-मोटा नहीं होगा।” वह पल भर के लिए रुकी ताकि अनुवादक अपना काम पूरा कर सकें और संदेश उन लोगों को अच्छी तरह समझ आ सके। “अब तुम अपनी कहानी सुना सकते हो। इस ग्रह पर ये इंसान कौन हैं और किफरविस के लोग क्या चाहते हैं - शांति या युद्ध?” उसने अच्छे-खासे ड्रामे के साथ अपनी बात पूरी की।

“इसमें थोड़ा समय लगेगा, कैप्टन अनारा,” राइ-हीजा ने अपनी बात शुरू की। “हम तुम्हारे ग्रह को जानते हैं क्योंकि तुम्हारे लोगों ने काफी समय पहले हमें एक प्रोब में एक संदेश भेजा था। हमने स्पेस की अपनी पहली खोज के दौरान इसे पाया था और अपने ग्रह पर ले आये थे। उससे पहले तक हमें लगता था कि पूरे ब्रह्मांड में सिर्फ हमारे ग्रह पर ही जीवन है। तुम्हारी ही तरह हम भी दूसरे ग्रहों पर जीवन के चिन्हों की खोज कर रहे थे और जब यह प्रोब हमें मिला तो हमारे ग्रह पर खुशी की लहर दौड़ गई।” ऐसा लग रहा था कि वह मुस्कुरा रहा है, लेकिन धरती के लोगों के लिए इसे समझ पाना कठिन था।

“हमारे वैज्ञानिकों ने उन चिन्हों को समझने के लिए बड़ी मेहनत की। उसमें एक प्लेट थी जिसमें काफी जानकारी थी, लेकिन हमें उस में मौजूद आवाजों को सुनने में कई साल लग गए और फिर उनका मतलब समझने में काफी टाइम और लग गया। हम यह सब कुछ गुप्त तरीके से कर रहे थे और जो हमें पता लगता था, धीरे-धीरे उसे अपने लोगों को बताते थे। आगे क्या करना चाहिए, इसके लिए हमने काफी विचार विमर्श किया। कई लोग इस बात से डरे हुए थे क्योंकि हम तुम्हारे बारे में कुछ भी नहीं जानते थे। डिस्कैट ने निश्चय किया कि आगे बढ़ने से पहले हम उस प्रोब से और बातें जानने की कोशिश करेंगे।”

अब राइ-हीजा के ग्रुप से एक अन्य व्यक्ति ने आगे आकर बोलना शुरू किया। “उस प्रोब को एक गुप्त स्थान पर ले जाया गया। हमने उसकी हर चीज की स्टडी की और महसूस किया कि यह जहां से आया था, वह सभ्यता कम से कम हमारे जितनी उन्नत तो थी ही। यह समझने में कि उस प्लेट को कैसे पढ़ना है, हमें काफी समय लग गया और ज़रा उस समय हमारी हैरानी की कल्पना करो, जब हम आखिरकार उस प्लेट को पढ़ने में सफल हुए और यह समझे कि वे तो उस भाषा में हैं, तुम उसे क्या कहते हो?”

“मैथमेटिक्स,” अनारा ने स्वचालित रूप से जवाब दिया। यह तरकीब वाकई काम आयी थी! यह सोच - कि गणित एक यूनिवर्सल भाषा है - पूरी तरह सही साबित हुई थी! उन लोगों को सलाम, जिन्होंने इस बात को समझा, उसने प्रभावित होते हुए सोचा। “और इस तरह आखिरकार तुम लोग धरती और उसके लोगों के बारे में जानने में सफल हुए।”

“यह अभी भी उतना आसान नहीं था। हम...देख सकते थे और...सुन सकते थे। लेकिन यह नहीं समझ पा रहे थे कि उसका क्या मतलब है। और तब हमें अगली सफलता मिली,” राइ-हीजा ने कहा, “हम ने उनमें से एक आवाज को पहचाना।”

“यह तो किसी थ्रिलर नॉवेल जैसा लग रहा है,” रायन फुसफुसाते हुए अनारा से बोला। “मेरा तो मन कर रहा है कि इसे कहूँ कि भाई, सीधा आखिरी पेज पर पहुँच जा।” राइ-हीजा ने उनकी ओर देखा और अनारा ने होठों पर उंगली रखते हुए उसे चुप रहने का इशारा किया। वे सच्चाई जानने के इतने करीब थे।

“सॉरी राइ-हीजा, तुम अपनी बात जारी रखो।”

“हां, मैं आवाज की बात कर रहा था। तब हमें वह आवाज सुनाई दी, जिसे हम कहते हैं हाइ-मग्न...मेरे ख्याल से तुम इसे धड़कन कहते हो। एक लगातार चलने वाली आवाज...’बफ’ ‘बफ’ ‘बफ’। उसके बाद अन्य शब्दों और अक्षरों को समझा गया और हम धीरे-धीरे तुम्हारी भाषा समझने लगे। डिस्कैट के आदेश के अनुसार इन संदेशों

को पूरे ग्रह के लिए चलाया गया. ये शांति के संदेश थे जैसा कि हम उन्हें समझ रहे थे. लेकिन अभी भी कुछ लोग इसके खिलाफ थे. उनका कहना था कि यह एक चाल है...और धरती के लोग हमें नष्ट करने के लिए आएंगे. जो भी हो, हम आपके बारे में और ज्यादा जानते रहे, जैसे तुम्हारा वन जीरो सीक्वेंस और कोड. इस भाषा को सीखने और एक अनुवादक यंत्र बनाने के लिए एक टीम भी बनाई गई. बीच बीच में कुछ गैप थे, लेकिन जानकारी कुल मिलाकर बहुत अच्छी थी.”

तभी अचानक दूसरों में से एक जोर से चिल्लाया, “तुमने पूरे किफरविस को धोखा दिया है, राइ-हीजा! अब देखो ये धरतीवासी अपने साथ क्या लेकर आये हैं. मौत और तबाही. वे शांतिप्रिय नहीं हैं. वे कभी शांति नहीं चाहते थे!”

राइ-हीजा ने गुस्से से जलती निगाहों से उनकी ओर देखा. “तुम कौन सी तबाही की बात कर रहे हो? क्या हमारे सारे शिप और सारे लोग सुरक्षित नहीं हैं? क्या हुज़रिस के इंसान सुरक्षित नहीं हैं? क्या पूरे ग्रह पर कहीं कोई तबाही हुई है? नहीं! धोखेबाज तो तुम हो! तुमने उन पर हमला किया. अब इसके आगे और कुछ मत बोलना. डिस्कैट ही अब तुम्हारा फैसला करेंगे.”

“एक्सक्यूज़ मी.” अनारा ने कहा. “यह डिस्कैट कौन या क्या है, जिसका जिक्र बार बार आ रहा है, राइ-हीजा?”

“कैप्टन, डिस्कैट मेरे...कॉन्टिनेंट के लिए सीट ऑफ लीडर है. हर कॉन्टिनेंट के लिए ये अलग-अलग होते हैं, जो कुल मिलाकर 3 हैं. वे हमारे ग्रह को चलाते हैं. तुम यह समझ लो कैप्टन, कि हम रहते एक ग्रह पर हैं लेकिन हमारे अलग-अलग इलाकों में अलग-अलग लोग हैं. पहले काफी सालों तक हम सीधे-साधे तरीके से रहते थे, लेकिन फिर भी... वहां बहुत से कबीले थे और उनमें लड़ाई होती रहती थी. यह तो केवल कुछ समय पहले ही हुआ कि हमें थोड़ी सी शांति मिली. जन्म से हम लोग शिकारी हैं कैप्टन, जैसा कि मेरे ख्याल से तुम भी समझ गयी हो, है न?”

“मुझे लगता है कि तुम्हें प्रोब में और कुछ भी मिला और उसमें दी गई तस्वीरें तुम्हारे ग्रह के कुछ प्राणियों से भी मिलती थीं.”

“बिल्कुल ठीक, हमारे ग्रह पर कुछ ऐसे जीव हैं जो कुछ कुछ तुमसे मिलते हैं. लेकिन प्रोब में हमें एक और हैरान कर देने वाली चीज मिली. उस के अंदर एक गुप्त चेंबर था.”

“गुप्त चेंबर?” अनारा ने दोहराया. उसे जो बताया गया था उसमें या डेटाबेस में तो इस तरह की किसी भी चीज का कहीं जिक्र नहीं था. शायद इन लोगों ने उस के किसी हिस्से को गलत समझ लिया था.

“हां, यह प्रोब के अंदर बहुत गहराई में छुपा हुआ था. उसमें हमें कुछ डिब्बे मिले. वे...जमे हुए थे. बहुत ठंडे. हमें लगता है कि स्पेस की सर्दी के कारण वे ऐसे जमे हुए रह पाए होंगे. हमने उन्हें अपने साइंस स्टेशन पर भेजा और ध्यान से उनकी जांच की.”

“और उन डिब्बों में क्या था?” रायन ने दबाव डाला.

“यह जीवन था! तुम्हें यह जानना चाहिए कि हम अंडों से नवनिर्माण करते हैं, हमें उसमें जो मिला वह अंडों जैसा ही था, लेकिन हैच होने के लिए तैयार. हम हैरान थे और हमने उनकी जांच की. इसमें कोई संदेह नहीं था कि यह जीवन ही था.”

अनारा और रायन ने एक दूसरे की ओर अर्थपूर्ण निगाहों से देखा. लगता है किसी प्रकार डेटाबेस में आने से यह बात छूट गई थी कि वायोजर पर काम करने वाले वैज्ञानिकों ने इस प्रोब में इंसानी अंडों की एक गुप्त खेप भी भेजी थी. लेकिन इसका मतलब क्या था? कोई भी व्यक्ति आखिर ऐसा क्यों करेगा?

“हमें समझ नहीं आ रहा था कि अब हम क्या करें. जितना हमारे वैज्ञानिक संभाल सकते थे, यह उससे कहीं ज्यादा था. आखिरकार इसे डिस्कैट पर छोड़ दिया गया. वे कई दिनों तक इस बारे में बहस करते रहे. हमारे हाथों में नया जीवन था लेकिन हमें यह नहीं पता था कि जैसा तुमने प्रोब पर दिखाया था, यह उसी तरह का था या कुछ और. हालांकि हमारे वैज्ञानिक यही मान कर चल रहे थे. साथ ही, हमने उन अंडों को अंदर गहराई तक टेस्ट भी किया. मुझे पता नहीं कि तुम लोग इस बात को जानते हो या नहीं कि हर प्रकार के जीवन को एक चीज की जरूरत होती है, जिसे हम ‘किशायी’ कहते हैं. हमारे वैज्ञानिकों को हमेशा से इस बात पर यकीन रहा है कि दूसरे ग्रहों से जो भी लोग हमें मिलेंगे, हमारा किशायी उनसे मिलता जुलता होगा.”

“DNA,” कैप्टन ने कहा. “हम इसे डी.एन.ए. कहते हैं. प्रोटीन के वे धागे जो यह बताते हैं कि हम कौन हैं और हम क्या बनेंगे.”

“हां, किशायी. तुम्हारा किशायी उन जानवरों से मिलता जुलता था, जिन्हें हम जुरान कहते हैं. पेड़ों पर रहने वाले विनम्र प्राणी, जिन्हें हम पालतू बनाकर रखते हैं.”

“तो तुम्हें इंसानी अंडे मिले और तुमने इनके डीएनए को अपने डीएनए से मिलता-जुलता पाया. क्या तुम जानते हो कि हम भी हमेशा इसी बात को मानते आए हैं कि सारा जीवन एक है. लेकिन तुमने हम से पहले इसे सिद्ध कर दिया. सदियों से हम इस बात को मानते आये हैं और कितनी अजीब बात है कि हम से अरबों, खरबों किलोमीटर दूर स्थित दो ग्रहों पर वही जीवन स्रोत आज हमें मिला है.”

“हां, तुम्हारी बात बिल्कुल सही है कैप्टन. हम सब एक ही हैं. खैर, डिस्कैट ने निश्चय किया कि हम इन अंडों को हैच करने की कोशिश करेंगे. इसके लिए सही परिस्थितियों और तरीके का निर्धारण करने में भी हमें काफी समय लग गया. इस बीच कुछ अंडे नष्ट भी हो गए, लेकिन हमारे वैज्ञानिकों ने बचे हुए अंडों को हैच किया और वे सब अब यहां कमरे में तुम्हारे सामने खड़े हैं,” राइ-हीजा ने हुज़रिस इंसानों की ओर इशारा करते हुए कहा. कैप्टन और उसकी टीम के सदस्यों ने पूरी कहानी बड़े ध्यान से सुनी थी और ग्रुप में कुछ लोगों की आंखें नम थीं.

इसका अर्थ था कि सामने खड़े ये इंसान पीछे धरती पर बरसों पहले के किन्हीं लोगों के बेटे और बेटियां थे. “यह तो कमाल ही हो गया!” रायन अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रख पाया, “हमें कदम-कदम पर सरप्राइज मिले, लेकिन यह वाला तो सब पर भारी पड़ा!”

## 2117 – हुज़रिस का इतिहास

-----[-]-----

“तो, इस कहानी के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है, रायन?” अनारा ने पूछा. उन्होंने एक छोटा सा ब्रेक लिया था ताकि किफरविस के लोग उनके सिक्वोरिटी ऑफिसरों की निगरानी में कुछ देर सूर्य की रोशनी में बैठ सकें. वे तीनों शेल्टर में बैठे हुए थे.

डॉ लियान ने कंधे उचकाये. “ऐसा संभव तो हो सकता है, लेकिन मुझे यह समझ नहीं आ रहा है कि वॉयेजर में इन इंसानी जायगोट्स को रखा किसने और उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात है - क्यों?”

“जिस तरह से वे इसके बारे में बता रहे थे, मुझे पूरा यकीन है कि यह काम अच्छी तरह सोच समझ कर किया गया है. किसी ने इंसानी डीएनए को स्पेस में जानते-समझते भेजा है. यदि यह किसी सभ्य जाति को नहीं भी मिलता, तो भी बुरे से बुरा क्या होता. डी.एन.ए के ये धागे शायद किसी जीने योग्य ग्रह पर लैंड कर जाते और वहां एक नए जीवन को जन्म देते. हालांकि यह काफी दूर परे की कल्पना है. इस बात से मेरे दिमाग में यह ख्याल आ रहा है कि कहीं धरती पर हमारा जीवन भी इसी प्रकार तो शुरू नहीं हुआ? किसी ने स्पेस में डी.एन.ए भेजा और उसमें से कुछ धरती तक पहुंच गया.”

“लेकिन इन लोगों की हिम्मत की दाद देनी पड़ेगी कि इन्होंने उनको वयस्क इंसानों तक परिपक्व होने देने का फैसला किया - जबकि वे यह भी नहीं जानते थे कि वे खाते क्या होंगे!” रायन ने कहा.

“बिल्कुल ठीक, और साथ ही हमें इस बात का भी एहसास होना चाहिए कि यह पूरा मिशन कितनी सारी संभावनाओं पर निर्भर था. 100 सालों तक इंतजार करने के बाद धरती पर एक सिग्नल प्राप्त करने का चांस, उसे पहचानने और समझने का चांस, अंतरिक्ष की अनंत गहराइयों में एक प्रोब को ढूंढने का चांस, इंसानी बच्चों को पालने का चांस - यह सब कुछ बिल्कुल एक सपने के सच होने जैसा लग रहा है. कुल मिलाकर यह एक वैज्ञानिक का सपना है!” डॉक्टर ने कहा.

“चलो देखते हैं इनके पास कहने के लिए और क्या है. तो फिर चलें?”

अपने-अपने सूट पहनते हुए वे वापस हॉल में आ गए. कुछ मिनटों बाद किफरविस भी वापस लौट आए.

“अब तक तुमने हमें जो कुछ भी बताया है वह सब कमाल का है, राइ-हीजा,” अनारा ने अपनी बात शुरू की. “तुमने दोबारा संपर्क बनाने का निर्णय कब लिया और इसके लिए कोशिश कब शुरू की?”

“देखो कैप्टन, हमने यह महसूस किया कि जो प्रोब हमें मिला था, उसके जैसे और भी हो सकते थे और जिसने उन्हें भेजा, वे लोग दूसरे सिग्नल भी जरूर भेज रहे होंगे. इसलिए हमने सिग्नल पकड़ने की कोशिशों पर ध्यान देना शुरू किया. हमने इसके लिए अलग से एक टीम बनाई. जो टेलिस्कोप तुमने ग्रह पर देखा, वह हमीं ने बनाया था. मेरे अपने ग्रह का सिस्टम ज्यादा दूर सिग्नल नहीं भेज सकता था, क्योंकि वहां मौजूद इलेक्ट्रोमैग्नेटिक किरणें हमें लंबी दूरी के संचार की अनुमति नहीं देतीं.”

इतना कहकर वह एक क्षण के लिए रुका. “हम इस ग्रह हुज़रिस के बारे में जानते थे, लेकिन यह हमारे रहने के लिए उपयुक्त नहीं था. यहां की हवा शुष्क है, यहां गर्मी कम है और हमारी जरूरतों के हिसाब से यहां पानी भी बहुत कम है. लेकिन क्योंकि यह धरती के ज्यादा नजदीक था, इसलिए हमने यहां अपना एक स्टेशन बनाया और सिग्नलों को ढूंढने की कोशिश शुरू की. इसमें बहुत साल लग गए लेकिन आखिरकार हमें एक दूसरा सिग्नल मिला. हमने उसके संदेश को समझा और प्रोब पर उपलब्ध डेटा और सिग्नलों की मदद से तुम्हारे ग्रह को ढूंढने की कोशिश की. हमने तुम्हारे सोलर सिस्टम में कई बार देखा था, लेकिन वहां हमें कोई भी रहने लायक ग्रह कभी नजर नहीं आया. सिर्फ एक बड़ा ग्रह दिखता था, जिसका अधिकतर हिस्सा गैसों का बना हुआ है. हमें इस बात का संदेह तो था कि वहां और भी ग्रह हो सकते हैं, लेकिन हमें कोई प्रूफ नहीं मिला.”

“वही समस्या जो हमारे सामने थी, अलग सोलर सिस्टम,” डॉक्टर लियान ने टिप्पणी की.

“तुम्हारा क्या मतलब है,” राइ-हीजा ने पूछा.

“यही समस्या धरती पर हम लोगों के सामने आ रही थी, जब हम दूर दराज के सोलर सिस्टम में ग्रहों की खोज कर रहे थे. आप उन्हें सीधे नहीं देख सकते. सिर्फ उनके मूवमेंट और मुख्य सितारे पर प्रभाव के आधार पर उनकी कल्पना कर सकते हैं. इस ग्रह प्रॉक्सिमा बी को ढूंढने और इस पर जीवन की संभावनाओं की पहचान करने में हमें 10 साल लग गए. यह काफी छोटा है. अभी भी हमें विश्वास है कि अल्फा सेंचुरी डबल स्टार सिस्टम में जरूर कुछ ग्रह मौजूद हैं. इस यात्रा में मैं उन्हें देख पाने की उम्मीद कर रही थी, लेकिन अब तक हमें जो भी डेटा



मिला है उसका विश्लेषण करने का मुझे समय ही नहीं मिला.”

“तुम हमारे स्टार सिस्टम राइ-कीया की बात कर रहे हो. वहीं तो हमारा घर किफरविस है. वहां दो सूर्य और 5 ग्रह हैं, हम वहीं से आए हैं.”

“और संचार में आने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक किरणों की समस्या इन दो सूर्यों के कारण ही है,” रायन ने उसकी बात पूरी की.

“एक मिशन में दो रहने लायक ग्रहों की खोज!” डॉक्टर लियान उत्साह से चिल्ला ही पड़ी. “यह तो अविश्वसनीय है!” अनारा ने भी उनके इस उत्साह में उनका साथ दिया, लेकिन अभी राइ-हीजा से अपनी एक और जिज्ञासा का समाधान करना बाकी था.

“तुमने इन इंसानों को इस ग्रह पर क्यों भेजा, राइ-हीजा? यह तो ऐसा है जैसे तुम ने इन्हें देश निकाला दे दिया?”

“देश निकाला?” अनुवाद का इंतजार करते हुए राइ-हीजा ने दोहराया. “नहीं, यह इनकी अपनी सुरक्षा के लिए था. जैसे जैसे हमें और बातें पता चलीं और हमें यह एहसास हुआ कि हम धरती के इतना करीब हैं, वैसे वैसे विरोधी गुप्तों का विरोध भी बढ़ता गया. हमारे यहाँ लोगों का एक गुप्त है जो अपने आप को टूकिफ कहते हैं. उन्होंने एलियनों से संपर्क के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन और विरोध करने शुरू कर दिए.

जिस सुविधा में इंसानों को रखा गया था उन्होंने उस पर हमला किया और उसे नष्ट कर दिया. तब यह निर्णय लिया गया कि इन इंसानों को सुरक्षित रखने और इन्हें प्राकृतिक तरीके से जीने देने के लिए हुज़रिस पर शिफ्ट कर दिया जाए.”

“लेकिन फिर टूकिफों ने उन्हें ढूँढ लिया,” अनारा ने कहा.

“हां, लेकिन उनके पास हुज़रिस तक आने और इन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए कोई शिप नहीं था.”

“अभी तक,” अनारा ने उसकी बात पूरी की.

“हां, अभी तक,” राइ-हीजा ने हामी भरी.

“उन्होंने हमारे तीन शिपों में से एक चुरा लिया और यहां आकर तुम्हारी राह में रोड़े अटकाने की कोशिश की. हमने एक शिप को पहले ही हुज़रिस पर भेज दिया था, ताकि ये इंसान तुम्हें यहां ला सकें. और अपने आखिरी शिप से हम लोग यहां आए हैं.”

सब चीजों को सुनने के बाद कैप्टन विचारों में डूब गई. अब सारा दारोमदार उसके हाथ में था. तीनों शिप उसके नियंत्रण में थे. उसे बहुत सावधानी से आगे की कार्यवाही करनी थी. “तो अब तुम क्या कहते हो, अब हमें क्या करना चाहिए, राइ-हीजा?” उसने पूछा.

“यह मेरे ग्रह के लोगों के लिए एक महान क्षण है. मुझे यहां टूकिफों को तुम्हें हानि पहुंचाने से रोकने और तुम्हें एक बड़ी सभ्यता का हिस्सा बनने के लिए हमारे ग्रह तक ले जाने के लिए भेजा गया है.”

“यह हमारे लिए सम्मान की बात होगी. जरा सोचो, ब्रह्मांड का एक छोटा सा कोना और दो सभ्यताएं एक दूसरे के इतना नजदीक फल-फूल रही हैं. लेकिन अभी भी कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिनका हमें हल निकालना है. यह जो दूसरे यहां मौजूद हैं इनका क्या किया जाए? जब हम किफरविस पर जाएंगे तो हम यहां किसी को ऐसे नहीं छोड़ सकते.”

“ये लोग हमारे साथ आएंगे, कैप्टन. इन्होंने जो किया है उसके लिए इन्हें सजा मिलेगी. हम अभी भी यह नहीं जानते कि इनके नेता कौन हैं और शायद ये लोग हमें उनके बारे में कुछ बता पाएं. मैं यह तुम पर छोड़ता हूं कि यह काम कैसे किया जाए.”

अनारा ने रायन की ओर देखा और उसे अपने पीछे आने का इशारा किया. वहां से वे शेल्टर में गए और उन्होंने शिप से संपर्क किया. “तुमने सारी बातें सुनी होंगी, मेजर. तुम्हारा क्या विचार है?”

“हमारे पास ज्यादा चाँइस नहीं है, कैप्टन. हमारे पास एक ही शिप है. मेरे खयाल से हमें राइ-हीजा की सलाह मान लेनी चाहिए. लेकिन हम सब के वहां जाने की बजाए मेरे खयाल से सिर्फ मुझे और आपको वहां जाना चाहिए. ‘अंतरिक्ष’ यहीं रहेगा और सारी चीजों की निगरानी करेगा. हम बाकी दोनों शिपों को भी अपने कंट्रोल और निगरानी में रखेंगे ताकि वहां से हमारी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित हो सके.”

“हम यह मानकर चल रहे हैं कि वह सच बोल रहा है कि उनके पास केवल तीन ही शिप हैं. लेकिन अगर उनके पास और हुए और उनमें से एक फौजियों से भरा सीधा हमारी ओर बढ़ रहा हो तो?”

“यह एक चांस है जिसे हमें लेना ही होगा. आप इस बात को ऐसे सोच कर देखें हमें यहां रोक कर या हम पर दोबारा हमला करके क्या प्राप्त होगा?” मेजर ने कहा.

“रायन?”

“मैं सहमत हूँ. हालांकि मुझे उनके ग्रह पर जाने और उसे देखने में बहुत खुशी होती, लेकिन सुरक्षित रास्ता यही है,” उस ने सीधे शब्दों में जवाब दिया.

“कैप्टन, मुझे साथ ले जाना मत भूलना,” डॉक्टर लियान ने बीच में हस्तक्षेप किया. “हो सकता है हमें इस ग्रह को दोबारा देखने का मौका कभी न मिले. चाहे मैं अपने उपकरण वहां नहीं भी ले जा सकती, तो भी मैं समीक्षा कर सकती हूँ और अपनी रिपोर्ट दे सकती हूँ.”

अनारा ने सर हिलाया, लियान का जाना महत्वपूर्ण था. “ठीक है. तो अब यह निर्णय हो गया. हम इस बुलावे को स्वीकार करते हैं और वहां जाते हैं. माधवन, मुझे उम्मीद है कि जब तक हम वापस आएंगे तुम्हारा शिप पूरी तरह तैयार हो चुका होगा. अब समय आ गया है कि हम अपनी वापसी यात्रा की तैयारी शुरू कर दें.”

“मेरा अधिकतर काम पूरा हो चुका है, कैप्टन. हम ज्यादा से ज्यादा दो या तीन दिनों में पूरी तरह तैयार हो जाएंगे.”

“ठीक है. तो हम यह काम खत्म करते हैं और फिर हम घर वापस जाएंगे. और मेजर, तुम प्लीज़ उस परमाणु उपकरण को निरस्त करने के काम को संभालना. मैं नहीं चाहती कि जब मैं वापस आऊँ तो किसी के सर्किट में पैर उलझ कर उस पर गिर जाने के कारण इस ग्रह को उड़ा हुआ पाऊँ!”

## 2117 – जुड़वां सूर्य

-----[-]-----

किफरविस तक की यात्रा आश्चर्यजनक रूप से छोटी थी. उन लोगों द्वारा धरती से हुज़रिस तक पहुंचने में बिताए गए कई महीनों की तुलना में इसकी दूरी काफी कम थी और किफरविस के शिप में अंतरिक्ष की तरह FTL तकनीक न होने के बाद भी शिप काफी तेज उड़ रहा था. जब वे पहली बार अल्फ़ा सेंटॉरी सिस्टम के अंदर घुसे तो वहां के नजारे को देखकर अनारा विस्मित रह गयी. वहां के दोनों सूर्य चमकते हुए एक ऐसा भव्य दृश्य पेश कर रहे थे, जो उसने पहले अपने जीवन में कभी नहीं देखा था. किफरविस ग्रह अपने आप में एक अजूबा था, जहां धरती से कहीं ज्यादा नीला और हरा रंग बिखरा हुआ था.

यह एक ट्रॉपिकल स्वर्ग के समान था जो साफ तौर पर रेंगने वाले प्राणियों के जीवन के लिए पूरी तरह उपयुक्त था. अब वह अच्छी तरह समझ सकती थी कि इन लोगों के लिए हुज़रिस पर रहना कितनी बड़ी समस्या हो सकती थी. उनका शिप धीमी स्पीड पर ग्रह पर पहुंचा जिससे उन्हें वहां के शहरों का अच्छा खासा नजारा देखने को मिला. वहां की बिल्डिंगें नीची और अलग अलग आकारों की थीं और साथ ही सड़कों से ज्यादा जलमार्ग थे. उसने बहुत लंबे समय से इतनी शांतिपूर्ण जगह नहीं देखी थी. शिप पर बिताए पिछले कुछ दिनों में उन्होंने किफरविस के लोगों के साथ अपनी दोस्ती को काफी मजबूत कर लिया था.

उनकी सरकार एक लीडर वाली ठेठ राजशाही सरकार थी, लेकिन जिस एक बात से उन्हें सबसे ज्यादा हैरानी हुई वह थी कि इन लोगों में कोई लिंग भेद नहीं था. वे उभयलिंगी थे. यह डॉक्टर लियान के लिए एक बड़ा सरप्राइज था. उसने इस विषय पर रिसर्च करते हुए कई घंटे बिताए थे और उसके पास नोट्स की भरमार थी. अपने चारों ओर स्पेस के अवलोकन के लिए उसे एक डिस्प्ले पोर्ट तक एक्सेस भी उपलब्ध कराया गया था. उनकी लैंडिंग तक कुछ खास नहीं हुआ, लेकिन डिस्कैट की सीट तक की यात्रा के दौरान तो उन्हें ऐसा महसूस हुआ मानो वे कोई सेलिब्रिटी हों.

जलमार्ग के दोनों तरफ लाखों लोगों की भीड़ जमा थी, जो अपने ग्रह पर कदम रखने वाले पहले एलियनों को देख कर अचंभित से और या तो हाथ हिलाकर उनका अभिवादन कर रहे थे या हैरानी से मुंह बाएं उन्हें देख रहे थे. सीट एक विशाल, गहरे रंग की बिल्डिंग थी जो जलमार्ग से कुछ मीटर ही दूर थी. पूरा दल उसके अंदर पहुंचा और वहां से वे एक केंद्रीय हॉल में पहुंचे, जहां पानी के तालाबों के बीच में सैकड़ों प्रतिनिधि बैठे हुए थे. बीचों-बीच एक ऊंचे मंच पर एक खाली सिंहासन जैसी सीट रखी हुई थी. धरती के लोगों के लिए यह नजारा काफी अजीब था, जो एक भव्य महल जैसी सज्जा की उम्मीद कर रहे थे. राइ-हीजा ने उन्हें उनके स्थानों पर बैठाया और दो लोगों को उनकी मदद के लिए उनके पास छोड़ दिया.

राइ-हीजा को उस मंच पर चढ़ते और उस सबसे ऊंची सीट पर जाकर बैठते देख अनारा की हैरानी की सीमा न रही. यह किफरविस का सबसे बड़ा नेता था! कोई हैरानी की बात नहीं कि इसीलिए हर कोई उसकी बात मान रहा था और सारी बात भी उसी ने ही की थी. राइ-हीजा ने बोलना शुरू किया और उसके अनुवादक यंत्र से आती हुई उसकी आवाज पूरे हॉल में गूंजने लगी.

“सबसे पहले मैं किफरविस के लोगों की ओर से धरती के लोगों का स्वागत करता हूं. आज हमारा एक सपना पूरा हुआ है और हमने अपने ग्रह के इतने नजदीक नए दोस्त पाए हैं. उनकी यात्रा की कहानी हम सब जानते हैं और हमारे कुछ लोगों के कारण उन्हें जो परेशानियां झेलनी पड़ीं, उनके लिए मैं उनसे माफी चाहता हूं.” यह एक सच्चा राजनीतिज्ञ बोल रहा था, अनारा ने सोचा, बिल्कुल धरती जैसा ही. ‘तुम्हारे नेताओं के संदेश की ही तरह हम भी तुम्हारी तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाते हैं और उम्मीद करते हैं कि अपने लोगों के लिए हम मिलकर काम कर पाएंगे.”

यह सुनकर हॉल में एक तूफान जैसी आवाज गूंजने लगी और अनारा बुरी तरह घबरा गई. लेकिन अगले ही पल उसे एहसास हुआ कि यह उनका खुशी जाहिर करने का तरीका था. उसकी सहायता के लिए खड़े दो लोगों में से एक ने उसे इशारे से खड़ा होने का संकेत किया. अनार उठ कर खड़ी हो गई. अपने इस भव्य स्वागत से अभिभूत होकर उसने अपने सिर को हल्का सा झुका कर सब लोगों का अभिवादन किया. रस्म पूरी होने के बाद जब वे शहर के चारों ओर घूम रहे थे, राइ-हीजा ने अपनी असली पहचान उनसे छुपाने के लिए क्षमा मांगी.

“तुम्हारे लोगों को समझने के लिए मुझे यह करने की ज़रूरत थी. ऐसा संभव नहीं हो पाता अगर तुम्हें पता चल जाता कि किफरविस की सुप्रीम पावर मैं हूँ. मैं बहुत खुश हूँ कि हम ने आखिरकार सारे मतभेदों को सुलझा

लिया है. अब अगर हम मिलकर एक गठबंधन बना पायें तो यह हमारे लोगों के लिए काफी अच्छा रहेगा. ब्रह्मांड एक बहुत विशाल जगह है. हम किफरविस लोगों ने अभी सिर्फ चलना शुरू किया है. हमारे शिप निकट भविष्य में दूसरे ग्रहों पर पहुंचने के लिए तैयार नहीं हैं. प्रोब के साथ पिछली यात्रा हमारी क्षमताओं की सीमा थी.”

“मैं समझती हूँ, सर,” अनारा ने कहा. “काश मैंने तुम लोगों को बंधक बनाकर न रखा होता. लेकिन तुम एक सच्चे नेता हो, बिल्कुल हमारे प्रधानमंत्री की तरह. काश मैं तुम्हारे जैसे और लोगों से मिल पाती.”

“हम नहीं जानते कि अब हम दोबारा कब मिलेंगे कैप्टन, लेकिन तुम्हारे लिए यहां एक दोस्त हमेशा मौजूद रहेगा.”

“सब चीजों के लिए शुक्रिया राइ-हीजा. हालांकि मैं चाहती थी कि इन सूटों से बाहर निकलकर तुम्हारे ग्रह को देख पाऊं. उम्मीद है कि तुम भी जल्दी ही धरती की यात्रा पर आओगे.”

“यह काफी मुश्किल हो सकता है अनारा. टूकिफों को ट्रायल के लिए लाया गया है, लेकिन हम अभी तक उनके नेताओं को पकड़ने में सफल नहीं हो पाए हैं. उनके साथियों ने पूरे ग्रह पर उथल-पुथल मचा रखी है. इससे पहले कि डिस्कैट मुझे धरती तक यात्रा करने जैसे किसी काम की अनुमति दें, मुझे इस सब से निपटना है. लेकिन हम एक दूसरे को संदेश अवश्य भेज सकते हैं और शायद एक दिन हमारी यह इच्छा भी पूरी होगी,” उसने उदास मन से कहा. अनारा ने सर हिलाया. वह मन ही मन सोच रही थी कि न जाने भविष्य के गर्भ में उनके लिए क्या छुपा था.

## 2117 – वापसी

-----[-]-----

वापसी यात्रा का समय पूरी टीम ने किफरविस लोगों की मेजबानी के बीच आराम करने और बीते दिनों की नींद पूरी करने में बिताया. इतने दिनों की भाग दौड़ के बाद जब वे हुज़रिस पर वापस उतरे तो उन्होंने अंतरिक्ष और दूसरे शिपों को वैसा ही पाया जैसा वे उन्हें छोड़ कर गए थे. इस बार ग्रह पर पहले से कहीं ज्यादा मुस्कराते हुए चेहरे थे.

कुछ किफरविस भी उनके साथ वापस आए थे. जब उन्होंने लैंड किया तो रायन और डॉक्टर खान ने उनका अभिवादन किया. “तुम्हें वापस देख कर खुशी हुई, कैप्टन,”

अनारा पलट कर मुस्कराई. “मेरे विचार से बीते दो हफ्तों में इंसानियत ने जितनी उन्नति की है, उतनी वह शायद पिछली कई पीढ़ियों में भी नहीं कर पाई थी. आखिरकार अब मेरा एक पेन पाल है जो मुझ से 4 प्रकाश वर्ष दूर रहता है!”

सब लोग हंस पड़े. पिछले कुछ दिनों का सारा तनाव सूर्य की मध्यम रोशनी में जैसे घुल गया था. जो, लूसी और कुछ अन्य हुज़रिस आगे आकर उनमें शामिल हो गए.

“अब आगे के लिए क्या सोचा है, कैप्टन अनारा?”

“पहले मुझे बच्चे के बारे में बताओ, लूसी!” वह उतनी ही खुश दिखाई दे रही थी, जितनी एक होने वाली मां हो सकती थी.

“सब कुछ ठीक है. डॉक्टर ने मुझे सब कुछ बता दिया है और मेरे ख्याल से मैं तैयार हूँ,” उसने शर्माते हुए कहा.

“सब कुछ कंट्रोल में है, कैप्टन. मुझे किसी प्रकार की कोई परेशानी नजर नहीं आ रही है और यह बच्ची कुछ ही महीनों में हमारे बीच होगी.”

“यह सुनकर मेरी सारी चिंता दूर हो गई है और अब मैं तुम्हारे लिए बहुत खुश हूँ. तुम्हारा बच्चा धरती पर सेलिब्रिटी बन जाएगा!” हुज़रिस लोगों ने एक दूसरे की ओर देखा. उनके चेहरों से मुस्कराहट गायब हो गई थी.

“कैप्टन, तुम्हारा क्या मतलब है? अब हमारे साथ क्या होगा?”

“मैंने इस बारे में काफी सोचा है जो और मैंने राइ-हीजा से इस बात की अनुमति भी ले ली है. मैं तुम सबको वापस धरती पर ले जाना चाहती हूँ - अगर तुम्हारी इच्छा हो तो! हालांकि अगर तुम यहीं रहना चाहते हो तो राइ-हीजा तुम्हारी सुरक्षा की गारंटी लेते हैं. वे सिर्फ इतना चाहते हैं कि जब तक वे किफरविस पर यह सारा मामला सुलझाते हैं, तब तक तुम यहीं हुज़रिस पर रहो.”

इस प्रस्ताव को सुनकर हुज़रिस लोगों ने चैन की सांस ली. उन्होंने एक दूसरे की ओर देखा और जो आगे

बढ़कर अनारा के पास आ गया। “पिछले कुछ दिनों से हम इसी बारे में बात कर रहे थे, कैप्टन. हम यहीं पले-बढ़े हैं और हमारे लिए यही घर है. इसलिए हमने निश्चय किया है कि हम यहीं रहेंगे. केवल इतना होगा कि यह जगह अब स्पेस में पहली इंसानी कॉलोनी बन जाएगी,” जो ने कहा.

“मैं तुम्हारे निर्णय का पूरा सम्मान करती हूँ,” अनारा ने जवाब दिया.

“लेकिन हमारी एक रिक्विस्ट है.”

“जो तुम चाहो.”

“हम चाहते हैं कि हमारा पहला बच्चा धरती पर पले. कुछ समय बाद वह चाहे तो हमारे पास वापस आ सकती है, लेकिन फिलहाल के लिए हम चाहते हैं कि वह धरती के आश्चर्यों को देखे और उसकी आंखों से हम भी वह सब देख लेंगे,” जो ने कहा. उसकी आंखें आंसुओं से डबडबा रही थीं. “प्लीज, लूसी और मुझे अपने साथ ले चलो.”

“क्यों नहीं, जरूर. हमारे पास शिप पर बहुत जगह है और कौन जानता है कि शायद हम लोग धरती पर तुम्हारे असली परिवार को ढूंढने में भी सफल हो जायें. वास्तव में अब जबकि हमारे पास तुम्हारे प्रोफाइल मौजूद हैं तो हम तुम सब लोगों के परिवारों का पता लगा सकते हैं. मुझे पूरा यकीन है कि कुछ समय में वे लोग भी जरूर यहां आकर तुम से मिलेंगे.”

“तो अब मेरे ख्याल से अपनी वापसी यात्रा शुरू करने के लिए इससे बढ़िया टाइम और कोई नहीं हो सकता. आओ लूसी, हमें धरती तक वापसी की यात्रा की तैयारी करनी है.”

और कुछ घंटे बाद ‘अंतरिक्ष’ प्रॉक्सिमा बी सिस्टम से विपरीत दिशा में बढ़ता जा रहा था - सवा दो एक्स्ट्रा लोगों के साथ, जो सीधे डॉक्टर खान की केयर में थे! ऑपरेशन सेंटर में सारा सीनियर ग्रुप जंप की तैयारियों में लगा हुआ था.

“नारद, उम्मीद है तुमने रास्ता प्लान कर दिया होगा. कोई और समस्या?”

“नहीं कैप्टन, सारे सिस्टम फर्स्ट क्लास हैं,” माधवन ने बताया.

“पहले जंप के दौरान मैं लेफ्टिनेंट के साथ रहूंगी, जस्ट इन केस! तो हमारी पहली यात्रा यहीं समाप्त होती है,” अनारा ने अपने कू की ओर गर्व से देखते हुए कहा, जिन्होंने अज्ञात यूनिवर्स में एलियनों से पहले इंसानी संपर्क को सफल बनाने में कोई कसर नहीं उठा रखी थी. यह ऐसी यात्रा थी जिसे कोई नहीं भूल पायेगा.

“मैं बेसब्री से धरती पर वापस पहुँचने का इंतज़ार कर रही हूँ....बस कुछ ही हफ्तों में!”

## उपसंहार

-----[-]-----

चेयरमैन का पॉड गांव से कुछ दूरी पर बिना कोई आवाज़ किए आकर लैंड हुआ. एक लंबी आकृति जो कुछ दूरी पर इंतजार कर रही थी, तेजी से पॉड की ओर बढ़ी. यह चेयरमैन किफरविस के सबसे बड़े और ताकतवर बिजनेस हाउस का मुखिया था. पिछली कई पीढ़ियों से ये लोग खानदानी रईस थे और कुछ ही साल पहले इसे संभालने का भार उसके कंधों पर आया था.

यह पारिवारिक बिजनेस अब तक जिस तरह चलता था, उसने उसे पूरी तरह बदल दिया था. अब उसका उद्देश्य केवल पैसा नहीं बल्कि ताकत पाना था.

“मुझे बताओ क्या हुआ?” चेयरमैन ने पूछा.

“लूसी माँ बनने वाली है,” जिम ने जवाब दिया. यह इंसानों के प्रजनन करने का तरीका है. वह और जो शिप पर उनके साथ गए हैं.”

“राइ-हीजा का दिमाग खराब हो गया है. उसे किसी को भी वापस नहीं जाने देना चाहिए था. उनके शिप को नष्ट न करके मैंने बहुत बड़ी गलती की है. हमें धरती के लोगों तक साफ़-साफ़ यह संदेश भेजना चाहिए था कि वे हम से उलझने की कोशिश न करें. अपनी ताकत दिखाने का यही तरीका है. मुझे अपने लोगों को ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए ज्यादा ताकत की जरूरत है!” अपने विशेष क्रूर अंदाज़ में चेयरमैन गुर्गिया.

“हाँ. ‘मैं समझ सकता हूँ. लेकिन क्या तुम हुज़रिस पर हम लोगों की देखभाल करोगे? तुम हमें किफरविस वापस लेकर जाओगे?”

“हां, बिल्कुल. राइ-हीजा ने तुम्हें उस ग्रह पर छोड़ कर तुम्हारे साथ बहुत गलत किया है. तुम्हें डिस्कैट में एक सीट का इनाम दिया जाएगा. उस सीट पर बैठने वाला पहला इंसान! धरती से आया एक इंसान लेकिन जो किफरविस के लिए समर्पित है, और खासतौर से मेरे लिए! ट्रूकिफ लोगों की जीत अवश्य होगी! हां तो अब,” खुद को थोड़ा शांत करने की कोशिश करते हुए चेयरमैन ने आगे कहा, “क्या तुम्हें उस हथियार की सारी डिटेल मिल गई जो धरती के लोगों ने ग्रह पर लगाया था - वह थर्मोन्यूक्लियर उपकरण? यहां हमारे पास जितने भी हथियार हैं यह उन से सौ गुना ज्यादा शक्तिशाली है और यह हमारे दुश्मनों को हिला कर रख देगा!”

“ये सब मेरे पास है,” जिम ने कहा और डेटा उसे थमा दिया.

“हाँ! हाँ! अब मेरा बदला पूरा होगा! अब मैं धरती को नष्ट कर दूंगा!!”

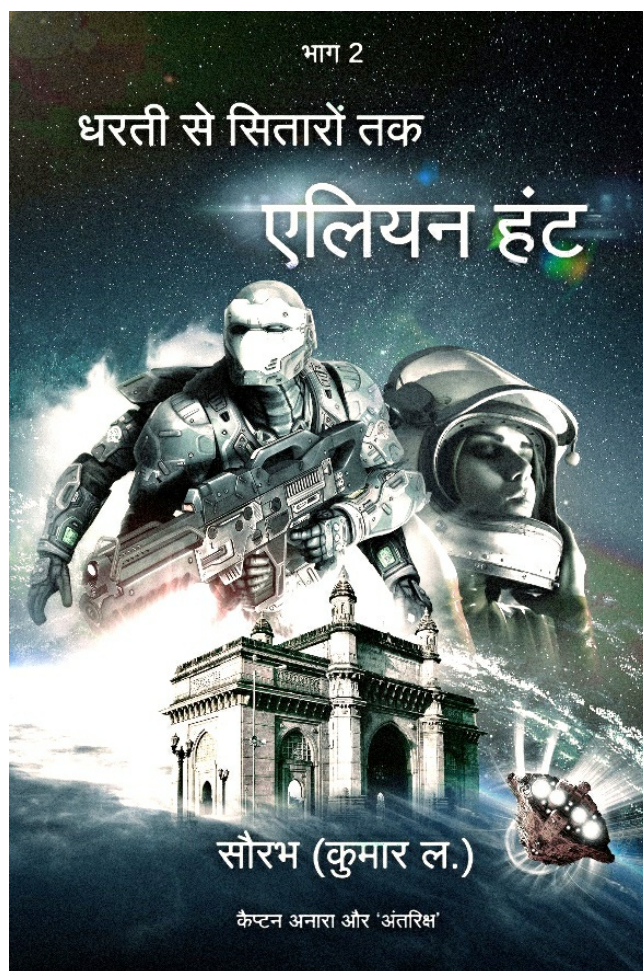
अगर आपको यह कहानी पसंद आई तो कृपया अमेज़न पर अपना बहुमूल्य सुझाव और प्रतिक्रिया देना न भूलें.  
[www.amazon.in](http://www.amazon.in)

धन्यवाद!

-----[-]-----

भाग 2

## धरती से सितारों तक: एलियन हंट



साल है 2118. धरती से इंटरस्टेलर स्पेस का पहला सफर पूरी तरह सफल रहा है, लेकिन सब इस बात से अनजान हैं कि वॉयेजर 1 प्रोब के साथ भेजे गए विस्फोटक रहस्य का नतीजा कितना खतरनाक साबित होने वाला है.

अपने स्पेसशिप 'अंतरिक्ष' के साथ कैप्टन अनारा और उनका कू धरती की ओर वापस लौट चले हैं. पर उनके पीछे किफरविस ग्रह पर गृह युद्ध छिड़ गया है. एक गुप्त संदेश से अनारा को धरती पर दुश्मनों के जासूसों के भेजे जाने की चेतावनी मिलती है. उनके मिशन के बारे में तो उसे कुछ नहीं पता, लेकिन वह इतना ज़रूर जानती है कि उनके इरादे नेक नहीं हैं. तारों के बीच होने वाले इतिहास के पहले युद्ध को रोकने के लिए उसके पास सिर्फ कुछ दिनों का समय है – एक ऐसा युद्ध, जो धरती पर मनुष्य की कल्पना से कहीं बढ़कर तबाही ला सकता है.

अब शुरू होती है – अनारा के कू और 'नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी' (NIA) द्वारा मुम्बई मेगासिटी की गलियों में

आज तक की सबसे बड़ी खोज. दुश्मन के षड्यंत्र का पता लगाने के लिए समय के साथ दौड़ लगाते हुए उन्हें एक देशद्रोही का पता चलता है. और इसके साथ ही संदेह के घेरे में आ जाती है - खुद अनारा. 3 करोड़ से भी ज्यादा लोगों के साथ-साथ एक अनोखी, मासूम जिंदगी की सुरक्षा का भार भी अब अनारा के कंधों पर है.

धरती के संभावित वास्तविक भविष्य की कल्पना पर बुने गए ताने-बाने पर आधारित यह टेक्नो-थ्रिलर नॉवल आपको रहस्य और रोमांच की रोंगटे खड़े कर देने वाली एक ऐसी दुनिया में ले जाता है, जो जल्द ही हकीकत में बदलने का दम रखती है.

-----[-]-----